

्रप्राधिकार से प्रकाशित ₹७६८ऽम€० ६७ ४०७ स०८८ ।

सं० 1 5 🕽

नई पिल्ली, शनिवार, अप्रैल 9, 1983 (चैत्र 19, 1905)

No. 15]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 9, 1983 (CHAITRA 19, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# माय III—खण्ड । [PART III—SECTION 1]

उन्तर न्यायात्रयों, त्रियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

् संघ लोक सेवा आयोग नहर् विल्ली-110011, दिनांक 2 मार्च 1983

सं. ए. 32013/4/82-प्रशा.-।।— इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए. 32013/2/80 प्रशा. ।। दिनांक 10-12-1982 में आंशिक आशोधन करते हुए अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा सर्वश्री एस. पी. बंसल, बी. आर. गुप्ता और एस. सी. मस्ताना (अ. जा.) अधीक्षक (त. सं.) तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक नियंत्रक (त. सं.) को 22-2-1983 से आगामी आदोशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त. सं.) के पद पर नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

य . रा . गांधी अवर सिचव कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नइ दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1983

सं. ए 32012/1/81-प्रशा -।।—संघ लोक सेवा आयोग की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 24 नवम्बर, 1982 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतव्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थामी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री के आर. पी. नायर को 1—16GI/83

19-2-1983 से 31-7-1983 तक की अविधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में विशोध कार्य अधिकारी (भाषाएं) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

आई. सी. कम्बोज अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नर्षं दिल्ली-110011, विनांक 11 मार्ष 1983

सं ए. 32014/1/82-प्रशा. ।।—इस कार्यालय की समसंस्थक अधिसूचना सं. 32014/3/80-प्रशा. ।। दिनांक 16-12-1982 में आशिक आशोधन करते हुए सचिव, संज लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा निम्निलिशित अधिकारियों को 15-2-1983 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अधीक्षक (तथ्य संसाधन) के उन्नत किए गए पदों (रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200) पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री एम. एम. शर्मा
- 2. श्री जगदीश लाल
- 3. श्रीमती डी. जे. लालवानी
- 4. श्रीमती राज संठी

- 5. कुमारी सुदर्शन हांडा
- 6 श्री बार आर भाववाज

आईं. सी. कम्बाज अनुभाग अधिकारी, कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

# केन्द्रीय सर्तकता अनुभाग नहीं दिल्लीं, दिनांक 10 मार्च 1983

सं 8 ई. पी. आर. एस. 600—शी एल. यगना-नारायणन, जो केन्द्रीय सर्तकताा आयोग में स्थायी वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर कार्यरत थे, का इसी आयोग में अनूसंधान अधिकारी के पद पर चयन होने पर उनको विनांक 25 फरवरी, 1983 अपराहन से वरिष्ठ निजी सहायक के पद से भार मुक्त किया जाता है।

> कृष्ण लाल मल्होत्रा अवर सचिव कृते केन्द्रीय आयुक्त

#### गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1983

सं. 6/2/82-एन. इ. -।।—-राष्ट्रपति, कमाण्डंट, उत्तर पृतीं पृतिस अकादमी बारापानी (यू. एम. एस. ए. इंटल्यू), मेघालय के पव को अप-ग्रेड कर उसे 2500-2750 रु. के वेतन मान में पृतिस महानिरीक्षक के रैंक का करने जो उक्त पद पर काम करने वाले व्यक्ति के लिए व्यक्तिक होवा: बार श्री आफ्ताब अहमद अली, आई. पी. एस. (मध्य प्रदेश 1955) को अप-ग्रेड किए गए कमाण्डेंट के पद पर 25-1-1983 से नियुक्ति का भी सहर्ष अनुमोदन करते हैं।

कुमारी नीरू नन्या उप.सचिव

# का एवं प्र. स् विभाग कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरा नर्इ दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1983

सं. ए-19035/1/81-प्रशा.-5—अधिसूचना सं. ए.22013/6/82-प्र.-5 दिनांक 29-9-1982 के ऋम में
निदंशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरिक्षक
विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री एस राममूरित को दिनांक
14-3-1983 से दिनांक 13-6-1983 तक की और अवधि या
नियमित रूप से पद के भर जाने तक, जो भी पहले घटित हो,
के लिए तदर्थ आधार पर कार्यालय अधीक्षक/केन्द्रीय अन्वेषण
क्यूरों के रूप में नियक्त करते हैं।

सं. ए-19035/1/82-प्रशा.-5—अधिसूचना सं. ए-22013/1/82-प्रशा.-5 दिनांक 1-1-1983 के कम में निद्रशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री उमाकान्त शर्मा को दिनांक 1-2-1983 से दिनांक 30-4-1983 तक की और अविध या नियमित आधार पर पद के भर आने तक, जो भी पहले वाटित हो, के लिए तदर्थ आधार पर कार्यालय अधीक्षक/ कन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर एस नागपाल प्रकासनिक अधिकारी (स्था) के. अ. क्यूर् महानिव शालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस वल

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1983

सं. ओ. दों. 1794/83-स्थापना—राष्ट्रपति डाक्टर विनावे शंकर दूबे को अस्थायी रूप से आगामी आदश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-।। (डी. एस. पी. कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 28 फरवरी, 1983 पूर्वाहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी सहायक निदोधक (स्थापना)

भारत के महारिजस्ट्रार का कार्यालय नई विल्ली-110011, दिनांक 16 मार्च 1983

सं० 10/30/81-प्रशा० I---राष्ट्रपति, निम्नलिखित वरिष्ठ भूगोलवेत्तात्रों श्रीर इस समय तदर्थ श्राधार पर कार्यरत श्रनु-संधान श्रधिकारियों (मानिचल)को उनके नामों के सामने दिशित कार्यालयों में तारीख 11 फरवरी, 1983 से ग्रगले ग्रादेशों तक पदोन्नति द्वारा श्रस्थाई रूप से नियमित श्राधार पर श्रनु-संधान ग्रिधकारी (मानिचल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

Ì
•

#### दिनांक 18 मार्च 1983

सं. 11/53/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, तिमलनाडु काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवा-निवृत अधिकारी और तिमलनाडुं, मद्रास में जनगणना कार्य निवंशक के कार्यालय में पुन: रोजगार के आधार पर संयुक्त निवंशक के पद पर कार्य-रत श्री टी. बी. श्रीनिवासन का सेवा से त्याग-पत्र तारीख 21 फरवरी, 1983 के अपराष्ट्न से मन्जूर करते हैं।

पी. पद्मनाभ भारत के महारीजस्ट्रार

#### श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

#### श्रम विभाग

#### श्रम ब्युरो

#### शिमला-171004, दिनांक 2 अप्रैल 1983

सं. 23/3/83-सी. पी. आई.—फरवरी, 1983 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य स्वकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1983 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर 500 (पांच सौ) रहा। फरवरी, 1983 माह का स्वकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 608 (छः सौ आठ) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निवोधक

# विस आयोग

# नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1983

सं. 8 वि. आ. 2(25)-ए/82—-राष्ट्रपति ने सरवार पटल आधिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद में आचार्य डा. अतुल गर्मा को 4 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से 31 अक्तूबर, 1983 तक 2500-3000 रु. के वेतनमान में 2500 रु. के वेतन पर आठवें वित्त आयोग में अल्पकालिक संविवा आधार पर आधिक सलाहकार के पव पर नियुक्त किया है।

सृखवासी लाल माथुर अवर सिचव (प्रशा.)

# भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखाप्ररीक्षक का कार्यालय नर्द दिल्ली-110002, दिनांक 15 मार्च 1983

सं. के. वा. ले. प./सी. ए. 1/60-70—सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदन निद्देशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा नर्द दिल्ली के कार्यालय में कर्यरत श्री विद्या सागर लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर 28-2-1983 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गये।

> एम ए. समिरवर राव संयुक्त निद्धाक (वाणिज्यिक)

#### कार्यालय, निवंशक लेखापरीक्षा,

#### केन्द्रीय राजस्व

#### नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 29 जनवरी 1983

सं. प्रशा. 11/1372—श्री विजय प्रताप को कार्यालय : महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व (अब कार्यालय : निवशेक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व) नई दिल्ली में दिनांक 22-12-1970 से उच्च श्रेणी लिपिक (जो अब लेखापरीक्षक कर दिया नया है) के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 27-1-1975 तक कीं छुट्टी संस्वीकृत की गई थी लेकिन उन्होंने छुट्टी समाप्त होने के बाद कार्यभार को फिर नहीं सम्भाला और वे 28-1-1975 से ड्यूटी से जानबूभ कर अनुपस्थित हैं। इस कार्यालय में उनके उपलब्ध पते पर उन्हें भेजे गए तभी पत्र डाक दिभाग के अधिकारियों द्वारा इस टिप्पण के साथ कि ''बिना पता बताये चले गए'' अवितरित वापिस किए गए।

अतः अब निगुक्तकर्ता अधिकारी की हैंसियत से अधी-हस्ताक्षरी इस सूचना के द्वारा ऊपर बताए गए श्री विजय प्रताप की सेवाओं को समाप्त करते हैं और उनका नाम इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से, पन्द्रह दिन के पश्चात् इस कार्यालय की नामावली से निकाल दिया आएगा।

> ह. अपठनीय कृतं संयुक्त निद्योगक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

#### नई दिल्ली-2, दिनांक 18 मार्च 1983

सं. प्रशासन-1/कार्यालय आदोश 621—श्वीमान निवोधक, लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नेलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 10-3-1983 पूर्वाह्न से अगले आवेश तक 840-1200 रु. के वेतनक्रम में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

沥.	सं.	नाम	,	
1 .	श्री अभान	त उल्लाह		

o of when the

2. श्री सुरिन्दर कुमार घवन

प्र. त्रिपाठी संयुक्त निवशिक ले. प. (प्र.)

# रक्षा लेखा विभाग

# कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 मार्च, 1983

सं० प्रभा०/1/1419/4/जि० I—निम्निलिखित ग्रिधिकारियों की, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीखों से भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' के किनष्ठ समयमान में पुष्टि कर दी गई है:—

	नाम		पुष्टि की तारीख
सं०		·	
1.	श्री म्रार० के० भ्रानंद		. 12-7-81
2.	श्री एस० एन० मिश्रा		. 21-11-81
3.	श्री एस० एस० मोहन्ती	•	. 14-1-82
4.	श्री ग्ररविंद राना .	•	. 12-12-81
5.	श्री एस० एल० सिंगला	•	. 12-7-81
6.	कुमारी श्रार <b>्गां</b> गुली	•	. 19-11-81
7.	कुमारी एस० तिवारी	•	. 17-11-81
8.	श्री विलोक चन्द .		. 14-7-81
9.	श्री पारस राम 🚦 .	٠	. 13-11-81
10.	श्री प्रेम लाल .	•	. 12-11-81
11.	श्री पी० पैरियास्वामी		. 20-8-81
12.	श्रीए० बी० मलिक .		. 20-8-81
13.	श्रीएम० कृष्णमूर्ति .		. 15-10-81
14.	श्रीपी० डी० मक्कड़	•	. 21-9-81
15.	श्री एस० के० चारी .		. 2-4-82
16.	श्री दुलारे लाल कनौजिया		. 3-6-82

ग्रार० के० मायुर रक्षा लेखा ग्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

#### रक्षा मंत्रालय

# महानिदेशालय, आर्डनैंस फैक्टरियां

#### श्रार्डनैस फैक्टरी बोर्ड

# नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1983

सं० 737/ई० वी०/जी० एन०/क्यू० धार०/ए०/डब्ल्यू०—पब्लिक प्रेमिसेज (एविक्शन धाँफ ध्रनग्रयाँराइज्ङ अकुपेन्ट्स) (एक्ट, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 के अंतर्गत प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए भारत के राष्ट्रपति महोदय नीचे दी गई सारणी के कालम 2 में उल्लिखित ध्रधिकारियों को, प्रत्येक के सामने कालम 3 में उल्लिखित ध्राईनैंस फैक्टरी का ध्रधिकारी होने के नाते, उक्त ध्रधिनयम के उद्देश्य से संपदा प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं जो प्रत्येक ध्रधिकारी के सामने कालम 3 में उल्लिखित फैक्टरी की सार्वजितक प्रेमिसेज के संबंध में उक्त सारणी के कालम 4 में निर्दिष्ट ध्रपने ध्रधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाध्रों में उक्त ध्रधिनयम द्वारा या के ध्रन्तर्गत संपदा ध्रधिकारियों को प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करेगा एवं कर्त्तन्यों का पालन करेगा। इस विषय पर जारी हुए सभी ब्रादेशों को यह ध्रादेश निष्प्रभावी करता है।

ऋं० सं∘	श्रधिकारी का नाम	फैक्टरी का नाम	सार्वजनिक परिसर की श्रेणियां तथा क्षेत्रा- धिकार की स्थानीय सीमाएं
1	2	3	4
1.	महाप्रबन्धक, उप—महाप्रबन्धक, ((प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०) सहायक निर्माण प्रबन्धक/प्रगा०	श्रार्श्रनेंस फैंक्टरी, मुरादनगर	संबंधित क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाभ्रों में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के भ्रंतर्गत परिसर ।
2.	महाप्रबन्धक, उप—महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०) सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	श्रार्डनैंस फैक्टरी, इटारसी -	<b></b> त्रही
	महाप्रबन्धक, उप–महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक, (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	श्रार्डनैंस केबल फैंक्टरी, चंडीगढ़	<b></b> वही
	हाप्रबन्धक उप–महाप्रबन्धक, (प्रणा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रणासन)	भ्रार्डनैंस फैंक्टरी, देहरादून	—बह <del>ी —</del>
	महाप्रबन्धक,उप–महाप्रबन्धक, (एशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	<b>धार्डनैंस फैक्टरी,</b> तिरुचिरापल् <b>ली</b>	—–त्रही <b></b>
	महाप्रबन्धक, उप–महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक, (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	न्नार्डनैंस फक्टरी, भुसावल	<del>—वही—</del>
7.	महाप्रबन्धक, उपमहाप्रबन्धक, (प्रणा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०)	तोप एवं गोला फैक्टरी, काशीपुर	वही <del></del>

1	2	3	4
8.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	भ्रार्डनैंस वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर	संबंधित क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाग्रीं में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के श्रंतर्गत परिसर
9.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक/ प्रशा०, सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	ब्रार् <mark>ड</mark> नैंस फैंक्टरी, ध्रम्बरनाथ	—-वही
10.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रधन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	लोहा एवं इस्पात फैक्टरी, ईशापुर	<b>-</b> —वही <b>-</b> —
11.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रबन्धक, (प्रगा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रगा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रगा०)	ब्रार्डनैंस फैक्टरी, खमरिया	वही
12.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	वाहन फैक्टरी, जबलपुर	~वही <b>-</b>
13.	महाप्रबन्धक, उप-महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	वस्त्र फैक्टरी, भ्रवादी	<del>व</del> ही- <del></del>
14.	महाप्रबन्धक, उप–महाप्रबन्धक, (प्रगा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रगा०), सहायक निर्माण प्रबंधक (प्रगा०)	काँडाईट फैक्टरी, भ्रष्यन्काड्	<del></del> वही <b></b> -
15.	महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक, 【(प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक 【(प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	श्रार्डनैंस फैंक्टरी, वरणगांव	वही
16.	महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक, (प्रणा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०)	श्रार्डनैंस फैक्टरी, भंडारा	<del></del> बही
17.	महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	<b>ग्रार्ड</b> नैंस फैंक्टरी, देहूरोड	<del></del> वही <del></del>
18.	महाप्रबन्धक, उप महाप्रवन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०) सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	<b>भ्रार्ड</b> नैस फैक्टरी, चन्दा	—वही <del>—</del>

1 2	3	4
19. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	हैवी वेहिकल्स फैक्टरी, ग्रवादी	संबंधित क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाध्रों में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक रक्षा मंत्रालय के ध्रंतर्गत परिसर ।
20. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक, (प्रणा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रणा०)	ं, तोप गाड़ी फैक्टरी, जबलपुर	<del>व</del> ही <b></b>
21. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	<b>श्रम्यु</b> निणन फैक्टरी, किरकी	<del>-</del> -वही <b></b> -
<ol> <li>महाप्रवन्धक, उपमहाप्रवन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रवन्धक, (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रवन्धक (प्रशा०)</li> </ol>	भ्रार्डनैंस फैक्टरी, कटनी	<del></del> बही <b></b>
<ol> <li>महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)</li> </ol>	भा <b>र्श्वनैंस फैक्टरी, भ्रम्बाझारी</b> -	~~बही <b>~~</b>
24. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक, (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	, ग्रार् <b>नैंस फैक्टरी, दमदम</b>	यही <b></b> -
25. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०) निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	े <b>भार्ड</b> नैंस उपस्कर फक्टरी, कानपुर	<b>−</b> -वही
26. महाप्रबन्धक, उप महाप्रबन्धक (प्रशा०), निर्माण प्रबन्धक, (प्रशा०), सहायक निर्माण प्रबन्धक (प्रशा०)	भार्डनेंस फैक्टरी, कानपुर	−-वहो ग्रस्वीन प्रम्,

ग्रस्वीन प्रमु, निदेशक/ए० डब्ल्यू०

# वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नहीं दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1983 आयात तथा निर्यात क्यापार नियंत्रण

# (स्थापना)

सं. 6/1138/76-प्रशासन राज/1715--सेवा निवृश्ति की आयु होने पर, श्री एच. आर. ऋषिराज, केन्द्रीय सिष-वालय सेवा के वर्ग-4 के अधिकारी और इस कार्यालय के स्थाना-पन्न नियंत्रक आयात और निर्यात को 28 फरवरी, 1983 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमित वी गई है।

सं. 6/847/68-प्रशासन 'राज'/1716—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एच. सी. यादव, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 28 फरवरी, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से मुक्त होने की अनुमति दी गई है।

सं. 6/609/60-प्रशासन 'राज'/1717--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता के श्री जे. एम. बनर्जी, उप मुख्य नियंत्रक बायात-नियति को 31 जनवरी, 1983 के वोपहर बाद से । सारकारी सेवा से मुक्त होने की अनुमति दी गई है।

> वी. के. मेहता उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

#### उद्योग मंत्रालय

# औद्योगिक विकास विभाग

विकास बायक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नर्ह दिल्ली, विनांक 28 विसम्बर 1982

सं. 1/10/72-प्रशा. (राज.)—-राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सभु उद्योग विकास संगठन समूह क और ख (राजपत्रित पद) भती नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्न- लिखित नियम, बंनाते हु<sup>5</sup>, अर्थात :--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग विकास संगठन समूह 'क' और समूह 'ख' (राजपत्रित पद) भती संशोधन (1) नियम, 1982 ही।
- (2) ये । राजपत्र में प्रकाशन की तारींख का प्रवृत्त होंगे।
- (3) लघु उद्योग विकास संगठन समूह ''क'' और समूह ''सं'' (राजपित पद) भर्ती नियम, 1962 की अनुसूची 4 में सहायक निद्देशक (श्रेणी ।) (साधारण प्रशासन प्रभाग) और सहायक निद्देशक (श्रेणी ।।) (साधारणप्रशासन प्रभाग से सम्बन्धित

4 और 5 और उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :--

# (जैसा कि संलग्न धनुसूची में है)

टिप्पण: लघु उद्योग विकास संगठन (समूह "क" ग्रीर समूह "ख") (राजपतित पद) भर्ती नियम, 1962 में निम्नलिखित ग्रधिसूचनाश्रों द्वारा संशोधन किए गए:—

		विनांक
(क)	सा० का० नि० 69	5-11-1963
(ख)	सा० का० नि० 1911	4-12-1963
(ग)	सा० का० नि०	27-8-1965
(ঘ)	सा० का० नि०	11-10-1965
(₹)	सा० का० नि०	8-6-1966
(খ)	सा० का० नि०	18-7-1967
(छ)	सा० का० नि० 🕺	3-10-1967
(স)	सा० का० नि०	16-12-1967
(झ)	सा० का० नि०	22-11-1975
(ञ)	सा० का० नि०	28-2-1977
(ᡓ)	सा० का० नि०	5-9-1977
(১)	सा० का० नि०	6-1-1978
(₹)	सा० का० नि०	25-3-1982
		सी० सी० राय

उप निदेशक (प्रशासन)

लघु उद्योग विकास संगठन, श्रौद्योगिक विकास विभाग में सहायक निदेशक (श्रेणी 1) (सा० प्र० प्र०) के पद के लिए पुनरीक्षित भर्ती नियम

			्र अनुसूची			
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमा <b>न</b>	चयन पद श्रथवाः श्रचयन पद	सीघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए म्रायु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायवा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के ग्रधीन ग्रनुशेय हैं या नहीं।
1	2	3	4	5	6	6(年)
सहायक निदेशक (श्रेणी—I) (सा० प्र० प्र०)	7	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपन्नित	700-40- 900-व० रो०- 40-1100- 50-1300 व०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता ।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा की अवधि यवि कोई हो। गैक्षिक भौर भ्रन्य भ्रहेताएं लिए विहित श्राय और गौक्षक श्रहताएं प्रोप्तित की दशा में लागू होंगी या नहीं । 7 8 9 लागु नहीं होता लागू नहीं होता वो वर्ष यवि विभागीय भर्ती की पद्धित/भर्ती सीधे होगी। प्रोप्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण प्रोप्तति भर्ती करने में परिस्थितियों द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/ समिति है तो उसकी संरचना में संघ लोक सेवा श्रायोग या प्रोक्षति बारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा से परामर्श किया जाएगा। पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतला 11 12 10 13 प्रीग्मति (प्रोम्नति पर विचार करने ऐसे सहायक निदेशक (श्रेणी II) (सा० प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने प्रोक्षति करते समय भीर पर प्रतिनियक्ति पर स्थानान्तरण प्र० प्र०) जिन्होंने उस श्रेणी में तीन वर्ष के लिए) समृह "क" विभा-प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण गीय प्रोप्तति समिति के लिए किसी अधिकारी द्वारा कः चयन करते समय संघ क (1) केन्द्रीय सरकार के श्रधीन ऐसे 1. भ्रष्टयक्ष/सदस्य **षो**क सेवा श्रायोग से परामणं भ्रधिकारी जो सबुश पद धारण संघ लोक सेवा भ्रायोग-- करना श्रावश्यक है। किए हुए हैं: ग्रध्यक्ष 2. जै० डी० सी०/निवेशक या (2) जिन्होंने 650-1200 रु० के या (प्रशासन)-सदस्य समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है। श्रौर 3. निदेशक (श्रेणी I)---सदस्य पुष्टि पर विचार (ख) जिनके पास प्रशासन, स्थापन ग्रीर लेखा कार्य का श्रनुभव है। करने के लिए समृह "क" वि० प्रो० स० 1. जे० डी० सी०/निदेशक (प्रतिनियुक्ति की भ्रवधि 3 वर्ष से श्रधिक नहीं होगी) (प्रशा०)-म्रध्यक्ष 2. उप निदेशक (प्रशा०)-सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का समुचित प्रास्थिति का एक अधि-कारी-सवस्य

भाग III—खण्ड 1] भारत का राजपक्ष, अप्रैल 9, 1983 (चैत्र 19, 1905)
लघु उद्योग विकास संगठन, श्रौद्योगिक विकास विभाग में सहायक निदेशक (श्रेणी—II) (सा० प्र०प्र०) के पद के लिए पुनरीक्षित भर्ती नियम

			अनुसूची				
पद का नाम	पदों की सं <b>ख्</b> या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद ग्रथवा श्रचयन पद		- किए जाने प्तयों के लिए ा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के ग्रधीन श्रनुशेय हैं या नहीं ।
1	2	3	4	5	6		6 (क)
सहायक निवेशक (श्रेणी II) (सा० प्र० प्र०)	15	साधारण केन्द्री सेवा समूह ''ख राजपद्वित		चयन	लागू नहीं	होता .	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जा क्तियों के लिए गैरि ग्रह्ताएं		क्तियों के वि	वहित आयु श्रौर प्रोन्नति की दशा	परिवीक्षा की श्रवि हो ।	घ यदि कोई	नियुक्ति विभिन्न	ति पद्धति/भर्ती सीधे । प्रोन्नति द्वारा या प्रति- /स्थानान्तरण द्वारा तथा पद्धतियों द्वारा भरी जाने रेक्तियों की प्रतिशतता ।
7		8		9		,	10
लागू नहीं होता		लागू नहीं ह	ोता	2 বর্ড			द्वारा, जिसके न हो सकने नियुक्ति पर स्थानान्तरण
प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति दशा में वे श्रेणियां, स्थानान्तरण किया	जिनसे प्रोन्नति/	गरा भर्ती की प्रतिनियुक्ति/	यदि विभागीय प्रोप्त संरचना	त समिति है तो उस	 की		में किन परिस्थितियों सेवा श्रायोग से परामर्श ।
1	1	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	12			·	13
	प्रोन्नित		(प्रोन्नति पर विचार वि० प्रो० स०	करने के लिए) सम्	ह "ख"		युक्ति के लिए <b>च</b> यन संघ लोक सेवा श्रायोग
ऐसे श्रधीक्षक, जिन्ह नियमित सेवा की है प्रतिनियुक्ति पर स्थ	है । यानान्तरण		<ol> <li>जे० डी०     (प्रशासन)</li> <li>उपनिदेशक (प्रश</li> </ol>	•	ग्रध्यक्ष सदस्य	से परामर्श क	रना प्रावस्थक नहीं है ।
तुल्य वे	ण पद धारण कि । 550–900 ह तनमान वाले पद ो हैं; और	० के या सम-	<ol> <li>श्रनुसूचित जाति/ का समुचित प्रा श्रधिकारी</li> </ol>		सदस्य		

1

2

3 -

(ख) प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। (पुष्टि पर विचार करने के लिए (समूह "ख" वि० प्रो० स०

 जे० डी० सी०/निवेशक (प्रशासन)

<mark>प्रध</mark>्यक्ष

2. उपनिदेशक (प्रशासन)

सदस्य

3. श्रनुस्चित जाति/श्रनु० जनजाति का समुचित प्रास्थिति का एक श्रिषकारी

सदस्य

#### विस्फोटक विभाग

# नागपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

सं. ई.-11(7)—इस विभाग के विनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिमूचना सं. ई.-11(7) श्रेणी 2 ''नायद्रेट मिश्रण'' के अधीन केलवेक्स-एक्स्ट्रा तथा केलवेन एक्स्ट्रा प्रविष्टि के पश्चाल् विनिर्विष्ट स्थलों पर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग होत् 31-12-1982 पर्यन्त हटाया जाए।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फाटक नियंत्रक

# साध और नागितिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पृर्ति विभाग)

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदशालय

नर्ह दिल्लीं, दिनांक 9 मार्च 1983

सं. ए-11013/1/79-स्था. — इस निवेशालय की 31 जुलाई, 1982 की इसी संख्या की अधिसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति मंत्रालय में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक श्री पी. एस. रायत की वनस्पति, वनस्पति तेन तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000 द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियूक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 1-1-1983 (पूर्वाह्न) से 30-6-1983 (अपराह्न) तक अथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

पी. एस. चीमा मुख्य निद्येशक

# पूर्ति तथा निपटान महानिदशालय (प्रशासन अनुभाग-।)

(4.4.4. -1.2.4.1.1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1983

सं. प्र.-1/1(1172)/83—महानिद्शेक, पूर्ति तथा निपटान, एतद्व्वारा पूर्ति तथा निपटान निद्शालय, मन्नास के कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी श्री सी. आर. एम. सूलेमान को दिनांक 16 फरावरी, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदशि दिए जाने तक उसी कार्यालय में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निद्शेक (ग्रेड-2) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री सी. आर. एम. सूलेमान को यह स्पष्ट किया जाता है कि सहायक निवंशक (ग्रेड-2) के पद पर तदर्थ नियुक्ति से उनको नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता तथा पद्मोन्नित की पात्रता के लिए नहीं गिनी जाएगी।
- 3. श्री सी. आर. एम. सुलेमान ने विनांक 16-2-1983 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदोशालय मदास के कार्यालय में किनष्ठ क्षेत्र अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ विया और दिनांक 16 फरवरी, 1983 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में सहायक निदोशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

एस - बालासुब्रमणियन उप निविशक (प्रशासन)

#### इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1983

सं. 2225 बी. /ए.-19012 (1एम. ए. के.)/82-19 ए.--श्री मुस्ताक अहमद सां का सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रा-35-880-40-1000-द. रा. 40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदशेश होने तक 30-12-1982 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

एस. के. म्<mark>सर्जी</mark> महानिदोशक

#### भारतीय सान ब्यूरो

# नागपुर, दिनांक 15 मार्च 1983

सं. ए-19011(192)/78-स्था. ए.—विभागीय पदो-न्नित समिति की सिफारिश पर श्री वाय. जी. जोशी, स्थायी किनष्ठ सनन भूविज्ञानी को भारतीय सान ब्यूरो में वरिष्ठ सनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 22-1-1983 (पूर्वाह्न) से पदोन्नित प्रदान की गई है। सं. ए-19011(202)/79-स्था. ए. — विभागीय पदोन्नित्त समिति की सिफारिश पर बी ए. के. श्रीवास्तव, स्थायी किनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरों में विर्व्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 11-2-1983 (अपराह्न) से पदोन्नित प्रदान की गई है।

व. च. मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय सान ब्यूरो

#### भारतीय सर्वे क्षण विभाग

## महासर्वे क्षक का कार्यालय

बेहरादान-248001, दिनांक 4 मार्च 1983

- सं. सी.-5917/594--श्री एस. पी. खण्डूरी, तकनीकी सहायक, सिलंक्शन ग्रेड, जिन्हें इस कार्यालय की दिनांक 20 अक्तूबर, 1982 की अधिसूचना सं. पी.-5873/594 के अन्तर्गत सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पावन (ग्रूप ''बी'' पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थानापन्त रूप में तबर्ध आधार पर नियुक्त किया गया था, को अब 4 अनवरी, 1983 से उसी पद पर स्थानापन्त रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।
- सं. सी. -5918/718-ए—श्री पी. के. भट्टाचार्जी, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, स. प्र. एवं मा. उ. केन्द्र को श्री ओ. एस. भटनाग्र, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के दिनाक 31 जनवरी, 1983 (पूर्वाह्न) से 31 दिन की छुट्टी पर चले जाने से, उनके स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रुप ''बी'' पद), के पद पर स. प्र. एवं भा. उ. केन्द्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हदराबाद में 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपए के वेतनमान में दिनांक 31 जनवरी, 1983 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में तक्ष्म आधार पर नियुक्त किया जाता है।

#### विनांक 5 मार्च 1983

- सं. सी. -5919/707--श्री के एल. चढ्ढा, सर्वोक्षक सिले. ग्रेड स्थानापन्त रूप में अधिकारी सर्वोक्षक (ग्रूप ''बी'' पद) के पद पर भारतीय सर्वोक्षण विभाग में 650-30-740-35-810 द रो. -35-880-40-1000-द रो. -40-1200 रुपए के वेतनमान में दिनांक 29-3-82 (पूर्वाह्न) से पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।
- सं. सी.-5920/724-एस ओ एस(ए)—-श्री एन. नटराजन (अन्. ज़ित), भण्डार सहायक, सिलेक्कन ग्रेड, दिनंक 26 मर्ड, 1982 (पूर्वाष्ट्न) से सहायक भण्डार अधिकारी (सा. सि. सेना ग्रुप ''बी'' पद) के पव पर विक्षणी सिकल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, बेंगलूर में 550-25-750-इ. दो.-30-900 रु. के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

जी सी अग्रवाल मेजर-जनरल भारत के महासर्वोक्षक

#### आकाशवाणी महानिव शालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1983

- सं. 4(14)/81-एस एक—महानिदोशक आकाशवाणी एतव्द्वारा श्रीमती सुधा महापात्र को 14 जनवरी, 1983 से अगले आदोश तक, 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेतनमान में आकाशवाणी कटक में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(28)/81-एस एक---महानिद्धाक आकाशवाणी एत्स्स्वारा श्री उल्हास न्रगंश कशालकर को 17 जनवरी, 1983 से अगले आदोश तक 650-30-740-35-810-दः रों--35-880-40-1000-दः रों--40-1200 रुः के वेतनमान में आकाशवाणी, रत्शागिरी में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(15)/82-एस-1---महानिद्देशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी. टी. नवानी, की 1-1-1983 से अगले आदिश तक 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी, भूज में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(18)/82-एस-एक---महानिदोषक, आकाषावाणी, एसद्द्वारा श्री इन्द्र प्रकाश श्रीमाली को 1 मार्च, 1983 से अगले आदोष तक 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में आकाशवाणी, जालन्धर में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(22)/80-एस-एक--श्री शंकर प्रसाद, कार्यकम निष्पादक आकाशनाणी पटना ने 9 दिसम्बर, 1982 की पूर्वाह्न से सरकारी सेना से त्याग पत्र दे दिया।
- सं 4(28)/82-एस-एक--महानिय शक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री दिनेश चन्द्र दास, को 4 फरवरी, 1983 से अगले आदश तक 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में आकाशवाणी गौहाटी में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पुर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(40)/82-एस-एक--महानिव शक, आकाशवाणी, एतद्व्वारा श्री अमल कुमार मंडल को 31 जनवरी 1983 से अगले आवश तक, 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी गौहाटी में, अस्थार्द रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(42)/82-एस-एक---महानिदोशक, आकाशवाणी, एतक्वारा श्री एम. महादोवणा को 21 जनवरी, 1983 से अगले आदोश एक 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रा. के वेतनमान में आकाशवाणी भद्रावती में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।
- सं. 4(56)/82-एस एक—महानिद्येषक, आकाशवाणी, एतट्द्वारा श्री श्रीकुमार चक्रवती को, 2 फरवरी 1983 से अगले आदोश तक 650-30-740-35-810-द रो -35-880•40-1000-द रो -40-1200 रु के वेतनमान में

विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, कलकत्ता में अस्थाई कप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(58)/82-एस-1—महानिद्शेक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बशीर अहमद बुट आरिफ, को 17-2-1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-वं. ये.-35-880-40-1000वं. रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में रेडियो कश्मीर अस्मू में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं. 4(73)/82-एस-1— महानिव शक, आकाशवाणी, एतब्द्वारा श्री मोहम्मद इम्तियाज अली को 28-2-83 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाशवाणी, गुलबर्गा में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(94)/82-एस-1—महानिद शक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री टी. ए. वीरसामी, को 18-2-83 से अगले आदिश तक, 650-30-740-35-810-द ,रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 रुपये के वेतनमान में आकाश-वाणी, कालीकट में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

# विनांक 16 **भार्च** 1983

सं. 4(11)/82-एस-एक—महानिद्दोषक, आकाशवाणी, एसव्य्वारा श्रीमती दोविका मोकतन को 24 जनवरी 1983 से अगले आवश तक 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रुपये के वेतनसान में आकाशवाणी गंगटोक मो, अस्थाई रूप मो, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 21 मार्च 1983

सं. 5/130/60-एस.-एक—-श्री बी. के. चोपड़ा, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली का 16 फरवरी, 1983 को निधन हो गया है।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1983

सं. 10/5/80-एस-3—श्री एस. एच. सफदर, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी कलकत्ता का त्याग पत्र स्वीकार करने पर उनको आकाशवाणी में 31-3-1982 की अपराहन से उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

सं.  $10^{1/3}6/80$ -एस-3--श्री सूरजीत गय, सहायक इंजीनियर, उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी चिनसूरा का

त्थागपत्र स्वीकार किए जाने पर उन्हें आकाशवाणी से 30-6-82 (अप्राह्न) से उनके कार्यभार से मृक्त कर दिया गया है।

वार्डः वर्मा प्रशासन उपनिद्शेषक कृते महानिद्शेषक

## नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1983

सं. 2/3/83-एस-2—महानिव शक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री लक्ष्मण दास गोमरा, पनर्म रोडियो रिपोर्टर को आकाशवाणी, बीकानेर में दिनांक 15-2-83 (अपराहन), अधिकारी के पव पर तवर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। साथ ही उन्हें अपने मुख्यालय से दूर, नई दिल्ली में अपने पद का कार्य-भार लेने की स्वीकृति भी देते हैं।

एस. वी. सेवादि उप निवंशिक प्रशासन कृते महानिवंशिक

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

# बम्बई-400026, विनांक 11 मार्च 1983

सं. ए-20011-2179-इ-1—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा, श्री एच. जी. भंडारकर सहायक प्रशासकीय अधिकारी जो दिनांक 7 मार्च 1983 से 8 अप्रैल 1983 सक छुट्टी पर है के स्थान पर, श्री के. के. गुप्ता स्थानापन्न अधीक्षक को विनांक 7 मार्च 1983 पूर्वीहन से रु. 840-40-1000-व रो.-40-1200 वेतनमान पर सहायक प्रशासकीय अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

र्वीः आरः पेसवानी सहायक प्रशासकीय अधिकारी कृते मुक्य निर्माता

# नई दिल्ली-1, विनांक 19 मार्च 1983

सं. ए-20012/17/78-प्रशा.—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग निम्निलित सहायक छायाकारों को छायाकार के पद पर फिल्म प्रभाग, नई विल्ली में तदर्थ रूप से निम्न दिनांकों से नियुक्त करते हैं।

- श्री के. सी. कपूर--10-2-1983 (पूर्वाह्न)
- 2. श्री एस. एन. पटनाईक--10-2-1983 (पूर्वाह्न)
- श्री एस. के. विरमानी—-8-2-1983 (पूर्वाह्न)

आर. बी. एल. मोरिया सहायक प्रशासनिक अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

# विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रभार निदेशालय

#### नई दिल्ली-1, विनांक 23 मार्च 1983

सं० ए० 12011/2/82-प्र० (ए०)---विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित प्रदर्शनी सहायकों को उनके नामों के सामने दिखाए गए स्थानों पर व निम्न तारीखों से तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी रूप से इस निदेशालय में क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रिधकारी नियुक्त करते हैं:---

no सं० नाम			स्थान जहां से	स्थान जहां पर	दिनांक
1. श्रीडी०के० घर .			ल <b>खन</b> ऊ	मब्रास	13-1-1983
2. श्री डी॰ डी॰ बरमन		_	भगरतला	को <b>हि</b> मा	25-11-1982
3. श्री जे० एल० माहूजा		•	<b>चंडी</b> गढ़	<b>ग्रम्बा</b> ला	17-11-1982
4. श्री एन० श्री० दलवानी			जयपुर	जबसपुर	10-11-1982
<ol> <li>श्री एच० डी० मुसनेजा</li> </ol>			जम्मू	हैदराबाद (भ्रपराह्न)	25-1-1983
6. श्री जसबीर सिंह .			दिल्ली	भोपाल	4-11-1982
7. श्री गोतम कुमार	_	•	विल्ली	जयपुर	23-10-1982

स० क० गोयल उप निदेशक (प्रशासन) इस्ते विज्ञापन श्रौर दुग्य प्रचार निदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निद्योगालय फरीदाबाद, विनांक 21 मार्च 1983

सं. ए.-19025/61/81-प्र.-।।।—इस निव शालय के जणीन सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री प्रदीप व्यास द्वारा प्रस्तुत त्याग पत्र दिनांक 1-5-82 (अपराह्न) से स्वीकृत किया गया है।

सं. ए.-19023/1/83-प्र.-।।।—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अनुसार श्री हर प्रकाश सिंह को इस निवंशा-लय के अधीन नई विल्ली में दिनांक 17-2-83 (पूर्वाहन) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन विकास अधिकारी (शीतागार प्रशीतन) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं. ए.-19027/1/83-प्र.-।।।—श्री बी. एस. मौल, विरुट सांस्थिकीय सहायक को इस निदेशालय के अधीन नागपूर में दिनांक 10-2-83 के पूर्वाहन से पूर्णतया तदर्थ आधार पर तीन महीने की अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न सांस्थिकीय अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु उर्ज्जा विभाग विख्त परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 11 मार्च 1983

सं. विषअप्र/3(262)/83-स्थापना-। 3628---निद्याक, विश्वत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बस्बक्ष एतद्द्वारा इस

प्रभाग के एक स्थायी उच्च कोटि लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री एच एच शहा को फरवरी 28, 1983 के पूर्वाह्न से मार्च 31, 1983 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एन एल में घानी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए हैं।

ब. वि. थत्ते प्रशासन अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना संयंत्र स्थल

डाक-न. प. वि. प. कालोनी

बुलन्दशहर (उ. प्र.), विनांक 15 मार्च 1983

क. न. प. वि. प. /प्रशा. /26(1)/83/एस/3028—
मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरीरा परमाण विद्युत एरियोजना
महा नियंत्रक रक्षा लेखा कार्यालय, सी. डी. ए. फण्ड, मेरठ
में स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री एम. एल. काँशिक,
को नरीरा परमाण विद्युत परियोजना में दिनांक फरवरी 8,
1983 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों सक के लिए रह. 650-30740-35-880-द. रो.-40-960/- के वेतन-मान में
स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते

एमः एसः राव मुख्य प्रशासन अधिकारी

#### क्रम और भंडार निवंशालय

# बम्बद्दं-400001, विनांक 17 मार्च 1983

सं. डी पी एस/41/14/83-प्रशा/10860---परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निवंशालय के निवंशक ने सहायक भन्डार अधिकारी श्री बी. दन्डापानी की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न भंडारी श्री जी. के. पिल्ल को रुपये 650-30-740-35-810-दर्शे-35-880-40-1000-दर्शे-40-1200 के वेतन मान में 6-12-82 (पूर्वाहन) से 7-1-83 (अपराहन) तक के लिये तद्यं आधार पर इसी निवंशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

बी. जी. कुलकर्णी प्रकासनिक अधिकारी (।।)

# (परमाण सनिज प्रभाग)

# हैवराबाव-500016, विनांक 16 भार्च 1983

सं. प ख प्र-16/3/82-भर्ती—परमाणू जर्जा विभाग, परमाणू सनिज प्रभाग से निव शक एत्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थामी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एच. बी. मजुमदार को उसी प्रभाग में श्री एस. बी. बैनर्जी, सहायक लेखा अधिकारी, जिल्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 16 दिसम्बर, 1982 के पूर्वात्न से 15 जनवरी, 1983 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी. डी. घाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

#### अन्तरिक्ष विभाग

#### कार केन्द्र

श्रीहरीकोटा रेंज-524124 दिनांक 8 मार्च 1983

सं० एस० सी० एफ०/का और सा० प्र०/स्था० 2/1.72— निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके साथ ग्रंकित पदों में, पदोन्नति द्वारा, स्थानापन्न क्षमता के रूप में दिनांक 10-2-83 पूर्वाह्न से नियुक्ति करने के लिए, शार केन्द्र के निदेशक ने ग्रंपनी प्रसन्नता प्रकट की हैं:—

क्र० नाम सं०	पदोन्नत किया गया पद
सर्वेभी 1. डी० चन्द्रशेखर राव 2. वाई० राजा राव	सहायक प्रणासन प्रधिकारी सहायक भंडार ग्रधिकारी
प्रधान,	उ० विश्वनाधम कामिक श्रौर सामान्य प्रशासन प्रभाग कृते निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 3 फरवरी 1983

सं ए उ 32013/7/82-ई ए ए --- राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अभिकारिमों को दिनांक 11-8-82 से अस्वा पद का कार्यभार ग्रहण करने की वास्तविक तारीख से, इनमें से जो भी बाद में हो श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक विमान क्षेत्र श्रीकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है:——

<sup>है</sup> ० नाम है०		तैनाती स्टेशन
1. श्री सी० जी० पेज		<b>अ</b> म्बई
2. श्री एम० एम० भारद्वाज		विल्ली
3. श्री वाई० एल० सोनी		जयपुर

सुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

सं० ए० 32013/8/81-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 27 जनवरी, 1982 और 15 फरवरी, 1982 की ग्रिधसूचना सं० ए० 32013/9/81—ई० सी० तथा दिनांक 3 जनवरी, 1983 की ग्रिधसूचना सं० ए० 32013/4/81—ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित ग्रिधकारियों को जो इस समय वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधकारी के ग्रेड पर तवर्ष ग्राधार पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 20-9-1982 से भौर ग्रन्य ग्रादेश होने तक वरिष्ठ तकनीकी ग्रिधकारी के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है:—

क० नाम सं०	तैनाती स्टेगन				
सर्वेश्री					
1. डी० के० शर्मा .	. क्षेद्रीय निदेशक, दिल्ली का कार्यालय, नागर विमानन विभाग, दिल्ली ।				
2. औं० पी० धनिहोत्री	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ ।				
<ol> <li>बी० रामकृष्णन .</li> </ol>	. वैमानिक संचार स्टेशन, मद्वास ।				
4. वीपक पाल .	. वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।				
<ol> <li>देवाशीष घोष .</li> </ol>	. वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।				
6. एस० लाल <b>एच० कुमार</b>	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।				
7. एस० ग्रार० वेंकटरमन	वैमानिक संचार स्टेशन, सिरुचिरापल्ली ।				
8. बी० एस० कोचर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।				

प्रेम जन्द सहायक निवेशक प्रश्नासन

#### नई दिल्ली दिनांक, 11 फरवरी 1983

सं० ए० 32014/2/81-ई० सी०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी ग्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:---

क० सं०	नाम						<b>य</b> र्त ग	सान तैन	ाती स्टेशन		नयाः	तैनार्त	t स्टे <b>शन</b>	पदोन्नति की तारीख
	सर्वेश्री			<del>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </del>							<del></del>			
1.	के० एस० नेगी					वै ०	सं०	स्टेशन,	गुवाहाटी	वै०	सं० स	टेशन,	गुवाहाटी	20-10-1981
2.	ग्रो०पी० चड्डा		•			11	",	"	दिल्ली	"	,,	17	दिल्ली	17
3.	एम० के० सामेई		.,			"	,,	"	पोरबन्दर	11	5,	"	पोरबन्दर	,,
4.	ए० एस० गिल					11	7 <b>7</b>	11	नागपुर	"	<b>;</b> ;	11	नागपुर	,
5.	डी॰ डी॰ पाटिल					,,,	,,	11	श्रीरंगाबाद	11	, -	19	श्रीरंगाबाद	11
6.	पी० एन० मणि			•	•	"	,,	"	मदुरै	11	17	"	मदुरै	"
7.	टी० एस० जौली	•		•		,,	,,	11	ग्रहमदाबाद	,,	11	"	महमदाबाद	n
8.	बी० एस० भौसलें					"	1.3	,,	बम्बई	11	,,	11	बम्बई	71
9.	<b>बी</b> ० सी० राय	٠	•	•	•	"	,,	n	कलकत्ता	"	,,	11	कलकत्ता	14-6-198 (पूर्वाह्म

# विनोक 18 मार्च 1983

सं० ए० 32013/11/82-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नि लिखित दो प्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में छः मास की प्रविध के लिए तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया है भौर उन्हें महानिवेशक नागर विमानन (मुख्यालय) में तैनात किया है:—

क० नाम ग्रीर पदनाम सं०	पिछला तैनाती स्टेगन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
<ol> <li>श्री एस० के० गोविलकर, वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, ग्रहमदाबाद ।	3-3-83 (पूर्वाह्म)
<ol> <li>श्री रूप चन्द, विरष्ठ तकनीकी ग्रिधिकारी</li> </ol>	रेडियो निर्माण ग्रौर विकास एकक, नई दिल्ली ।	22-1-83 (पूर्वाह्न)

भ्रो० पी० भ्रग्नवाल सहायक निवेशक, प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1983

सं ० ए० 32013/11/80-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित चार सहायक संचार ग्रधिकारियों को जो इस समय संचार ग्रधिकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर कार्यरत हैं दिनांक 25-8-82 से श्रीर अन्य भादेश होने तक सचार भिकारी के ग्रेड में नियमित भाधार पर नियुक्त किया है:—

क्र० नाम सं०	वर्तमान तैनाती स्टेशन				
सर्वंश्री					
1. एस० ग्रार० सेठी	वैमानिक संचार स्टेशन,				
2. के० एन० नैय्यर	श्रहमदाबाद । वैमानिक संचार स्टेशन,				
3. एम० वी० के० मूर्ति	त्रिवेन्द्रम । वैमानिक संचार स्टेशन,				
4. बी० एन० प्रय्यर	सम्बर्ध । वैमानिक संघार स्टेशन, भद्रास ।				
	जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निवेशक प्रशासन				

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निविधालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नर्द दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1983

मं. 10/83--श्री पी. एम. पंवर ने, जो पहले विल्ली समाहर्तालय मे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप ''क्ष'' के पद पर कार्यरत थे, विश्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के विनांक 8-11-82 के आदोश फा. सं. 22012/55/81 प्रशा.-।। के व्वारा स्थानांतरण हो जाने पर सीमा शुल्क,

उत्पादन शुल्क एवं स्वर्ण नियंत्रण, अपील अधिकरण की दिल्ली स्थित न्याय पीठ के लिए दिनांक 4-3-83 (पूर्वाह्न) से निरी-क्षण एवं लेखा परीक्षा निद्देशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप ''स'' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

ंबः चं रस्तोगी निरीक्षण निद्योक

# संगठन एवं प्रबन्धयसेवाएं निद`शालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई विल्ली, दिनांक 17 मार्च 1983

फा. सं. 532/3/83-प्र. सं. नि.—श्री जे. एल. मिलक, किनष्ठ विष्लेषक, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग ने संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदोशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नर्द विल्ली में अपर सहायक निदोशक के पद पर कार्यभार दिनांक 28 फरवरी, 1983 अपराहन से संभास लिया है।

के. घे. रामन् निद्योगक, सं. एवं. प्र. से. नि., सी. एवं कें. उ. सृ.

# पूर्ति मंत्रालय

# राष्ट्रीय परीक्षण गृह, भ्रलीपुर कलकत्ता-27, दिनांक 14 मार्च 1983

सं० ए० 32014/1 एवं 5/83-स्थापना महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, निम्नलिखित विज्ञान सहायकों (यांत्रिकी) एवं (रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की नियुक्ति क्रमणः विज्ञान प्रधिकारियों (यांत्रिक) एवं (रसायन), के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता में प्रत्येक के साथ दी गई तिथियों से, नियमित ग्राधार पर श्रन्य ग्रादेश के न निकलने तक के लिए करते हैं।

क्र∘ सं∘	नाम	पद	निम्न तिथि से विज्ञान म्रिधि- कारी के पथ पर पदोन्नति दी गई
1. %	ो ग्रालोक रॉय	विज्ञान सहायक (यांत्रिक), कलकत्ता	17-2-83 (पूर्वाह्न)
	ो ग्रच्युत कुमार ाग्वास	विज्ञान सहायक (रसायन), कलकत्ता	23-2-83 (पूर्वाह्म)

ए० बैनर्जी उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक विधि, स्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यं विभाग)

#### कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के एजिस्ट्रार का कार्यालय

एरनाक ुलम, दिनांक 10 मार्च 1983

् सं 1537/लिक्नि/560(4)/ /83—यतः मालाबार टोक्स्टाइन् सिन्डिकेट प्राइन्वेट लिमिटेड (लिक्निडिशन में) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय कोजिकोड में है का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युविसयुक्त है काक रखता है कि कोई समापन कार्य नहीं हो रहा है और यह है कि स्टेटमेन्टस आफ एकाउन्टस समापक द्वारा किया जाने के लिए अपेक्षित है छह कमवती मास के लिये नहीं दी गई हैं।

अतः जब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सृषित किया जाता है कि इस तारीख से तीन महीने के अवसान पर मालाबार टेक्स्टाइ ल सिन्डिकेट प्राइ वेट लिमिट ड (लिक्बिड बेन में) का नाम यदि इसके प्रतिक ल हेतुक विधात नहीं किया जाता है तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और बेणाड रवड़ प्रोडक्टस प्राईवेट लिसिटोड को विषय में।

कोषीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 2679/लिक्कि/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् द्वारा सूचना वी जाती है कि बेणाड रबड़ प्रोडक्टस प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नव्योदयम प्राइ वेट लिमिटेड के विषय में।

# कोषीन, दिनांक 5 मार्च 1983

सं. 1570/सिक्य/560(5)/2514/83—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव् द्वारा सूचना दी जाती है कि नवोचयम प्राइ वेट लिमि-टेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेशनल यूनियन प्रार्हवेट लिमिटेड के विषय में।

## कोचीन, विनांक 5 मार्च 1983

सं. 818/लिक्बि/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि नेशनल यूनियन प्राहेंबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पालघाट टाइल वर्क्स प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

# कोचीन, दिनांक 5 भार्च 1983

सं. 3353/लिक्वि/560(5)/83—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् व्वारा सूचना दी जाती हैं कि पालघाट टाइल वर्क्स प्राईविट लिमिटड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कंम्पनी अधिनियम, 1956 और अलेप्पी अम्बर आफ कामर्स के विषय में।

# $^{\dagger}$ कोचीन $_{I}$ दिनांक 11 मार्च 1983

मं. 19/लिक्वि/560(3)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद् द्वारा यह सूधना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलेपी चेम्बर आफ कामर्स का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के. पञ्चापाकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजेश्वरी चिट फांड प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

#### मदास, दिनांक 10 मार्च 1983

सं. 6199/560/82—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि राज्येवरी चिट फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गयी है।

इ. सेलवराज कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाङ

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेस्ट दिनाजपुर ट्रेड एण्ड ट्रान्सपोर्ट प्राईविट लिमिटड के विषय में।

#### कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1983

सं 21034/560(5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वेस्ट दिनाजपुर ट्रोड एण्ड ट्रान्सपोर्ट प्राहें वेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बहाला इजिनियरिंग प्राईवेट लिमिटोड के विषय में।

#### कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1983

सं. 25867/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर 3-16GI/83

बेहाला इंजीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आदित्य आयरन एण्ड स्टील कम्पनी प्राइविट लिमिटोड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1983

सं. 27040/560(5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आदित्य आयरन एण्ड स्टील कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सिडिकेट इंजीनियर्स प्राईटिट लिमिटोड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1983

सं 32875/560(3)—कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्ववारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसर पर सिडिकेट इंजीनियर्स प्राईविट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

एस. आर. वि. वि. सत्यनारायण कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार परिचम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और उक्टोइल आयरन एण्ड मेटल इन्डस्ट्रीज प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 22 मार्च 1983

सं. 1262/560/7569—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह सूचना दी आती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर डक्टाइल आयरन एण्ड मेटल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विचटित कर दी आयेगी।

ए. डब्ल्यू. अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार

आयकर आयक्त का कार्यालय

बेंगलूर, दिनांक 19 फरवरी 1983

आयकर आयुक्त : कर्नाटक-1,

बेंगलूर के कार्यकलाप

विषयः—अवस्थापन—राजपत्रित आयकर अधिकारी—श्रेणी ''स्'' संवर्ग में स्थायीकरण—क बार में।

#### आदेश

र्इ. नं 350(1)/82-सी आर्द्र टी.—निम्नसूचित श्रेणी ''ख'' के स्थानापन्न आयकर अधिकारी इस आवश के जारी होने

के तारींख में श्रेणी ''स्व'' में आयकर अधिकारी के पद पर स्थायीकृत किये जाने हैं।

#### सर्वश्री

- 1. एम. जी. जगन्तिवास राय, 1 आर्ड. टी. ओ., पणजी।
- 2. पी. सी. चडगा, 2 आई. टी. ओ., हुबली।
- 3. सी. के. बालसुबूमणियन्, टी. आर. ओ. 2, बेंगल्र।
- 4. आर. बी. भिकाजे, 1 आई. टी. ओ., बेलगाँव।
- 5. एम. ए. रहमान बेंग, 1 आई. टी. ओ., बेल्लारी।
- 6. वी. के. गोपालन् नायर, आर्ह. टी. ओ., जड़्पि।
- एस. वेंकटोग शास्त्री, 6 जार्ष. टी. ओ., सर्कोल-1, बेंगलूर।
- 8. एमं. आर. नागराज, सहायक अतिरिक्त निर्वे-गक, डी. टी. आर. टी. आई., बेंगलूर।
- वी. रंगनाथन्, आर्ह. टी. ओ. ओ. (एस. ए. पी.), पणजी।
- 10. एम. वरदराज, 6 आई. टी. ओ., सर्काल-2, वंगलुर।
- 11. एन. एस. राघवेंद्रा, 1 आर्ड. टी. ओ., सर्कल-3, बेंगलूर।
- 12. एम. देवराज, 4 आई. टी. ओ., हुबली।
- 13. एम. बेलाय्धन् नायर, आई. टी. ओ., तुमकूर।
- 14. सी. एल. राघवन्, जूनियर ए. आर., आई. टी. ए. टी., बेंगलूर।
- 15. एच. यी. कृष्णमूर्ति, सहायक अतिरिक्त निर्दे शक, डी. टी. आर. टी. आई., बेंगल्र।
- 16. एस. अब्बुल रहमान, 10 आह. टी. ओ., सर्काल-2, बॅगलूर।
- बी. वी. लक्ष्मणमूर्ति, टी. आर. ओ., बेल-गाँव।
- 18. ए. ए. आचार्य, 2, आई. टी. ओ., **बेलगाँव**।

- 19. के. राजमणि, 5 आर्इ. टी. ओ., सर्काल-3, बेगलूर।
- 20 . एसः दत्तात्रिः, 1 आर्दः टीः ओः, सैलरी सर्कलः, बोंगलूर।
- 21. आर. पी. क्लकणीं, 2 आईं टी. ओ., गुल-बर्गा।
- 22. एस. के. अध्वत्थन्, 2 आई. टी. ओ., सर्कल-3, बेंगलूर।
- 23. वी. वी. कल्लापुर, टी. आर. ओ., हुबली।
- 24. पी. सी. विकटर जयसिंह, 6 आई. टी. ओ., सर्काल-3, बेंगलूर।
- 25. ए. ए. गोरीलान, 3 आई. टी. ओ., बेलगाँव।
- 26. टी. जमापति राव, 2 आई. टी. ओ., रायचुर।
- 27. एस. एच. मलगी, आई. टी. ओ. (सी. आई. बी.), सी. आई. टी. (इन्वेस्टिगेशन) का कार्या-लय, बेंगलुर।
- 28 एन कृष्णमूर्ति, 6 आई. टी. ओ., बेलगांव बेंगलूर।
- 29. एस. योगानरसिंहन्, 10 आई. टी. ओ., सर्काल-1, केंगलुर।
- 30 सी. आर. रंगनाथ, आर्ह्र. टी. ओ., कम्पर्न सर्काल-6, बेंगलूर।
- 2. प्रति प्रकरण में अब आवेशित स्थायीकरण तारीख, यदि आवश्यक हो, तो भविष्य में संशोधित किये जा सकते हैं।\*\*
- 3. वी एम. के. गुंडप्पा, 4 आई. टी. ओ., सर्कल-1, बेंगलूर, का स्थायीकरण तारींख दिनांक 3-5-1979 से दिनांक 5-6-1976 को संकोधित किया गया है।

ह∕-

ए. बार. नटराजन् भायकर आयुक्त कर्नाटक-1 : बेंगलूर प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/482---श्रतः मृझे, श्रार० पी० सिनहा श्राई० ग्रार० एस०.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो खायला कलां तहसील अजनाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अधं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री उजागर सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव खायला कलां तहसील ग्रजनाला जिला ग्रम्तसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामसिंह पुत्र पशुमन दास वासी कोहली तहसील धाजनाला, जिला अमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

कृषि भूमि 75 कनाल 10 मरले जो गांव खायाल कलां तहसील श्रजनाला जिला श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं 0.1940/2-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रजनाला में दर्ज है ।

भार० पी० सिन्हा ग्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीच : 9-3-1983

# प्ररूप माइ .टी. एन. एस. -----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ए०एस० श्रार०/82-83/483—-श्रतः मुझे, श्रार० बी० सिन्हा, श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो खायाला कलां, तहसील ग्रजनाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. ष्टिपान में सुविधा भे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री उजागर सिंह, पुत्र मंगल सिंह, गांव खायाला कलां, तहसील अजनाला, जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) लखा सिंह पुत्र अचन निंह वासी धरमकोट तहसील श्रजनाला, जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कौई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीं के के 45 दिन की बनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त इति हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भम्सूची

कृषि भूमि 75 कनाल 10 मरले जो गांव खायाला कलां, तहसील श्रजनालां, जिला श्रमृतसर में है जैसा सेल डोड नं० 1960/5—7—82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रजनाला में दर्ज हैं।

> भ्रार० बी० सिन्हा, श्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-3-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

-कायौलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुव्ह (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/82-83/484—-ग्रतः मुझे, भ्रार० बी० सिन्हा, भ्राई० ग्रार० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

श्रीर जिसकी सं खसरा नं 2672/1962/1 है, जो राधा स्थामी रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

25,000 ∕-रुत. से अधिक हैं

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुरु गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी रेनुका
पुत्नी हीरालाल,
वासी द्वारा द्वार० ए० बोगा,
पुत्न ए० ई० बोगा,
वासी हाइड मार्किट,
ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण सिंह, पुत्र बसन्त सिंह, वासी 290, ईस्ट मोहन नगर, श्रमृतसर.।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1/2 भाग आएवाद नं० 2672/1966 जो राधा स्वामी रोड, ग्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी है अमृतसर में है। (वह व्यक्ति. जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

1/2 भाग जायदाद खसरा नं० 2672/1962, जो राधा स्थामी रोड, श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 2683/ 13-9-1982 में रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रार० बी० सिन्हा, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन <sup>रे</sup>ज, श्रमृप्तसर

तारीख: 9-3-1983

मोहर 🖫

प्रक्य बाहै, टी. एन. एस्

माय्कर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, ग्रमृतसर

ेश्रमृतसर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/485—-श्रतः मुझे, आर० बी० सिन्हा, आई० आर० एस० बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 2672/1962/1 है, जो राधा स्वामी, रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1982

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को प्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त वीधीपवन की वधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सुविधा के जिब्द , कीद/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनयम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नधीन, निम्नतिक्ति क्विकत्यों अर्थात् :--- (1) कुमारी रेनुका,
पुत्री हीरालाल,
वासी बम्बई द्वारा
श्रार० ए० बोगा,
पुत्र ए० ह० बोगा,
धासी हाइड मार्किट,
श्रमूतसर ।
मुख्तायारे आम ।

(अन्सरक)

(2) श्री हरबंस सिंह, पुत्र बसंत सिंह, वासी 290, ईस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
  (वह व्यक्ति जिसके प्रधिमीग में
  सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में घ्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्क सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब वें 45 विन की जनिध्या तत्स्वधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिध जो भी जनिध नाव में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितनक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

1/2 भाग जायजाद खसरा नं० 2672/1962, जो राघा स्वामो रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 7615/27-7-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, श्रमृतसर में वर्ज है।

आर० बी० सिन्हा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख : 9-3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 10/जुलाई/82—श्रप्तः मुझे, श्रार० पी० परुलै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 1764/78 वेपेरी है, जो मग्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, पेरियमेंट डाक्मेंट सं० 981/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथिश नहाँ किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सलिमा बी०।

· (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यग्रहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि म्नार० एस० सं० 1764/78, वेपरी, मब्रास । (डाक्मेंट सं० 981/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

#### भारत सरकार

269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मब्रास

मद्रास, दिनोक 25 फरवरी 1983

निदेण सं० 11/जुलाई/82—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० 369/1 है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उपपेनियमेंट (डाक्मेंट सं० 1022/82)में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नूरिठन म्नहमद।

(अन्तरक)

(2) श्री मरगतम।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त श्रृज्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

#### अनुसूची

भूमि — मद्रास (डाकूमेंट सं० 1022/82) ।

> श्रार० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 25-2-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 17/जुलाई/82—म्ब्रतः मुक्षे, म्रार० पी० पिल्लै

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 53 है, जो न्यू प्रावठी रोड, मद्रास-10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पेरियमेंट (डाक्सेंट सं० 1061/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितर्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेत्रकेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिषित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—16GJ/83

(1) श्रीमती मालिनी गोपालन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण गोपालन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—53, न्यू म्रावटी रोड, मद्रास-10 । (डाकुमेंट सं० 1061/82) ।

> न्नार० पी० पिरुले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मद्रस्स

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग्र-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 मार्च 1983

निदेश सं० 19/जुलाई/82—-म्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिरुलै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वे (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोकारपेट (डाक्मेंट सं० 297/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्री ग्रमीरतवल्ली ग्रौर गोपाल।

(म्रन्तरक)

(2) श्री कुष्णमूर्ति ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि भौर निर्माण—सद्रास । (डाकूमेंट सं० 297/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

**तारीख**: 25-2-1983

प्ररूप आईं ० टी ० एन ० एस ० ----माय्कर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, विनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० 25/जुलाई/82--- प्रतः मुझे, प्रार० पी०

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से मिथक 🧗

भौर जिसकी सं० 339 है, जो सूर्यनारायण चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-81 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रश्विकारी के कार्यालय, (डाक्मेंट सं० 999/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के उदयमान प्रतिर्फल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य उसके प्रयमान प्रतिकल से एसे प्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधि -नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा याकिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

(1) कातिरेस नागर ग्रीर भवरस ।

(मन्तरक)

(2) श्री राजन युनिवर्सल एक्सपोर्ट्स (मैनुफैक्चर्स) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्रो 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 विन की अवधि, जो भी मब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि ग्रीर निर्माण--339, सूर्यनारायण चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-81 । (डाक्मेंट सं० 969/82 )।

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

वतः व्यव, उत्कत अधिनियम की धारा 269-गके अनुसरण

तारीख: 25-2-1983

में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन , निम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थात् ः ----

मोहर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 33/जुलाई/82—-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 1008/83 है, जो ग्राठम साहब स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (डाक्सेंट सं० 1111/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के रिक्ट;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गोबिन्दराजुलुनायर मोहनरनगम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जुलैंका बीवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामीं स से 30 विन की जविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में, हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युनारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यनुसूची

भूमि और निर्माण—श्रार० एस० सं० 1008/13, ग्राठम साहिब स्ट्रीट, मद्रास। (डाक्सेंट सं० 1111/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप धाई •टी • एम • एस •-----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 36/जुलाई/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लं आपकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन श्रक्षण श्रविकारी की, यह विश्वाय करने का तारण है कि स्वायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य० से क्रिक्ट के

भौर जिसकी सं टी॰ एस॰ 102, प्लाट सं 102 है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेमबियम (डाकूमेंट सं 3140/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (च) प्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उका पश्चि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग था किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आंक्र श्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अवितियम, या धन कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राजगोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वसन्त कुमारी ।

(श्रन्तरिती)

को यह यूचना नारों करके पूर्वकित पम्मति क मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख़ से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण : → इसमें प्रयुक्त वन्दों और नदों का, जो उसत स्विधित्यम के श्रव्याप 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा, जो उस अब्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण—प्लाट नं० 102 टी० एस० सं० 102, मद्रास । (डाक्सेंट सं० 3140/82) ।

> न्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 25-2-83

प्ररूपु आर्द्दः टी. **ए**न्. **एत**्---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मन्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 44/जुलाई/82—ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट 4500 है, जो मुल्तनम ग्राम, श्रन्नानगर मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रन्ना नगर, (डाक्सेंट सं० 471/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदृष्ठ प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तिरुधानम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वरदाराजुलु रेड्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण——प्लाट नं० 4500, मुल्लम ग्राम, श्रिष्ठा नगर, मद्रास-40 । (डाकमेंट सं० 471/82) ।

> श्रार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 25-2-83

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 45/जुलाई/83—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ' इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1619, 1820 है, जो भ्रन्ना नगर मद्रास-102 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रन्ना बाजार (डाक्मेंट सं० 546, 547/82) में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्याना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री एस० निर्मला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० बालकृष्णनं। मीरा बालकृष्णनः।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूबेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति रा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—-प्लाट सं० 1619, 1620, श्रक्षा नगर, मद्रास-102 । (डाक्मेंट सं० 546, 547/82)।

श्चार० पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीखा : 25-2-1983

५७ग आर्चे. टो. एस. एस. ------(1) श्रीमती तिलगवती । .

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

(2) श्री भ्रग्रसेन ।

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 47/जुलाई/82-यतः, मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  $m{g}^{m{n}}$  िक स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य  $25,000/\sim$ रतः से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० है, जो मद्रास में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रप्ता नगर, (डाक्नुमेंट सं० 576/82) में रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **भ्रधीन, तारीख** जुलाई 1982

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयान प्रतिकाल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) एोसी किसी आयाया किसी धन या अन्य अवस्तियों को, जिन्ही भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क शिए ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीचासे 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त न्यवितयों मा सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

भूमि मद्रास । (डाकुमेंट सं $\circ$  576/82) ।

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-I, मद्रास

कतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🕏 अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1982

निदेश सं० 49/जुलाई/82—यत:, मुझे, स्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3598है, जो श्रक्ता नगर, मद्रास-40 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से∕वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रक्ता नगर, ((डाकूमेंट सं० 450/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

हो पूर्वेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इरियान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकें यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार पूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय ।या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या '
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5-16 GI/83

(1) श्री राम सुत्रमनियमं ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० सुदा।

-(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपन्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—प्लाट सं० 3598, ग्रन्ना नगर, मद्रास-40। (डाकूमेंट सं० 450/82)।

न्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं०  $50/\sqrt{3}$ लाई/82—-ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 221 है, जो श्रन्ना नगर, मद्रास में स्थित •है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रन्ना वाजार, (डाक्मेंट सं० 487/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिर व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री शम्भू वेंकट राव सिसटा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुसान कोशी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित , हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्ष्म करिय

भूमि—सर्वे सं० 221, स्रन्ना नगर, मद्रास-40। (डाक्मेंट सं० 487/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै संक्षम रेप्राधिकारी र्कं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 25-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई .टी .पून : एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  प्रर्जन रेंज-I, मद्रास  $\pi$  मद्रास, दिनांक 25 फरवरी  $\pi$  1983

निदेश सं० 52/जुलाई/82—म्रातः मुझे, म्रार० पी ० पिल्लै

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 56/3 है, जी मेन रोड, मद्रास-30 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिश्जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रश्ना नगर, (डाक्सेंट सं० 318/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रवैकान ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जानसी रानी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई जानेय

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जल्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषान है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिन्या गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—42, 1 मेन रोड, मद्रास-130। (डाकूमेंट सं० 318/82)।

ग्रार० पी० पिल्लें सङ्ग्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्राधुक्त (नियीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखं : 25-2-19**§**3

मोहर

ग्रहर आई . टां . ए र . एस . ------

**बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 र (1) के अधीर त्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्र ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 53/जुलाई/82—म्प्रतः मुझे, स्नार० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मेरियकुठल है, जो श्रन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रन्ना नगर, (डाक्मेंट सं० 325/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की रई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनीं की., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922. (1922 आ 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय हा या किया जनना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) श्री तोफिक कान ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम वेठ मूर्ति ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्य व्यक्ति कैरा, ग्रचोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए के सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, भो जन्स बिधिन्यम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि — पेरियकुठल, ग्रन्ना नगर, मद्रास । (डाक्मेंट सं० 325/82) ।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नत् वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण म, में उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1)

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•—

# भावतर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 25 फरवरी 1983

मिवेश सं० 51/जुलाई/82---- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अितियम' केंद्रा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्यक्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- छपये से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट 4863 है, जो नठुवकरे, भ्रमा नगर, मद्रास में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास, नार्थ (डाक्मेंट सं० 22229/82) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (अन्तरिकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छश्चेय से उन्त प्रन्तरण निधित में वास्तविक छप से कायेत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुइ किसो श्राय को वाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजेश्वरी ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री क्रजराज चर्टका

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हराब्दोकरणा—-इतर्ने प्रयुक्त शक्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, तो उत्त प्रध्याय में दिया गया है।

### अनसची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट नं० 4863, नठुवकरै, ग्रन्ना नगर, भन्नास । (डाक्मेंट सं० 2229/82) ।

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 25-2-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० 58/जुलाई/82—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हुं

भौर जिसकी प्लाट सं० 4864 है, डजो नठुवकर, ध्रमा नगर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ-1, (डाक्मेंट सं० 2230/82) में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० शनमूहम ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी चंठक।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि---प्लाट नं० 4864, नठुवखारै, श्रक्षा नगर, मद्रास । (डाकूमेंट सं० 2230/82) ।

> ग्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारी : 25-2-1983

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रांस, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० 59/जुलाई/82—यत:, मुझे, म्रार० पी० पिल्लैं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं आरं एसं सं 1763 है, जो वाशरमेनपेट मद्रास में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ-1, (डाक्मेंट सं 2316/82) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती भ्रलस मेरी भौर श्रदरस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नागप्प नष्यर।

(श्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर : सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण—ग्रार० एस० सं० 1763, वाशरमेनपेट मद्रास ।

(डाकूमेंट सं० 2316/82) ।

श्चार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 25-3-83

प्रकार भाई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रीवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मन्नास, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० 28/ग्रगस्त/83—यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिरुनै,

आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1/बी०, स्पर टैंनक रोड़ है, जो मद्रास-31 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेंट, मद्रास (डाक्नेंट सं० 1137/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई

को पूंजीकत संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से क्षम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाष्तिकक इप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से बुई किसी प्राय की अवश जकत प्रधि-तियस के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। प्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए।

सतः प्रज, उनत मधिनियम की घारा 269-न के सनुसरण में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-ए की उपघारा (1) के सभीन, नुनक्तिकार स्प्रीयत्मों, वर्षात् ह (1) श्री नवरत्न मल दगार। चन्द्रादगार।

(प्रन्सरक)

(2) श्री विजय दगार।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूचाँक्त सम्मिति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु के 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कब व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इन्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्कृष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम, के अध्याय 20 - क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्याहै।

### अनुसूची

भूमि भौर निर्माण---1/बी०, स्पर टैंक शोड़, मद्रास । (डाक्सेंट सं० 1137/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 25-3-83

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्भन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निवेश सं० 9870—गतः, मुझे, श्रार० गी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उजित बाजार मन्य 25,000/-रः. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 647/1, 647/2, 649 श्रीर 603 हैं, जो पेरियकुलम; मद्रास विवेलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रमुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी

के कार्यालय, सरटिवरम, (हाकूमेंट सं 1842/82) में

रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंहह प्रतिश्त अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री महालक्ष्मी स्वामीनाथन् ।

(भन्तरिती)

(2) श्री समरियारा फैनांसर्म।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख . से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसर ाचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसधी

भूमि—सर्वे सं० 647/1, , 649, 603 पेरियकुलम । (डाक्मेंट सं० 1842/82) ।

ग्नार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 3-3-83

मोष्ठर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

(1) श्री तनगम नटराजन ।

(भन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना (2) श्री समिरियास फैनांसर्स।

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 मार्च 1983

निषेश सं० 9870—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, गयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६९-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १५,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 649, 603 है, जो पेरियकुलम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से बर्णित

है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सरिटवरम में रिज-स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख, जुलाई 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या,
- (क) ए'से किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अक्षोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिविद्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हाँ।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 649, 603, पेरियकुलम । (डाकुमेंट सं० 1843/82) ।

> श्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ट (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 3-3-1983

प्ररूप बार्ड ्वी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IJ, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० 12191—अतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 237/2, 237/, 231/3, 230/8, है, जो कोठुमुिंठ, इरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोठुमुठी (डाक्सेंट सं० 630, 631/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलसत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और्/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज़िखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री राजानगम्माल ।

(ब्रन्सरक)

(2) श्री लक्ष्मी श्रम्माल श्रीर अदरस।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबसुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि—सर्वे सं० 231/3, 230/8, 237/1, 2, कोठुमिठ, ट्टरोड । (डाकूमेंट सं० 630, 631/82) ।

> भार० पी० पिरुले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , नद्राप

नारीख : 3-3-1983

## प्रकृप बाह्न . ट्रां. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० 12174—प्रतः मुझे, प्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- एत. से आधिक है श्रौर जिसकी सं० किट्टामपालयम है, जो पोल्लाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची (डाक्मेंट सं० 1914/1915, 1916/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मल्य से कम के रहयमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यम्ब्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तांत्रक रूप से कथित नहीं किया ग्या 🐉 🖰 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का अवत, उकत अधिनियम क अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में सुम्भा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् हु— (1) श्री रामलिंगम चेट्टियार <sup>1</sup> श्रीर श्रदरस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मैनर जे० करसन ग्रीर ग्रदरस ।

(अंतरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्वाप्तत सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं बर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र भें प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बदेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा नकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् अधिनियम के अध्याय 20-क में. पारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि—किट्टापालयम, पोल्लाची । (डाक्मेंट सं० 1914, 1915, 1916/82) ।

> श्चारः पी० पिलैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आर्द्दी.एन.एस. ~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० 17563—प्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 5, गोपालपुरम-II, स्ट्रीट है, जो मब्रास-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तौसनठ-लैट्स (डाक् मेंट सं० 275/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तौरीख श्रगस्त 1982 को पूर्वीक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विकरास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से एसे दृश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह शिराशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तर्भ तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी आप की बाबत प्रक्त पांध-तियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। पौर/या
  - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में ,में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ६——

(1) श्री बाय रेड्डी थरेसा दास ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जोचिम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक्षरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण--- 5, गोपालपुरम-II, स्ट्रीट, मद्रास-86 । (डाक्मेंर्ट सं॰ 275/82) ।

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 7-3-1983

माहुरु 🔞 .

# प्ररूप जाई ् टी. एन , एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्क 1983

निदेश सं० 12183— अतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 10/1831, 1832, है, जो भौरिपालयम, कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 3173, 3174/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे समने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—— (1) श्रीमती थी० सरस्वती।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री नटराजन श्रोर सावित्री ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनसकी

भूमि सर्वे सं० 10/1831, 1832, सौरिपालयम, कोयम्बटूर । (डाक्मेंट सं० 3173, 3174/82) ।

श्रार० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 3-3-1983

मोहर 🗄

# प्रकृष शाहु<sup>र</sup>्ड <u>हो ।</u> एन्<u>ड</u> पुष्<u>रक्षात्र</u>

नायकुर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चायक नाम्कर नामुक्त (निर्द्रीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-॥, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० 12186—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूच्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे नं० 56 ए, 137 हैं, जो कन्नंकोयिल में

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 56 ए, 137 है, जो कन्नंकोयिल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाक्सेंट सं० 1752/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का बन्तर सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल के बिए स्थापा प्रतिफल के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कवित कहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी जाय की बाबस, उक्स जिमियम के अभीत कर दोने में जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के सिए; बहुर/बा
- (का) ऐसी किसी जाम या जिसी धन या अन्य जारितयों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्री श्रन्ममाल श्रीर श्रवरस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बेलुरबामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों कर संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्रॉन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितत्यों में ये किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अन्सूची

भूमि—सर्वे 56ए, 137, कन्नकोयिल, दारापुरम । (डाकूमेंट सं० 1752/82) ।

न्नार० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मग्राम

खतारी : 4-3-1983

प्रस्प आह्रै.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के अधीन सृष्ना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-॥, मद्रास-

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० 12186—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं सर्वे 61, 63 है, जो कक्षकोयिल, दारापुरम में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाक्मेंट सं 1751/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

कों प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से चक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरे/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य कारितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्तु अधिनियम की धारा 269-म की अपभाष्त्र (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रामस्वाभी थौंडर श्रीर श्रदररा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेलुस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निलित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

भूमि—सर्वे नं० 61, 63, कन्नकोयिल। (डाक्मेंट सं० 1751/82)।

> भार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी . सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भजेंन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 4-3-198**3** 

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-च (1) के बभीन स्पना** 

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-॥, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 माच 1983

निदेश सं० 12186—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उ से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 138 है, जो कश्चंकोयिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, धारापुरम डाक्स्मेंट सं० 1749/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 182

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक अप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) कल्लाका से हुए किलो नाथ की बाबत उपल निध-तियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायितम में ानी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: सीत्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 जा 1)) या उक्त लिधिनयम, या धन कर अधिनियम, १९५७ (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गोविनठम्माल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वेलुस्वामी ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परिस के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकर्ग।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे 138, कश्चकीयल । (डाकूमेंट सं० 1749/82)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायके श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मब्रास

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।।, मद्रास

मब्रास, विनांक 4 मार्घ 1983

निवेश सं० 12187—यतः, मुझे, श्रार० पी० ॄपिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'जन्त अधिनियम' कहा गया ही. की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 52 बी, 53 है, जो कन्नाकोईल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाक्मेंट सं० 1750/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सिंहत में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् .... (1) श्री पलनिस्वामी घौडर वेलुस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री दारापुरम शुगरम भ्रांर केमिकल्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 52 बी, 53, कन्नांकोईल, दारा-पुरम । (डाक्मेंट सं० 1750/82)।

> श्राप्य पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख : 4-3-1983

मोहर ः

A ...

प्ररूप बार्ड. दी. पुन. एवं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

म्रर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० 12214— यतः, मुझे, श्राए० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 22/268, 269, बिग बाजार स्ट्रीट, है, जो कोथम्बट्र में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोथम्बट्र (डाक्सेंट सं० 3329/82) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पामा मया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निलिखत मे बास्तिक हम से कि शिन नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कभी कर्ज़ या उससे व्याने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: वय, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात :---

(1) श्री एन० के० महादेव ग्रय्यर।

(मन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी श्रम्माल श्रीर श्रदरस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के संबंध में कोई गाओंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनस जी

भूमि ग्रौर निर्माण--22/268, 269, बिग बाजार, स्ट्रीट, कोयम्बट्र । (डाक्मेंट सं० 3329/82) ।

म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 3-3-1983

श्रुक्ष्यु मार्डे, टी. एन., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० 41, 42/जुलाई/82—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ण्लाट नं० 4466 हैं, जो श्रम्मा बाजार, मब्रास-40 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, श्रम्मा बाजार श्रम्मा नगर (डाक्सेंट सं० 446/82) में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वों कर संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) बन्तरण, से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिपीयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; ब्रॉट,/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा चे हिए;

अतः जस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र--- (1) श्री सेलवम धर्मराज ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री मनो राजशेखरन परसिस मलती राजशेखर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की विविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

#### अनुसूची

भूमि प्लाट—4466, मुल्लुम, श्रक्षा नगर, मब्रास-40। (डाक्मेंट सं० 446/82) ।

> म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-॥, मद्रास

तारीख : 9-3-1983

मोहरः 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) को अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 फ़रवरी 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/33-श्रतः, मुझे, शश्चिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 210 है, जो दूसरी मंजिल, मिनिग्रार प्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 57958 सं० नं० 4, 5, 6 प्रौर 7नथधर गांव में है तथा जो ना० वयई जिला वाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायकर (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 श्रक्त्वर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों लिए तथ् पाया गया फल, निम्निचित उच्चेक्टर से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कोहिनूर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी मनीम्रार ग्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 57 म्हीर 58, सं० नं० 4, 5, 6 म्हीर 7, नवघर गांव, ता वसई (पिष्चम), जिला ठाना ।

( भ्रन्तरक)

(2) डा० के० बी० मेलन्टा, प्लाट नं० 508, संक्टर-II, सी० जी० एस० क्वार्टर सायन, कोलीवाडा, बम्बई-37 ।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को सीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **जन्**स्ची

ष्लाट नं० 210, दूसरी मंजिल मनीम्रार म्रपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 57 ग्रीर 58 सं० नं० 4, 5, 6 ग्रीर 7, नग-घर गांव ता० वसई (पश्चिम) जिला ठाना, क्षेत्र 575 स्क्षेयर फ़ीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 295 जो 15-10--1982 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रजंन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा हैं।

> प्रशिक्तंत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 28-2-1983

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----. 1961 (1961 का 43) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 2 मार्च 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई० ई० 38/82-83—यतः
मुझे, प्रशिकांत कुल कर्णी
ग्रायकर प्रिवित्यप, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितित्रप' कहा गया है), को बारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिनहा उचित बाजार मुख्य 25,000/-इ० मे श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 304, विंग 'बी०', सं० 17-ए०/1, परांग नाता, फ़ातीमा नगर, पूना सोलगूर रोड, है, जो पूना-411013 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त, अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 सितस्बर, 1982

को पूर्णीक्न सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति किन के लिये अन्तरित की गई है और पूर्ते यह विषयात करने का कारण है कि ययापूर्जीकत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) को सीच ऐसे अन्तरित (अन्तरित्यों) के सीच ऐसे अन्तरिण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरिण निखित में वास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उमत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्मत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मनीष जापॅरिशन,24, नरीमन रोड,फ़ोर्ट बम्बई-400023।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० सैफ़जहीन हामजभाई,
मैसर्स मुहमद श्रली,
हसनभ्रली,
बक्कार पेट, पी० श्री० बाक्स नं० 7,
श्रमलनेर,
जिला जलगांव ।

(ब्रन्तरिती)

को यह मूचन। जारो कर रु पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इन यूजा है राजा व व प्रकारन को तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर ध्यक्तियों में ने किसी त्यक्ति हार।;
- (ख) इस भूवता के राजरत में प्रकाशन को तारोख सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थाबर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केगें।

स्यञ्जी तरणः ---- इतनं प्रयुक्त शब्दां प्रौर पदों का; जो उक्त स्रवित् नियम के श्रष्टवाय 20-क में प**रिभाषित हैं; बही** श्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

प्लाट नं० 304, विंग 'बी०', तीसरी मंजिल प्लाट नं० 9 सं० नं० 17-ए०/1,भरोबानाला,फातीमा नगर, पूना सोलापुर, रोड, पूना-411013, क्षेत्र 1030 स्क्वेयर फीट ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कम ग्रार० 63 जो 22~9-1982 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त , ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> यशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 2-3-83

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 28 फरवरी 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/एम ग्रार मिरज 799/82-83—श्रतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है, तथा जो एस० आर० मेराड में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुरयम निबंधक मिरज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 जुलाई, 1982

का 16) के प्रधीन, तारीख 12 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. श्रीमती रेखा निलकंठ पटवर्धन । 2. श्री श्रच्युत शंकर दामले । विश्राम वाग, सांगली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनन्दा भगवान राव यादव, \*51, शनिवारपेठ, सातारा, जि० माप्तारा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स्यी

भूमि सं० नं० 362/1, प्लाट नं० 30, सांगली, भूमि क्षेत्र 6290 स्क्वे० फ़ीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1536 जो 12 जुलाई 1982 को दुय्यम निबंधक मिरज के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी

- सक्षम प्राधिकारी

महायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज पूना

तारीख . 28-2-1983 मोहर:

## प्ररूप बाई० टी• एन॰ एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 फरवरी 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ई० ई० | 27/82-83--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी भ्रायंकर अधिःनयम, 1961 (1961 का 43) इपर्पे इर्रह परवरा उत्ता अधिनियम कहा गया है), को धारा 260-ए है अधीन संजन प्राधिकारी को यह विश्वा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उलिश बाबार गुच्य 25,000/- ६० से अधिक श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, कमला चेम्बर्स, बुधवार पेठ, है जो पूना--2 में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता म्रिध-कारी के कार्यालय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्वधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, नारीख 21 सितम्बर, 1982 को पूर्वेषित सम्बन्धि के उन्जित बाजार मुख्य से कम के बुश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का अजित बाजार सृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरिवियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रम्तरण लिखित में बास्तबिक रून से जिल्ला नहीं किया गया है।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क्रो लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति। को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपासे में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) विश्वमिल एण्ड राठी,
 103, सुयश वैश्वर्स,
 1149, सदाशिव पेठ,
 पूना-30 ।

(भन्तरक)

(2) राठी इस्टेट प्रा० लि०, 766/2, पि० वाय० सी०, जिमखाना लेन, पूना-411004 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचनाक राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वडोक्करण :--इसमें प्रयुक्त ग्राब्दों और पक्षों का, जो जनत अधिनियम के सक्याय 20-क में परिवादित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विकास सम्मास

# अनुसूची

ूकान नं० 2, कमला चेम्बर्स तल फ़र्स 687 बुधवार पेठ, पूना-411002, क्षेत्र 205, स्थ्वे० फ़ीट । (जैंथे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 76 जो 21-9-1982 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर लिखा हैं।)

> धशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 17-12-1982

⁄हहर :

प्ररूप बाहाँ, दी, एन्, एस्, 🗝 🚗 -

# नायभर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना,-411004, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/803/एस० ग्रार० मावल/82-83-यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी प्रायकर ग्रीधिनयमः 1961 (1961 का 43) (जिसे

प्रायकर प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह निश्चास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृश्य 25,000/-ष्पण से अधिक है

स्रौर जिसकी सं भौजे टाकवे बुद्रक कृषि भूमि गट नं 412 है औ ता मावल, जिला पूना में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिध-कारी के कार्यालय, दुटयम निबंधक मावल में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की यह है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वायत जनत ग्रिध-भिवम के अजीन कर देने के समारक के वायत्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सविधा के बिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना षाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) 1. भारती सोनू ग्रसवले ।
  - 2. श्री खण्डू मारुती ग्रसवले ।
  - 3. श्री राम भाउ मारुती भ्रसवले ।
  - श्री बाबू मारुती श्रसवले ।
    मौजे टाकवे बुद्रुक,
    ता० मावल,
    जिला पुना ।

(प्रन्तरक)

- (2) 1. श्री एस० एच० ब्राफ़ना।
  - 2. ए० एच० बाफ़ना ।
  - 3. श्री श्रार० एच० बाफ़ना।
  - 4. श्री पी० डी० राणे।
  - 5. श्री एस० एच० ललवाणी ।
  - 6. श्री ए० एन० ललवाणी ।

    1 से 4 का पता वडगांव मावल
    जिला पूना ।

    5 श्रीर 6 का पता,
    लोणावल,
    जिला पूना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषां क्ता सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बक्कीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विस् के प्रीतर उक्त स्वावट संप्रित में हित्बड्स किसी कर क्यूरिक द्वारा व्याहरताकरों के पास सिस्त में किए वा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्तं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

### अन्स्ची

कृषि भूमि भौजे टाकवे गट नं० 412, ता० मामल, जिला पूना क्षेत्र 12 हे० 95 घार० ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1046 जो जुलाई, 1982 को दुरुयम निबंधक, मावल के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

> > A Last Number of Sec.

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थार्य 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जेन रेंज, पूना
पूना, दिनांक 17 फ़रवरी 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई० ई० /28/82-83--

यतः मुझे, प्रशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं व दूकान नं 1, कमला नेम्बर्स, सलर्फेश 687, बुधवार पेठ, है तथा जो पूना-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूकी में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रजन रेंज, पूना में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 21 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं सर्स विश्विष्ति एण्ड राठी,
 103, सुयश चेम्बर्स,
 1149, सदाशिवपेठ,
 पूना-411030 ।

(प्रन्तरक)

(2) में सर्स ए स० एम० बेहेरे एण्ड संस, 25, विश्वभिन्न कालोनी, लॉ कालेज रोड, पूना-411004 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

## अनुसूची

बुकान नं॰ 1, कमला चेम्बर्स, तल फ़र्स, 687, बुधकार पेठ, पूता-411002 क्षेत्र 195 स्क्वे॰ फ़ीट ।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 78 जो 21-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है। ]

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)ः श्रुजैन रेंज, पूना

गारो**म** : 17-2-1933

# प्रकथ आइ. टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज, पूना पूना, दिनांक 17 फ़रवरी 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई०/2 सी०-82-83-ग्रतः मृक्षे, शशिकांत कुलकार्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत श्रर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 श्रक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्श का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स विश्वमित्र एण्ड राठी,
 103, सुयश चेम्बर्स,
 1149, सदाणिव पेठ,
 पूना-411030।

(म्रन्तरक)

(2) 1. श्री मती रेणू रामचन्द शर्मा,
 2. श्री रामचन्द गिरघर लाल शर्मा,
 4/जी०, शकनाम बिल्डिंग,
 रोड क 4,
 सायन (पूर्व),
 बम्बई-400022।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि कोई हो तो

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 508, जो 'गुलमोहोर' 2420 जनरस थिमय्या रोङ,पूना-1,क्षेत्र 1000 एस्को० फ़ीट।

(जैसे कि रजि़स्ट्रीकृत नं० 268 जो 13-10-1982 को सहायक भायकर भायकर भायका (निरीक्षण), भर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 17-2-83

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 फरवरी 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ई०ई० / 2/82-83—-श्रतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० क० 9B तीसरी मंजिल भ्रम्बर चेम्बर सिटी एस० 28 बुधवार मेठ, है जो पूना-2 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबड़ भ्रमुम्बी में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त भ्रजीन रेज पूना में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12-10-82

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) विश्वमित्र एण्ड राठी
 103 सुयश चेम्बर्स
 1149 सदाशिव पेठ
 पूना-411030 ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रशोक भगवान दास कामदार 75, नवीं पेठ सेंहेदरकर बिल्डिंग गाजवें चौक पूना-411030।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाने।

स्पध्यकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

क्रम 9 बी॰ तीसरी मंजिल अम्बर चेम्बर्स सी॰ टी॰ एस॰ क्र॰ 28 बुधवार पेट पूना-2 क्षेत्र 446 स्ववे॰ फूट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत %० 262 जो 12-10-1982 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

तारीखा : 17-2-1983

मोहर 🌣

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1 मार्च 1983

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 106, विंग 'ए०', पहली मंजिल, प्लाट नं० 9, सं० 17-ए०/।, भैरोबा नाला, फातीमा नगर, पूना-सोलापुर रोड है, तथा जो पूना-411013 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयव श्रीयक्त, श्रजंन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उसक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित न्यक्तियों, अर्थात् :---

मनीप कारभोरेशन,
 24, बीर नरीमन रोड.
 फ़ोर्ट बम्बई-400023 ।

(म्रन्सरक)

(2) डा० राजेश ग्रार० परदेशी, 22, वानवडी बाजार, पूना-1 ।

(भ्रातरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अविध , जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 106, विंग 'ए०' पहली मंजिल, प्लाट नं० 9 सं० 17-ए०/1, मैरोबानाला, फ़ातीमा नगर, पूना, सोलापूर रोड, पूना-411013, क्षत्न 695 स्क्वे० फ़ीट ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं 83 जो 22-9-1982 को सहायक आयकर आयुक्त श्रजंन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है) :

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख : 1-3-1983

मोहर 🖫

# प्रकप आई• टी• एन• एत०---

# श्रापंकर अधिनिबम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के स्रवीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 17 फ़रवरी 1983

निदेश सं∘ सी॰ ए॰ 5/37 ई॰ ई॰/23/82-83—ज्यतः.

मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्ते प्रक्षितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से अधिक है

और जिसकी सं 11 बी 0, चौथी मंजिल, भ्रम्बर चेम्बर्स, सी 0 डी 0 एस 0 अम 28, है, तथा जो बुधवार पेठ, पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, सहायक भ्रायकर धायुक्त, धर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 12 भक्सूबर, 1982 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल्त के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बी व ऐसे भन्तरण के लिए तय पायः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धियों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ध्रविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मैं सर्स विश्वामिल भौर राठी,
 103, सुयश चेम्बर्स,
 1149, सदाशिष पेठ,
 पूना-411030 ।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्रावद मोतीचन्द साह,
 24/12, शिवाजी नगर,
 रस्मी राज बंगलो,
 पूना-2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भानोप !--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्बोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:।
- (ख) इस सूवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उम्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वन्सूची

नं० 11 बी०, चौथी मंजिल, ग्रस्बर चेम्बसँ, सी० टी० एस० नं० 28, बुधवार पेठ, पूना-2, क्षेत्र 446 स्क्वे० फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृष नं० 263 जो 12-10-82 को सहायक भायकर भाग्कत, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज. पूना

तारी**ख : 17-2-1983** 

प्ररूप थाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० चण्डी०/84/82-83—म्ब्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8, है, तथा जो सेक्टर 33.ए. चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य भ्रनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से प्रित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अर्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री तुलसी दास सैनी
पुत्र श्री ताराभन्य द्वारा
श्रटारनी श्री सतीण कृमार खन्ना
पुन्न श्री हरी प्रकाण
वासी गांव व डाकखाना मोहना,
जिला कृदक्षेत्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल
पुत्र श्री लाल चन्द,
बासी मकान नं० 155,
सेक्टर 27-ए,
चण्डीगढ म

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीर :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सृद्धों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### क्षत्रसंची

पलाट नं० 8, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 505, जुलाई, 1982 में दर्ज हैं।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लधियाना

तारीख: 10-3-1983

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

🔑 कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मार्च 1983

निषेश सं० चण्डी०/105/82-83--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाह नं० 142 है नथा जो सेक्टर-35 ए, क्ण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, क्ण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जलाई, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्येमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के <u>लिए; और/या</u>
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा को लिए;

अतः। असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेजर जनरल दलजीन सिंह पुत्र डा० निरंजन सिंह, है० कि० नैरदन कमांड, मार्फ़्त 56 ए०पी० श्री०

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी किरण भोहनी कुमार विधवा श्री एम० एम० मार, वासी मकान नं० 57, सेक्टर 9-ए, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

प्लाट नं० 142, सेक्टर 35-प. चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय, के बिलेख नं० 592 ज्लाई, 1982 में दर्ज है )।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, लुधियाना

्रार्गिख . 10-3-1983

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं॰ चण्डी०/93/82-83--म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावीर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1699 है तथा जो सेक्टर-33 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई 1982

को प्रविक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मं सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) फ़॰ लैं॰ बावा गोपाल सिंह (रिटायर्ड), पुत्र बाया शेर सिंह , वासी वानिका गली, फरीदकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नरिन्दर कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह, श्रासी मकान नं० 1142, सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ ।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं 1699, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ । (जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 554, जुलाई, 1982 में दर्ज है)।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, लुधियाना

तारीख: 5-3-1983

मोहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 5 मार्च 1983

निदेण सं० चण्डी०/78/82-83--- ग्रतः मुझे, स्खचन्य चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 3120, है, तथा जो सेक्टर-22 डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध ग्रम्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीयता ग्रीधदारी के दार्यकर, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधोन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकास से एमे दृश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें सस्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरिन्धर कुमार पुत्र श्री छण्ज् राम, वासी बी० 2.769, न**र्ड ग्र**नाज मण्डी, जालंधर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल,
पुत्र श्री बेली राम,
वासी एस० सी० एफ० 25
सेक्टर-19, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उथता अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 3120, सेक्टर-22 डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 455, जुलाई, 1982 में दर्ज है )।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

न्नायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के भधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 मार्च 1983

.निदेश सं० चण्डी०/92/82-83---ग्रतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर श्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उका श्रमिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसा उचित बाजार पूट्य 25,000/- द कसे अधिक है

भौर जिसकी पं० महान नं० 319, सेक्टर 20-ए है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), एजिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीहरण अधिनयम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1982

- को पूर्णेक्त सुम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐपे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐ उ अन्तरण ह निए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलियिन उद्देषया उक्त पात्ररण निष्टित में बास्तविक क्ष्म से किष्क नहीं किया गया है:—
  - (क) प्रत्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; धौर/यां
  - (ख) ऐसी कियी पाप या कियी धन या प्रन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, खिपाने मे सुविधा के लिए;

भवः प्रज, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भूषीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बरिजन्दर कौल पुत्र श्री कांगी नाथ कोल, मकान नं० 689, सेवटर-7 डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री धर्मचन्द धीरानी
पुत्न दियाल चन्द श्रौर
श्रीमती राजकुमारी,
पत्नी श्री धम चन्द धीरानी,
वासी मकान नं० 319,
नेक्टर-20 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बर्धित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पुनता व राज्यत्र ते प्रकाणन की तारीख है 45 दिन की प्रवित्र सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जोभी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्स्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोक्तरण -- इसमें प्रगुक्त गब्बों भौर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम कं श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### प्रवस्त्री

मकान नं० 319 जो सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायधाद जैसा कि रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रिप्रिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 530, जुलाई, 1982 में दर्ज है )।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियान

तारीख: 11-3-1983

त्रुक्ष्यु आई. टी. एन. एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधिय।ना, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० खरड़/11/82-83---श्रतः मुझे, सुखदेव धन्द,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रन. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 29 है, तथा जो फ़ेज-II, मोहाली, जिला रोपड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि.शत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) (1) श्री क्रिलोचन सिंह आटारनी ग्राफ स्व० प्रीतमाल सिंह, वासी मकान नं० 1166, फ़ेज-5, मोहासी, जिला रोपड़ ।

- (ग्रन्सरक)

(2) श्री जी० ग्रार० शर्मा पुत्न श्री शंकर दास शर्मा, मकान नं० 29, फ़्रेज-II, मोहाली, जिला रोपड़ ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

कोठी नं० 29, क्रेज-II, मोहासी ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीक्ता ग्रधिकारी, खरड़ के कार्यालय, के विलेख नं० 2483 जुलाई, 1982 में दर्ज है)।

> सुखदेव जन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख: 11-3-1983

प्ररूप बाह्, टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की 269व(1) के बाबीन सुचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० चण्डी०/106/82-83--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जन्स फींबनियम' कहा गया है), की बारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1116 है, तथा जो रोक्टर-36 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण निश्चित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 💕 :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की धावत उकत अधि-नियम के अभीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने व्यान में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन ए। अध्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्निध्न-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ध्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था; खियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सत्या प्रकाश अहू जा
पुत्र श्री श्रर्जन दास झाहूजा,
द्वारा श्रदानी श्रीमती बरमिन्दर कौर
पत्नी श्री जगजीस सिंह
वासी मकान नं० 97,
सेक्टर -16 ए,
चण्डीगढ ।

(मन्तरक)

(2) श्री जगजीत सिंह पुन्न श्री निरंजन सिंह, वासी मकान नं० 97, सेक्टर -16 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सी, उक्त सम्बन्धि के ग्रजैन के गम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (4) इस नूचना १ राज्यत्र में प्रकार की तारीख से 45 दिन की अपित था तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॉरो।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रपुत्त मन्तीं ग्रीर पदीं का, जो उनत ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिमाणित है, वहीं ग्रंथ होगा जा उस ग्रह्माय में दिया गया है।

### वन्स्ची

प्लाट नं० 1116, सेक्टर 36 सी, चण्डीगढ़ । जायकाद जैना कि राजिस्ट्री हनी ग्रिविहारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के थिलेख सं० 593, जुलाई, 1983 में दर्ज हैं।)

> सु**खदे**व चन्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारीखा: 16-3-1983

प्रकृप आहाँ. टी. एन. एस. - - - ----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

थलकत्ता, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेण सं० एक्यू० 91/एल०-II/क्ल०/82-83---ग्रतः मुझे, सी० रोखामा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10/1, 10/जी० और 10/2 डी० एच० रोड है, तथा जो थाना श्रलीपुर, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसदे उपावड अनुसूवी में और पूर्ण रूप सेवर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रक्षितारी के कार्यालय, स्नार० ए० कलकत्ता में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे इत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि ज गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य जारितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

- (1) मैं सर्स चाबरिया इंजीनियरिंग को० अन्तरक
- (2) न्यू श्राम्नपाली हार्ऊसिंग की० श्रापरेटिय सो० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्षेत्र 15 कट्ठा 41 वर्गफुट, तथा जो 10/1, 10/बी०, और 10/2, डी० एव० रोड, थाना श्रलीपुर, कलकत्ता-27 ।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11, कलकत्ता-16

तारीख: 7-3-1983

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-III, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 फ़रवरी 1983

निदेश सं० 1232/एक्यु० ग्रार०-<math>III/82-83—-ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 71-ए, 71-की है, तथा जो टालीगंज रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधवारी के नार्यालय, तलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 17 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोदत सम्पत्ति का उिचत बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विकासिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भौमिक इंजीनियरिंग को० प्राइवेट लिमिटेख,

(अन्तरक) .

(2) सेनेट इंजीनियरिंग इंटरप्राइसेज।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेगाहियां करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकामन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति, में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्थी

71-ए, 71-बी, टालीगंज रोड, कलकत्ता । 17 के, 2 सी एच० 37 स्क्वे० फ़ीट जमीन के साथ मकान ।

> एम० प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर **श्रा**थकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज । , कलकता-16

तारीख 21-2-1983 मोहर :

17.77 7.78%

प्ररूप कार्इ. टी. एन्. एस . -----

# प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० 1233/एक्यू० म्रार०—III/82-83---म्रातः मुझे, एम० म्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वर्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 13 है, तथा जो एक डालिया प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के वार्याक्ष्य, वलवक्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 7 जुलाई 1982

को पूर्वो कत सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निलिशत उद्देष्य से उक्त मन्तरण लिश्वत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की भावत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः बदा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री गैलेन्द्र नाथ मिक्त ।

(धन्तरक)

(2) श्री भ्राचेंना विश्वास ।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की जनिश्च या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूस्ची

13, एक डालिया प्लेस, कलकत्ता । 4के—-6 सीएच० 21-1/2 स्क्वे० फ़ीट जमीन पर मकान ।

> एस० श्रहभद सक्षम श्राधिकारी सहायक झायकर भाग्नुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, अलकत्ता-16

तारीख: 21-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 फ़रवरी 1983

निवेश सं० 1234/एकपू० म्रार-III/82-83--- मतः मुझे, एम० महमद,

आयक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13 है, तथा जी एक डालिया प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 जलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रातिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अनः र से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10—16 GI/83 (1) श्री शैलेन्द्र नाथ मित्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौत्म विश्वास श्रौर दूसरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिताों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीं।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्सृची

13, एक डालिया प्लेस कलकत्ता।
4 के, 6 सीएच० 21-1/2 स्क्वे० फीट जमीन के
साथ मकान।

(1/2) शेयर) ।

एम० **धहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 21-2-1983

मोहर ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-III, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1983

निवेश सं० 1235/एक्बी० म्रार०-III/82-83---मृत:, मृक्षे, एम० महमद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त निधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

जिसकी सं० 2 ए है, तथा जो खास मदुल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिकस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के जियत बाजार कृष्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निकिष्णिट व्यक्तियों, अर्थात् : -

(1) श्री हिमांशु कृष्णा मिला ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोरंजन बोस ग्रौर दूसरा हिमांगु कृष्णा मित्र ।

(अन्सर्दिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरमधी

2 ए, खास मदुल स्ट्रीट, कलकत्ता । 6 के, 13 सी एच० 8 स्थवे० फ़ीट अमीन के साथ मकान ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 1-3-1983

मोहर:

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० 1236/ एक्वी० ग्रार०-III/82-83---ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 55, युकान सं० 7 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है र्रे (भ्रीर इससे उपायक ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 1 जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थास् :-- (1) श्री नरसिंह नाथ मक्षन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोहान देवी मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>8</sup>।

अनसची

दुकान सं० 7, जौथी फ्लोर। 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

> एम० म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III; कलकत्ता

तारीख 1-3-1983 मोहर : 1

## प्रकप् काइै. टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृष्टा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1983 -

निदेश सं० 1237/सीक्यु० ग्रार०-Ш/82-83--- मतः मुझे, एम० ग्रहमद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से ओधक है

भीर जिसकी सं० 55, एक तल्ला है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण इस से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 3 जुलाई 1982
को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूख्य से कम के दरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वयेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; बाँड/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने भास्तिभा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्भात्:—

(1) श्री नर्रासह सहाय मदन गोपाल (इंजीनियर्स) प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री अभेतार काउर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकों।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जंकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं

## अनुसूची

एपार्टमेंट सं० 17, एक तल्ला। 55, इजरा स्ट्रीट, कलकसा।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 1-3-1983

मोहर:

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक । मार्च 1983

निदेश सं० 1238/एसीक्यू श्रार०-III/82-83— अतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 55, एक तल्ला है, तथा जो इजरा स्ट्रीट कलकत्ता में में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3 जुलाई 1983

को प्योंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िष्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल (इंजीनियसं) प्रा० लि०।

(बन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र काखर भौर पूसरे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

भ्रपार्टमेंट सं 31, एक तल्ला, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता ।

> एम० मह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-111, कलकत्ता

तारीख: 1-3-1983

मोहर 🕃

## त्रक्ष मार्चु टी. एन. एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं 1239/एसीक्यु० मार०-III/82-83---मतः मुझे, एम म्रहमद,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन संस्मा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 13 है तथा जो वंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख 1 जुलाई 1982
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा
ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विक से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तें शीधीनयम के मधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: नार्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री सुधीर कुमार है।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधांसु शेखर है श्रीर दूसरे।

(अन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वों क्या सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याध्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

13, वंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता । 6 के० 9 सीएच० 37 एसक्यू० फ़ीट जमीन के साथ मकान । (1/6 शेयर )।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-Ш, कलकत्ता

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, प्रकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नीकीकत अधीवतयों, अधीत :--

तारी**ख** . 7-3-1983 मोहर ः प्रस्प भाइं.टी.एन.एस. -----

1240/एक्वी० ग्रार०-।।।/82-83---- प्रतः

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के कभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।।।, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 7 मार्च 1983

मुझे, एम० ग्रहमद मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्तं अभिनियम' कहा गया है), की भारा

269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपये से अधिक है

निदेश सं०

ग्रीर जिसकी सं 13 है, तथा जो वंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमती प्रतिमा दे भौर दूसरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिंमाशु शेखार दे श्रीर दूसरे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधियातत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत **क्यक्सियों में से किसी व्यक्ति द्वारा**;
- (च) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदौका, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्यास में विवा भया है।

13, वंकिम चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता । 6 के० 9 सीएच० 37 स्क्वे० फीट जमीन के साथ मकान। (1/6 शेयर )।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-।।।, कलकसा

तारीख: 7-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० 1241/एक्नी० ग्रार०-III/82-83--- ग्रतः, मुझे, एम० ग्रहसद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं∘ 1-ए है, तथा जो प्रिन्स गोलाम् मोहम्मद पुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का № 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 17 जुलाई, 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी नावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एती किसी जाय मा किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) दिपष्निस चन्द्र राय,

(अन्तरक)

(2) संखयन कोम्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

1-ए, प्रिंस गोलाम मोहम्मद रोड, कलकत्ता । . 5 के ० 0 सीएष०-30 स्क्वे० फीट जमीन के साथ मकान ।

> एम० घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, कलकक्ता

तारी**ख** : *7*-3-1983

मोहर 🔅

## भक्ष बाह्री, टी. एन्. एस्.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म् (1) के भधीन सूचना

## भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० 1242/एक्वी० ग्रार०-III/82-83---- ग्रत, मुझे, एम० ग्रहमद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 55 पांचवीं प्लोर है तथा जो इजरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में श्राप्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह् :---

(1) श्री नर्रासंग सहाय भदन गोपाल इंजीनियर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रगोक इंडस्ट्रीज इम्पोर्टस् मनुर्फंकचरिंग कम्पनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्धों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पर्धाकारण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० पांचवीं फ्लीर 55 इजरा स्ट्रीट कलकसा।

एम० अहः ुसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण), धर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख : 4-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं०  $1243/\sigma$  स्त्री० ग्रार०-82-III833—-प्रतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 55 पांचवीं फ्लोर है तथा जो इजरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1 जुलाई 1982

को पृथेक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) नरसिंह सहाय मवन गोपाल इंजीनियसं प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रशोका मैनुफैकचरिंग को० प्रा० एजेन्सिस ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुने ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

## अनुसूची

प्लाट पांचवीं पलोर 55, इजरा स्ट्रीट कक्षकता । दलल सं० 5702 ।

> एम० ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकला

तारीख<sub>ा</sub>: 4-3-1983

मोहर :

\_\_\_\_\_\_

प्रकप आइ. टी. एन. एस. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० 1244/एक्बी० श्रार०-॥।/82-83—श्रतः मुझे एम० श्रहमद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं . है तथा जो मौजा नाकतला, पी एस जादबपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30 ज्लाई 1982

(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30 जुलाई 1982 को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उथत अन्तरण निम्नित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अर्[भूनियत्र की अभीन कर दोने को अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; बॉट/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

(1) सुझारबान लानु श्रौर बिल्डिंग सोसाइटी प्राइवेट लि० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सिबानी मजुमदार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

## अनुसूची

मौजा नाकतला, पी० एस० जादबनुर, 2 के० 8 सीएच० जमीन के साथ मकान।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ऍ—

तारी**ख** : 9-3-1983

मोहर :

प्रकृप' बाइं, टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० 1245/एक्यू० म्नार०-III/82-83---- अतः, मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 49 है तथा जो महानिरबान रोड कलकता स्तिथ है (और इससे उपादद अनुसुची में और पूर्णा रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 31 जुलाई 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुतिभा के लिए; और/या
- (का) ऐसा किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्रीमती वीना चटर्जी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीतम सुन्दरी दत्त ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध जिसी जन्म व्यक्ति उपारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्तु अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

49 महानिरबान रोड कलकत्ता । 1 के० 6 सीएच० जमीन के साथ मकान ।

> एम० **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख: 9-3-1983

.मोहर :

प्ररूप गाई० टी० एन । एस०

भाषकर **मधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के **म**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश स० 1246/एक्यू० आर०-III/82-83-प्रातः मुझे एम० श्रहमद,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिष्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्मति, जिसका उचित् आजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 12 है तथा जो सत्येन दत्त रोड कलकत्तः में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9 जुलाई 1982

को पूर्वित सम्मत्ति के उचित्र वाजार पूस्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिकल न ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्वेह प्रतिशत श्रिक्ति है प्रीर अन्तरिक (श्रम्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरिण के लिए तय पाया व्या प्रतिकल, तिम्नलिबिन उद्देश्य । उक्त श्रन्तरण लिखिन में बास्तविक का ए कथि। नहीं किया सन है ---

- (क) अन्त्रण से हुन्दै किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--

(1) श्री नीम चन्द कानडोई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मन्द साल तानितया।

(श्रन्सरिती)

को यह पुत्रता तारो करह पूर्वास्त सम्मित्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध व्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —— इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनिशम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

प्लाट सं० 2 एक तल्ला साउथ ईस्ट क्लब 12 सत्येन दत्त रोड कलकत्ता ।

> ् एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर चयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता-16

तारीख : 9-3-1983

मोहार 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III कलकता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० 1247/एक्यू० न्नार०-III/82-83--- मतः मुझे, एम० भ्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 55 दुकान सं० 18 है सथा जो इजरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3 जुलाई 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) नर्रांसह सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि०।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री मास्टर ग्रंकुर ग्रग्नवाल।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान सं० 18 एक तल्ला 55 इजरा स्ट्री कलकत्ता ।

> एम० आहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख : 10-3-1983

मोहार 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\mu$ र्जन रेंज- $\Pi$ , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० 1248/एकवी० म्रार०- $I^{II}/82-83$ —यतः, मुझे, एम० म्रहमद,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 55, दुकान सं० 9 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी क के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री नरिंस सहाय भदन गोपाल (इंजीनियर्स) प्रा० लि०।

(ग्रन्सरक)

(2) वैल्स इलेक्ट्रानिक कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

वुकान न० 9, एक तल्ला, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 10-3-1983

मोधुर 🕄

## प्रक्य बाई.टी.एव.एव.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० टी० ग्रार०-215/82-83/एस० एल० 729/ ग्राई० ए० सी० / एक्बी० ग्रार०-ा/कलकत्ता—यतः, मुझे, रम० श्रष्टमद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6 है, तथा जो हास्पीटल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थि है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 जुलाई 1982

को पृशंकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्म से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) मिसेग ग्रार० ईसाक

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्रं कुमार गुप्ता, कर्ता द्याफ एव० यू० एफ० संगीता श्रपार्टमेंट्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रतसची

6, हास्पीटल रोड, कलकत्ता में श्रब स्थित, 7 कर्ठा, 12 छटाक 39 वर्ग फि.2 जमीन पर मकान जो डीड नं॰ I-6410 अनुसार 24-7-82 लारीख में रिजस्ट्रार श्राफ एस्ट्रेंस के दफ्तर में रिजस्टर हुआ है।

एम० घ्रहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 12-3-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज़-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983 निदेश सं०टी० ग्रार० 214/82-83/एस० एल०/728/ 1 ए० सी० एक्वी० ग्रार०-I-कलकत्ता--ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 24/1/1 है तथा जो रिपन स्ट्रीट, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्र्पौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिका री के कार्यालय, ग्रार० ए० एफ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त राम्पीत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण है लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में न्विधा के लिए।

अतः अबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निस्तिरिश्वत व्यक्तियों. अर्थात:—— (1) शांति दत्त एण्ड ग्रादर्श ।

(ग्रन्तरक)

(2) मह० इसराइल एण्ड स्नार्ट्स ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसची

24-1-1 रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रब स्थित 11 कट्ठा 3छटांक (लगभग जमीन पर मकान जो डीड नं० 1-6028 श्रनुसार 10-7-1982 तारीख रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेंस के दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्ना ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि रीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारीख: 11-3-1983

'मोहर 🖫

प्ररूप् आहूर. टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

## भाउत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ग्रन रेंज-I, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निवेश सं० टी० ब्रार० 147/82-83/एस० एस०-727/ 1 ए० सी० एक्वी० ब्रार०-I, कलकत्ता---श्रतः मुझे, एम० श्रह्मद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6 है तथा जो एकी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रांर० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मूक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य समझे दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिचास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदै/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 19?2 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मिसेस नाहिवा हाईवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अख्तार अहमद।

(श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के िंलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 बिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

6, एकी रोड, कलकत्ता में भ्रब स्थित, 14 छटांक जमीन पर मकान (दो तल्ला) जो 8-7-1982 तारी**ख** में डीड नं० 5981 श्रनुसार एस० ग्रार० ए० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर भ्रायुक्त ़(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 9-3-1983

मोहर ::

प्रकप भाई • टी० एन॰ एस॰-

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रजीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निर्देश सं०*दी* ग्रार० 146/82-83/एस० एल०-726/1 ए० सी०/एक्वी० ग्रार०-1/कलकत्ता—ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

न्नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उना मिधिनियम' बाहा गया है), की धारा 269-ख के मिथीन यान मिनिकारा ही, पड़ विकास करत का कारण है हि स्थावर सम्पति, जिनका उजित सर्वार मुख्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6 है तथा जो एकी रोड, कंलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम ने कम के दृश्यभान प्रतिकल के निए प्रस्तरित की गई है और पुने यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोका नम्मिन का उचिता बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से प्रपेसे स्थ्यमान प्रतिकल पन्द्रह प्रतिशत से ग्रांधि है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स क्षित नहीं किया गया है:~~

- (क) श्रन्तरण स हुई किसी ब्राय को बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधितियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या अन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोगनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए या, खिलाने में सुविधा के लिए।

जतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, मनुबरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, श्रुधीत् :--- (1) श्री फारूब हाईदर।

(श्रन्सरक)

(2) श्रख्तार आहुमेद स्रो० पी० भाटिया एण्ड**ंग्र**दर्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह भ्वनः जानः करके पूर्वीका तन्त्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्यकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के स्रजैत के सम्बन्ध में कोई भा आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीज में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्तासरी के पास लिखित में किए जा महोंगे।

स्थब्दोकरण:--क्समें प्रयुक्त जब्दों ग्रौर पदों का, जा उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचीं

6 एकी रोड, कलकत्ता में ग्रब स्थित, 2 कट्ठा 7 छटाक 9 वर्ग फीट जमीन पर दो तल्ला मकान जो 8-7-82 तारीख में सब रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेंस के दफ्तर में डीड नं० 5980 ग्रनुसार रजीस्ट्री हुग्रा।

एम० प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख: 9-3-1983

मोहर ः

## प्रस्प ग्राई॰ टी॰ एन॰ एन०--

## भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० टी० ग्रार० 145/82-83/एस० एल० 725/1 ए० सी० / एक्वी० ग्रार०I-/ कलकत्ता—ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चीन प्रतम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उम्पति, जिसका उचित्र बाजार प्रव 25,090/- इससे ने प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6 है तथा जो एकी रोड, कलकत्ता में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 8 जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित चातार न्वर ये कन के दृश्यपान प्रतिफन के लिए अन्तरित की पर हे और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृतींका सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन के ऐसे दृश्यमान प्रतिफन के ग्रेस प्रमतिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के चीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्नविक रूप से कथित की निहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से इर्ड किया जाय है। यावन उनत श्रीध-नियम के अवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में युविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धनकर ग्रिजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

भनः भन, उन्त प्रिजितियम को धारा 269-ग के भ्रमु-सरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा, (1) के अधीन िनिम्नलि स्ति व्यक्तियों अर्थात् है— (1) श्री एफ० ग्रालम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रख्तर आहमेद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त प्रम्पत्ति के मर्जं के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त मण्यन्ति हे वर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ज) इत मुचना के राजगत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमाप्त होता हो, के बीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूबना के राजपह ने प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किंसी मन्य व्यक्ति दारा, यजेहरगाञ्चनी के पास निवित्त में निकंप जा नकेंगे।

स्पब्दोकरण:—इनमं प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियन हे सबनाए 20-ए में गरिभावित है, बही प्रयोगीता, जो उस सब्दाय में विकासना है।

## **अनुसूची**

6 एकी रोड कलकता में ग्रब स्थित 1 कट्ठा 3 छटाक 27 वर्ग फीट जमीन पर दो तल्ला मकान जो 8-7-1982 तारीख में ए० ग्रार० ए० कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं० 5979 ग्रनसार रिजस्ट्री हुग्रा।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 9-3-1983

मोहर 🖁

## प्रस्प आइ री. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-J, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० टी० ग्राप्०-144/82-83/एस० एल०-724/ 1 ए० सी०/एक्वी० श्रार०-I/कलकत्ता—श्रतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० ६र तथा जो एकी रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्री रफत हग।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रस्तर आहमेद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

6 एकी रोड, कलकत्ता में ग्रब स्थित दो तस्ला मकान जो 8-7-82 की तारीख में राजस्ट्रार ग्राफ एसुरेंस के दफ्तर में डीड नं० 5978 ग्रनुसार राजस्ट्री हुन्ना ।

> एम० भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 9-3-1983

मोहर 🛭

## मुक्यु नाइ<sub>न्</sub> टौ<u>ः</u> पुन्<sub>न</sub> एउ<sub>न</sub>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० टी० श्रार०-143/82-83/एस० एल०-723/ आई० ए० सी०/एन्वी० श्रार-I/कलकता---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6 है तथा जो एक रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए०, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्य से किंवतु नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुंड़ किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को जन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उन्तं अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीनियतं स्पृक्तियों वर्षातः— (1) श्री रफत रहमान ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रख्तर अहमद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बहुध किसी सन्य व्यक्ति इवारा सभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

6 एक रोड, कलकत्ता में अब स्थित 1 कंट्ठा
3 छटाक 27 वर्ग फ़ीट जमीन पर वो तल्ला मकान जो
8-7-1982 तारीख में सब-रजिस्ट्रार भ्राफ़ एसुरेंस के दफ्तर
में डीड नं० 5977 श्रनुसार रजिस्ट्री हुश्रा।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, कलक**रा**।

्तारीखाः 9-3-1983

मोहर 🙄

## प्ररूप आई० टी॰ इन॰ एस॰---

## (1) श्री एस० चौधरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीपति ग्रपार्टमेंट्स प्रा० लि० ।

(श्रन्स(रती)

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सुचना

## भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1983

निवेश सं० टी० श्रार०-150/82 83/एस० एल० 722/ आई ए० सी०/ एक्वी० ग्रार०-1/कलकसा---यतः, मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48 बी है तथा जो डा० मुन्दरी मोहन ऐवेन्यु कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्यांलय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण में वास्तिक रूप से कांचन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मो यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपत्ति के धर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाधन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्वक्तोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### अस्तरची

48-बी॰ सुन्दरी मोहन, ऐबेन्यूं, कलकत्ता में श्रव स्थित 3 कट्ठा 13 छटाक 35 वर्ग फ़ीट जमीन पर मकान का ग्रविभक्त 1/4 हिस्सा जो 30-7-1982 तारी ख में रजिस्ट्रार ग्राफ़ एसुँरेंस के दफ्तर में रजिस्ट्री हुग्रा जिसका डीड नं॰ 6563 हैं।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-I, कलकक्ता

तारीख: 9-3-1983

मोहर 🕄

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1249/एक्की० ग्रार०-II/82-83---यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं है, तथा जो मौजा खानपुर, पी० एस० टालीगंज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुबन्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 15) के श्रधीन, 29 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री सुहास रंजन घोष श्रीर दूसरे ।

(ग्रन्सरक्)

(2) श्री कोयुर भास्कर राश्रो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो श्री अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसूची

मौजा खानपुर, पी० एस० टालीगंज, 5 के० 3 सी एच० जमीन ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 11-3-1983

सोहर 🖞

1

## श्रक्य आह्रं.टी.एन्.एस्......

नायकर निधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

## श्रारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, गकलकत्ताः

कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1250/एक्बी० म्रार०-III/82-83---यतः मुझे, एम० महमदः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 268-आ के मधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रा से अधिक है

मौर जिसकी सं० 22/15 है तथा जो मनोहर पुकुर रोड, कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है।), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, 3 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफम के लिए जन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निलिक्ति उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिच्ति में वास्तिवृक्ष कम् से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृथने में सुविधा के जिए; बॉर/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में सुचिका के लिए;

अंतः अब उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्मे, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती एपिल रायचौधरी।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती रेखा क्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कुसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास किस में किए वा सकेंगे।

स्वक्कीकरणः -- इतमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

22/15, मनोहरपुकुर रोड, कलकत्ता । 2 के० 9 सीएच० 19 स्ववे० फीट जमीन के साथ मकान ।

> एम० श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 11-3-1983

मोहर :

3-16 GI/83

- 13 31 **413** 

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के स्पीन स्वना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1251/एक्वी प्रार०-III/82-83---यतः मुझे, एम० भ्रहमध्

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

द्भौर जिसकी सं 14-बी है; तथा जो राजेन्द्र नाथ मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूवी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकायम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिफल, किन, निम्निसित्त उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/भा
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1ू) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रातिनद्र प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) एलगी इक्विपमेंट्स लिं०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पाड लिखित में किए जा सकेंगे '

स्वधीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिठ कूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

14-ब०, राजेन्द्र नाथमुखर्जी रोड, कलवरा। । 6 के० 10 सीएच० 21 स्क्वे० फ़ीट जमीन के साथ मकान:

> एम० श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजच , कलक**रा**।

**सारी**ख : 11-3-1983

मोहर:

प्ररूप भाई। टी। एव। एस।---

ग्रायकर धिविषय, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 मार्ज 1983 निदेश सं० 1252 /एक्वी० ग्रार०-III/82-83—यत मुझे, एम० ग्रहमद,

बुधायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' जहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्यं 25,000/- क्यमें में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 21/6-वी है, तथा जो गरियाहाट रोड, कल कत्ता में देवत है (स्रौर इससे उगावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती स्रधिकारी के कार्यालय, कल कत्ता में रजिस्ट्रोकरण स्रोधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 28 जुलाई 1982

को पूर्वीवन सन्वति है उवित बाजार पूर्व स कम के दृश्य गन प्रतिकाल के लिए अवारित को गई हैं भीत मुझे पह दिश्यान करने का कारण है कि यथापूर्वीवन समिति का उवित बाजार पूर्व, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशात से प्रशिक्ष है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तर्गिकों) के बीच ऐसे अन्तर में के लिए तण पाया गया प्रतिकाल, निम्मांबिश्वन उद्देश में उश्वन अन्तरण लिखित में वास्तवित रूप से कथित नहीं वियागया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चित्रियम के पश्चीत कर हैं। के अन्तरक के वायित्व में कमा ध्वत् या उसत बचने में सुविश्वा के लिए आर्थ्या
- (ख) ऐसा किसी स्नाय पा किसी घन या स्रत्य आितयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त स्नविश्वित्यम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियल की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रशिवयन की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिकित अधितको अर्थात:— (1) श्रीमती तापसी गुप्ता ।

(अन्तरक)

(2)श्रीमती बीने दे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

तका सम्पत्ति काओ हैन के सम्बन्ध में कोई भी शासेप :--

- (क) इस सुबना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में किसी किना बादा;
- (ख) इस मूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यंपित द्वारा, प्रवोहन्ताक्षरी के पाम लिखित में किए बायकरें।

स्पष्टीकरण: -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ना उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित के नो सम्बन्धा जो उस अध्याप में विया

## अनुसूची

21/6-बी, गरियाहाट रोड, कलकत्ता। 14 सीएच० 41 स्क्षे० फीट जमीन के साथ मकान (1/2 शेयर )

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-।III, कलकत्ता

तारीख 11-3-1983 मोहर:

## प्ररूप बाहा. टी. एन्. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता,दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1253/एक्बी० ग्रार०-<math>III/82-83—यत, मुक्ते, एम० ग्रहमव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं. 18-ए हैं तथा जो गुरु सदय रांड, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है एक्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अधीत् १--- ·(1) इण्डियन इंडस्ट्रीयल ट्रेडर्स श्रीर डीलर्स लि० ।

(अन्तरक)

(2) एस० एन० पी० इन्बेस्टमेंट ग्रीर ट्रेडिंग क० लि०।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यष्टीहरण :--इनमें प्रमुत गांध और पृथी का, जो उक्त अक्षितियम के अध्यात 20-क में परिभाषित इ. रही पर्य होगा, जो उन अध्याय में दिया गुरा है।

#### अनुसुची

18ए-, गुरुसदय रोड, कलकत्ता । 645.8 स्क्वे० मीटर जमीन के साथ मकान ।

> एम० **म्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 11-3-1983 मोहर: प्रारूप आई. टी. एन. एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्पर्जन रेंज- , कलकसा

ं कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1254/एक्बी ० फ्रार०-III/82-83—-म्रत मुझे, एम० महमद

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 18 ए हैं, तथा जो गुरुसवय रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूबी में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अघिनियम, 1908 [1908 का 16] के अधीन, तारीख 13 जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृनिधा के लिए।

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित्:— (1) इंडियन इंडिस्ट्रियल ट्रेडर्स श्रीर डीलर्स लि०।

(अन्तरक)

(2) मासाबत्ता इन्वेस्टमेंट श्रीर ट्रेडिंग को० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पब्दीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

18 ए, गुरुसहय रोड, कलकत्ता । 531.5 स्क्वे॰ मीटर जमीन के साथ मकान।

> एम० ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 11-3-1983.

मोहर:

प्ररूप मार्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश सं० 1255/एक्वी० श्रार०-'II/82-83--श्रतः मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 18 ए हैं, तथा जो गुरुनदय रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इन्ते उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिप हैं), रिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उधाप्वोंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से चक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतै: अक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इंडियन इंडस्ट्रीयल ट्रेडर्स श्रीर डीलर्स लि०।

(अन्तरक)

(2) श्राई० टी० इन्यस्टमंट और ट्रेडिंग को० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेषु:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनस्पी

18 ए, गुरुसदय रोड, कलकत्ता । 657.8 स्क्वे० मीटर जमीन के साथ मकान ।

> एम**० ग्रहमद** मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-III, कलक्**रा**

तारोखा : 11-3-1983

मोहर:

प्ररूप आहें. टीं. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं 1256/एक्वी ग्रार - III/82-83-- ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं भौर जिसकी सं० है, तथा जो मौजा रायनगर, पी० एस० जास्बपुर में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध भ्रमुची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकाकी के कार्यालय,

श्रलीपुर में रिज दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोन, तारीखं 12 जुलाई 1982

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीध ऐस अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने भी सविधा के लिए: सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1;) या डक्त अधिनियम, या भनं-कर **मधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोष्टर्भ खर्लापती दवारा प्रकट नहीं किया गया - भारत पर किल्या जासर क्या**हिए था, स्टि**पासे **में स्विधा** के लिए;

(1) श्री गोपाल दत्त ।

(अन्सरक)

(2) श्री खगेन्द्र चन्द्र राय।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्बुल्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के भर्गन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण-इसमें प्रयाकत शब्दों और पदा का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मौजा रायनगर पी० एस० जादबपुर जिला 24 परगना 7 के० 11 सीएच० जमीन पर मकान ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-III, कलकत्ता

अत: अब ाख्टर अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख : 14-3-1983

मोहर 🛭

## प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरुक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ं हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 688/82-83---यतः मुझे एम० जे न मीहन

भौयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ज के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 12/1 है, तथा जो तीक्रपति में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तीक्पित में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का16) के श्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई फिसी बाब की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री पी० एस० कृष्णा रेड्डी पिता सुब्बा रेड्डी, पेदाकापू स्ट्रीट, तीरुपती ।

- 7/1 ·

(अन्तरक)

(2) श्री पी० किशोर, पेदाकापू ह्ट्रीट, तीरुपती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वा कत् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तार्शिक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजी कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इसं सचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्सि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त सब्बों और प्यों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित -- हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मुख्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि बिस्तीर्ण 1 एकड़ तीरुपयी रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 3501/82, रजिस दीकर्ता ग्रधिकारी, तीरुपती

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रमयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-3-1983

मोहर 😲

प्ररूप आर्धः दी, एनं, एसु,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद' दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 689/82-83—म्म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 5-9-12 है तथा जो तइफ़ाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, नारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गर्य हैं और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मौससं धनंजय होस्टल्स प्रा० लि०, 5-9-12, सद्दफाबाद, हैयराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ के॰ नूकराजू पिता के॰ पी॰ राजू, 61, सबस्तीयन रोड, ग्रपोजिट पराज एजेंसीज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्लाट नं० 'जी' दूसरा मंजिल, 5-9-12, 'हैदराबाक्ष रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5258/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-3-1983

माहर 🛭

## त्ररूप आद्द<sup>1</sup>.टी.एन.एस.------

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निरेश संबंधार ए० सी० 690/82-83—अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 5-9-12 है तथा जो सहफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के-धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सृषिधा के सिए;

(1) में सर्स धनंजय होस्टल्स प्रा० लि**ु** 5-9-12, सइफ़ाबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री व्ही० बाला रामा राज श्रीर श्रन्य डी० न० 24/13/4,
 श्रीरामा पुग्म,
 भीमावरम,
 वेस्ट गोदावरी जिला ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तं संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: इसमें प्रयम्त शब्दों और पर्वों का., जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कार्यालय का परिसर डी० नं० ग्रांडण्ड फलोर 5-9-12, साइफ़ाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5186/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहांयक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

ं तारीख : 7-3-1983.

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

## प्ररूप भाई० टी• एन• प्स०----

भायकर अधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रांयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निवेश सं० भार० ए० सी० 691/82-83--श्रत मुझे, एम० जेगन मोहन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाधीन मक्षम भाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से भाधिक है

स्रीर जिसकी सं० 5-9-12 है, तथा जो सइफ़ाबाद हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इसस उपायद सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणन है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्ह प्रतिज्ञत से मिश्रक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिखित उद्देश्य से उड्ड मन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कवित नहीं किया गया है ।---

- (क) प्रन्तरं से दूर्व किमो बाय की बाबत उक्त इस्र के स्वर्थन के संशीत कर देते के श्वरधरक के दायित्व म कमा करने मा ससस बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए।

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिसिंख व्यक्तियों, अधात् :— (1) मैसर्स धनंजया होटल प्रा० लि०,
 5-9-12,
 सहफाबाद,
 हैयराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री के० कनमा रोजू श्रीर श्रन्य, एफ ० नं० (बी०), ग्रांडंड फ्लोर' सङ्फाबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील 45 दिन की अविधि मा तक्कम्बाधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की धवकि, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से अभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनसची

प्लाट नं० 'बी' सङ्फाबाद, हैदराबाद राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5185/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 7-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.; ------

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निवेषा सं० भ्रार० ए० सी० 692/82-83--श्रतः मुझे, ए० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह यिख्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5-9-12 है, तथा जो सहफ़ाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च हेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिकित स्थित्तार्गें, अर्थात् :---

(1) मैसस धनंजय होटत्स प्रा० लि०,
 5-9-12,
 सइफ़ाबाध,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० सुगूना रेड्डी पति श्रार० सुदर्शन रेड्डी, प्लाट नं० 'ए' पांचना पलोर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्थीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्ठीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्लौर पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्त्रीकृत विलेख नं० 5183/82, रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैक्राबाद

ंसारीख 7-3-1983 मो**हर** ⊞ प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.------

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के स्थीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन <sup>कें</sup>ज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश स० धार० ए० सी० 693/82-83--श्रत भुझे, एम० जोग- मोहत

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5-9-12 है, तथा जो सइफ़ाबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदरावाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से इंड्र किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, अवत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नित्वितु व्यक्तियों, अधितः— (1) मैंसर्स धनाजय होटल्स प्रा० लि०,
 5-9-12,
 सद्काबाद,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सुचित्रा रेड्डी, प्लाट न० 24, श्राधरा बैंक कालोनी, दिलमुख नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 5 वीं माजिल, 5-9-12, सङ्फ़ाबाद, हैंदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5184/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

ं एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख\_ 7-3-1983 मोहर 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारं

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 694/82-83--अतः, मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं 0.5-9-12 है तथा जो सहफ़ाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1809 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी नाम की बाहत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स धनंनजय होस्टल्स प्रा० लि०,
 5-9-12,
 सद्दफाबाद,
 हैसराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० रामलांगा राजू श्रौर श्रन्य, प्लाट नं 'सी', ग्राउण्ड फ्लोर, सदक्षाबाद, हैंदराबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य ब्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्दियं में अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्भ होगा जो उस् अभ्याय में दिवा नदा है।

# अनुसची

ण्लाट '० 'सी', ग्राउण्ड फ्लोर, 5-9-12, सद्दक्षाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5017/82, रिषस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदरावाद

तारीख : 7-3-1983

मोहर 🛭

## प्रकप बाइ .टी.एन.एस.-----

भायकर अभित्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदरांबाद हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 695/82-83--अतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर प्रशिक्षिणम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4-1-953/4 है, तथा जो आबीद रोड, हैंदराबाद में स्थित है (भ्रांग इससे उपावत श्रमुसूची में भ्रांग पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीवर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से मिन्नक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उसने बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जलना चाहिए था, छिपाने में मिष्या के लिए;

अतः अब, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हाजी गैफूर पिता हाजी शक्र, 27-7-516, पुरानी हवेली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजूल एम० शहा, पति महेन्दर बी० शाहा, 5-8-517/ए, 1,6, चिराग भाषी लेन, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पछ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

मलगी नं० 4-1-953/4, भ्राबीद रोड, ्रहैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5327/82, रिजस्ट्रीकृती श्रिधिमारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-3 1983

मोहर 🛭

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० प्रार० ये० सी० न 696/82-83--अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी फ्लैंट नं 1105 है तथा जो मोगल कोर्ट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तरीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैंसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60, हैदराबाद बाई श्री घियासुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ए० के० बाबूखान, निशांत मंजील, 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भन्तरक)

(2) श्री सैयद वलऊद्दीन जावेद, 3-6-76/68, बशीरबाग, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से-किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 1105, 11वीं मंजिल, मोगल कोर्टस्, दक्कन टावर्स, कम्पर्लेक्स, ५रिसर 5-9-60, बसीर बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1020 चौ० फ़ुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5413/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी कृ महायक श्रार्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-3-1983

माक्ष्य 🖫

प्ररूप बाहें. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद -

हैदराबाद, दिनां हु 7 मार्च 1983

निवेश सं० स्रार० ए० सी० 697/82--83---यत, मुझे, एम० जोगन मीहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शुप्रीर जिसकी सं० 801 है तथा जो मोगल कोर्टस, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रामस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्तों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) मैसर्स हैवराबाद बिल्डर्स,
5-9-60, बसीरबाग,
हैदराबाद बाई
श्री धियासुदीन बाबूखान,
पिता छेट ए० के० बाबूखान,
निशात मंजिल,
6-3-1111,
बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भ्राम्प्रो फूड प्रोडक्ट्स,
 15-4-188,
 श्रोस्मान गाही,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए का ग्राहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोंख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

श्राफ़िस नं 801, 8वीं मंजिल, मोगल कोर्टस्, 5-9-60, बसीरबाग, हैयराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 5415/82, विस्तीर्ण चौ फूट रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 7-3-1983

# प्रकष बाइ ै. टी. एन्. एस. ़--------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 698/82-83-यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रज. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 203 है तथा जो मोगल कोंट्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वाधित संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्ति किक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे रचने में सुविधा के लिए, बीड़/बा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

(1) मैंसर्ल हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-60, असीर बाग, हैदराबाद, आई श्री घियासुद्दीन बाब्खान, बेगमपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर शिवा मोहन रेड्डी, घर न० 3-5-886/1, हिमायतनगर, हैक्दराबाद ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के सर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई में बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ट्रताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्**स्ची

प्लाट नं० 203, दूसरी मंजिल, मोगल कोर्टस, डक्कन टावर्स हैदराबाद, 5-9-60, बसीर बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1508 चौ० फूट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5414/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

तारीख 7-3-1983 मोहर: प्रकृष् आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 699/82---यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं ० 6 है तथा जो मोगल कोर्टस्, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कि कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गृथा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं सर्स हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-60, बणीर बाग,
हैदराबाद बाइ
श्री गियासुद्दीन बाबूखान,
बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जी० वेंकटा लक्ष्मी,3-6-69/बी/25,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया है।

# अनुसूची

वुकान नं० 6, मोगल कोर्टस, हैदराबाद, 5-9-60, बशीर बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 248 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5100/82, रिजस्ट्रीकृती श्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाक्ष

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर श्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 700/82-83--यतः, मुझे, एम० जोगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० खुली जमीन है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूवी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, जलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सूविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से मृत्या के किए.

(1) श्री एन० के० सेठी ग्रौर रानी सेठी,1, ग्राणोका रोड,नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीन गुप्ता और श्रन्य,
 5-4-55,
 नामपल्ली स्टेशन रोड,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्या संपरित के अर्थन के सिए कार्ययाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 330, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैबराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5410/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैबराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैंदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्निलिन्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 1

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाध, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 701/82-83—यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो निजामाबाद में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाका गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहम्मव फ़यजूद्दीन झौर झन्य, गूरवायड़ी, निजामाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) मैंसर्स श्री लक्ष्मी को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, गूरबाबड़ी रोड, निजामाबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पर्खाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

रिक्षा क्षेत्र **मनुसूची** 

भूमि, गूरबाबड़ी, निजामाबाद सर्वे नं० 3228, 3235, 3234, 3235, 3235/ई० कुल क्षेत्रफ़ल 14,157 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4576, 4527, 4578, 4579 और 4580/82, रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी, हैवराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाध

**लारीख: 9-3-1983** 

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार०ए० सी० नं० 702/82-83--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2-2-4 है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री डी० व्ह्वी० मनमोहन रेड्डी,
 2 2 4/1,
 युनिवर्मिटी रोड, झडीकमेट,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) इन्स्टीट्यूट भ्रॉफ़ हूमन स्टडी, सर्विस ट्रस्ट, 2-2-4/1, युनिवर्सिटी रोड, श्रडीकमेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

घर नं० 2-2-4, युनिवर्सिटी रोड, श्रजीकमेट, हैदराबाद विस्तीर्ण 3650 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5062/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 9-3-1983

मोहर 🖫

## प्रस्य गाइ. की. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन स्थान

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं अार ए ए सी जं 703/82-83--यत: मुझे, एम जेगन मोहन,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी भूमि है, जो सवाणिवपेट, मेदक जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेदक में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुलाई 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए:

(1) श्री के० दताल्लया पिता मानय्या, श्रीर भ्रन्य 10, सदाभिवपेट, मेदक जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) में सर्स प्रीयदर्शनी स्पीनिंग मिल्स लि०, प्लॉट नं० 38, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद-837 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवर्षित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 34.04 एकड़, सर्वे नं० 723, 724, 725, सदाशित्रपेट, मेदक जिला रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 631/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

अतः अव, उक्त आभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्:--

भारीख : 9-3-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 704/82-83---यतः मुझे,, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 4-3-393/1 है, जो बैंक स्ट्रीट, हैचराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे अचने में सृविधा के लिए; जौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती नवंदा बाई श्रीर श्रन्य,
 4-1-10, तिलक रोड,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) में सर्स खुराना एसोसिएट्स, बाई श्री बहादेव खुराना, 15-1-555, सीबम्बर बाजार, हैदराबाद-12 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्लुची

प्रथम तल, नं० 4-3-393/1, बैंक स्ट्रीट, हैदराबाद, विस्तीर्ण सं० 4800 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5111/82, रिजस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-3-1983

मोहर :

1. 1. 1. 1. 1. 1.

प्रकृष आर्थः. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० मी० 705/82-83--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12-13-375 है, जो तारनाका, सिकंदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण किकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
16—16QI/83

(1) मैंसर्स बादाम प्रपार्टमेट्स,
 6-3-905/ए,
 पंजागुट्टा,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्मीता माथुर, 12—13—975, तारनाका, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्पद्धिक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विच्या गया है।

## अनस्ची

प्लाट, ग्रबादाम ग्रपार्टमेंट्स, विस्तीर्ण 900 चौ० फूट, प्लाट नं० 4, प्रथम तल, रजिस्ट्रीकृट विलेख नं० 5506/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन गोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-3-1983

# प्रकप भाद्रं.टी.एन.एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० ध्रार० ए० सी० 706/82-83-यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं0.19-2-369/45 है, जो चन्दू लाल बारादरी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का वारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण संसुद्ध िकसी जाय की बाबह, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने मा सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ई० भूपाल रेड्डी पिता राम चन्द्र रेड्डी, 49/2, ग्रार० टी० एम० एच० नं० 19-2-369/45, चन्द्रलाल बारादरी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ए० वहीदपिता एम० ए० रजाक,21-3-262, मुसा बावली,हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, तो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 49/2 श्रार० टी० एम० सी० एच० नं० 19-2-369/45, धन्दू लाल बारादरी, हैदराबाँद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1084/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 707/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं 8-2-541/3 है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वींक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृश्ति नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उपने गचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी फिसी आए या किसी धर या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फे प्रबोजनार्थ अन्तुरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्रीमती महबूनीसा बेगम पति ए० कय्यूम, सहवाबाद, हैवराबाद

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती भ्रसगारनिसा बेगम, पित नसीरुद्दीन श्रहमद, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधि या तत्स्वस्थान्धी स्थानिसयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानिस को में से किसी क्यां वित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# भन्स्ची

धर नं० 8-2-541/2, रोड नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4967/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, हैदराबाद

तरीख: 18-3-1983

प्रकप गार्चः टी. एन. एस.------

गायकर गृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1983 निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 708/82--83—ग्रतः मुझे, एम० जगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8-1--366 है, जो तोखी चौकी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रितिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्त्र में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, भी, अन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन किन्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती जानकी बाई पति पीर् जगन्नाथ रेड्डी, 8→1-366, तौली चौकी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्स प्रभु इन्डस्ट्रीज, तोली चौकी, हैंदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कर्दा और पदा का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है। गया है।

# भ्रनुसूची

घर नं० 8-1-366, तोली चौकी, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5069/82, रिजस्ट्रीकृती प्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, हैदरबाद ।

तारीख: 9-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टो. एन. एस :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 709/82-83—-श्रतः मुझी, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो जानकमपेट, बोधन तालूक में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसृची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्रय निजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमेरे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री के० वसुदा देवी पति सुधाकर रेड्डी, नारायण गूडा, हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चौलकमलस्या ग्रौर भ्रन्य 11, पिता मृतय्या, खलीलवाडी, निजामाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जानकमपेट, (सारंगपेट) बोधन रोष्ठ, विस्तीर्ण 8.01 एकड़, सर्वे न० 480/ए, 480/बी, 482/2/इ, 482/4/बी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4032/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, निजामाबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-1983

मोहरू

# प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

# प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 289व (1) के प्रथीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीकण)

श्रर्जन रेंज-।, हैकराबाद

हैदराबाध, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2321 श्रर्जन रेज-23-I/ 82-83---श्रतः मुक्षे, ग्रार० श्रार० शाह,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्रभाट न ० 353, बार्ड 12-बी गांधी धाम, है, जो जिला भुज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधी धाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिधित उद्योवय से उक्त अन्तरण निधिष्ठ में वास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के आधीन कर देने के अक्तरक के दायिक में जभी करने वा उससे उचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीग, निम्मृलिबित स्थिक्त्यों, वर्षात् :---

- (1) श्री कुवंरजी नारायन पटेल, सुखपुर, तालुका भूज,
  - श्रीमती देवीबाई कान जी पटेल, मिरजापुर, तालुका भुज ।
  - श्री रामजी राषजी पटेल, समात्रा तालुका भुज ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ग्रल्पेष फ़्रीमली ट्रस्ट, 39, हिन्दमाता कलोच मार्किट, शांति दत्त होटल के नीचे, दादर, बम्बई ।

(म्रन्तरिती)-

उन्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस पूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब ब किसी प्रत्य व्यक्ति आरा प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त भग्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस शध्याय में विया गवा है।

## अनुसूची

मिलिकयत मकान ग्रांडण्ड फ्लोर, फ़र्स्ट फ्लोर, जमीन का प्लाट 353, बार्ड 12-बी हैं, जो गांधी धाम में स्थित हैं तथा सब-रजिस्ट्रार गांधीधाम रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री नं० 67/31-7-1982।

ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, हैदराबाद

नारीख : 15-2-1983

मोहर 💤

## प्रकप आई० टी० प्रच० एस००००

नायफर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्योलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-।, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 15 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2322/एकवी०-23-I/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है की धारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33, जनना सोमाइटी, न्यू जगन्न थ प्लाट, है, जो एस्ट्रोन सिनेमा के नजदीक, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुसची में ग्रौर पूर्ण रूप से पणित है,) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 13 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किती नाम की बाबत उक्त निध-नियम को नधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा को लिए; जौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः क्य, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की अपूसरण वाँ, माँ, अक्त विभिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्भात् ४--- श्री हिम्मत लाल जेसगभाई श्रायं,
 33, जनता सोसाइटी,
 एस्ट्रोन सिनेना के नजदीक,
 न्यू जगन्नाथ प्लाट,
 राजकोट ।

(भन्तरक)

श्री नटवर लाल देवचन्द भाई पोपट,
 श्रीमती भगवती नटवर लाल पोपट,
 श्राभीप हिन्दू सोसाइटी,
 सायन छंकन कोसबे,
 बम्बई-22 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना भारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समिन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकांगे।

स्यक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अमृसूची

मिलकियत जिमका सब-रिजस्ट्रार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 4881/82/13-7-1982 ।

> म्रार० म्रार० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, म्रहमदाबाद

तारीख 15-2-19**83** 

मोहरः

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाए ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं०पी० भ्रार० नं० 2023-23-ॉ/82-83—⊷भ्रत: मुझे, श्रार० स्नार० शाह.

भायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्सम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- यह से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 832, पैकी हिस्सा नं० 1 श्रौर 2 है, जो इस्ट्रन श्रौर बेस्ट्रन, वेजलपुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करके का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (मृन्तरितियों) के बीज़ ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्यत में वास्तिवक कर से कथिन नहीं निया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राप्त की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के भग्तरक के दायिख्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए। मोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न प्रविनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री स्रिनिल कुमार छगन भाई देलाई, स्वस्तिक सोताइटी नवरंगपुरा सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, अहमदाबाद ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती ममता नरोत्तम, मधुमालती बंगलो, गुजरात एयरपोर्ट के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आगरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख मा 45 दिन की अवित्व या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन को अवित्व, जो भी प्रपान बादमें समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिन में से किसी व्यक्ति कारो;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 6469 वर्ग यार्ड है जो वेजलपुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9825 श्रौर 9861/ जुलाई, 1982 है।

> न्नार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, ब्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 फ़रवरी 1983 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2324-23- /82-83 - -यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ़० पी० नं० 487, एस० पी० नं० 8, पी० पी० नं० 13 है तथा जो पैकी टी० पी० एस० 21, श्राबावाडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ४१यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीत:, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——
17—16GI/83

- (1) 1. श्री गिरीश भाई लाल भाई मुतलामी,
  - 2. श्री हममुम लाल लालभाई मुसलानी,
  - 3. श्री भदनवाल भाई लाल भाई मुलतानी,
  - श्री शीरिष लाल भाई मृतलानी की श्रोर से कुल मुख्तयार—अधालाल लाल भाई मुलतानी 3, प्रभात सोसाइटी पोस्ट श्रानन्द नगर,

पालडी, ग्रहमदाबाद ।

5. श्री बुधा लाल लाल भाई मुलतानी

प्रभात सोसायटी,
 पोस्ट मानन्द नगर,
 पालडी—महमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) चम्पा रत्न विकास मंडल,
की भ्रोर से
श्री प्राणिकांत कांति लाल वफ़ता
के/भ्रो० नवा दरवाजा रोड,
खाडिया चार रास्ता,
ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

जमीन जिम हा क्षेत्रफ़ल 472.50 वर्ग यार्ड है (1/5 शेयर हर एह विकीदार्ता के) जो टी० पी० एस० 21, भ्रांबावाडी में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10174, 10175, 10177, 10172, 10177/जुलाई 1982 है।

ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

महनवाबाद, दिनांक 21 फ़रवरी 1983

निदेशं सं०पी० श्रार० नं० 2325-23-1/82-83---श्रतः मुझे, भार० श्रार० शह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 51 श्रीर 54 है, तथा जो नरोड़ा रेलवे स्टेशन के सामने, फ़ोतरपुर, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त अंतरण निचित में बास्तिथक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) 1. स्व० मानेकबेन जमना भाई, की श्रोर से कुल मुख्तयार

- श्री चन्द्रकांत सी० गांधी,
   प्रभात सोसाइटी,
   पोस्त श्रानन्द नगर,
   पालडी, श्रहमदाबाव ।
- भी चन्त्र कांत बाक्भाई "वर्षन" पारीमल रेलवे ऋासिंग के नजवीक

पोस्ट श्रानन्द नगर, पालडी, श्रहमदाबाद ।

3. श्री विमलभा बवाभाई, 31, न्यू ब्रह्माम क्षत्रिय सोसाइटी प्रीतमनगर, पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(भन्सरक)

(2) श्री इतन्लपार्क को-ग्राप० हा० सोसाइटी, चेयरमेन श्री संपलचन्द वेचरदास पटेल के/ग्रो० नोवल्स कन्स्ट्रक्शन कंपनी, चौथी मंजिल, नोबल्स बिल्डिंग, ग्राश्रम रोड, नहरू किज के सामने, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए । कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 18876 वर्ग यार्ड है पैक्री जो कोतरपुर, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10195/8-7-1982 है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

प्रस्प नार्इं.टी.एन.एस.-----

अगयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदोबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2326-- अतः मुझे, आर० म्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 51 ग्रौर 54 है तथाओं नरोडा रेलवे स्टेशन के सामने, कोतरपुर, ध्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाव में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है र---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्क के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग् के अनुसूरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-षु की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) स्व० मानेकबेन जमना भाई की घोर से कुल मुख्तयार
  - श्री चन्द्रकांत सी० गांधी, 2, प्रभात सोसाइटी,

मानन्द नगर, पालडी,

घहमदाबाद ।

2. श्री चन्द्रकांत बकु भाई, 'दर्शन', परिमल रेलवे कासिंग के नजदीक पोस्ट भानन्द नगर, पालडी,

भहमवाबाद ।

3. श्री विमल शाह बर्बाभाई, 31, न्यू ब्रह्मक्षत्रिय सोसाइटी ; प्रीतम नगर, पालडी, **मह**मदाबाद

(मन्तरिती)

(2) न्यू मधुरिका को-म्रापरेटिव सोसायटी चेयरमन श्री नरेन्द्र रतीलाल पटेल, के/ग्रो० नोबल्स कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, चौथी मंजिल, नोबल्स बिल्डिंग, नेहरू जिज के सामने, महुमदाबाद ।

(मन्तरित)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाराः, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 🔃

## मनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 18876 वर्ग यार्ड है पैकी जो कोतरपुर, जिला श्रहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार **भ**हमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10153/8-7-82 है।

> भार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

# प्ररूप् आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2327—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक कैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 51 श्रौर 54 है, जो नरोड़ा रेलवे स्टेशन के सामने फोरपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) स्थ० मानेकबेन जमान भाई, की श्रोर से फूल मुख्सयार
  - चन्द्र कांत सी० गांधी,
     प्रभात सोसाइटी,
     पोस्ट श्रानन्द नगर, पालडी,
     श्रहमदाबाद ।
  - श्री चन्द्रकांत बकुभाई, 'दर्शन', परिभल रेलवे के नजदीक, ग्रानन्द नगर, पाडली, श्रहमदाबाद ।
  - 3. श्री विमल शाह बषाभाई, 31, न्यू अह्मक्षतीय सोसाइटी, प्रीतम नगर, पालडी, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नीकीसायार्क को-ग्रापरेटिव सोसाइटी, चेयरमैन—श्री हेमन्त जीतेन्द्र प्रसाद विवेदी, के/ग्रो० नोबल कन्स्ट्रक्शन कंपनी, चौथी मंजिल, नोबल बिल्डिंग, ग्राश्रम रोड, नेहरू रोड, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की शामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताकरी के पास सिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 18876 वर्ग यार्ड है जो फालपुर, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदा-बाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10154/8-7-1982 है ।

> म्रार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-83

. मोहार :

प्रस्प बाह्र . टी. एन. एक -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, महमदाबाद

म्रहमदाबद, दिनांकं 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० भार० नं० 2328—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी एफ० पी० 748-1-2-3 (पैकी) एस० पी० नं० छी० टी० पी० एस० 3, है, तथा जो छादलवाड़ मादलपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिता) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं फिसी आय की बाबत, उक्स अधिनियश के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दीनूभाई एच० जोषी, 17, ब्राइष- इन -टेनामेंट, महमवाबाद-380054 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार जे० शर्राफ, बी/3, मोरेना श्रपार्टमेंट, ग्राबावाडी, ग्रहमदाबाद-380054 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि नार में समाधा होती हो, के भीवर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 98 वर्ग यार्ड है जो छादलवाड, मादलपुर, म्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, म्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9704/1-7-1982 है।

> मार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

**सारीख** : 21-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2329/23-1/82-83----म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 366 भौर 370/3 है, तथा जो गांव मसतेज, जिला भ्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भीखा भाई वेशाई भाई पटेल, गांव थलतेज, तालुका वसफोई, जिला ग्रहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीन भाई कस्तुर लाल जपेरी, श्रीर भन्य, चन्द्र विहार सोसाइटी के सामने, ग्रटारा रोड, ग्रहमवाबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 अंकर 5 गुँठा + 0 अंकर 37 गूंठा है, जो गांय - थलतेज, जिला - अहमवाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमवाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्कीखत नं. 9899/5-7-82 है।

ग्रार० शाह स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रैंज-I, श्रष्टमदाबाद

ता्रीख: 21-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2330/23-1/82-83——यत:, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 469 है, तथा जो गांव फडवाडा, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में भूषिका के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बाई मोतीबेन, कालीदास सोमावाई की विधवा पत्नी, गांव फडवाड़ा, तालुका वसफोई, ' जिला ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंगलदास शिवराम प्रजापति, श्री रमन भाई मंगलदास प्रजापति, श्री गुजपंत कुमार एम० प्रजापति । हरीहार सोसाइटी, गांव सैजपुर, बोघा जिला श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन् की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनसरी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 एच०-62-80 है जो गांव फडवाड़ा, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार श्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 10216/9-7-1982 है।

> म्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . ------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-, प्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2331/23-1/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं व्लाक नं 585 है, तथा जो गांव फडपाड़ा, जिला भ्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 7 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गवा है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री रामाभाई श्रामा भाई पटेल, श्री नटवर भाई ए० पटेल, मंजुलाबेन, श्रामा भाई दयाल भाई की पुत्नी, गांव फडपाड़ा, जिला श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री पुंजा भाई शिवा भाई प्रजापित, श्री नारन भाई पुंजाभाई प्रजापित, श्री हरेश भाई पी० प्रजापित, श्रीमती इच्छाबेन, पुंजाभाई शिवाभाई की पत्नी, गांव फडपाड़ा, जिला ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकों ने।

स्वत्योकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया नवाही।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 4 एच० 97-07 वर्ग मीटर है जो गांव फडवाड़ा, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है सथा सब-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 10048/ 7-7-1982 है ।

> भार० भार० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

तारीख : 22-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० मार० नं० 2332/23-I/82-83—मतः मुझे, मार० मार० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 349, पैकी हिस्सा नं० 1 है, तथा जो बोडफदेव, जिला श्रहमवाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गितशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ं---18—16GI/83

(1) श्री खारी परवाभाई करसन भाई गांव वस्त्रापुर, जिला भ्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुलदीपक लालजी भांई पंडित कृष्णनगर, सैजपुर बोधा, जिला भ्रहमदाबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 838 वर्ग यार्ड है (जमीन स्तर का क्षेत्रफल सहित) डो बोडफवेब जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 9865/5-7-1982 है।

> श्चार० श्चार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

सारीख: 21-2-1983

प्रकृष आह्⁴. टो. एन. एस.------

पायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घार। 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्ज न रेंज-I, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 2333/23-I/82-83—प्रतः मुझे, प्रार० ग्रार० शाह ग्रायकर अग्निनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्राधिकारों को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25.000'- द॰ से बिक्क है ग्रीर जिसेकी सं० सर्वे नं० 349, पैकी हिस्सा नं० 4 है, तथा जो बोडफदेव, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

श्रधिकारी के कार्यालयं, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रतरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, लियाने वें सुविधा के लिए;

सत: अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ंघ की उपधारा (1/) के अधीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री तेजाभाई जोराभाई, गांव मेमनगर, जिला गोरखपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कांति लाल मोहन लाल पटेल, वसन्त विहार सोसाइटी विभाग नं० 2, एच० एल० कालेज श्राफ कामर्स के पीछे, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 937 वर्ग यार्ड है (जमीन स्तर का क्षेत्रफल सहित) जो बोडकदेव, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 9864/5-7-1982 है।

म्रार० म्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 21 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 2334/23-I/82-83 यतः मुझे, श्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 45, टी० पी० एस० 1, एफ़० पी० नं० 45-1 श्रीर 45-2 है, तथा जो गांव घाटलोडिया, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 जुलाई 1982

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जेनाजी चुडाजी डाफ़ोर, गाव-घाटलोडिया, तालुका-दसफोई ज़िला-महमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मलकापुरी पाटलोडीया फो० म्रो० ए० सोसाइटी लिमिटेड, नेयरमैन—श्री नारन भाई फनरादास पटेल, गांव नारनपुर, महमदाबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 21060 वर्ग मीटर थाने 25272 वर्ग यार्ड हैं जो घाटलोडिया जिला ग्रहमदाबाद में स्थित हैं तथा सबरजिस्ट्रार श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9784/2-7-82 हैं।

> न्नार० न्नार० नाह सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नाजन रेंज-I, न्नहमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

# प्ररूप • बाई • टी • एन • एस •-----

मायकर घिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 269-च (1) के घिन सूचना.

## • भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 21 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2335/ 23-1/82-83--श्रतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पंतित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सर्वे नं० 47, पैकी 53, पैकी टी० पी० एस०-I, मेमनगर है, तथा जो एफ० पी० 104, मेमनगर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 15 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित कहीं किया थया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंध: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निक्कितिकत व्यक्तियों, अभीत् ह— (1) श्री शार्दुल भाई जयंत कुमार पसापाला (एच० यू० एफ०) श्रीमती विज्याबेन शार्दलभाई पसावाला, नूतन सोसाइटी, थालडी, ग्रहमदाबाद ।

(बन्तरक)

(2) श्री जयन्त पार्क मेमनगर फो० ग्रो० रा. सोसाइटी लिमिटेड । चेयरमेन—श्री चन्द्रकांत ग्रमुतलाल शाह के/ओ 50, हर्रासध चेम्बर्स, इन्स्युरेंस बिल्डिंग के सामने, ग्राथम रोड,

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

<del>उन्</del>त सम्पत्ति के श्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेत्र :→ -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियाँ पर सूचना को तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पृतिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस कलाय में सिया ग्या है।

# वन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 29657 वर्ग यार्ड +18883 वर्ग मीटर है जो मेमनगर टी० पी० एस० 1, महमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार महमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 10575/1-7-82 है ।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I, भहमवाबाद

तारीख: 21-2-1983

मोहर 🖫

प्रक्म कार्षे.टी.एन.परा.--

# न।पकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाक 21 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० भार० नं० 2336/23-I/82-83----भ्रतः मुझे, श्रार० भार० भाह

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से बीधक हैं

भौर जिसकी सं० एफ़० पी० 356, टी० पी० एस० 22, जैकी एस० पी० 8, 9, भौर 10 है तथा जो वासना, महमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता भिधकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 14 जुलाई, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्ति द्वीरा प्रकट नहीं किया गवा था या किया थाना आहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मूलचन्द भाई गोपीलाल वसीता पोस्ट नाथद्वारा, राजस्थान ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती देवीबेन नलीन कुमार, प्लाट नं०, 25, नम्प्रता फलेट्स, वासना, ग्रहमदाबाद-380007 ।

(मन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ण्लाट जिसका क्षेत्रफल 71 वर्ग यार्ड है जो वासना ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10442/14-7-82 है।

> म्रार० मार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज- , महमदाबाद

तारीख: 21-2-1983

## प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस●----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- । ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2337/23-1/82-83— यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं असब प्लाट नं 118 है तथा जो गांव बोडकदेव, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ग रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 जुलाई 1982

को पूर्वों क्त सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सहं प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती, (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी जाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छियाने में सृविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नौलिखित अधिकतयों अर्थात् ः—

(1) सरवार गुरमीत सिंह खजान सिंह हुडा । 1, स्त्रानी सोसाइटी, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) बग्गा फ़्रैमिसी ट्रस्ट, की ग्रोर से श्री इग्वर सिंह बग्गा 4, सनराइज पार्क, ड्राइय-इन सीनेमा के नजदीक, ' यलतेज रोड, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती) 🖁

को यह सूचना जारी करके पृवाैक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित--बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अमृत्यी

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 478 वर्ग यार्ड है, भो गांव बोडफदेव, जिला ब्रह्मदाबाद में स्थित है तथ्र सब-रिजस्ट्रार ब्रह्मदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं 10258/12-7-82 है।

> श्चार० श्चार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-।, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21 -2-1983

प्रकृप आहं. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 21 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2338/श्रर्जन रेंज-I/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० णाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं सर्वे तं 313-3 है, तथा जो गांव रानीप, जिला सहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इति स्रधिकारी के कार्यलय, सहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के योग, नारीख 8 जुलाई, 1982

कां पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री चमनलाल एंग्रंग् भाई पटेल गाव रानीच, -जिला श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रजीत नाथ रानीय को-श्रापरेटिव सोसाइटी, के/श्राफ़ सेकेटरी श्री महेण भाई एस० पटेल, 1101, श्रका रोष्ठ, कुवानी पोल, रायपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितिसमीं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निकित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 8 गुंडा है जो गांव रानीप, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं∘ 10122 ग्रीर ≈ 10125/8-7-82 है।

> श्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 21-2-1983

माहर

# प्ररूप बार्ड . टी . एन् . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाध

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फ़रवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें-परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु०से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 78, टी० पी० एस० 1, पूराना एफ़० पी० नं० 19 है, तथा जो नया एफ़० पी० नं० 33, गांव रानीप, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जुलाई 1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, डक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रान्तियों जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिन्यम, वा धन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ग्रर्जन जी मोहन जी ग्रौर मन्य, गांव रानीप, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) हरसिंघ सम्रति रानीप को०
ओ०रा० सोसाइटी,
के/स्राफ़ सेकेटरी श्री उमेश भाई वी० पटेल
50 हरसिंघ चेम्बर्स,
' श्राश्रम, रोड,
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितस्यों में से किसी स्थितह द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 7588 वर्ग मीटर है जो गांव रानीय जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत न० 10713/19-7-82 । है ।

> ग्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 22-2-1983

# प्ररूप जाई.टी.एन.एस.------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 22 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2340/म्रर्जन रेंज-23-1/ 82-83--- अतः मुझे, आर० आर० शाह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाउरार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 310 भौर 312 है, तथा जो रानीप महमदाबाध में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमसूत्री में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19 ज्लाई, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्भे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~-

- (फ) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जातर रुहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;
- ःतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मिं, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उ*ल्टार* (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---1-16 GI/83

(1) श्री श्रर्जन जी मोहनजी श्रीर श्रन्य गांव रानीप. जिला श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरसिध्या पार्क रानीप को-ग्रापरेटिव सोसाइटी चेयरमैन श्री रमन लाल एम० शाह 50, हरसिंध चेम्बर्स, म्राश्रम रोड, म्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस सं . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसअध्याय में दिया गया 8 ।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 4 एकड़ 15 गुंडा है स्रोर 3 एकड़ 16 गुंडा है जो गांव रानीप, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद विक्रीखन नं० 10714/19-7-82 ।

> श्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) म्प्रजन रेज-I, म्नहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

प्ररूप मार्च डी. प्रम्, प्रस् नारानातक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

### भारत सहकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-i, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2341/ श्रर्जन रेंज-23-1/
82-83--श्रतः मुझ, श्रार० श्रार० शाह,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रत. से गिथक है श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 311 है तथा जो गांव रानीप, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पतित का जीवत्स बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्मूह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है देन

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-विस्त्र के जभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए:

अत:, अब, उक्त जिमिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातु :--

- 1 श्री गांडाजी राजाजी गांव रानीप, जिला श्रहमदाबाद (अन्तरक)
- मैं० एरसिध पार्क रानीप को० म्राप० हा० सोक्षायटी चेयरमन श्री रामनलाल एम० शाह, 50, एरसिध चेम्बर्स अश्रिम रोड़, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 0 ग्रेकर 23 गंडा है, जो गांव रानीप जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सक्ष-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 10748/19-7-82 है।

> न्नार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेजि–I, श्रहमदाबाद

तारीखाः 22-2-1983

भोहर :

प्ररूप आर्द. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबद, विनांक 22 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2342/23–I/82–83––श्रतः मझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 54 वैकी, टी० पी० एस० श्रार० 22, एफ० पी० सं० 202 है तथा जो वैकी पालडी, श्रहमदा- बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 22-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्र्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री मरदचन्द्र चेबुलाल शाह 1, केदारनाथ को० झा० हा० सोसायटी लिमिटेड नारायणनगर रोड, पालडी, सहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) उट्टी एपार्टमट श्रोनर्स एसोसिएशन, इ-22, केपीटल कार्म शयल सेन्टर, सभ्यास श्राश्रम के नजदीक, एलिसक्रिज, श्रहमदाबाद-580006.

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनु**स्**ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 425 वर्ग यार्ड है जो पालडी श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10886/22-7-82 है।

> श्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-J, ग्रहमदाबा**द** 

ग्रहमधाबाद, दिनांक 22 फ़रवरी, 1983

निदेण सं० पी० म्नार० नं० 2343—श्रतः मुझे, म्रार० भार० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 99 बेजलपुर, ठी० पी० एस०1, एफ० पी० 123 है तथा जो बेजलपुर (टी० पी० एस०-1) ग्रहसदाबाद में स्थितं है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन त(रीख 27-7-82

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री महेन्द्रभाई नानाभाई पटेल श्रीर ग्रन्य चरनकुण सीसागटी, सेटेलाइट रोड, जोधपुर, बेजलपुर, ग्रहमदाबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) पंचगनी को० भ्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड, चेयरमैन श्री मनोजकुमार शांतीलाल शाह, महाबीरबाग एपार्टमेंट, श्रेयस टेकरा, भ्रांवापांडी, भ्रहमदाबाद-380015।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से क्रिसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनसची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 4118 वर्ग मीटर है जो बेंजल-पुर, टी० पी० एस०-1, ब्रह्मदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार, ब्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्षीखत नं० 11053, 11050, 11052/27-7-82 है।

> श्रार० श्रार० शाह ्सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाष

**तारीख: 22-2-1983** 

प्ररूप भाइं. टी. एनं. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० म्नार० नं० 2344/23-1/82-83-**ब्रतः मुझे, ब्रा**र० ब्रार० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार सूला 25,000/-रा. से **अधिक है** भ्रौर जिसकी सं एफ पी० 701, एस० पी० नं 5, टी० पी० एस० 3 है तथा जो श्रोलीसन्निज, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्र**धीन, दिनाँक 30-7-82 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; और/या

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य् आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तृ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

मत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री जगत रतीलाल, श्रील्ड शारदा मंदिर के नजबीक, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2 सन मायन ग्रसोसियमन, प्रमुख—सूर्यबेन रसिकलाल माह, फर्स्ट फ्लोर, जिबेनी ग्रपार्टमेंट, मिथाखली, नवरंगपुरा ग्रहमदाबाद। सेक्टरी — श्री गौतमलाल चिमनलाल चोलपठेल 17, मंजुश्री सोसायटी, घाटलोडिया, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 556.350 वर्ग यार्ड है (1/4 individual share) जो भ्रलीसत्रीज, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 8735/30-7-82 है।

म्रार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

दिनॉक 22~2~1983 मोहार ःः प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

**बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269 थ (1) को अधीन मुचडा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} = \frac$ 

निदेश सं० पी० शार० नं० 2345—श्रतः, मुझे, श्रार०

द्यार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/--रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० 701, सब फ्लोट नं० 5, टी० पी० एस० 3, वरिब है तथा जो एसिल क्रिज, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कर्यालय, भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-7-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाजत, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के अधियत्थ में कभी करने या उससे बचने में सुजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 शामिक जितेन्द्रा भाई, भ्रोल्ड शारदा मंदिर के नजदीक, महमदाबाद ।

(भन्तरक)

- 2 (1) मैं शनषीम एसोसियशन की म्रोर से प्रमुख--श्री शांसीलाल मनीलाल ध्वनि भ्रपार्टमेंट, शाहपुर बाह्म सेन्टर श्रहमदाबाद।
- (2) सेकेटरी--श्री गिरीश सोमाभाई पटेल, श्री हरि पार्क, नारनपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पध्योकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षत्रफल 222.60 वर्ग गज है (1/10 विना बांटा शेयर) जो एलिसक्रिज, ग्रहमधाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखात नं० 8737/30-7-82 है ।

म्नार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज⊶I, म्रहमवाबाद

ब्तः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 22-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2346—श्रत:, मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० 701, एस० पी० 5, टी० पी० एस० 3 वरिंद, है तथा जो एलिसजिज, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-7-82

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बबारा पकट नहीं किया गया था विषय जाना काहिए था, हिन्हों में स्विश्य के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री जितेन्द्राभाई रतीलाल, ग्रोल्ड शारदा मंदिर नजदीक, श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2(1) मैं० सनबीम एसोसिरुशन की ग्रोर से प्रमुख-श्री शांतिलाल मनीलाल ध्वनी ग्रपार्टमेंट, शाहपुर बाह्य सेन्टर ग्रहमदाबाद।

सेक्रेट्री श्री गीरीश सोमाभार पटेल श्री हरःपार्क नारनपुरा, ग्रहमदाबाद।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 222.60 वर्ग गज है (1/10) बिना बांटा हुग्रा शेयर) जो एलिसब्रिज, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 873 9/30-7-82 है।

ग्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-I , ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2347/23-I/82-83---ग्नत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० 701, एस० पी 5, टी० पी० एस० 3 बरिद, है सथा जो एलिसब्रिज, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-7-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है .और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में अभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमन्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री सौरीन जितेन्द्राभाई, श्रोल्ड शारदा मंदिर के नजदीक एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. (I) मैं॰ सन बीम एसोसियणन की भ्रोर से प्रमुख— शांतीलाल मनीलाल, छवनी श्रशार्टमेंट, शाहपुर बाह्य सेंटर, श्रहमदाबाद।

सेकटरी—श्री गिरोण सोमाभाई पटेल, श्री हुरि यार्क नारनपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त संपृष्टि के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के किए जा सर्कार।

स्थव्यक्ति रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 222.60 वर्ग गज है (1/10 बिन बांटा हुआ शेयर) जो एलिसकिज, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्टार, श्रहमदाबाद रजिस्ट्रकर्ता बिक्रीखत नं० 8733/30-7-82 है।

आर० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज~I, म्रहमदाबाद

तारीख: 22 -2-83

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० भ्रार० नं० 2348-23-I/82-83---भ्रत: मुझे, भ्रार० भ्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० 701, एस० पी० नं० 5 टी० पी० एस० 3, वरिच है तथा जो ऐलिसब्रिज, महमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनाक 30-7-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, िछपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री भानुबेन जितेन्द्रा भाई रतीलाल, श्रोल्ड शारदा मंदिर के नजदीक, ऐलिसब्रिज, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) मैं० सन बीम ऐसोसियेशन की छोर से प्रमुख— श्री शाश्तिलाल मनीलाल ध्वनी श्रपार्टमेंट, शाहपुर बाह्य सेंटर, श्रहमदाबाद।
- (2) सेकेटरी--श्री गिरीण सोमाभाई पटेल, श्री हरि पार्क, नारनपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 222.60 वर्ग गज है (1/10) बिन बांटा हुन्ना शेयर) जो ऐलिसम्निज, म्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार म्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 8741/30-7-82 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 22-2-1983

प्ररूप बार्ड .टो . एन . एस . -----

**बायकर कश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ण (1) यो बधीन गुचरा

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० पी० 701, एंस० पी० नं० 5, टी० पी० एस० 3, है तथा जो ऐलिस्बिज, ग्रहमदावाद में स्थित है (ग्रीर इहसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 30-7-1982

को पूर्वांक्त सम्प्रिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निनिक्त उन्दर्भय से अध्या अस्तरण हो कि से वास्तरिक क्ष्य से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ वर्षे. जिन्हों भारतीय भारतीय हारियोग्या १५०० १५०० १५०० १५०० वर्षे १९२२ का १११ या उत्तत अधिनायिस या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २०१ के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सविधा के लिए:

बतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिंग व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री कमल जितेद्रभाई, ग्रोल्ड शारदा मंदिर के नजदीक, ऐलिसब्रिज, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

 मै० सन बीम ऐसोसियेशन की ग्रोर से प्रमुख— श्री शांतिलाल मनीलाल, ध्वनी ग्रपार्टमेंट, शाहपुर बार सेंटर, ग्रहमदाबाद।

सेकेटरी—गिरीश सोमाभाई पटेल, हरीपार्क, नारनपुरा, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारा करके पृत्रों वर संस्पतिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 222.60 वर्ग यार्ड है (1/10) बिन बांटा हुम्रा शेयर) जो ऐलिसब्रिज, म्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार महमदाबाद, रिजरट्रीकर्ता बिकीखत नं० 8745/30-7-82 है।

ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

# प्रकप बाइ . टी . इन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका तिचत बाबार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० म्युनि० सेक्टरस नं० 1046, 1046-2 से 5, सर्वे नं० 88 है तथा जो प्लाट नं० 1, साबरमती, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उपक दृश्यमार पोत्यान में, एए क्यामार प्रतिकाल कर पन्द्रह प्रतिकाल अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किन निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में बास्तिबक रूप से किश्वत नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण संदुद्ध किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के तिथ, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1992 का ११) का उपन अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिला नया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने यो स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ं--

1. श्री कश्मीरी लाल सज्जनदास जवाहर पार्क के पास, साबरमती, 1, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भभूतमल अचलदास संघपी हीरा जैन सोसायटी, साबरमती, रामनगर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पृशांकित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वन के राज्यव में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिया में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जो ग्रचिट, साबरमती, ग्रहमदाबीद में स्थित है ग्रौर सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद में 11316 नं∘ पर ता• 31-7-82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जेन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ---=

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज- 11 ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2351 एक्यु०-23-1/ 82-83--यतः, मुझे, आर० आर० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000 / - रा. से अधिक ह<sup>2</sup>

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 88 पैकी, सब प्लाट नं० 1 का भाग तथा जो प्रच्छेर 2, साबरमती, प्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफैल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) कें बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीआय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर 'अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् ह्---

1. श्री कश्मीरी लाल सज्जनदास, जवाहर चौक के पास, साबरमती, घहमवाबाद।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती बदामीबेन भभूतमल संघवी
  - (2) श्री सुकुनराज भभूतमल
  - (3) श्री ग्रमृतकुमार भभुतमल
  - (4) श्रीमती पृष्पासरन प्रकाशचन्त्र,

हीरा जैन सोसायटी, साबरमती, रामनगर, ब्रहमदाबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 500.32 वर्गीगज है जो साबरमती, ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रीर सब रजिस्ट्रार, **ब्रह्मदाबाद** में 11312 नम्बर पर ता० 31-7-82 में रजिस्टर्ड हुमा है।

> म्रार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णेन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

मोहर 🛭

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाय म्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० धार० ॄनं० 2352/एक्वी० -23-1/82-83--यत:, मुझे, आर० धार० शाह,

आयकर मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिर्मित्यम' कहा गया है), की भारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे० नं० 166/1, टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 455 है तथा जो पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, फिपाने में सुविभा के लिए;

अक्षः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री द्वारकादास गोविन्ददास प्ररीख 'राधिका', गांधी-विद्यालय के पास, मथुरेश भवन, शाहीबाग, श्रहमसाबाद। (श्रन्तरक)
- श्री चन्दुभाई पूजाभाई पटेल, बाङापोल, खाडीम्रा, म्रह्मदाबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अभ्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया। गया है।

# वन्सूची

ग्रस्थाई मिलिकयत जिसका 445 वर्ग गज है जो पालड़ ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रीर सब रजिस्ट्रार, श्रहमदाबाद में 11123 ग्रीर 11125 पर जुलाई-82 में रजिस्टर्ड हुग्रा है।

> म्रार० मार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज-1, महमदाबाद

दिनोन: 22-2-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निदोश नं. पी. आर. नं. 2353/एसीक्यू.-23-।/82-83—-अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं. नं. 3, धनपापेश्वर को. ओ. -हा. -सो., पिजोल कोसी ग है, तथा जो वटवा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:——  श्रीमती शारवाबहृत धीरजलाल सरैया, 652, कोमरी पाल, गांधी राँड, अहमवाबाव।

(अन्तरक)

 श्रीमती विणाबहान सुभाषभाई घाह, धनपापेश्र्वर की-ओ-हा-सोसायटी लि., सं. नं. 2, पिजोल, कोसींग के पास, बटवा (मणीनगर), अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

मकान नं. 2 जो धनपापेश्र्वर को-ओ-हा सोसायटी, पिजोल, वटवा में स्थित है और सम रिजस्ट्रार, महमवाबाद में 11023 पर ता. 26-7-82 में रिजस्टर्ड किया हुआ है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

# प्ररूप आर्ध: ही. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सञ्चायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2354/एक्वी० 23-I/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० ग्रार० गाह,

वारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जित्तका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एफ० पी० 383, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० 6 है, तथा जो पालडी, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धर्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अहे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जनसरण कें, कें उक्त प्रीधिनियम की भारा 2**59-ए की उपधारा (1)** के अधीन, निम्निसिस व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री लिलत कुमार नरभेराम प्राजमेरा, 5, मरीन ड्राइव सोसाइटी, भैरवनाथ रोड, बैस्ट स्क्ल के पास, मनीनगर, ग्रहमदाबाद।

(अंतरक)

(2) 1. श्री प्रताप राय वाही लाल गाह,
 2. श्रीमती सुणीलासरन प्रताप राय गाह,
 14, माहेण्यरी निवास,
 44/45, तिलक रोड,
 शांताकुज,
 वेस्ट बम्बई-54 ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चक्स सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस मुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध शाद में सामान होती हो, के भीतर पृत्रांकर कहिलाओं में में किसी व्यक्तित हुया।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकालन की लागीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-वक्त निर्णि अस्य न्यक्ति व्याप्त अभाहिस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकीं।

स्वब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्यास में दिया गवा है।

# अनुसूची

मिलिकियत जो पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रौर सब-रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद में 11234 नम्बर पर ता० 29-7-82 में रिजस्टर्ड हुन्ना है।

> म्रार म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- , म्रहमदाबाद

तारीख : 23-2-1983

मोहर 🏻

# प्ररूप आहूँ. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के शबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-I, झहमदाबाद ऋहमदाबाद, दिनांक 22 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० द्यार० नं० 2355/झर्जन रेंज-23-I/ 82/83 — यतः, मुझे, श्रार० ग्रार० शाह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे

इसमें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा स्था है, की घारा 269-ख के प्रधीन समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छित्त बाजार मुख्य 25,000/- उ॰ से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० नं० 443 + 442-2, टी० पी० एस०2, एफ० पी० 23.1 है, तथा जो ओधव, ग्रहमदाबाद में स्थित
है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख 1 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितफल, निम्भी लिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग पा किमी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रंबाराम गंगाराम, छगन भाई के कुवापर राजरी बसाहत के पीछे, श्रोधव, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) ईप्रवरकुपा ओधव को-म्रापरेटिव सोसाइटी की श्रोर से जनक भाई बी० मिस्स्री, माकासेट, कुवास पोल, रायपुर चकला, महमदाबाद,।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन की तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्तु संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विजसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय कें दिया गया है।

### अम्सूची

जमीन जिसका 1/3 क्षेत्रफल 4800 वर्ग मीटर है जो ग्रोधव, भ्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 9732/1-7-82 है।

> ् ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद

तारीख : 22-2-1983

मोहर 🖫

'n

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 2 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2356/23-I/ 82-83-श्रातः मुझे, श्रार० श्राह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 443, 444-3, टी० पी० एस० 2, एफ० पी० 23-2 है, तथा जो ओठव, ग्रहमदाबाव में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाव में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 1 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करमेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री लवजी भाई गंगा राम, श्री सुख लाल लवजी भाई, छगन भाई का फूफा, खारी बसाहत के पीछे, ग्रोठव, ग्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) इन्धरक्र्या झोठव को-झापरेटिव सोसाइटी की झोर से लिमिटड श्री जनगक भाई बी० मिस्त्री, झाकारोड, कुपाकी पोला, रायपुर चकला, . श्रहमवाबाद ।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **बन्**स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 9154 वर्ग मीटर है जो म्रोठव महमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, महमसाबाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं 9736, 9,734, 9/731/1-7-8 है।

> श्रार० झार० मा १ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), झर्जन रेंज-। श्रहमदाबाद

तारीख: 22-2-1983

 $\hat{p} = 1$ 

F 17

# प्रकप धाई • टी • एन • एस •

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

### भारत बंदकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, विनांक 24 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० मार० नं० 2351/मर्जन रेंज-23-I/82-83----

न्नतः मुझे, झार० न्नार० शाह

माम्कृत व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० नं० 774, न्यू लिभिट के अन्दर घोराली, है, तथा जो नगर पालिका, घोराली, राजकोट 11 एकड़, 1 गुंडा में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध से अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, घराजी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्ह<sup>7</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर्प्यू में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेमन डाउन इस्माइल प्रघाडी भौर मेमन जीकर इस्माइल भ्रघाडी, बहारपुरा, घोराज़ी, जिला राजकोट।

(भन्तरक)

(2) मेनन इक्षाहिम हाजी लतीफ पेडीवालाः भाकु भाजीया, घोराजीः ।

(मन्तरित)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धी किसी कृत्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सक्ति।

स्पर्कितरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विसा गया है।

# अ**न्**स्ची

मिलिकियत जिसका सब-रजिस्ट्रार घोराली रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 952/22-7-82 है।

भ्रार० म्रार० शाह स्थम प्राधिकारी स्थायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रायंक रेंज-I, श्रहमवाबाद

**सारीख : 24-2-1983** 

मोहर 🦠

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहगदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2358/ग्रर्जन रैंज-23-I/ 82-83--यतः मुझे, ग्रार० ग्राह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 श्रोर 6, एजलपुर सीम है तथा जो गांव वजेपुर, त.लुका मोरवी में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्व श्रनुसुची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोरवी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, वक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:-- (1) श्री श्रमय हांत श्रमृत लाल मेह्ता गांति प्लाट 12, मोरवी ।

(ग्रन्तरिती)

(2) श्री हरेष कुमार वेबजी भाई पटेल भागीधार के/ग्राफ़ विकास मौजेक इण्डस्ट्रीज, फ़ांचजी प्लाट-4, मोरवी ।

(भ्रन्तरक)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों सिंसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थंखीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलिकयत जिल्ला सब-रिजस्ट्रार मोरवी रिजस्ट्रीकर्ती विक्रीखत नं० 126/19 - 7 - 82 है।

ग्रार० ग्रार० शाह नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

**सारीख : 24-2-1983** 

# प्रक्ष भारती, द्रीत एत्. एक्.-----

बायकर वृष्टिमयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

### भारत प्रकार

# कार्वास्य, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2359 ग्रर्जन रेंज-23-I/ 82-83—यतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

मौर जिसकी सं० एफ़०पी० 76, चैकी टी० पी० एस० 4 एस० पी० नं०52, है, तथा जो जगाभाई पार्क, एल० जी० प्रस्पताल के नजदीक, मनी नगर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाध में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्मक्ति के उपात बाजार मृस्य से कम के इर्यमान ग्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृस्य उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिकात ते अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्विषय से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाद की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्री बृन्दावन दास नरोत्तम दास शाह (एचर्० यू० एफ़०) ब्लाक नं० 9, पार्वती निवास, प्लाट नं० 26, किंग्स सर्कल, बम्बई-400010 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रेयस श्रपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसिएशन, सेक्रेटरी—श्रणोक कुमार जयंती लाल शाह 69, जगाभाई पार्क, पेट्रोल पम्प के पीछे, मनी नगर, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

### अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफ़ल 699.81 वर्ग मीटर है जो मनीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदा-बाद में रजिस्ट्रीकर्ता बिफीखत नं० 11114/28-7-82 है।

> श्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 24-2-83

मोहर 🗧

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.----

बायकर वृश्विनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० भार० नं० 2360/मर्जन रेंज-23-I/ 82-83---यतः, मृक्षे, भार० म्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० मकान का जमीन-का क्षेत्रफल 428-33 वर्ग यार्ज है तथा जो गोरी नं० 8, पंचनाथ प्लाट' राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिनारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31 जुलाई, 1982

को पुर्वोक्तसम्बक्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के वृष्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार नृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उभत अन्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कायत नहीं किया गया है:----

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या कश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती क्षारा प्रकट महीं किया वया या किया जाना चाहिए वा क्रियाने में सुविधा के लिए।

गतः मन्। उन्त विधिनियम की धारा 269-म के धनुसद्य में। मैं, उन्त विधिनियम की धारा 269-घ ही उपधारा(1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

(1) श्री जे० पी० मोदी, एच० यू० एफ़० के० कर्ता श्रीर मैंनेजर श्री श्रनोप चन्द पी० मोदी """ श्री श्ररविंद पी० मोदी """ एम० जी० रोड, बाटकोपर, बम्बई ईस्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मनभाई रामजी भाई पटेल श्रीमती मुक्ताबेन पोपट लाल, रामनाथपरा, जेल के सामने, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी **करने पूर्वोक्त ईपरित के अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य यिन्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

महान जिसका जमीन का क्षेत्रफ़ल 428.3 वर्ग यार्ड हैं जो 8, पंचनाथ लाट, शेरी नं० 8 हैं तथा जिसका सब-रजिस्ट्रार, राजकोट में रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 5299/ 31-7-1982 हैं।

> म्रार० म्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 फ़रवरी 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2261/प्रजंन रेंज-23-I/ 82-83—यतः मुझे, भार० आर० शाह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

कायक र आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर उसकी सं० मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफ़ल 244 वर्ग यार्ड है तथा जो बल्लभ कन्या विद्यालय रोड, देवर भाई रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यान्तय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अदिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक स्प में किश्वत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दादित्व में कभी करने वा उससे व्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हेमेन्द्र कुमार फ़ेववलाल भाई मेहता भरत कुमार केशव लाल मेहता जम्बु कुमार केशव लाल मेहा, विनोद कुमार केशवलाल नेहता करन सिंह जी रोड, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तुलसी दास विट्ठल दास भाई पारेख श्री हरी दास विट्ल दास भाई पारेख श्री चिमन लाल विट्ठल दास भाई पारेख 113, श्रानन्द नगर, कालोनी, राजकोट ।

(भन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन की प्रेस्ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

# अनुसूची

मिलिकियत जिसका सब-रिजस्ट्रार, राजकोट में रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 5276/31-7-1982 हैं ।

> ग्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदबाद

*सारीख* : 25-2-1983

मोहर 🏻

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

# भायकर प्रधिनिषय, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 व (1) के ज्ञान तुष्का

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 फ़रवरी 1983

निदेश सं॰ पी॰ श्रार० नं० 2362/श्रर्जन रेंज-23-I/ 82-83—यतः मुक्षे, आर० आर० शाह

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उक्त प्रजितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास धरने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द के प्रधिक है,

जिसकी सं० मकान जमीन का क्षेत्रफ़ल 200 वर्ग याढं है तथा जो कांता स्ट्रीट विकास गृह देवर भाई रोड, राजकोट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), राजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यांलय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 31-7-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निताबत उद्देश्य से उक्त भन्तरक लिखिन में बास्तविक छप से कविन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी आप की माबत, उसा प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (स) ऐपी किसी आए या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः धवः, उनतः श्रविनियम की घारा 269-ग के समुसरण में, में, प्रक्त श्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) हेमेन्द्र कुमार केशव लाल मेहता भरत कुमार केशवलाल महेता जम्बुक लाल ,, विनोष कुमार केशव लाल मेहता करनिसह जी रोड, राजकोट

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती कांताबेन नारनभाई श्रीमती मीनबाई करसन भाई 10, जयराज प्लाट, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त तस्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सन्यक्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की दारीच से 45 किन की घमि या तत्तन्त्रकी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 बिन की धमित, जो भी धमित बाद में समाध्य होती हो, के मीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितवस किसी भन्य व्यक्ति हारा, वजीहक्ताखरी के वाल विकास में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: --इतमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का., जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में विशासिल हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया मना है।

# अनुसूची

मिलिकमत जिसका सब-रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 5277/31-7-82 है।

> भ्रार० धार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख**: 25-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2363/23-I 82-83—अतः मुझे धार० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 239/1 मौर 239/2 है लया जो गांव बोडफ दव जिला अहमदाबाद में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मिक्कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में स्थित भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 29-7-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रम्बालाल रानाभाई एच० यु० एफ़० के० कर्ता श्रीरमीनेजर श्री श्रम्बालाल रानाभाई गांव बोडफ़देव, जिला श्रहमदाबाद ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जोइताराम प्रभुदास मिस्त्री
श्रीर श्रन्य
गांव फ़ुंदल, तालुका पण्डी
जिला महेसाना ।
श्री फीरीर कुमार रामदास थटेल और श्रन्य
बसन्त बिहार को० श्रो० डा० सोसायटी लिमिटेड
एच० एल० कालेज श्रोफ कामर्स के पीछे
नवरंगपुरा,
श्रहमदाबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 17 गुंडा है जो गांव बोडफ़बेय, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11237/29-7-1982 है।

> श्नार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 1-3-1983

मोहर

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिमांक 1 मार्च 1983 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2364/श्रर्जन रेंज-23-I/ 82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ़० पी० नं० 191, पैकी टी० पी० एस० 3, है तथा जो टेनामेन्ट नं० 2, नाथालाल मूलचन्द्र सोसायटीं नवरंग पुरा, सं० प० को० चार रास्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावस प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 27 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल् के लिए जन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

> 1 श्रीमती कमलाबेन नगीन दास पटेल की ग्रोर से कुन मुख्दशार श्री महेन्द्र नगीनदान पटेल नाथानाल मूलचन्द कालोनी, सरदार पटेल कालोनी, चार रास्ता नजदीक, सरदार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंनपुरा ग्रहमदाबाद

(भन्तरक)

- (2) श्री विक्रम भाई बालू भाई पटेल - 3, कुमकुम सोसाइटी , सरदारपटेल कालोनी नजदीक, सरदार पटेल स्टेडियम नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।
  - 1. श्री श्रोधवनी नायालाल जी धोबी
  - 2. श्री जदीबेन लक्ष्मीनारायण नगर,
  - 3. श्री पटेल हितेद्र उर्फ रश्मिकांत चीमनलाल
  - 4. श्री हीरा लाल रतन लाल गांधी
  - 5. श्री फ़नुभाई हीरा लाल नाथा लाल मूलचन्द सोसायटी सरदार पटेल स्टेडियम रोड के नजदीक, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

(3) डिजाईन प्वाइंट नं० 2, नाथालाल भूलचन्द सोसाइटी सरवार पटेल स्टेडियम के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफ़ल 416 वर्ग यार्ड है जो गेखपुर, खानपुर टी० पी० एम० 3, एफ़० पी० 191 नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10604/27-7-82 है।

भार० भार शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-3-1983

मोहर 🥲

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश स० पी० झार०नं० 2365/एस एक्यू०-23-1/82-83—अतः मुझे, झार० झार० शाह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० जमीन 4 एकसे 18 गढ़ा एफ० नं० 80 है सथा जो

श्रीर जिसकी सं० जमीन 4 एकर्स 18 गूंडा एफ० नं० 80 है सथा जो के जैतलपुर, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में अधीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्षर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री मोहन लाल नाराण भाई सेकबाडिया 3, कमिकया फ्लोर, जेतपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिरीष कुमार जमली पाँरिख कापड़ सीमार जेतपूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों काों जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

मिलकियत जिसका बिकीखत नं 435/तारीख 20-7-82 है जो सब-रजिस्टार जमेपुरम रिजटर्ड हुआ है।

> भ्रार० भ्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमवाबाद

सारीख: 1-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज- $\mathrm{I}$ , श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० पी० धार० नं० 2366/ए/क्यू०-2/3-1/82-83—अतः मुझे, धार० धार० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000 ∕ - ,रु. से अ**धि**क ह**ै**।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1-08, 4-32, 7.25 (13 एकर्स है तथा जो 25 गूम जेतपुर में स्थित है (भौर इससे उपावद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्तम्म, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल के पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बुस्तविक रूप से किपत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय मायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् म्—

(1) श्री भोवन बाल जी वकरिआ सामावाला परा, जेतपुर, ता० राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार जगत राय पारेख कापड़ा बाजार, जेतपुर ।

 श्री वसंतराय धनमा भाई पटेल फुलवाडी ।

जेतपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ख) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असमची

मिलकियत जिसका विकीखत नं० रजिस्टर्ड न० 132 है और 'सब-रजिस्ट्रार जेतपुर में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> मार० मार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-3-1983

# प्ररूप बार्च. टी. एन. एत.-----

आवकर गिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के गंभीन स्चाना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद ग्रहमवाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983 निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2367/श्रर्जनरेंज- /82-83 —-अत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 71, वैभव श्रपार्टमेंट रामकृष्ण नगर है तथा जो णेरी नं० 2, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर भूण रूप से विणत है), राजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धंन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैसर्स महावीर कन्स्ट्रक्शन ,
6 मसला, वैभव फ्लोर,
शोरी नं० 2,
रामकृष्ण नगर,
राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजयासटम सिपीनचन्द नारिया 7, मास्टर सोसाइटी, भक्ति नगर के पास, रेलवे स्टेशन, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थानी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

मिलकियत जिसका बिक्रीखत नं० 5084 है और सब-रजिस्ट्रार राजकोट में ता० 21-7-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> न्नार० न्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर न्नायुक्त ( निरीक्षण) न्नायके न्नायकर न्नायक

तारीख: 1-3-1983

प्रकृप भाई० टी • एन • एस •-

आयक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269**-**ध** ((1) के अधीन सुचना

# बारक सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1983

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 2368/प्रार्जन रेंज-23-1/82-83—प्रतः मुझ, श्रार० ग्रार० गाह ग्रायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ज क अधीन स्थाम प्राप्तिकारी को, या विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर पालि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व० से भ्राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23 बी० वैभव श्रापार्टमेंट, रामकृष्ण नगर है, तथा जो शरी नं० 2, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त जम्पत्ति के उचित बातार भूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत्त के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वामं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकत्त से, एस दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्र अतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्त निक्त उन्त्य से उचन अन्तरण विजित्न में बास्तविक का से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अग्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में, सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में के, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिंखन अधिनाम, जुर्भात है—

(1) मैसर्स महावीर कन्स्ट्रव्यान 6, प्लोर, वभव फ्लैट्स, शेरी नं० 2, रामक्रुष्ण नगर। राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कांति लाल शंकर दास पटेल मधुकुंज, बिखियरा, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में काई का पाक्षेप :--

- (ह) इत सूत्रका है रागात में तिरात को तारीख से 45 दिए की प्राप्ति या तरामंत्रकी क्यक्तियों पर सूचना को नामीत से 30 दिन की प्रविद्या जो पर प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अपित्रों में सिकाने व्यक्ति बारा;
- (ब) इन पूजना के राजभन में प्रकाणन की तारीका से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही भर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# बनुसुची

मिलिकियत जिसका सब-रजिस्ट्रार राजकोट में रजिस्ट्री कर्ता विकीखत नं० 5085/27-7-1982 है ।

> भ्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख : 25-2-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. प्रस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2369/एसी० क्यू०-23-1/82-83—यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वार्ड नं 16, मकान नं 139, सर्वे नं 262 है तथा जो राजकोट, दूसरा मसला, शांतिनाथ फ्लैट, सादर, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय राजकोट में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जलाई, 1982

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करफेया उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नवनोत लाल शांतिलाल पारेख शांतिनाथ फ्लैंट्स, जशानी रोड, सदर, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्योतिन्द्र बाडीलाल वसा, दूसरा मसला, शांतिनाथ फ्लैट्स, राजकोट ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अआंह्रस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अससची

मिलिक्यत जिसका बिकिखत नं० 1933 है ग्रोर मब-एजिस्ट्रार, राजकोट में ता० 29-7-1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी दिव्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-3-1983

मोहर् 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2370/एस० क्यू० 23-1/ 82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 16, मकान नं० 139, सर्वे नं० 262 है, तथा जो राजकोट, प्रथम मझला शांतिनाथ फ्लैंट, राजकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता मिस्रारों के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण मिस्रानियम, 1908 (1908 का - 16) के मधीन, जुलाई, 1982

कों पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री नवनीत लाल शांति लाल पारेख शांति नाथ पलैंट, जशाणी रोड, सदर, राजकोट ।

(भन्तरिती)

(2) श्रीमती सरोज सरन प्रफ़ुल चन्च महतो प्रथम मसला, गांतिनाथ फ्लैंट, सदर, राजकोट ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिकियत जिसका बिक्रीखत नं० 1516 है और सब-रिजस्ट्रार, राजकोट में जुलाई 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्सण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 4-3-1983

मोहरः

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस्.----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2371/ग्रर्जन रेंज 23- | 82-83—ग्रतः म्ये, ग्रार० ग्रार० शाह बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 201, 2 फ्लोर, शिश ग्रापार्टमेंट है तथा जो स्ट्रीट नं० 28/43, प्रहलाद प्लाट राजकोट में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाँबढ़ ग्रन्सूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1909 का 16) के ग्राधीन, तारीख 7 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिशक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोंने के जन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अंत्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस्क जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री बलवंत राय
काली दास मनीयार,
प्रवीनचन्त्र कालीदास मनीयार
33, नूतन नगर,
निर्मला कन्वेन्ट स्कूल रोड
के नजदीक, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री णिशकांत रतिलाल कोठारी 14, श्रमरीचनपुर रोड, कलकत्ता-7 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति दारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों भीर पढ़ों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होमा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अभूसूची

मिलकियत जिसका सब-रिजस्ट्रार, राजकोट में रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं ॰ 1781/7-7-1982 है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख : 4-3-1983

मोहर 👙

प्रकप् आई. टी. एनं. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ग्राउमराबाद, दिनां रु 4 मार्च 1983

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 2472/23-I/

82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं नं 451 पैकी प्लाट नं 14 पैकी 108+ 108 वर्ग यार्ड है तथा जो सह कार नगर, मुख्य रास्ता, ग्राम्मपाली सिनेमा के सामने, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुख्ती में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3 जुलाई, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
23—16 G1/83

(1) श्रीमती भागीरथी बेन लीलाधर जोशी 'हरीहर चौक', पोस्ट ग्राफिस के नजदीक, पंचनाथ प्लाट, राजकोट ।

(मन्तरक)

(2) श्री बुजलाल हीरा लाल पारेख सह हार नगर, सोसाइटी के नजदीक, स्टेट बैंक सोसाइटी के नजदीक, ग्राम्प्रपाली सिनेमा के सामने, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनता अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **बन्**स्ची

मिलिक्यित जिसका सब-रिजस्ट्रार , राजकोट में रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 1904 श्रौर 1905/3-7-1982 है ।

> श्चार० श्वार० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, शहमदाबाद

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----.

**आयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंग-ा, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निवेश सं० पी० मार० नं० 2373/मर्जन रेंज-23-1/ 82-83--- मत: मुझे, मार० मार० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिस ही सं० बनाक नं० 102, फर्स्ट फ्लोर शाही स्रपार्टमेंट है सथा जो शेरी नं० 43, प्रह्लाद फ्लैट, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 7 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सबिधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बलवन्त राय कालीदास मनीयार प्रवीन चन्द्र कालीदास मनीयार
 33, नूतन नगर,
 निर्मला कान्वेंट हाई स्कूल रोड के नजदीक,
 राजकोट ।

(भ्रन्सरक)

(2) भी पटादिया दीप कुमार विभोजनन दास पटादिया महेन्द्र कुमार हुकमचन्व फर्स्ट फ्लोर, गिश्च अपार्पमेंट, 28/43, प्रह्लाव प्लांट, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशत की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

मिलिकयत जिसका सब-रिष्ट्रिस्ट्रार, राजकोट रिजस्ट्री-कर्ता विकीखत नं० 11889/7-7-1982 है।

> भार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-3-1983

प्रकृप आर्द्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकर (निरीक्षण)

ग्रर्ज रेंज-।, भ्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2374 / प्रर्जन रेंज-23-1/ 82-

83---ध्रतः मुझे, ध्रार० ध्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 102, 2 फ्लोर शिश श्रपार्टमेंट है तथा जो 28/43, प्रह्लाद प्लांट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से बिणत है), रिष्ट्रिकर्ता अधिकारी के बार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908) का 16) के अधीन 12-7-82 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिकः, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री बलंबत राय कालीवास मनीयार श्री प्रवीन चन्द्र कालीवास मनीयार 33, नूतन नगर, निर्मला कान्वेंट हाई स्कूल रोड के नजदीक, राजकोट ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री जयेश कुमार धीरजलाल दवे सेकण्ड फ्लोर, शशि ग्रपार्टमेंट, प्रह्लाद फ्लैंट, शेरी नं० 28/43. राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस रे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलकियत जिसका सब-रजिस्ट्रार, राजकोट में रजिस्ट्री-कर्ता विक्रीखत नं० 2727/12-7-1982 है ।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-।, महमदाबाद

**सारीख** : 5-3-1983

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-। श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० पी० ध्रार० नं० 2375/धर्जन रेंज-23-I 82-83—अप: मुझे, श्रार० ध्रार० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 101, फर्स्ट फ्लोर, शशि श्रपार्टमेंट है तथा जो 28/43, प्रह्लाद फ्लेट, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 17) के श्रधीन, तारीख 12 जुलाई, 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, ति की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उदस अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बलवन्त राय कालीदास मनीयार प्रवीनचन्द्र कालीदास मनीयार 33, नूतन नगर, निर्मल कान्वेंट हाई स्कूल रोड के नजदीक, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश हरी लाल , फर्स्ट प्लोर, शिंश श्रपार्टभेंट, 28/43, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

मिलिकयत जिसका सब-रिजस्ट्रार राजकोट में रिजस्ट्री-कर्ता बिकीखत नं० 1971/12-7-1982 है।

> भ्रार० झार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-। घ्रहमदाबाद

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🏋 🐇

प्ररूप. बार्ष. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांव: 5 मार्च 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 14 पैकी 108, वर्गयार्ड तथा जो श्राम्प्रपाली सिनेमा के सामने, राजकोट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अभ उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, जिम्लिखित व्यक्तित्यों, जुर्भात् :--

(1) श्रीमती भागीरथी बेन लीलाधर जोशी की श्रोर से फुल मुख्तयार प्रवीनचन्द्र लीलाधर जोशी ''हरी लाल भौक', पोस्ट श्राफिस के नजदीक, पंचनाथ प्लाट, राजकोट ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सोनी प्रभुलाल हीरालाल पारेख 41, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकयत जिसका सब-रजिस्ट्रार, राजकोट रजिस्ट्रकर्ता बिक्रीखत नं० 3131/30-7-1982 है ।

> श्चार० झार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रीयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-।, भ्रहसदाबाव

**तारीख: 5-3-1983** 

मोहर 🤃

प्ररूप आहरं. टी. एन. एस.-----

भायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) -

प्रजीन रेंज-।, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० पी० ग्रार०नं० 2377/ग्रर्जन रेंज- 23-1/ 82-83—ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का

**कार**ण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

25,000/- रा. से अधिक हैं°

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 14 पैकी 108 वर्ग यार्ड है तथा जो सहकार नगर, मुख्य रास्ता, श्राम्प्रपाली सिनेना के सामने, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्मलिस्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म (1) श्रीमती भागीरथी बेन लीलाघर जोशी की मोर से फुल मुख्तयार प्रवीनचन्द्र लीलाघर जोशी हरीलाल चौक, पोस्ट ग्राफिस के नजदीक पंचनाथ प्लाट, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती ध्रमृतलाल भट्ट सरदार नगर मेरन रोड, रेलवे कार्सिंग के नजदीक, राजकोट ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसभी

मिलिकयत जिसका सब-रिजस्ट्रार, राजकोट में रिजस्ट्री-कर्ता बिकीखत नं० 4100/जुलाई, 1982 है।

> भ्रार भ्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-।, भ्रहमदाबाद

सारीख: 5-3-1983

सोहर ⊹

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण)

ग्नुजन रेंज-। , ग्रहमदाबाद हमदाबाद, दिनांक 5 मार्च 1983

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11, चित उद्योग नगर, भावनगर है, तथा जो 2237 वर्ग मीटर, सौराष्ट्र इनोजिटिष्प प्रा० लि०, भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बनन में मुधिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1920 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, किया निक्रियों अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा-269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रश्विन प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज वीडलवाडी, उद्योग नगर, भावनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) सौराष्ट्र इनोज टीप्स प्रा० लिमिटेड, प्लांट नं० 11, चित्र उद्योग नकर, भावनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन. की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्ची

मिलिकियत जिसका सब-रजिस्ट्रार, भावनगर में रजिस्ट्री कर्ता बिकीखत नं० 1982/8-7-1982 है ।

> म्रार० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाट

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप आर्हा. टी. एन. एस.------आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज- , श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 2061/एस० क्यू० 23-II/ 82-83----श्रतः मुक्ते, श्रार० श्रार० शाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 3409 है, तथा जो देसरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) , रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख ज्लाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए।

अतः अब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-य को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) कैलाण राइस मिल्स का भागीदार श्री छोटेलाल घेलाभाई गांधी और प्रन्य महादेव नगर, जीलीमोरा।

(ग्रन्सरक)

(2) कल्पना बिल्डर्स का भागीदार श्री महेन्द्र कुमार नगीनदास गांधी श्रौर श्रन्य महादेव नगर, जीलीमोरा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या शत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मिलिकयत सेन्सस नं० 3409 जो देसरा में स्थित है श्रौर सब-रजिस्ट्रार, गणदेवी में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> श्वार० श्वार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 28-2-1983

प्ररूप आर्चः टी.; एन., एस्. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2062/ए क्यू० 23-II/82-83---यतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 229/2 है तथा जो वापी में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्री-, करण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन सारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त भिष्ठिमियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 24—16GI/83

(1) श्री घेलाभाई मणीभाई नायक श्री दुर्लभभाई मणीभाई नायक श्री रमणभाई मणीभाई नायक वापी, ता० पारडी ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री शशिकांत भ्रमरचन्द शाह जापी,\_ सा० पारडी ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकयत सर्वे नं० 229/2 जो बापी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, वापी में जुलाई, 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

श्रार० घार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद

तारीखा: 25-1-1983

मोहर:

.....

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2063एक्यू० 23-II/ 82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 282-ए, 281-1, पचला है तथा जो पायी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्था से वणित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पारडी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निल्सित उववरिय से उक्त अंतरण लिसित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सरफ़्दीन सुलेमान पटेल पायी, ता०पारडी ।

(घन्तरक)

(2) श्री रिपसा भाई भीजिया भाई टन्डेल नानी दमन, ता० दमन. बाया पांथी।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सर्वेग ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

मिलिकयत सर्वे नं० 282-ए, 281-1, जो चला गांव में स्थित है श्रीर सब-रजिस्ट्रार, पारडी में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> न्नार० न्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक न्नायकर<sub>।</sub> न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 25-1-1983

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण) प्रर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 2 फ़रवरी 1983

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नौंध नं० 2166, महीधर पुर, पीपलाशेरी है, तथा जो बोर्ड नं० 6, सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उन्देश्य से उन्धर अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री नारणभाई भवान भाई त्रिकमनगर सोसाइटी, स्वसे हनुमान रोड, सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स जे० के० डी० ड(यमण्ड, दूसरा मसला, समस्त श्रपार्टमेंट, पाणी-नी-भी, सोनिया फ़लिया, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लगरीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनसची

मिलिक्यत नींध नं० 2166, जो मितिधरपुरा में (पीपल-शेरी) स्थित है भौर सब-रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड की गई हैं।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीखा : 2-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

शाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबद, दिनांक 2 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2085/एस०क्यू०-23 I / 82-83---- मुझे, म्रार० म्रार० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन स्काम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर सर्वे नं 359/2 सी पी पी टी पी एस 4 है सथा कतार गांव, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रिकल के लिए बंतरित की गई है और मूओ यह विवयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से ब्रिथक है और बंतरक (बंतरकाँ) और बंतरितौ (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक च्या से किथा नहीं किया गया है :--

- (का) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धृत या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बसः अब्, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन :----

(1) श्री धीरज लाल विट्ठलदास श्रीर श्रन्य महीधर पुरा, जञ्जबडी, भूरत ।

(भ्रन्तरक)

- (2) राजहंस को-म्रापरेटिव सोसांइटी लि॰ का भागीदार, कपूरवाडी, परच्छा कोड, सूरत ।
  - श्री दिनेण चन्द्र चिमन लाल मोदी दिखा महल, सरत ।
  - श्री लक्ष्मण भाई जिणा भाई सोधारा न्यू शक्ति विजय नगर, परच्छा रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में द्वित विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविदात में अन्य किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिकरण: --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिक्यत सर्वे नं० 359/2 पी० टी० एस० 4 कतार गांव में स्थित है श्रीर सब-रजिस्ट्रार, सुरत में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-]],ग्रहमदाबाद

तारीख : 2-2-1983

मोहर 🕉

प्ररूप जाई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 फ़रवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2066/एस०न्य० 23-II/ 82-83—श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की । धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं नार्थ नं 1764-बी, बोड नं 1, नानपुरा है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूवी में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिला;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) में ० जयिकशन दास लल्लू भाई धासुवाला श्री जयन्ति लाल जयिकशन दास धासुवाला, कंथा गली, नानपुरा, सूरत ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री ठाकुर भाई धनई भाई धासुवाला 1/2217, सारा रजारी मोहल्ला, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यां स्वतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत नोट नं० 1764-बी, जो नानपुरा, बोर्ड नं० 1 में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार सुरत में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्रार० ग्रार० शाह **स<sup>क्ष</sup>म प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर ग्रायु**क्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 2-2-1983

प्ररूप आहु<sup>5</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2067/एक्यू० 23-II/82-83---यतः, मुझे, आर० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिपकी संव नौंध नंव 2166, वार्ड नंव 6, मठीदरपुरा है, तथा जो सूरत में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भीधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ो उक्त पन्तरण लिखिल में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :—  श्री नारणभाई भवानभाई त्रीकमनगर सोसायटी, लम्से हनुमान रोड़, सूरत।

(ग्रन्तरक)

 श्री हिमांसु सुरेश चन्द्र झवेरी सागर कोट्स, बाल्केश्वर, बम्बई ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असलची

मिल्कियी नौंध नं० 2166, जो वार्ड नं० 6, मठीधर-पुरा, पीपल शेरी में स्थित है श्रीर सब-रजिस्ट्रार, सुरत में जुलाई 82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद ।

तारीख: 2.2-1983

मोहर 🌣

# प्रकृत वार्'. की. वृत्. वृत्.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत स्रकार

कार्यांसय, सहायक मायकर भायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाष, दिनांक 2 फ़रवरी, 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2068/ए० सी० क्यू०-23-11/82-83—्श्रतः मुझे श्रार० श्राह

नायकर निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निर्धानयम' कहा गया हैं). की आस 269-स के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 96 रेशमवाला है तथा जो मारकेट सूरत में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त संपंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नीनिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथित नहीं किया च्या है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जान की नानत करत ज्ञाध-निमम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उत्तर न्यने में सुविधा के सिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अत: शय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. राजेश टेक्सटाईल्स का भागीदार
  - (1) श्री किशन लाल सेठ्मल नन्दवाणी

ಹಾರ್ಚರ್ಚಿಸುವ ಮಾರ್ಯಗಳ ಕ್ಷಾಪ್ತಿಗಳ ಕ್ಷಾಪ್ತಿಗಳ ಸಂಪುರ್ವಿಗಳ ಸಂಪುರ್ವಿಗಳ

(2) श्री राधारामी सेंडुराम नन्दवाणी झांपा बाजार, मुख्य मार्ग सूरत,

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार वासुदेव दालमायां 96, रेशमवाला मार्केट रीग रोड, सुरक्ष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विस की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ् 45 दिन के भीतर उन्नत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा शक्तेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्वी

मिलकत दुकान नं० 96, देशमवाला, मार्केट में स्थित है ग्रौर सब रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड हुई है।

> ग्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-2-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज II श्रहवाबाव

श्रहमदाबाद, धिनांक 3 फरवरी, 1983

सं० पी० प्रार० नं० 2069 ए०सी० न्यू० 23—II/82—83— श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 32/2, 32/3, 32/3 (P) 32/5, (पी) वेसनपुर है तथा जो नवसारी में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी, में रिजस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्वयमान प्रतिफल से एसे क्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ वामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उसतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सारदासरन छोटूभाई मंगुभाई श्रीर पी० श्रो० रोलर, श्री महेण चन्द्र, छोटुभाई अन्य उर्फ़ मंगुभाई पीसालपुर नवसारी, ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रमुख श्री गायती संकुल को० ग्रा० रा० सो० लि० श्री जयन्ती भाई, जीवन भाई, 22 गाडो, कोलोस, शोपींग सैन्टर, स्टेशन रोड, नवसारी,

{(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियों करता हुं।

चनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत्
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वट्योक रणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो उस्त अधिनियम्, के अध्याम 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकृत सर्वे० नं० 32/2, 32/3 (पी) 32/5 & 32/5 (पी) जो विसलपुर में स्थित है और जो सब-र्राजस्ट्रार नवसारी में जुलाई, 1982 में रिजस्टर्ड की गई हैं]।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-2-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के ज्थीन सूचना

## भारत् सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 3 फ़रवरी, 1983

सं०पी० शार० नं० 2070 एस क्यू० 23—II/82—83 अतः मुझे आर० आर शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बिधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 197 198 छापरा, है। तथा जो नवसारी में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत हैरिजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नवसारी, में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ज्लाई 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्दिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रूक्त 25—16GI/83

(1) श्री मगनभायी, कीका भायी, पटेल वामला, फ़लिया, भठा, वाया, ग्रामसालसर्वे, गणदेवी, जिला, इलसाइ !

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जिसेशकुमार, रीनालाल, स्यास, श्री क्षे० वन सिस्कीट फैक्टरी, का पार्टनर, गाडो, कालेज के सामने, नवसारी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारए;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पात तिचित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिचित्यम के अध्याय 20-क में परिभादिक हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया है।

### जन्सूची

मिलकत सर्वे नं० 197-198 (पी) छापरा, गांव में स्थित है भीर सम रजिस्ट्रार, नवसारीयें, जुलाई, 1982 में हुई है।

मार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, भ्रहमदाबादः

तारीख: 3-2-1983

मोहर 🖫

# प्रस्प आईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबद, दिनांक 3 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2071/एस० क्यू०-23 II/
82-83—अत: मुझे, आर० आर० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हुँ कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- एउ. से अधिक हुँ

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 130/1 (पी०), छापरा है, तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबस प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रामीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूज्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिक्रल, निम्नक्षित्ति है से अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिक्रल, निम्नक्षित्ति है से अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत ृजकत अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसा आय या किसी घन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रिप्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिष्टितियम 1957 (1957 का 27) के भ्रयीणनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविका के लिए;

अतः भ्रष, उका श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-प्ररण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा १९९-व की उपधारा (1) के भ्रष्ठीन, निम्निखिखित व्यक्तियों धर्मातः— (1) श्री सुखा भाई प्रेम भाई ग्रहिर योगी कुपा सोसाइटी, नायर रोड,

सूरत ।

 श्री रोहित कुमार छगनलाल पटेल
 तवयुग सोसाइटी, लुन्सी कुई, नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

- (2) ह्वाइट हाऊस हाउसिंग सोसाइटी लि॰ का चेयरमैन/सेकेटरी :
  - श्री विपीन चन्द्र भोगी लाल देसाई किएना नगर, ब्लाक नं० 1, कमरा नं० 9, मफतलाल मिल के पीछे, नवसारी ।
  - श्री प्रियवदन नारणभाई पटेल, रूपचन्द रोड, नवसारी ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
  हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त अन्दों ग्रीर पदों का, जो उनस प्रिचित्त्यम के ग्रह्माय 20-क में परिकाषित हैं, नहीं ग्रंब होगा जो उस अन्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत सर्घे नं० 130/1 (पी) जो छापरा, नवसारी में स्थित है थ्रौर सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है ।

श्वार० ग्रार० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). भ्रजेन रेंज-ग्न, ग्रहमदाबाद

तारीख : 3-2-1083

महिर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2072/एस०क्स्० 23-1I/ 82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं प्रार एस नं 249 (पी) जमीन है , तथा जो छापरा, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाँणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वार्वित्व में कभी करने या उससे बुबने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- (1) 1. श्री वल्लभभाई मोरारजी पटेल
  - 2. श्री नगीन भाई मोरार जी पटेल
  - 3. श्री रणछोड़ जी मोरार जी पटेल
  - 4. श्री धारूभाई मोरार जी पटेल काछायावाडी ।

(भन्सरक)

- (1) 1. श्री गौरांग भ्रश्विन देसाई ---बम्बई।
  - 2. श्रीमती शकुन्तला प्रश्विन देसाई -बम्बई
  - 3. श्री ग्रश्विन गुणवंत राय देसाई -- बम्बई ।
  - 4. श्री रावजी भाई षपा भाई पटेल--- नवसारी। (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे?

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्वी

मिलकियत ग्रार० एस० नं० 249 (पी), सर्वे नं० 4206 जो छापरा रोड, नवसारी में स्थित है ।

> भार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, महमवाबाव

तारीख: 3-2-1983

मोहर 🗓

## प्रकप बाई • ही • एन • एव • -----

# सावफर **अधिनियन**; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के धनीन सूचना

#### बाक्त संस्कान

कार्यालय, सहायक भायकार मानुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- महमदाबाद

भ्रह्मवाबाद, दिनांक 3 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 2703/ए० सी०न्यू०-23-82-83--- ग्रासः मुसे, ग्रार० ग्रार० ग्राह जायनर व्यक्तिन्यन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'क्त व्यक्तियन' कहा यथा है), की धारा 269-च के व्यक्ति संजन ग्राह्मिश्यरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मार, विसका उधित बाजार मूस्य 25,900/- क्यमें से प्राप्तिक है ग्रीर जिसकी सं० टीक नं० 30, सर्वे नं० 643, 644 (पी) है तथा जो नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीट/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन अन्य वास्तियों की, विक्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यान्जकत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

बक्त बंब, उन्हें अभिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उन्हें अभिनियम की भारा 269-ए की उपभार् (1) के अभीय निम्मसिय व्यक्तियों अर्थात् ह—

- (1) श्री मणीबेन डाहिया भाई पटेल स्वयं ग्रीर पी० ए० होल्डर ऑफ छीटभाई डाहिया भाई पटेल किरन कुमार डाहिया भाई पटेल महारानी गांसा देवी रोड, नवसारी ।
  - 2. श्री ईश्वर भाई नाराण भाई पटेल स्वयं भौर पी० ए० होल्डर ऑफ श्री रतल कुमार ईश्वर लाल पटेल
  - 3. श्री गंगा बेन नाराण भाई पटेल
  - 4. श्री मंजूला बेन ईश्वर लाल पटेल दरगाह रोड, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

(2) शिव शक्ति नं० 1 को-भ्रापरेटिय हा० सोसाइटी
· लि० का प्रधान
श्री भवान भाई मोहन भाई पटेल
शांतादेवी रोड,
नवसारी।

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोत्रन सम्पत्ति के प्रजैन लिए कार्यवाहियाँ करता ह।

उस्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्मन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें अयुक्त जरूदें भीर पदों का; को उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्व होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलकत सर्वों नं. 643, 644 (पी) टीका नं. 50 जो नवसारी में जुलाई, 82 में रजिस्टर्ड हुई है।

> ग्रार० भार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन र्रेज-II, ग्रहमकाबाद

दिनांक: 3-2-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज- , भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवेश सं० पी ग्रार० नं० 2074/ए० सी० क्यू० 23-II/82-83---श्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के , यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 11, श्रली है, तथा जो भरुव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भरुच, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योच से उक्त अन्तरण निस्त में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमीनयम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के वारियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के तिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् E—

- (1) 1. श्री इस्माइल मोहम्मद श्रादम ।
  - 2. श्री सुलेमान मोहम्मद श्रादम ।
  - श्री इक्राहिम मोहम्मद श्रादम । ड्रंगरी,

ता० भरुच।

, (ग्रन्तरक)

(2) श्री रावजी भाई नाथू भाई प्रजापति जो नारायण एसोसिएट,

भरुच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीलर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में प्रिया गया हैं।

# अवृसूची

मिलिकियत सर्वे नं० 11 (पी) जो श्रली गांव में स्थित है श्रौर सब-रजिस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> म्नार० भ्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख : 25-1-83

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के जुभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंजब- $\Pi$ , ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2075/ए० सी० क्यू० 23-II/82-83—अतः मुझे, आर० आर० शाह आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके पश्चात् 'खनत् अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 99 (पी), भरुष है तथा जो भरुव में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है जौर मुके यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाबा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री ध्रहमद सुलेमान घ्रली पटेल गांव महेमधाला, ता०और जिला भरुच

(ग्रन्तरिती)

(2) श्री विजय सिंह पहाद सिंह बांसिया गांव उमाधरा ता० जगडीया, जिला भरुष । 2. श्री ग्रजित सिंह मान सिंह सुरितया (संयुक्त) गांव मन्द,

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्विध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. वदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में हैंदया गवा हैं।]

## अनुसची

मिलकियत सर्वे नं० 99 (पी) भोलाय में स्थित है श्रौर सब-रजिस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है ।

> भ्रार० भ्रार० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 25-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अ्भीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2087/ए० सी०क्य०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीध जिसकी स० सर्वे नं० 83/1, है तथा जो भोलाव में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिभिनियम के ज्यौन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों क्ये, जिनें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधुरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री रचना इन्टरप्राइसेज, जे० पी० कालेज के सामने, मार्ग नं० 8, भरुच ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री राम भ्रागीनिक्स का पार्टनर श्री भ्रजीत सिंह मावसिंह सूराटिया, 48, नव-निर्माण कमसियल सेंटर, भरुच

(भ्रन्सरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छोंकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

मिलिकयत सर्वे नं० 83/1 (पी) जो भालाव में स्थित है और सब-रजिस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> म्नार० म्नाह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, म्नहमदाबाद

**सारीख**: 25-1-19**83** 

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवेश सं० पी० शार० नं० 2077/भ्रार्जन ए० सी॰क्यू॰-23-II/82-83--- ग्रतः मुझे, ग्रार॰ ग्रार॰ शाह क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारणः है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रुत्त. से अधिक हैं भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 92, 92/3, 93/1, 894 (पी) जमींन है, तथा जो डूंगरी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, भरूच में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफब, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) 1. श्री इब्राहिम इस्माइल श्रादम, डूंगरी ता० भवच ।
  - श्री इबाहीम प्रासमल , ड्रंगरी, ता० भरच ।
  - श्री इज्राहीम वाली श्रासमाल, इंगरी, ता० भक्च ।
  - 4 श्री ईसप पलीभाई मोहम्मद, डूंगरी, ता० भरच ।
  - श्री ईसप वली मोहम्भद, डूंगरी, ता० भरुच ।
  - श्री मूसा मोहम्मद सन्नाहम, ड्रारी, ता० भरुच।
  - श्री इम्राहीम इस्माइल श्रादम डूंगरी, ता० भरंच ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बकुल भाई जीवाजी भाई पटेल भूमि डेवलपमेंट कार्पोरेशन का भागीदार, बुद्धदेव, भार्केट, भरुच ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलियत सर्वे नं० 92, 92/3, 93/1 धौर 94 जो डूंगरी गांव में स्थित है और सब-रजिस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुआ है।

> आर० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 25-1-1983

मोहरु 🖫

## प्रस्तप साही. टी. एन. एस. ------------

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-गृ, स्रहसदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बाड़ा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्नि, विस्का उर्दिक बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 30 (पी) जमीन है, तथा जो ग्राली, भरुच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, भरुच में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जुविधा के न्ए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--26—16GI/83 (1) श्री भ्रहमव इसप भ्रावम, शेरपुरा, ता० भरुच । 2 श्री उमरजी इसप श्रादम, शेरपुरा, ता० भरुच

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नाथूभाई विकस भाई प्रजापति, जो नारायण नगर का भागीदार हैं भली, ता० भरु<del>ष</del> ।

(ग्रन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपहित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप्र--

- (क) रख सूजना के राज्यम में मकासन की तारीय से 45 दिन की मन्धि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविंद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य न्यूमित्यों में से दिक्की व्यक्ति द्वारा
- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की वारीत से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित्बवृष् किसी अन्य स्थावर संपत्ति में हित्बवृष् किसी अन्य स्थावर वृष्क्रित संपत्ति के पाझ निवित में किए या सकेंगे।

स्युष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत सर्वे नं० 30 (पी) भ्राली में स्थित है श्रीर सब-रिजस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रिजस्टर्ड हुआ है।

> श्रार० मार० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 25-1-1983

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

मिदेश सं० पी० झार० नं० 2079/ए० सी० क्यू०-23/ 82-83 — अतः मुझे, झार० झार० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- त्क. से अधिक हैं°

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 30 (पी) भोलाव है, तथा जो भोलाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोलाव में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1 08 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामजी भाई नारायणभाई सोलंकी भौर ग्रन्य साडेश्वर, सा० भरुच ।

(ग्रन्तरिती)

(2) 1. श्री प्रबोध चन्द्र भालचन्द्र शुक्ल, लाल भाई पेट, भरुष । .

> श्री वीजूभाई मगन भाई पटेल, सरवण, ता० ग्रामोद ।

> > (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्मक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सूची

मिलिकयत सर्वे नं० 30 (पी) जो भोलाव में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार, भरुच में स्थित जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड किया है ।

> भ्रार० म्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-II, श्रहमदाबाद

**तारीख** : 25-1-1983

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-II प्रहमसाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

- भौर जिसकी संव सर्वे नंव 66 भौर 59/वी (पी) है, तथा जो भली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) ...के भाषीन, तारीख जुलाई 1982
- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय अन्तरण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि विष् त मुन्ति से बास्तिवृक्त क्ष्प से किया गया है ---
  - (प) अन्तरण से हुई फिसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ----

(1) श्री धिमन्त कुमार ग्ररविव लाल स्वयं ग्रीर पी० श्रो० होल्डर ग्राफ धनिस बिल्डर्स, श्रीमाली पोल, भरुष ।

- (2) श्री तालसा विभाग पट्टीवार समाज सेवा केन्द्र, भरुव का बहिपटदारों :—
  - श्री चतुर भाई माधवभाई विलायत, ता० वागरा।
  - 2 श्री ज्ञाभाई रणछोड भाई पटेल, तालसा, ता० भरुच।
  - 3. श्री ईश्वर भाई कुबेर भाई पटेल, विलायत समलोच ता० भरुच।
  - 4. श्री कनूभाई देसाई भाई पटेल, विलायत, ता० वागरा।
  - 5. विटठल भाई पुरुशोत्तम भाई विलायत, सा० वागरा।
  - श्री भाईलाल भाई मोहन भाई पटेल, विसायस, ता० वागरा।
  - श्री ध्ररिवद भाई केसुरमाई पटेल, विलायत,
     भरुच पंचवटी ।

कार्यवाद्वियां सूरः करता हुं।

(अन्सरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया हु<sup>8</sup>।

## अनुसूची

मिलकियत सर्वे नं० 66 ग्रौर 59/(बी) (पी) जो भ्राली में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार, भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 25-1-1983

मोहर:

(भ्रन्तरक)

# प्रकर बाइ . टी. एन. एस . --------

# ग्रायकर श्रीविनयन, 1961 (1961 का 43) की बांचा 269-व (1) के मधीन तुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 25 जनवरी 1983
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2080/ ए०सी०/
क्यू०-23-II/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्राया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्मान, जिसका उचित बाजार भृस्य
25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 66 श्रौर 59 बी (पी), श्रवी है सथा जो भरुच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे एर्यमान प्रतिशत का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सृत्धि। के लिए;

बतः थर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, बनुब्रस्क् कों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभात् (1) को अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री शाह धीमन्त कुमार श्रारविंद लाल स्वयं श्रौर पी० ए० होल्डर श्राफ धनीष बिल्डर्स, श्रीमाली पोल, भक्ष ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री गोवर्धन भाई मुल्जी भाई पटेल सुनाव । ता॰ पेटलाद, जिला खेंडा ।
  - श्री हरीशचन्द्रा चिम्मन लाल पटेल कोसम, ता० थासरा।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के सिष्ट् कार्यनाहियां करता हुं।

# अनत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भींतर उद्दत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मर्व्यक्रिरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत सर्वे नं० 66 श्रीर 59/बी (पी) जो श्राली में स्थित है श्रीर सब-रजिस्ट्रार, भरच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड किया है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, सहमदाबाद

ता ीख : 25-1-1983

मोहरु 🖫

## प्ररूप आर्घ. दी. एन. एस. -----

**जायकर अभि**नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रष्टमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० ने० 2081/एसी० क्यू०-23-Ш/ 82-83---यतः, मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

शायकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पक्षात् '**उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का **कारण है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 ∕-रः. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 5/1, (पी), डूंगरी है, वया जो भरुच में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ष्पीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पर्थोक्त सम्पति के उपित बाजार मूल्य सेकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्धय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अन्तः अन्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗕

- (1) 1. श्री उमर जी मसा श्रासमाल
  - 2. श्री इद्राहीम मुसा ग्रासलम
  - 3. श्री मोहम्मद मूसा ग्रसलम नानी डूंगरी, ता० भरुच

(भ्रन्तरक)

(2) नारायण एसोसिएशन का भागीदार श्री सबजो भाई एन० प्रजापित नीलकण्ठ महावेव के पास, भछन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अदर्जन के लिए कार्यवाहियां करता, हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इतमें प्रयक्त शब्दों और पद्यों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलिकियत ग्रार० एस० नं० 5/1 (पी) जी ड्रारी में स्थित है भौर सब-रिजस्ट्रार भरुच में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> प्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमयाबाय

तारीख : 25-1-198**3** 

प्ररूप बाह्री, टी., एव ु एस्.;-----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्यीन सुमना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983
निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2082/एसी० क्यू०-23-II/
82-83—यतः, मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे प्रवात उक्त क्षिनियम कहा ग्या है), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 87, 88, 90, 91 (पी) जमीन है तथा जो बालसाड में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बालसाड में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार जून्य से कम के स्वयंतान प्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयंतान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया जितिफल, निम्नसिक्त उद्विष्यों से उक्त जन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, ीनम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

- (1) 1 श्री रमणलाल हरीभाई वेसाई
  - 2. श्री महेशभाई रमण भाई वेसाई (संयुक्त )
  - 3. श्री जनार्दन रमणलाल देसाई
  - 4. श्री वासुदेव भाई रमणलाल देसाई
  - 5. श्री रमण भाई रमणलाल देसाई बालसाड ।

(अन्तरक)

(2) एन० बी० सी० जमीन डेवलपमेंट कार्पोरेशन का भागीदार, श्री रजनी कांत परमानन्य दास शाह, जूनाथाणा, बलसाङ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्विकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

मिलकियत सर्वे नं० 87, 88, 90, 91 (पी) जमीन जिसका रजिस्टर्ड नं० 1449 है धौर सब-रजिस्ट्रार, बालसाड में रजि.टर्ड की गई है।

> म्राप्त भ्राप्त शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, ग्रहमदाबाद

**सारीख: 25-1-1983** 

# प्रकण बाहै .टी .एन् .एस् ,-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 6 269-च् (1) के स्थीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाव ग्रहमदाबाव, विनांक 25 जनवरी 1983 निवेश सं० पी० ग्रार०नं० 2085/ए०सी० क्यू० 23-II/ 82-83-यतः, मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारब है कि स्थावर संपरित प्रिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 807, कुडसब है तथा जो मोलपाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोलपाड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से उसल अन्तरण सिवित में बालाविक कप से काया गर्दी किया गर्वा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी भग या अस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री विट्लभाई जगाभाई पटेल गांव तानणिया, ता० खांभा, जिला श्रमरेली।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री जसराज प्रतापचन्त्र माहं
2. श्री रामकुमार गलाब चन्त्र माह
कीम, ता० भोलपाड
जिला सुरत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत ब्रुवना के रावपन में प्रकादन की तार्शिव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिए-वर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकारी।

त्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी ठक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकियत ब्लाक नं० 807 जो कुडसद गांव में स्थित है और सब-रजिस्ट्रार, श्रोलपाड में रजिस्टर्ड की गई है।

> द्यार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- $\Pi$ , ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1983 निदेश सं० ग्रार० पी० नं० 2084/एसी० क्यू०- $23-I^{1}/$ 82-83—यतः, मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 805, कुडसद है, तथा जो ता० ग्रोजपाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, श्रोलपाड में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, स्वक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वर्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती सूर्यासरन ईण्वरलाल पटेल ईण्वर लाल नानुभाई की विधवा
  - श्री नितिन कुमार ईंग्वर लाल पटेल कुडसद , ता० श्रोलपाड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीगकुमार मगनभाई टेलर, कुडसद ता० श्रोलपाड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलिक्यित ब्लाक नं० 805 जो कुडसद में स्थित है भौर सब-रजिस्ट्रार, भोलपाड में जलाई 1982 में रजिस्टर्ड हुम्रा है।

> ग्रार० भ्रार**० शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, भ्रहमदाबाद

तारीखः : 25-1-1983

मोहरु 🕉

# प्रकृष् वाद्ै. टी. एन्. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2085/ एसी० क्यू० 23-II/82-83—-ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य

25,000/ रु. से बिभिक हैं
भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 532 है, तथा जो बड़ौदा में स्थित
है (भीर इससे उपाबद अनसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (बस्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुकी बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तर बचने में सूबिधा के शिष्ट; बार/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा ने तिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----27---16GI/83 (1) श्री हरेन्द्र गांति लाल पटेल पाडी, रंगमहल, बड़ौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिष्मकांत नटवर लाल देसाई 40, विष्वास कालोनी, ग्रहकापुरी , बड़ौदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित् के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपर में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी के कित व्वारा;
- (क) इस सुवना के राज्यम में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा न्योहस्ताकरी के पाद सिवित में किए था सकेंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अमुसूची

मिलिकयत प्लाट सर्वे नं० 522 जिसका कुल क्षेत्रफल 1400 चौ० फीट है भ्रौर सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में नं० 2251 पर रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-,-II ग्रहमदाबाद्य

तारीख : 9-2-1983

प्रकृष काइ टी. एन्. एस्. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2086/एसी० क्यू०-23-II/ 82-83—श्रतः मुझे, भ्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 530 है तथा जो बड़ीवा में स्थित है (ग्रीए इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे राज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- कर अजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा पकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

बतः गर्म, उक्त मिश्रियम, की शारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 एमन बिल्डर्स श्रीर फन्ट्रक्टरस,
 कस्तूरबा नगर,
 परमीन रोड,
 बड़ौदा -5।

(प्रन्तरक)

(2) श्री तुलसी भाई माधवजी लखानी भ्रजय वाजी न्यू ऐरोड्रम रोड, भावनगर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी बन्ध स्थावस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में द्विया गवा हैं!

# अनुसूची

प्लाट सर्वे नं० 530 जिसका कुल क्षेत्रफल 900 चौ० फीट है जो भ्रलकापुर, बड़ौदा में स्थित है भौर सबरजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई 1982 में 3526 नं० पर रजिस्टर्ड किया है।

> श्रार० ग्रार शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1983

माह्यर 🤄

प्ररूप माई. टी. एन. एस. ------

जावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाव भ्रहमदाबाव, दिनांक 9 फरवरी 1983

निदेशं सं० पी० भ्राप्त नं० 2087/एसी० एक्य०-23-II/ 82-83---भ्रतः मुझे, भ्राप्त श्राप्त, शाहः जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरों इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करा का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 531 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार
मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिप्तिन्युम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;। और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीः किरीट रमणलाल कडिकया 'उपहार', तीसरी मंजिल, सीटी रोड, बड़ौबा-5 ।

(मन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल खीमजी ठक्कर (संयुक्त) रेसकोसं रोड, वडीबा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हो से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्वी

मक्रान श्रीर जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1997 चौ० फीट है जो रेसकोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है श्रीर सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई 1982 में 4031 नं० पर रजिस्टर्ड किया गया है।

> मार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज्रा, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर वृशिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### जारत चर्चान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद 📑

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्राप्त नं० 2088/एसी० क्यू०-23-II/ 82-83---यत: मुझे, श्राप्त श्राप्त शाह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे न० 95 भौर 96 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त्रकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिय सय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से अक्त बन्तरण निष्कित में बास्त्विक रूप से कर्षित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कनी करने या उद्देश क्वने में सुनिधा के शिय; बीड़ः/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा अकट नहीं किया न्या था का किया जाना का हिए जा, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. मचैंत गोवर्धनभाई बापूभाई पटेल (संयुक्त) ।
- (2) श्री मगनभाई गोवर्धनभाई पटेल (संयुक्त )। नागरवाडा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भाईलालभाई वेचरभाई पटेल (संयुक्त) पोस्ट सांकरडा, ता०/जिला बड़ौदा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

# उपत सम्पतिक के मर्जन के सम्मन्य में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदाराः
- (थ) इस प्रचन के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य अमृतित दुवारा न्योहस्ताकडी के पास सिंहित में किय जा सकोंगे हैं।

स्वृद्धिकरमः - इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पदी का, वो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 95 ग्रौर 96 जिसका कुल क्षेत्रफल 3936 चौ० मीटर जो नागरवाङा, बड़ौदा में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जुलाई 1982 में 2316, 2318 ग्रौर 2320 नं० पर रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ .टी. एन. एस. ------

जायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2089/ए०सी० श्यू०-23-II/ 82-83---यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० ब्लाब नं० 598 है, तथा जो श्रदालज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्सियों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पूजा जी हवाजी, ग्रदालजी, ता० गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) भ्रदालज प्लाट श्रोवनर्स एसोसिएशन, प्रमुख श्री जगदीश चन्द्र ठाकोर लाल, 40/236, विजय नगर, फ्लैट्स, नारणपुरा, श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बर्टित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 - क में परिभाषित हाँ, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## जर संची

जमीन ब्बाक नं० 598 जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 31 गूंठा है जो ग्रदालज, ता० गांधी नगर में स्थित है श्रौर सब-रजिस्ट्रार, गांधी नगर में जुलाई 1982 में 1443, 1444 श्रौर 1445 नं० पर रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० श्रार० गाहं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 9-2-1983

प्रकल गाइ ुटी. एन्. एस.,-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-II, प्रहमवाबाद
ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1983

निवेश सं० पी० झार० नं० 2090/एसी० क्यू०-23-II/ 82-83---यतः मुझे, झार० आर० शाह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का

269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 61 है तथा जो अस्वाजी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दांता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—

- (1) 1. श्री सोमजन्द चुन्नी लाल मोदी
  - 2. श्री इन्द्रवदन जयकिशन दास खमार।
  - 3. श्री चरणदास जंगलाल पटेल ।
  - 4. श्री मुकेश कुमार असर्वत लाल पटेल 9, चिराग सोसाइटी, श्रंकुर रोड, नारणपुरा, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) महाशक्ति को-श्रापरेटिय सोसाइटी लि० (प्रबोधित) । मार्फेत श्री प्रशांतभाई नर्रासहभाई पटेल श्रीर श्री लालीतभाई बल्लभभाई पटेल, नीलकमल गेस्ट हाऊस, श्रम्बाजी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्थान्द्रीक रण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 16940 चौ० याउँ है सर्वे नं० 61 जो श्रम्बाजी में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार, वाता में 41 नं० पर ता० 6-8-1982 में रजिस्टर्ड हुगा है।

> ग्रार० मार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-Ц, महमदाबाद

**वारीख: 9-2-1983** 

प्ररूप बार्ड ुटी ुएन ुएस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2091/ए०सी०क्यू०-23- / 82-83—यतः, मुझे, श्रार० श्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नं० टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 144 और 145 है, तथा जो भ्रानंद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रानंद में रिजस्ट्रीकरण भिर्मित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ठाकोर मगनभाई लल्लू भाई,
 पानी की टंकी के पास,
 भालेज रोड,
 भानंद ।

(भ्रन्तरक)

(2) महमद भाई हसन भाई बोहरा, मै० महमद भाई हसनभाई का भागीदार, जूना दादर, ग्रानंद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुस्**ची

जमीन टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 3 भ्राफ पी॰ 144 भौर 145 जिसका क्षेत्रफल 2993 चौ॰ मीटर है भौर सब-रिजस्ट्रार, भ्रानंद में 3065 नं॰ पर ता॰ 29-7-1983 में रिजस्टर्ड की गई हैं।

> श्रार० ग्रार० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाष्ट

सारीख: 8-2-198**3** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, प्रहमदाबाध

श्रहमदाबाष, दिनांक 8 फरवरी, 1983 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2092/ए० सी० क्यू० 23-II/82-83---यत: मुझे ग्रार० ग्रार० गाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 78/1, टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० 158 है तथा जो धाणंद में स्थित है (और इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, धाणंड में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 17-7--1982

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारत्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः——

(1) श्री हरमानभाई सारवेरभाई पटेल श्रीर श्रन्य गोसाईवाला फलीया, श्राणंदा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयालजीभाई रावजीभाई गोहेल (दर्शन विस्डर्सका भागीदार) कृष्णा रोड, ग्राणंद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- '(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 78/1, टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० 158, जिसका क्षेत्रफल 1552 चौ० मिटर है, जो श्राणंद में स्थित है श्रौर सब रजिस्ट्रार, ग्राणंद में 2881, 2982 नंबर पर 17-7-82 श्रौर 22-7-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> न्नार० ग्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-2-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षाण) प्रार्थन रेंज-II, प्रहमदाबाद

ग्रहभदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2093/ए० सी० क्यू०-23-11/82-83---यतः मुझे, म्रार० ग्रार० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, सर्वे नं० पी० नं० 513 है तथा जो ग्राणंद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्राणंद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-7-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28—16GI/83

(1) श्री ग्रबोलाल मानाभाई ग्टेल, ग्राणंदा

(ग्रन्तरकः)

- (2) श्री रमणभाई गोरर्धनभाई पटेल, नानु श्र**दाह**, मनीयखाँड.
- (2) मनीचाखाँड, अर्णंद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीत टी० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० '513 जिसका क्षेत्रफल 865 चौ० सीटर्स है और सब रजिस्ट्रार ग्राणंद में 2770 नम्बर पर तारीख 14-7-82 में रजिस्टर्ड हुन्ना है।

> ग्रार० ग्राट० णाह ्यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-2-83

√मोहर;

# प्ररूप प्राई० टी० एन● एस●--

भायकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- $\Pi$ , ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 फ $^{\prime}$ वरी, 1982

निषेश सं० पी० ग्रार० नं० 2094/ए० सी० नयू०-23-II/82-83—यतः, मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह, ग्रायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा जया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसहा उदित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

गौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1553, टी० पी० एस० नं० 4, एफ० पी० 232 है तथा जो ग्रानंद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीवकारी के कार्यालय, ग्रानद में रजिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीवित तारीख 7-7-82 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य, से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रेग्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से लिए ग्रंग्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से प्रविक्त से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परग्रह प्रतिशत से प्रविक्त है थीर प्रश्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रथ्तरण के लिए तथ ज्ञाया गया अतिफल, निम्नविद्धित है वर्ष से चक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद्या ग्री से किया गया है।——

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय को बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ब) ऐसी कियो आर मा कियो घर पा जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतोत्र व्यायकर विधित्यम, 1922 (1922 को 11) या उच्त पश्चित्यम, या धन-कर मिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा परट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा कियान में सविधा के लिए;

न्तः भा, उन्तृपिनिका को अधा 269-ग के अधारण पें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीत निम्निचिखित व्यक्तियों अर्थात् क (1) श्री हाजी हुसेनभाई हाजी इस्माक्ष्सभाई . (पी० ए० होलंडर श्री नूरभाई हसनभाई) जुना दादर के पास, श्राणंद।

(प्रन्तरक)

(2) 1. श्री रामिकशन लंघ।राम ग्ररोरा,

2. श्री मदनलाल वीरभान पोपली

 श्री किशनलाल नारायणदास वर्मा
 श्री जगन्नाथ नारायणदास वर्मा मार्फत वर्मा जनरल स्टोर्स,
 श्रानंद।

(भ्रन्भिरती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्बत्ति के अर्चन क पंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मवधि, भी भी भविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी सम्प क्यक्ति दारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास क्षिश्चित में किए जा सकोंगे।

श्वब्दीकरणः --इसम प्रगृका सन्धां भीर पदों का, जो अकः अधिनियम के अध्याय 20-क परिमाधित है, वहीं प्रवं होगा, को उस अध्याय में दिया गगा है।

# अनुसूची

प्लाट टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 232 सर्वे नं० 1553 जिसका क्षेत्रफच 2114 (1057+11057) चौ० मीटर्स है और सब र्राजस्ट्रार, छानद में 236 छौए 237 लम्बर्स पर नारील 7+7-83 को एजिस्टर्ड किया है।

आर्० आर० आह यक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, शहमदावाद ।

तारीखा: 3-2-1983

प्रारूप आहर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाव, दिनांक 8 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 2095/ए० सी० क्यू० 23-11/82-83-यतः, मुझे, म्रार० म्रार० माह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1553 है तथा जो श्रानंद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, श्रानंद में रिजस्ट्रीवरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 7-7-1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधित् — (1) श्री बोहरा हामीचभाई रेहमानभाई चंगा, तहसील पटेलाद, जिला खेडा।

(भन्तरक)

(2) 1. श्री रामिक्षान लंभाराम ग्ररोग,
2. श्री मदनलाल बीरभान पोपली,
3. श्री किणनलाल नःरायनदास वर्मा
4. श्री जगशाथ नरायणदास वर्मा
मार्फत वर्मा जनरल स्टोर्स,
ग्रानंद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

जमीन, सर्वे नं० 1553, जिसका क्षेत्रफल 2114, चौ० मीटर्स है, जो ग्रानंद में स्थित है ग्रीर सब रजिस्ट्रार ग्रानंद में 938 ग्रीर 939 नम्बर्स पर तारीख 7-7-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> श्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-2-1983

# प्ररूप आई.टी, एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∐ श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० श्रारं० नं० 2096/ए० सी० क्य्०/-23-[[/82-83—श्रत: मुझे, श्रारं० श्राह्न,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं 308, रीका ए 11/2 वार्ड 6 है तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रीर इसने उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रीय-कारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान श्रीतफल से, एसे द्रयमान श्रीतफल का पन्त्रह श्रीतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ---

- (1) श्री गुलाबभाई रणछोड़जी मारोलिया.
  - (2) श्री दिनेशराय गुलाबभाई मारोलिया दादा तालुका मोहल्ला, न सारी।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री जितेन्द्र फकीरचन्द
  - 2. श्री प्रकाशभाई फकीरभाई शाह
  - 3. श्री कमलेशभाई फकीरभाई शाह
  - 4. श्री दीपककुमार फकीरभाई माह पीर मोहल्ला, नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चत में किए जा सके में।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिकयत मकान नं० 308 राका नं० 11/2, बोर्ड-6, सी० एस०-44 जो नवसारी में स्थित है श्रौर सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में जुलाई 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख : 24-2-1983

मोहर

शरूप भाइ.टी. एन . एस . ------

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद -

भ्रहमदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2097/एस० क्यू०-23-II/

82-83--- श्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० नार्थ नं० 2291, वार्ड नं० 3, सलसनपुरा है, तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंति, रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शय से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक हूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा से निए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विक्लिसिस व्यक्तियों, स्थास :—

- (1) 1. श्री हंसमुखालाल नरभैराम ।
  - 2. श्री प्रवीनचन्द्र हसमुख लाल ।
  - 3. श्री महेन्द्र कुमार हसमुख लाल।
  - 4. श्री कांती लाल हसमुख लाल ।
  - श्री चन्द्रवदान हसमुख लाल ।
  - 6. श्री चन्द्र कांत नरभैराम भाईनारे श्री हितेन्द्र ।
  - श्री चन्द्रदास नरभैराम । बालाभाई की शेरी, सलसनपुरा, सूरत ।

(ब्रन्तरिती)

- (2) 1. श्री जयन्ती लाल ध्रमृत लाल । मायनोट—श्री सुनील कुमार जयन्तिलाल ।
  - श्री हितेन्द्र कुमार जयन्तिलाल, बालाभाई शेरी, सलसनपुरा, सूरक्ष ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकिएण: — इसमें प्रयानत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

## **प्रमु**सूचीः

मिलिकयत नार्थ नं० 2291, वार्ड नं० 3, जो बालाभाई शेरी, सूरत में स्थित है भ्रौर सब-रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड की गई हैं।

> म्रार० म्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II, म्रहमदाबाद्य

दिनांक 24-2-83 मोहर 🗓

# प्रकप बाइं.टी.एन्.एस.------

# भायकर जीधीनयमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० **भा**र० नं० 2098/म्रर्जन रेंज-∐ एसी०

क्यू०-23-11/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सी॰ एस॰ नं० 1/843, श्रायुगर, मोहल्ला है तथा जो नानपुरा सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क कि निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण सिखित में बास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के सिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए?

अतः अतः, उक्त अभिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, सं, उक्त अभिनियमः की भारा 269-मृकी उपभारा (1) के नृथीमः, निम्नलिमित् अविन्तुयों स्थृति हि— (1) रती विधवाभादि धनजीमा मेठना
मोटा मेंन्सन,
तारदेव,
बम्बई ।

(भन्तरक)

(2) श्री खुशाल भाई कानजी भाई पटेल सी० एस० नं० 1/843, श्रायुधर मटोल्ली, नानपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छ। 45 विन की भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत क्यांकत स्वारा;

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिक्यत सी० एस० नं० 1/843 जो भ्रायुगर मोहल्ला सूरत में स्थित है भ्रौर सब-रिजस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रिजस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (नियीक्षण) भ्रजन रेंज-II, महमदाबाद

तारीख : 24-2-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्गन रेंज-II, प्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश मं० पी० **भ्र**ार० नं० 2099/भ्रर्जन रेंज-II/एसी०

क्यू०-23-II/82-83--म्रातः मुझे, म्रार० म्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० नार्थ नं० 1586, 2052, बार्ड नं० 5 है, तथा जो पारसी गोरी, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1982 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित रिनियमों, अथित् :--- (1) श्री साराबीबी जो इस्माक्ष्ल सुलेमान की पुत्री स्तराबीबी जो इस्माक्ष्ल सुलेमान की स्वयंद्रपुरा, सरावा मोहल्ला, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री बशीर श्रहमद श्रब्दुल हमीद मनसूरी, पंचाली शरी, हरीपुरा, सूरत ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस मूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सुची

मिलकियत नार्थ नं० 1586 श्रौर 2052, बार्ड नं० 5, जो सैय्यदपुरा, सूरत में स्थित है श्रौर सब-रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड की गई है ।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

नारीख : 23-2-1983

महिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ण् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1983 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 2100/म्रर्जन रेंज-∐/एसी० क्यु०-23-Ш/82-83-—म्रतः मुझे, म्रार० ग्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नार्थ नं० 4464, सबेरी शेरी है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख़्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री घड़ीलाल रायचन्द चोक्सी, श्रीमती हिरावती वाडी लाल चोक्सी। बालपार्ले, जुहु स्कीम, बम्बई- 6 ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री कांतिलाल चमन लाल भूतवाला,
2. श्री लीलावती सरन कांती लाल भूतवाला।
शिवदास सवेरी शेरी,
संग्राम पुरा,
सूरत।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

(पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

मिलिकयत नार्थ नं० 4464 जो शिवदास झवेरी, संप्रामपुरा में स्थित है और सब-रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड हुम्रा है।

> श्रार० ग्रार० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहौयक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I<sup>I</sup>, ग्रहमदाबाद

तारीख : 23-2-1983

त्रक्ष्य वार्षः स्टीः, एतः, एतः,,------

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुनीन सूचना

भारत ब्रुकार

# कार्वास्य, सहायक भागकर वायुक्त (निडीक्ष्)

ग्रर्जन रेंज-II, 🤊 हमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० धार० [तं० 2102/धर्णनरेंज-।।/एस० स्यू०-23-II/82-83—अतः मुझे, आर० आर० आर० आह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इत्तमें इत्तमें प्रकार 'ठकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धर्मीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 26:000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं क्षेत्र नं 22 भोलाव है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम् पाया नया प्रतिफल फल निम्निसिंग उद्वेष्ण से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर धिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भीकि-नियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 29-16GI/83

(1) श्रीमती णांतासरन मकोर भाई पटेल गांव झाडिण्वर ता० भरुच ।

(म्रन्तरक)

- (2) 1. श्री भूपेन्द्र भाई रावजी भाई पटेल हरीकुष्ण को-श्रापरेटिव सोसाइटी लि० का चेयरमैन मकमपुरा भरूच ।
  - 2. श्री निरंजन रावजीभाई पटेल ।
  - 3. श्रीमती सीतासरन निरंजन भाई ।
  - श्रीमती पन्नासरन किरीट भाई पटेल।
    गुजरात इले० बोर्ड
    मुक्तामुसुरा
    भरुच।

(भ्रन्तरिती)

का बहु शूचना शादी करके पृवाँकत सम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यनाहिनां करता हूं।

उस्त सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वृता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वृता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिंव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास जिल्हित में किए का सुकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलिकयत सर्वे नं० 22 जो भोलाव में स्थित है श्रीर सम्ब-रिजस्ट्रार सूरत भक्ष्व में जुलाई 1982 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> श्चार० श्चार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-II; श्रहमदाबाद

तारीख: 23-2-1983

1 1

प्रकृष् भार्त्री, दी, एन्, इस्.----

भाग्कर वरिपृत्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन सूचना

भाउत् सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (त्रिर्दाक्रण) अर्थन रेंज-॥, शहमदाबाद

म्रहमदाबाद, विनांक 23 फरवरी 1983

मिदेश सं० पी० झार० नं० 2101
एक्वी०-23-॥/82-83—-अतः मुझे आर० आर० शाह
बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त नीधनियम' कहा गया हैं), की वारा
269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचिठ बाबार मृत्य
25,000/-रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 35/3 है तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भरूच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्न के अभीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कवी करने वा उत्तते वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन- कर अधिनयम, या धन- कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का टा किया प्राचा साहिए था, छिपाने में मुक्ति के लिए।

(1) श्री रणछोड़ भाई भुराभाई सोलंकी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र भाई रावजी भाई पटेल मार्फत मुक्तानन्द टाइल्स मुक्तापुर, भरुच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के श्रम्बन्ध के कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्यान की ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;

स्पष्टिकरण:--इतमें प्रयुक्त चर्को और पर्यो का, जो अक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हों, वही जभ होगा को उस् बध्याय में दिया नमा है।

#### अनस ची

मिलिकयत सर्वे नं० 35/3 जो भोलाव में स्थित है भौर सब-रजिस्ट्रार, भरुव में जुलाई, 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्नार० ग्नार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमवाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 23-2-1983

# प्रकृष बाइं. टी. एन्. एक्. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ैं 269मा (1) के मधीन सूचना

## भारत सहकार

कार्यां तथ, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

ब्रहमवाबाद, विनांक 23 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2103/ग्रर्जन रेंज-॥/एकवी० 23-॥/82-83—मत: मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अर्घान सक्षम प्रश्चिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थीवर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- चपए से ग्रिविक है

मौर जिसकी सं० नौध नं० 1786, 1787, गोपीपुरा, वार्ड 8 है, तथा जो सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जुलाई, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रश्चिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिकन, निम्तिणिकत उद्देश्य से उस्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रम्तरंग सं हुई किसी प्राय की बाबत, उकत श्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधः के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या जन-कर प्रधिनियम, या जन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

असः अस्त, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसद्भण कें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उप-भारा (1) के अभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री किशोरभाई ठाकुर भाई जादन।
  - श्री दीपक भाई किशोर भाई जादव, बम्बई।
  - श्री जयन्त ठाकुर लाल जादव, सुरतं ।
  - 4. श्री धमेष भाई ठाकुर भाई जादव, सूरत ।
  - श्रीमती लीलावती सरन ठाकुर भाई जावब, स्रत ।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती मणीसरन उत्तमराम ।
  - 2. श्री मूलचन्य वास उत्तमराम ।
  - श्री ईश्वरलाल उत्तमराम ।
  - श्री महेन्द्र उत्तमराम । ग्रहमवाबादी भेरी, नवापुरा, सूरत ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त राज्यों ग्रीर पदों का, जो सकत ग्रिश्चियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रापं होका, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है। जनसूची

मिलिकियत नोध नं० 1786-1787 जो सूरत में स्थित है भौर सब-रजिस्ट्रार, सूरत में जुलाई 1982 में रजिस्टर्ड की गई है।

> द्यार० झार० झाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर झायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-॥, द्यहमदाबाद

तारीख: 23-2-1983

# प्रकृप नार्षः, व्यंः, पुरुः, पुरुः,-------

नायकर निम्मिन्यूम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुभीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1983

निदेश सं० पी० भार० नं० 2104/भ्रार्जन रेंज-॥/एक्यी० क्यू०-23-॥/82-83---भ्रतः मुझे, भ्रार० शार० शाह

लायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के न्धीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से निधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 2-2-3 है, तथा जो जेवलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बरोदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 जुलाई, 1982

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से किंद्र महीं किया नृता है अ—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत उक्त बीध-तियुम् के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उत्ते ब्यन में बुविधा के शिए? बीड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बुख्य बाहिस्त्यों का , धिक्ट भारतीय बायकर विभिन्यन , 1922 (1922 का 11) वा उक्त बुधिनियन , या पन-कर विभिन्यम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती इंदारा प्रकंट नेहीं किया क्या था या किया जाना जाहिए था , छिपाने में सुविभा के निए;

नतः। जब उक्तः अधिनियम की भारा 269-ण के नन्स्रणः मं, मं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्रीमती उषावेन लालजी भाई त्रिवेदी, 2, वृन्वावन सोसाइटी, ग्रमरकुंज सोसाइटी के पास, रेसकोर्स रोड, बडौदा ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री पारूल भगीरथ दवे

2, वृन्दावन सोसायटी
अमरकुंज सोसायटी के पास
रेसकौर्स रोड ,बडौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वांक्त स्थारित के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

उक्त राम्पित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप्ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की नवींथ मा तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मित्तमों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इंड सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तार्रींक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकोंगे।

#### जनसूची

जमीन सर्वे नं० 2-2-3 जिसका क्षेत्रफल 977 भी मीटर है जो जेतलपुर गांव में स्थित है ग्रौर सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 4160 नम्बर पर ता० 26-7-1982 में रजिस्टर्ड किया है।

> न्नार० न्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-॥, महमदाबाद

तारीख : 23-2-1983

मोहर 🕄

प्रकथ मार्च हो ., एन्. एस्....------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्धीन सुचना

# भारत तरकार

कार्यांतय, सहायक बायक र काम्यक (निर्धिष्ण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० नोटिस नं० 35750/82-83--- ग्रतः मुझे, मंज् माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1024 है, तथा जो तिघासन्द्रा विलेज, एच ए एल III स्टेज , बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर साउथ में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक ल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्तित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथित्यम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्धात् हिन्स  श्रीमती पुष्पा जैन, वा०/प्राफ श्री एल० पी० जैन, 17/1, प्रलि झास्कर रोड़, बेंगलूर।

(अन्तर्क)

मिस माने मेरी माध्यू,
 15, ईगल स्ट्रीट,
 लान्गफोर्ट टोन,
 बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सुम्पृतितः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ख्वधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनमची

(वस्तावेज सं॰ 2869/82-83 सा॰ भगस्त, 1982) सम्पत्ति जिसका सं॰ 1024, जो तिथासन्द्रा, विलेज, एच॰ ए॰ एस॰ III, स्टेज बेगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलुर

सारीख: 8-3-1983

# प्रकर बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यास्य सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

निवेश सं० नोटिस मं० 35481/82-83- ग्रातः मुझे, मंजु माघवम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 155/30 है, तथा जो 1 मैन रोड, श्रोक्ली-पुरम-II, स्टेज, बेंगलूर-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 मार्च, 1983

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संवरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिन्तित धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- [(क)] अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे कथने में सुविधा को निष्; आदि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के विए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्निविद्यित व्यक्तित्यों, अभीत् ६ श्री बी० ए० राव, सन/ग्राफ लेट ग्रानम्द राव, नं० 323-III, ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर-560010 ।

(मन्तरक)

(2) श्री ए० सुन्द्रा मेरी, बाइफ आफ श्री एम० ए० अमलदास, नं० 50, III कास, स्रोकलीपुरम, बेंगलूर-21 ।

(भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रांकित तस्पृतित के वर्षन के निह कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की व्यधि, वो भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी क्यूबित हुवारा?
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिस्य हसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 1282/82-83 ता० 8-7-1982) । सम्पत्ति है जिसका सं० 155/30 जो 1 मेन रोड, स्रोकलीपुरम-2, स्टेज, बेंगलूर-21 में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायकं धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जम रैंज, बेंगलूर

**सारीख**: 11-3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप मार्ड .टी .एन .एस . -तर्वास्तरस्तर

नायकर शृधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के शृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्अन रेंज, बंगलूर

र्बेगलूर , विनांक 10 मार्च 1983 निवेश सं० नोटिस नं० 35790/82-83—श्रतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० 6 है तथा जो XI कास, सैय्यवं कादर गार्डेन, सिविल स्टेशन बेंगलूर में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनांक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्ति किक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाय मा किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रहमपुल्ला खान, नं० 242, तिम्मय्या रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री शैक फीज शहमद, 44/6, मिल्लरस रोड कास, बेनसन टाऊन, बेंगलुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1349/82-83 ता० 31-7-1982) । सम्पत्ति है जिसका सं० 6 जो 11 कास रोड, सैय्यव कादर गढिन्स, सिविल स्टेगन बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलर

. तारीख: 10-3-1983

मोहरः

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक कायकर वायुक्त (निद्रीकुण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35623/82-83—प्रतः मझे, मंज माधवन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- हा. से जिथक है

और जिसकी सं० 411 है तथा जो राजमहल विलास एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी बाप या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उत्कत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातु ः—— (1) श्री मिति अलिया हुसेन आगा नं 45, पेलेंस रोड, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री विजया कुमार आर्या श्रीर कुछ लोग।
2. श्रीमती विमल आर्या।
3. श्री पवन कुमार श्रामा, मार्फत इंडियन रोडवेज नं० 5/1, जे० सी० रोड, वेंगलूर-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पळीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

(वस्तावेज सं० 1294/82-83 ता० 16-7-82 ) । सम्पत्ति है जिसकी सं० 411 जो राजमहल विलास एक्सर्टेंगन, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-3-1983

मोहरः

# 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मार्च 1983

निर्देश सं० नोटिस मं० 35649/82-83—श्रतः मुझे मंजु माघवन,

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्वाल् 'उन्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रष्ठीन सक्षम श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्रत बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से श्रीष्ठक है

भ्रौर जिसकी सं० 318 (पुराना सं० 341) है, तथा जो एवन्यू रोड, बेंगलूर-2 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि कारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 21 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोट्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त भ्रिधिनियम या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत . निम्निलिखित व्यक्तियों, व्यादि ६—30—16GI/83

श्री एम० गंकरप्पा
 17 ए, स्ट्रीट,
 ईस्ट लिंक रोज,
 मल्लेक्बरम,
 बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्रीमती लीलाबाई भोजानी, 2 मास्टर निकिल भोजानी, नं० 6, शांति निलाया, चिक्कपेट, बेंगलुर ।

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हो।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस धान्याय में विमा गया है

# अमूसूची

(दस्तावेज सं० 1328/82-83 ता० 21-7-82) सम्पत्ति है जिसकी सं० 318, डि० नं० 40 जो एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख : 10-3-1983

मोहर 🏗

# प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

बायकर विभिनियन,, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्वेश सं० नोटिस नं० 35680/82-83--- म्रतः मुझे,

मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

भोर जिसकी सं० सर्वे नं० 37/1, 37/2, 37/3, 22/5 डी (22/2) भीर 22/8बी हैतथा जो चम्नसन्द्रा, विलेज, उत्तरहल्ली होज्ली, बेंगलूर सौत तालूक में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर सौत तालूक में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्बद्ध से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत जक्त जिथ-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एन० सीताराम बट,362, बनशंकरी II स्टेज,बेंगलूर-560010 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोषी एस० पूजारी,
 नं० 207,
 एस० एम० रोड,
 बलेपेट,
 बेंगलर-53 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्राम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्साक्षरी के पास निवित में किए आ सक्ति।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

# ग्रनुसूची

(वस्तावेज सं० 2484/82-83 ता० 16-7-82) सम्पत्ति है जिसकी सं० 37/1, 37/2, 37/3, 22/5 डी (22/2) और 22/8 बी जो चन्नासन्द्रा विलेज, उत्तरहल्ली होब्ली, बेंगलूर सौत तालूक में स्थित हैं।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 11-3-1983

# प्रस्य भार्दः, दी. एन्. एस्.------

भायकार भृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अभीन् सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलर, दिनांक 8 मार्च 1983

निर्देश सं ० नोटिस नं० 35675/82-83—-श्रतः एक्वी/बी मुझे, मंजु माधवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 50 श्रीर 51 है, तथा जो लांगफोर्ड रोड लांगफोर्ड टाउन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22 जुलाई, 1982 को पूर्वेक्स संपति के उचित बाजार मल्य से तम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिखत उद्योध्य से उच्त अंतरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एती किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अबं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के नृथीन, निम्नुलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री फारह्व भ्रागा, नं० 17, वेलिंगटन स्ट्रीट, रिचमंड टाउन, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सनरेंज बिलडर्स प्रतिनिधि श्री प्रज़्न श्राहूजा हैं नं० 4, पापन्ना रोड बेंगलूर ।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्परितः के वर्जन के सिए कार्यनाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्रची

(दस्तावेज सं० 1239/82-83 सा० 22-7-82) संपत्ति है जिसकी सं० 50 श्रीर 51 जो लांगफोर्ड रोड, लांगफोर्ड टाउन, बेंगजूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगजूर

तारीख : 8-3-1983

# प्रकप् नार्ं टी.एन.एस......

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1983 निदेश सं० 36061/82-83—प्रतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी नया सं० 4 (पुराना सं० 19) है तथा जो भ्रषा भ्रम्भास भ्राली रोड, बेंगलूर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबा भ्रम्भास में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 9 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्सि का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्सूह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्स का, जिम्निलिचित उद्देश्य से उपस अन्तरण है लिचत में बादत-विक कप से करिशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा को लिए; आंद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निष्

जतः ज्यं, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) मैसर्स जाली ब्रवर्स लिमिटेड,
लक्ष्मी इन्मूरेंस बिल्डिंग,
सर पी० एम० रोड,
बम्बई-400001
उनके प्रतिनिधि मैनेंजिंग डायरेक्टर
श्री के० एल० जाली हैं।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती कमलेश टी० जाली बाइफ आफ लेट टी० एन० जाली, नया सं० 4, घाषा घम्भास घाली रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलुर-560042 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों क्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास म किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचीं

(दस्तावेज सं० 1829/82-83 ता० 9-7-82 )। सम्पत्ति है जिसका नया सं० 4 (पुराना सं० 19) जो ग्रधा ग्रम्भास ग्राली रोड सिविल स्टेशन, बेंगलूर-42 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीखा : 8-3-1983

# भक्त बाह् , टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 मार्च 1983

निर्देश सं० नोटिस नं० 35660/82-83---श्रतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- के. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 8, 13, 15, 16, 24, 25, 26 श्रौर 14 है, तथा जो सोलेनाहल्ली, कुन्दन होब्ली देवनाहल्ली तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवनाहल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुनिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियद के बंधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में त्रविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है——

- (1) 1. श्री नारायनप्पा सन ग्रांफ बसाप्पा,
  - श्री पिल्लाप्पा सन भ्राफ बैराप्पा, बट्टा मारेनाहल्ली, देवनाहल्ली तालृक

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीलादास जगतियानी वाइफ श्राफ गोपालदास, कोट्टिगे तिम्मनाहल्ली, देवनाहल्ली तालुक।

(श्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पृत्रांयक सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर . सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 474/82-83 ता० 16-7-82) । सम्पत्ति हैं जिसकी सं० 8, 13, 15, 16, 24, 25, 26 थ्रौर 14 जो सोन्नेनाहल्ली विलेज, कुन्दन होल्ली, देवना-हल्ली तालूक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 9-3-1983

मोहर 🕄

# प्रस्य बार्षं ,टी . पुन् . पुन् , -----

# नायकर न[भानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० 35673/82-83—अतः मूझे, मंजु माध्यन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1035 है, तथा जो एच० ए० एल०-II, स्टेज, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 26 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल में बास्त्रिक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) मन्त्रद्रक से हुव किसी बाव का बावत, अक्त मित्र्यम् के मुधीन का दोने के भन्तद्रक के बासित्य में कमी करने या उससे वृष्ये में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती एल० ग्रम्बिका ग्रम्मा, "राम्या",
 किलाकुमभागम कारा,
 एट्मानूर विलेज,
 कोट्टायम तालूक,
 केरल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तामस मयस्यूस केयर आफ एम० सी० श्रवाहम, 549, इंदिया नगर, I स्टेज, बेंगलुर ।

(धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति में मर्थन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही नुर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

(बस्तावेज सं० 1272/82-83 विनोक 26-7-1982) । सम्पत्ति है जिसकी सं० 1035 जो एच० ए० एल०-II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्रक्षिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-3-1983

मोहर 🛭

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 मार्च 1983

निवेश सं० 35508/82-83—श्रतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् एक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 119/1, 119/2 ग्रीर 119/3 है, तथा जो बुडिहाल विलेज, करबा होव्ली नेलामन्गला तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीमर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नेलामंगला में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण मे हुई किमो ग्राय की बानत, उक्त श्रष्टि-नियम के श्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करन या उसने बचने में मुविद्या के लिए, बोर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी वन या भन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गुरु थ। या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः असः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित स्यक्तियों, अधीतः:—— (1) श्री सैंग्यद श्रमीर जान, नं० 2, देविस रोह, बालाजी लेग्राउट, बंगलर-560084 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० काजी, नं० 52, एम० एम० गार्डेन, नवी दुर्ग रोड कास, जयमहल एक्सटेंशन, बेंगलुर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पर्काकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 401/82-83 ता० 17-7-1982 )। संपत्ति है जिसका सर्वे सं० 119/21, 119/2 ग्रौर 119/3, जो बृडिहाल विलेज, कस्बा होब्ली, नेलमंगला में स्थित, है।

4-14-54 200

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख : 9-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० 35475/82-83—अतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाउर मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 704 है, तथा जो बिन्नामंगला ले श्राउट I स्टेज इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**जित व्यक्ति**त्यों, अधीत्:— (1) श्रीः सैय्यद मोहम्मद मेहदी बोकारी सन श्राफ सैय्यद श्रजीज नं० 24, III मेन कबीर श्राश्रम एक्सटेंशन, मट्टवाहल्ली, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० के० टी० सामस, नं० 710, IV 'टी' ब्लाक, जयन नगर, बंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# जन्सू ची

(दस्तावेज सं० 1052/82-83 ता० 6-7-1982) । सम्पत्ति है जिसका सं० 704 जो इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु नाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-3-83

मोहर 🙂

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

नोटिस सं० 35682/82-83-यतः सुक्षे, मंज माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावरः सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 143, 144/1 (पुराना न० 98/97) है, तथा जो मैसूर रोड़, बेंगलर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 17-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वागत. उक्त अधिनियन में अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अथने में सुविधा में निए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृद्धिमा के सिए;

श्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती के० कस्तूरी करूर, तमिल नाड, केयर/ग्राफ 98/97, नया न० 143, मैसूर रोड़, बेंगलूर-26।
 (ग्रन्सरक)

श्री एन० नागराज,
नं० 31, शंकरमट रोड़,
बेंगलूर-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्याना कारी करको पृत्रां कत सम्मृतिस को वर्णन को तिस्थ कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओव:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीं से 45 दिन की कविध का सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिय क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

# अमसर्ची

(दस्तावेज सं० 1264/82-83, ता० 17-7-82') संपत्ति है जिसका सं० 31 जो शंकरमट रोड़, बेंगलूर-4 में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-3-1983

मोहर :

31-16 GI/83

प्ररूप आधारिती एन एस . ------

**मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन मुखना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

नोटिस सं० 35776/82-83/बी०---यतः, मुझे, मंजु माधवन,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 17/31, नया नं० 31/26 है, तथा जो III मैन रोड, एन० टी० पेट, बेंगलर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1982

को प्यों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के मधीन कर दीने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उसम बचने के सुदिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री ढी० सीतारामा राव,
 डी० वी० एन० कुमार, डी० एस० रामकृष्ण राव
 डी० नरेंद्रा, नं० 150, पीटर्स रोड,
 मद्रास-86।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० एस० मुनिराजु शेट्टी,
 न० 1, बुल टेम्पल रोड,
 बसवनगुडी, बेंगलर-4।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपण के अकाशन की तारी सं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

(दस्तावेज सं० 1314/82-83 ता० 22-7-82) संपत्ति है जिसका सं० 17/31, नया सं० 31/26 जो III मैन रोड, एन० टी० में पेट स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-3-1983

् प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार ं

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, बेंगलूर बेंगलर, दिनांक 11 मार्च 1983

नोटिस सं० 35777/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 17/31 नया सं० 31/26 है, तथा जो III मैन रोड़, न्यू तरगूपेट, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित )है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-7-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उअत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री डी० सीतारामा राव, डी० वी० एन० कुमार, डी० एस० रामाकृष्ण राव और डी० नरेन्द्रम, 150 पीटर्स रोड, मद्रास-86।

(म्रन्तरक)

2. श्री बी० एस० विश्वनाथन, नं० 11 श्रीर 12, III कास II मैन रोड़, चामराजपेट, बेंगलूर-18।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितब द्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, धो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup>, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

(दस्तावेज सं० 1313/82-83 ता० 22-7-82) संपत्ति है जिसका सं० 17/31 नया नं० 31/26, III मैन रोड न्यू तरगुपेट, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 11-3-83

प्रकप बाइ .टी. एन . एस . ------

नायकपुर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के ज्भीन सृज्ना

# साउत लुडकाउ

कार्यास्य, स्हायक मायुक्त भायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

नोटिस सं० 35774/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्यु 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं 17/31, नया सं 31/26 है, तथा जो III मैन रोड़, एन० टी० पेट, बेंगलूर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में . कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री डी० सीतारामा राव,
 डी० वी० एन० कुमार,
 डी० एस० रामक्रुष्ण राव,
 ग्रीर डी० नरेन्द्रा,
 150, पीटर्स रोड,
 मदास-86।

(अन्तरक)

श्री बी० एस० राजन्ना चेट्टी,
नं० II ग्रीर 12, III कास,
11 मैन रोड़,
चामराजपेट,
बेंगलूर-18।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्याकशिकश्याः,—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिन नियम के कृष्याय 20 क में पहिभाषित हैं, बही कुर्थ होगा, जो उस कृष्याय में दिया स्वा हैं।

# अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1312/82-83, ता० 22-7-82) संपत्ति है जिसका सं० 17/31, नया सं० 31/26 जो III मैन रोड़, न्यू तरगूपेट, बेंगलूर-18 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 11-3-1983

मोहर 🗈

प्ररूप बाई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलर, दिनांक 11 मार्च 1983

नोटिस सं० 35667/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 614/8 है, तथा जो सौथ कास रोड़, बसवनगुड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधवारी के कार्यालय, जयनगर में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 2-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के वृधीन निम्नुलिश्वित व्यक्तियों कुर्धात ध--- श्री जी० रामचन्द्रन,
नं० 164/8, सीत कास रोड,
बसवनगुडी,
बंगलूर-4 ।

(ग्रन्तरक)

श्री एच० एस० नटराजन,
नं० 3, श्रो० वी० एच० रोड,
बसवनगुडी,
बेंगलुर-560004।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1186/82-83, ता० 2-7-82) संपत्ति है जिसका सं० 614/8, जो सीत काम रोड, बसवनगुडी वेंगलूर-4 में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंग्लूर

ता**रीख:** 11-3-1983

मोहर 🛭

त्रक्षाः, भाइति दीः एत्। एसः -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मार्च 1983

निदेश नं० 35472/82-83---ग्रतः मुझे, मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17 है तथा जो II कास, हुचिन्स रोड, बंगलूर-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वेक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शर्रिया
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्री एम० कुट्टियप्पा, सन ग्राफ एम० मुनिकालप्पा, नं० 62, दाङ्किगुंटा, काक्स टाऊन, बंगलूर-7 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जार्ज तामस, सन श्राफ श्री एम० बी० तामस, नं० 4, हेस्टिंग स्ट्रीट कास, बंगलूर-5।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1109/82-83 ता० 12-7-1982) । सम्पत्ति है जिसकी सं० 17 जो II कास हटिचन्स रोड, बंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 11-3-1983

प्ररूप आई.. टी. एन्-् एस्.------

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलर, दिनांक मार्च 1983

निदेश सं० 523/82-83—ग्रतः मुझे, मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 45 है तथा जो बंगलूर गुलबर्गा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 जुलाई, 1982

क्ये पृथेकित सम्परित को उचित बाजार मून्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अप्तरण से हुई किसी शाय की शावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात्:-- (1) श्री हतुमंत राव सन ग्राफ गुर्गलगपा, गुलबर्गा ।

(भ्रन्तरक)

(2) शिव हार्ऊासंग कोग्रापरेटिय सोसाइटी, मोमीनपुर, गुलबर्गा मार्फत प्रेसीकेंट विजय कुमार हनुमंत राघ ; रेजिडेंट श्राफ गुलबर्गा ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# जन्सू स्थ

(दस्तावेज सं० 1003/82-83 ता० 24-7-1982) 3 एकड श्रीर 19 गूंठा जमीन जिसका सर्वे नं० है 45 संपत्ति बड़ेपुर, गुलबर्गा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-3-83

फ्र. से विधिक हैं

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर ,दिनांक

निदेश सं० 522/82-83— ग्रतः मुझे, मंज् माघवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 45 है तथा जो बड़ेपुर, गुलबर्गा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1808 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दस्मान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्मिसित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत अवत जीध-पियम् के अधीन कर देवें के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए और/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आसकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के तिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री हुनुमंत राव सन श्राफ मुरिक्तिगप्पा, केयर श्राफ गुलबर्गा।

(प्रकृतरक)

(2) शिव हार्ऊसिंग को-ग्रापरेटिव सोसाइटी, मोमिनपुर गुलबर्गा, श्रो प्रेसीडेंट श्री विजय कुमार हनुमन्त राव, गुलबर्गा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योंकरण:--इसमें प्रयूवत सब्दों और वदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन सची

(दस्तावेज सं० 986/82-83 ता० 24-7-1982) 4 एकड़ जमीन जिसका सर्वे नं० 45, संपत्ति बडेपुर, गुलबर्गा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 11-2-1983

मोहर 🖫

# प्रकप बाई • ही • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० 516/82-83----ग्रतः, मुझे, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

धौर जिसकी सं सी विशेष एस नं 237 धौर 238 है, तथा जो मार्केंट, हुवली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हुवली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 32—16GI/83 (1) श्रीमती मीलव्या पत्नी श्री सिद्धप्पा, ईचगेरी, पालीपेट, एमजी मार्केट, हुबली ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री लालचन्द भीकचन्द
2. श्री नरसी लाल भीकचन्द जी,
मार्फत मैसर्स शा डालीचन्द
खान जी एण्ड कम्पनी,
एम० जी० मार्केट,
हबली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के सिष् एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र !---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की धवधि, जो भी धवबि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवंशि में
  हितबद किसी मध्य व्यक्ति द्वारा, मजोइस्तावारी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जो सबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस सक्ताय में दिश्रत गरा है।

#### 4.36.3

(दस्तावेज सं० 979/82-83 ता० 29-7-1982) । संपत्ति जिसका सी०टी० एस०नं० 237 धीर 238 एम जी मार्केट हुबली में स्थित है ।

> मंजु म।धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, बंगलूर

तारीख : 14-2-1983

मोहर 🖫

प्रक्ष आहे. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 फरवरी 1983

निवेश स० 515/82-83--ग्रतः मुझे, मंजू माधवन,

*बायक र अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। , की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र<sub>ा.</sub> से अधिक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 75 है तथा जो संपत्ति नवलूर ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 धारवाड में का 16) के प्रधीन, तारीख 6 ग्रगस्त, 1982 को पुर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नडीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधिनियम के अधीन क्ष्य दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री प्रखबेप्पा गौडा सिद्धन गौडा पाटिल, रजर्तागरी, धारवाङ् ।

(भ्रन्तिरती)

(2) श्री रमन लाल वामोद्दर दास (सिमन्य्या, विजय नगर, हबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (च) इस सूचना के शाजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त मधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित वहीं पर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया स्था है।

# अनुसूची

(धरतावेज सं० 907/82-83 ता० 6-8-82) । सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 75, नवलूर ग्राम में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहत्यक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज, बंगलूर

धिनांक: 14-2-1983

प्रकृप बाद. टी. एन. एस्.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

# भाउत् सरकाड

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निवाश सं. 499/82-83—यतः मृभी, मंजु माधवन, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 22/पी, 23/1 पी, 24/1 पी है तथा जो भलसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मुडिगेरे में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 श्रगस्त, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त ज्यिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो स्थीन, निक्निमिण्य व्यक्तियों,, स्थित दिन्न (1) श्री के० वी० चन्द्रगौडा, कारक्की के केलगूर ग्राम, बोलहोले पोस्ट मुडिगेरे तालूक ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० बी० गतपति गौडा, कारककी के केलगूर ग्राम, बोलेहोले पोस्ट, मुडिगेरे तालूक ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनुके सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 👚

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंदु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें त्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूची

(दस्तावेज 412/82-83 ता० 10-1-1983) । शेतकी भूमि जिसका सर्वे नं० .22/पी, 23/1 पी और 24/1 पी, कलसा के पास स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1983

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश नं० 512/82-83--- प्रतः मुझे, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/~रा. से अधिक हैं **भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 98-2 ए, 99-2 श्रौर 99-2**ए, है, तथा जो डावणगेरे में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबदा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, डावणगेरे में रिजस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अगस्त, 1982 को पूर्वों कत संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह मितियत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् 🖫—

(1) डाक्टर एच- के० ब्राष्णस्वामी, सन ग्राफ लेट श्री केशवराज, पी० जे० एक्सटेंग्रन, डावणगरे।

(अन्तरकः)

(2) श्री पंपनगौडा सन श्राफ श्री नाथन गौडा, पुनगगट्टी ग्राम, उरजनहरूली तालुक, बल्लारी, जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकौंगे।

स्थव्दिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

# अनुसूची

(बस्तावेज सं० 2883 श्रीर 2984 ता० 26-8-82)। खुली जगह जिसका सर्वे नं० 98-2ए, 99-2 श्रीर 99-2 ए डावणगेरी में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

सारीख : 10-2-1983

मोहर 🔣

प्रसम नाई. टी. एन. एस.----

जायकर अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 फरवरी 1983

निदेश सं० 517/82-83—यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव मुनिसिपल श्रसंसमेंट नंव 443 है तथा जो प्रापर्टी होसदुर्गा में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय होसदुर्गा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती श्राडम्मा वाइफ श्राफ मार्ग्सिद्धपा मेट्टी, एच०एच० रोड, होसदुर्गा, चित्रदुर्गा जिला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुकन्या वाइफ ग्राफ श्री बी० श्रीधर, ग्रापरेटर मैंसर्स श्री गुरुकृषा कोडीमेंट, होसदुर्गा, चित्र दुर्गा, जिला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 293/82-83 ता० 19-7-1982) । सम्पत्ति जिसका मुनिसिपल ग्रसिस्मेंट नं० 443 हैं संपत्ति होसदुर्गा में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलुर

तारीख: 20-2-1983

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) फ्रजेंन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 मार्च 1983

निवेश सं० 12214—श्रदः, मुक्षे, ग्रारं० पी० पिल्लें, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 28/39, राजा स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (इक्क्मेंट सं० 3337/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यहिविश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्स अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा औं लिए।

(1) श्री रान० के० महादेव श्रस्यर।

(प्रन्तरक)

(2) श्री टी० जगदीम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के ट्रिंग् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 💝 🗕

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

भूमि भौर निर्माण---28/39, राजा स्ट्रीट, कीयम्बटूर। (डाक्मेंट सं० 3337/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सक्षायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- ; मद्रास

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——

भारीख : 3-3-1983

मोहरु 🛭

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 2nd March 1983

No. A.32013/4/82-Admn.II.—In partial modification of this office Notification No. A.32014/2/80-Admn.II dated 10-12-1982, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints S/shri S. P. Bansal, B. R. Gupta and S. C. Mastana (SC), Superintendents (DP) and officiating as Assistant Controllers (DP) on ad-hoc basis, to officiate as Assistant Controllers (DP) in the office of Union Public Service Commission on a regular basis w.e.f. 22-2-1983 until further orders.

Y. R. GANDHI Under Secy. for Chairman Union Publuic Service Commission

#### New Delhi, the 25th February 1983

No. A-32012/1/81-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated the 24th November, 1982, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer of the office of Union Public Service Commission to officiate as Officer on Special Duty (Languages) in the Commission's office on adhoc basis for the period from 19-2-1983 to 31-7-1983 or until further orders whichever is earlier.

I. C. KAMBOJ Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

#### New Delhi, the 11th March 1983

No. A.32014/1/82-Admn.II.—In partial modification of this office Notification No. A.32014/3/80-Admn.II dated 16-12-1982, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to the upgraded posts of Superintendent (Data Processing) (Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200) on a regular basis in the office of Union Public Service Commission w.e.f. 15-2-1983 until further orders:—

- 1. Shri M. M. Sharma
- 2. Shri Jagdish Lal
- 3. Smt. D. J. Lalwani
- 4. Smt. Raj Sethi
- 5. Miss Sudarshan Handa
- 6. Shri R. R. Bhardwaj,

I. C. KAMBOJ Section Officer for Secy. Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 10th March 1983

No. 8E PRS 600.—Consequent on his selection as Research Officer in the Central Vigilance Commission, Shri I., Yegnanarayanan, a permanent Sr. Personal Assistant in this Commission is relieved of his duties as Sr. P.A. with effect from the afternoon of 25th February 1983.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 21st March 1983

No. 6/2/82-NE.II.—The President is pleased to approve of the ungradation of the post of Commandant. North Eastern Police Academy, Barapani (UMSAW), Meghalaya to the rank of Inspector General of Police in the scale of pay of Rs. 2500—2750 as personal to the incumbent and also to

the appointment of Shri Aftab Ahmed Ali, I.P.S. (MP: 1955) to the upgraded post of Commandant with effect from 25-1-1983.

MISS NEERU NANDA Dy. Secy.

#### (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th March 1983

No. A-19035/1/81-AD-V.—In continuation of Notification No. A-22013/6/82-AD-V dated 29th Sept., 1982, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. Ramamoorthy, as Office Superintendent/CBI on ad-hoc basis for a further period from 14th March, 1983 to 13th June, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19035/1/82-AD-V.—In continuation of Notification No. A-22013/1/82-AD-V dated 1st January, 1983, Director, Central Burcau of Investigation, and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Uma Kant Sharma, as Office Superintendent, CBI on ad-hoc basis for a further period from 1st Feb., 1983 to 30th April, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE New Delhi-110003, the 16th March 1983

No. O.II-1794/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vinod Shanker Dube as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Cov. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th February, 1983 subject to his being declared medically fit.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-11, the 16th March 1983

No. 10/30/81—Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Scnior Geographers and at present working as Research Officer (Map) on adhoc basis, as Research Officer, (Map), on a regular basis, in temporary capacity, in the office as mentioned against their names, with effect from the 11th February, 1983, until further order;—

Sl. No.	Name	Office	Headquarters		
1	2	3	4		
1. Shri	Mohammed Abbas	DCO, Bihar Patna,	Patna		
2. Shrì	N.C. Sengupta .	RGI, New Delhi.	New Delhi		
3. Shri	Madhav Shyam .	DCO. Maharashtra, Bombay,	Bombay		
4. Shri S	Shyam Deo .	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Hyderabad.		

#### The 18th March 1983

No. 11/53/80-Ad.I.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri T. V. Srinivasan, a retired officers of the Tamil Nadu Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Joint Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, on re-employment basis, with effect from the afternon of the 21st February, 1983.

P. PADMANABIIA Registrar General, India

# MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd April 1983

No. 23/3/83-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by five points to reach 500 (Five Hundred), during the month of February, 1983. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of February, 1983 works out to 608 (Six Hundred and Eight).

A S BHARDWAJ Director, Labour Bureau.

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th March 1983

No. 8 FC 2(25)-A/82.—The President is pleased to appoint Dr. Atul Sarma, Professor in Sardar Patel Institute of Economic and Social Research, Abmedabad, as Economic Adviser on short term contract basis in the Eighth Finance Commission on a pay of Rs. 2500/- in the scale of Rs. 2500-3000 with effect from the forenoon of 4th March, 1983 upte 31st October, 1983.

S. L. MATHUR Under Scey. (Admn.)

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 15th March 1983

No. CA.I/60-70.—On his attaining the age of superannuation Shri Vidya Sagar, Audit Officer (Commercial) of the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from '28-2-1983 (A.N.).

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-110002, the 29th January 1983

#### NOTICE

No. Admn. II/1372.—Shri Vijay Partap was appointed as Upper Division Clerk (now designated as Auditor) with effect from 22-12-1970) in the office of the Accountant General Revenues, (now office of the Director of Audit Central Revenues) New Delhi. He was sanctioned leave upto 27-1-75 but he failed to resume duty after expiry of leave and had been wilfully absenting himself from duty since 28-1-1975. All communications addressed to him at his last available address with this office were returned undelivered by the Postal authorities with the remarks "left without address".

Now, therefore, through this notice, the undersigned in his capacity as the appointing authority terminates the services of the said Shri Vijay Partap and his name shall be removed

from the rolls of this office after fifteen days from the date of publication of this notice.

Sd/-

Jt. Director of Audit (Admn.)
O/O the Director of Audit,
Central Revenues

#### New Delhi, the 18th March 1983

No. Admn. I/O.O. No. 621.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 10-3-83 until further orders.

- S. No. and Name
- 1. Shri Amant Ullah
- 2. Shri S. K. Dhawan

SMT, PRAVIN TRIPATHI Jt. Director of Audit (Admn.I)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 15th March 1983

No. AN/I/1419/4/Vol. I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name							Date of confir- mation
1	2							3
S	/Shri		47 1 44	<b>→</b>		<u> </u>	·	
1. I	R.K. Anand .				,			12-7-81
2. \$	S.N. Misra .							21-11-81
3. S	S.S. Mohanty							14-1-82
4. A	Arvind Rana							12-12-81
5. S	.L. Singla .							12-7-81
6. K	Kum R. Ganguly							19-11-81
7. K	tum, S. Tewari		•					17-11-81
8. T	rilok Chand							14-7-81
9. P	aras Ram .				,		٠.	13-11-81
	rem Lai .							12-11-81
11. P	. Periaswamy					•		20-8-81
12. A	.B. Malik							20-8-81
13. M	I. Krishnamurth	ıy						15-10-81
14. P	D. Makkar			,				21-9-81
15. S.	K. Chari .			,				2-4-82
16. T	Jularey Lai Kand	ojia "			, ,_ *r,_	-	· 	30-6-82

R.K. MATHUR,

Additional Controller General of Defence Accounts (Admin).

#### MINISTRY OF DEFENCE

# DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES ORDNANCE FACTORY BOARD

New Delhi, the 10th March 1983

No.737/EV/GN/QR/A/W.—In exercise of the powers conferred under Section 3 of the Public Premises (Eviction of una uthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the President of India is pleased to appoint the Officers mentioned in Col. 2 of the Table below being an officer of the Ordnance Factory or Ordnance Equipment Factory mentioned in Col. 3 against each

as the Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on Estate Officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction specified in Column 4 of the said Table in respect of the Public Premises belonging to the Pactories mentioned in Col. 3 against each officer. This is in supersession of all orders issued on the subject:

SI. No.	Designation of the Officer	Name of the Factory	Categories of Public Premises and local limits of jurisdiction.
1	2	3	4
	The General Manager, Deputy General Manager, (Admin.) Works Manager (Admin.) Asstt. Works/Admin.	Ordnance Factory, Muradnagar	Premises under the administrative control of Ministry of Defence, situated within the local limits of their respective jurisdiction.
2.	The General Manager, Deptty General Manager (Admin.) Works Manager (Admin.) Asstt. Works Manager (Admin.)	Ordnance Factory, Itarsi	Do.
3.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Ordnance Cable Factory, Chandigarh	Do.
4.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manages (Admin.)	Ordnance Factory, Dehradun	Do.
	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Ordnance Factory, Tiruchirapalli	Do.
6.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.).	Ordnance Factory, Bhusawal	Do.
7.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.),	Gun & Shell Factory, Cossipore	Do.
8.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager, (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.),	Ordnance Clothing Factory Shahjahanpur	Do.
9.	General Manager, Deputy General Manager, (Admin.) Works Manager(Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Ordnance Factory, Ambarnath	Do. ■
10.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager, (Admin.),	Metal & Steel Factory, Ishapore	Do.
11.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin), Asstt. Works Manager (Admin),	Ordnance Factory, Khamaria	Do.
12.	General Manager, Deputy General Manager (Admin), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager( Admin),	Vehicle Factory, Jabalpur	Do.
13.	General Manager, Doputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Clothing Factory, Avadi	Do.
14.	General Manager, Deputy General Manager (Admin)., Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Cordite Factory, Aruvankadu	Do.
15.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin), Asstt. Works Manager (Admin).	Ordnance Factory, Varangaon	Do.
16.	General Manager, Deputy General Manager (Admin)., Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin).	Ordnance Factory, Bhandara	Do.

1	2	3	4
17.	General Manager, Deputy General Manager (Admin)., Works. Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin).	Ordnance Factory, Dehu Road.	Premises under the administrative control of Ministry of Defence, situated within the local limits of their respective jurisdiction.
18.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.).	Ordnance Factory, Chanda	Do.
19.	General Manager, Deputy General Manager, (Admin.), Works Manager (Admin)., Asstt. Works Manager (Admin.).	Heavy Vehicles Factory,	Do.
20.	General Manager, Deputy General Manager (Admin. Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.),	Gun Carriage Factory, Jabalpur	Do.
21.	General Manager, Depuy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Ammunition Factory, Kirkee.	Do.
22.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt, Works Manager (Admin.).	Ordnance Factory, Katni	Do.
23.	General Manager, Deputy General Manager. (Admin.) Works Manager (Admin.) Asst. Works Manager (Admin.)	Ordnance Factory, Ambajhari.	Do.
24.	General Manager, Deputy General Manager (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager(Admin.).	Ordnance Factory, Dum Dum.	Do.
25.	General Manager, Deputy General Manager, (Admin.), Works Manager (Admin.), Asstt, Works Manager (Admin.)	Ordnance Equipment Factory, Kanpur.	Do.
26.	General Manager, Deputy General Manager (Admn.), Works Manager (Admin.), Asstt. Works Manager (Admin.)	Ordnance Factory, Kanpur.	Do.
			ALWYN PRABHU,

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 17th March 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1138/76-Admn(G)/1715.—On attaining the age of superannuation, Shri H. R. Rishiraj, a Grade IV officer of CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

No. 6/847/68-Admn(G)/1716.—On attaining the age of auperannuation, Shri H., C. Yadav, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports, and Exports, Central Licensing Area, New Delhi has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

No. 6/609/60-Admn(G)/1717.—On attaining the age of superannuation, Shri J. M. Banerjee, Deputy Chief Controller of Imports & Exports, in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1983.

V. K. MEHTA Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

Director/AW,

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 28th December 1982'

No. 1/10/27-Admn (G)—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Small Scale Industry Development Organisation (Group 'A' and Group 'B') (Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1962, namely:—

- (1) These rules may be called the Small Scale Industry Development Organisation (Group 'A' and Group 'B') (Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- (3) In the Small Scale Industry Development Organisation (Group 'A' & Group 'B') (Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1962, in Schedule VI for items 4 & 5, relating to the posts of Assistant Director (Gr. I) (General Administration Division) and Assistant Director (Gr. II) (General Administration Division) an the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—

#### (As in Schedule Attached)

Note:— The Small Industry Development Organisation (Group 'A' & Group 'B') (Gazetted Posts) Recruit-

	unc	ler	·	,,, 1,	OL W	10 411	101(06	d vid	e not	ification as	1 2									<u>3</u> -
1 2	- <del></del>						<del>, , _</del> ,		<del>-</del>	3	(h) GSR (i) GSR			•	•	•			•	16-12-6 22-11-7
(a) GSR	69									5-11-63	(i) GSR 137	•	Ċ	•	Ċ			•		28-2-7
(b) GSR		1					•	Ċ		4-12-63	(k) GSR								· ·	5-9-77
c) GSR			,						Ċ	27-8-65	(I) GSR					٠.				6-1-78
d) GSR										11-10-65	(m) GSR		-							25 3-8
e) GSR										8-6-66			<del></del>					<del>-,,</del>		<del></del>
f) GSR				i				٠.		18-7-67									c. c	ROY,
(g) GSR										3-10-67							D			r (Admn.

# REVISED RECRUITMENT RULES FOR THE POST OF ASSISTANT DIRECTOR (GR. I) (GAD) IN SMALL INDUSTRY DEVELOPMENT ORGANISATION, DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

File No. 3/1/(6)/80-RR

						110. 3/1/(0//6	
Name of Post	No of Posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or no-selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissile under rule 30th of the CCS (Pension), Rules 1972	tions re- quired for direct re- cruits.
1 ,	2	3	4	5	6	7	8
Assistant Director (Gr.I) (GAD)	7	General Central Service Group 'A' Gazetted.	R <sub>3</sub> . 700-40-900-EB 40-1100-50-1300	Selection	Not appli- cable	Not applicable	Not app li- cable.
Whether age and educational qualications prescribed for direct recuits will apply in the cases of promotees.	tion if any.,	whether by direct rectt. or	In case of rectt. by/pro- motion/deputation/trans- fer, grades from which promotion/deputation/tra fer to be made.	If a DPC ex its compositi		Circumstanc U.P.S.C. is to ted in makin	
8	9	10	11	. 12		13	
Not Applicable.	2 years.	transfer on de- putation.	Promotion: Assistant Directors (Gr. 11) (GAD) with 3 year's regular service in the grade.  Transfer on deputation. Officer under the Central Govt. (a) (i) holding analogous posts; or (ii) with 3 year's service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalet	(1) Chairma UPSC-Chair (2) JDC/Din Member. (3) Director Member. Group 'A' D sidering conf (1) JDC/Di Chairman.	Promotion: n/Member, man ector (Admn.) (Gr. J)—  PPC (for con-	,	le making d selecting or appoint-
	٠,,	(	And. (b) possessing experience	(2) An officer appropriate s	_		
	<b>5.</b>	i 1	on administration esta- blishment and accounts, matters. Period of deputation shall not exceed 3 years)'	longing to SO	C/ST-Member		,

REVISED RECRUITMENT RULES FOR THE POSTS OF ASSISTANT DIRECTOR (GRADE II) IN (GAD) OF SMALL INDUS-TRIES DEVELOPMENT ORGANISATION, DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selectio post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pens Rules, 197	and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educa- tional qualifica- tions Prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.
1	2	3	4	5	6	6a	7	8
Asstt. Director (Gr.II) (GAD)	15	General Centr Service Grou Gazetted.		Solection	Not Appli- ablo	Not Appli- able	Not Appli- able	Not Appli- able
Probation if any. (Period)	Method of r whether by direct rectt., or by promo or by depute Transfer au tage of the v cies to be fil by various n	moti fer, potion pron tion/ trans d percen- vacan- led	ase of rectt. by pro- on/deputation/trans- grades from which notion/deputation/ ifer to be made.	If a DPC position,	exists, what is	UH		n which consulted in
9	10	<del></del>	11		12	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	1:	3
2 years	By promotic which by tra deputation.	3 year grad Tran Office Government (a) (a) (a) (b) (b) of a esta mat (Per	printendents with ars' regular service in e. usfer on deputation. ars under the Central ernment: i) holding analo- is posts; or i) with 3 years' ser- in posts in the scale is, 550-900 or equi- nt; and possessing experience dministration blishment and accoun	Promotion (1) JDC/I Chairman (2) Dy. D. I Member. (3) An off- status be Member. Group 'B' Confirman (1) JDC/ Chairman (2) Dy. D. Member. (3) An off- status be Member.	Director (Adminitector (Adminitector (Adminitector of the appropriate	Propriate SC/ST-sidering In.)—	iblic Service of necessary	th the Union Commission while making pointment to

Union Public Service Commission.

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 7th March 1983

No. E-11(7).—In this department's Notification No. E. 11 '(7) dated 11-7-1969 under Class 2 "Nitrate Mixture" the words "For trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-12-1982" appearing after the entries KEL-VEX-EXTRA and KELVAN-EXTRA shall be deleted.

CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS.

New Der 10019,, the 9th March 1983

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated the 31st July, 1982, the ad hoc appointment of Shri P. S. Rawat, officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1-1-1983 (F.N.) to 30-6-83, (A.N.) or till the resular insumbers is appointed with the resular insumbers in appointed. (A.N.) or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

> P. S. CHEEMA Chief Director

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 22nd March 1983

No. A-1/1(1172)/83.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri C. R. M. Sulaiman, J. F. O. in the office of DS&D, Madras to officiate on purely adhoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the forenoon of 16th February, 1983 and until further orders.

- 2. The ad hoc appointment of Shri C. R. M. Sulaiman as Asstt. Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri C. R. M. Suntiman relinquished charge of the post of J. F. O. in the office of DS&D, Madras on 15-2-1983 (FN) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 16th February, 1983, in the same office.

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Admn.)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 14th March 1983

No. 2255B/A-19012(1-MAK)/82/19 A.—Shri Mustaque Ahmed Khan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-12-1982, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th March 1983

No. A. 19011(192)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Y. G. Joshi, Permanent Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist, in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 22-1-83.

No. A. 19011(202)/79-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. K. Srivastava, Permanent Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 11-2-83.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Burcau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehra Dun, the 4th March 1983

No. C-5917/594.Shri S. P. Khanđuri, Technical Assistant, Selection Grade, who was appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Suurvey of India, on ad hoc basis vide this office Notification No. C-5873/594 dated the 20th October, 1982, is appointed to officiate as such on regular basis with effect from 4th January, 1983.

No. C-5918/718-A.—Shri P. K. Bhattacharji, Officiating Office Superintendent, C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis, in C.S.T. & M.P. Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31st January, 1983 (FN) vice Shri O. S. Bhatnagar, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave for 31 days from the same date.

#### The 5th March 1983

No. C-5919/707.—Shii K. L. Chadda, Surveyor, Selection Grade is appointed to officiate as Officer Surveyor

(Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 6,0-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29-3-82 (FN) purely on ad hoc provisional basis.

No. C-5920/724-SOS(A).—Shri N. Natarajan (SC), Stores Assistant, Selection Grade is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in Southern Circle, survey of India, Bangalore in the scale of pay of Rs. 550-25-756-EB-30-900 with effect from 26th May, 1982 (F.N.).

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 15th March 1983

No. 4(14)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Sudha Mahapatra as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity with effect from 14th January, 1983 and until further orders, in the scate of pay of ks. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(28) /81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. T. Nawani as Programme Executive, Executive, All India Radio, Ratnagiri in a temporary capacity with effect from 17th January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(15)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. T. Nawani as Programme Executive, An India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from 1st January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(18)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Indra Prakash Shreemali as Programme Executive, All India Radio, Jullundur in a temporary capacity with effect from 1st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-13-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(22)/80-SI.—Shri Shankar Piasad, Programme Executive, All India Radio, Patna resigned from Government service with effect from the forenoon of 9th December, 1982.

No. 4(28) /82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Dinesh Chandra Das as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 4th February, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(40)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Amal Kumar Mandal as Programme Executive, All India Radio, Siliguri in a temporary capicity, with effect from 31st January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(42)/82-Sh.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. Mahadevappa as Programme Executive, All India Radio, Bhadravati in a temporary capacity with effect from 21st January, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-2000-EB-40-1200.

No. 4(56)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Srikumar Chakravarty as Programme Executive, CBS, AIR, Calcutta in a temporary capacity with effect from 2nd February, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(58)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Bashir Ahmed Butt Aarif as Programme Executive. Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from 17th February, 1983 and until further orders.

in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-LB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(73)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mohammed Imt.az Ali as Programme Executive, All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from 28th February, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 4(94)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri T. A. Veerasamy as Programme Executive, All India Radio, Calicut in a temporary capacity with effect from 18th February, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

#### The 16th March 1983

No. 4(11)/82-Sl.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Devika Moktan as Programme Executive, All India Radio, Gangtok in a temporary capacity with effect from 24th January, 1983, and until further orders in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

#### The 21st March 1983

No. 5(130)/60-SI.-Shii B. K. Chopra, Programme Executive, All India Radio, New Delhi expired on 16th February, 1983.

> H. C. JAYAL, Dy. Director of Administration, for Director General

#### New Delhi, the 18th March 1983

No. 10/57/80-S.III .- Consequent upon acceptance of his resignation Shri Syed Hasan Safder, Assistant Engineer, All India Radio, Calcutta has been relieved of his duties in All India Radio with effect from 31-3-1982 (AN).

10/36/81-SIII.—Consequent upon acceptance of his resignation Shri Surjit Roy, Asstt. Engineer, HPT, All India Radio, Chinsurah has been relieved of his dutes in All India Radio, with effect from the afternoon of 30-6-1982.

> Y. VARMA, Deputy Director of Administration, for Director General

#### New Delhi, the 18th March 1983

No. 29/3/83-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri L. D. Gombra, Farm Radio Reporter All India Radio, New Delhi to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Bikaner with effect from 15-2-83 (AN) with permission to assume charge of his post away from headquarters at New Delhi.

S. V. SESHADRI, Dy. Director Administration for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

#### Bombay-26, the 11th March 1983

1000—FB-40—1200 with effect from forenoon of 7th March, 1983 vice Shri H. G. Bhandarkar, Assistant Administrative Officer granted leave from 7-3-1983 to 8-4-1983.

> V. R. PESWANI, Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

#### New Delhi-1, the 19th March 1983

No. A-20012/17/78-Admn.—The Chief Producer, Films Division, has appointed the following Assistant Cameraman to officiate as Cameraman in Films Divison at New Delhi on ad hoc basis with effect from the date(s) shown against each until further orders :

- 1. Shri K. C. Kapoor—10-2-1983 (forenoon).
- 2. Shri S. N. Patnaik-10-2-1983 (forenoon).
- 3. Shri S. K. Virmani-8-2-1983 (forenoon).

R. B. L. MORIA Asstt. Adminstrative Officer for Chief Producer

#### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

#### New Delhi, the 23rd February 1983

No. A-12011/6/82-Exh. (A)—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint the following permanent Exhibition Assistants to officiate as Field Exhibition Officers in a purely temporary capacity on adhoc basis, at the units of this Directorate shown against each with effect from the dates shown against each :-

Sl. , Name No.			***				From	Unit	Date
1 2	<del>-</del>	·				<u>·</u>	3	4	5
S/Shrl							<u> </u>		• 1
1. D.K. Dar	_						. Lucknow	Madras	13-1-83
2. D.D. Burman	•	·	-	•			. Agartala	Kohima	<b>25-11-82</b>
3. J.L. Ahuja	•	•	•	•	•		. Chandigarh	Ambala	17-11-82
•	•	•	•	•	•	•	. Jaipur	Jabalpur	10-11-82
4. N.D. Dalwani			•	•	•	•	. Jammu	Hyderabad	25-1-83(AN)
5. H.D. Mutneja	•	•	•	•	•	•	-	Bhopal	4-11-82
6. Jasbir Singh							Delhi		
7. Gautam Kumar							. Delhl	Jaipur	23-10-82

S. K. GOEL Deputy Director (Admn.)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st March 1983

No. A.19025/61/81-A.III.—The resignation tendered by Shri Pradeep Vyas from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate has been accepted with effect from 1-5-1982 (A.N.).

No. A-19023/I/83-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Har Parkash Singh is appointed to officiate as Marketing Development Officer (CSR) in this Directorate at New Delhi, with effect from 17-2-83 (Forenoon), until further orders.

No. A-19027/1/83-A.III.—Shri B. S. Maul, Senior Statistical Assistant, is appointed to officiate as Statistical Officer in this Directorate at Nagpur with effect from the forenoon of 10-2-83 on purely ad hoc basis for a period of 3 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

G. S. SHUKLA,

Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 11th March 1983

No. PPED/3(262)/83-Estt.I/3724.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Divison in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 28, 1983 to the afternoon of March 31, 1983 vice Shri N. L. Menghani, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE Administrative Officer

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 15th March 1983

No. NAPP/Adm/26(1)/83-S/3028.—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri M. L. Kaushik, a permanent Section Officer (Accounts) in the Office of Controller General of Defence Accounts, C.D.A. Fund, Mearut to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of February 8, 1983, until further orders.

M. S. RAO,

Chief Administrative Officer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 17th March 1983

Ref. No. DPS/41/1483-Adm./10860.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. K. Pillai, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 6-12-1982 (FN) to 7-1-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri B. Dhandapanl, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI. Administrative Officer-II

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad, the 16th March 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Fnergy hereby appoints Shi

H. B. Mazumdar, a Permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from the forenoon of December 16, 1982 to January 15, 1983 vice Shri S. B. Banerjee, Asstt. Accounts Officer proceeded on leave.

T. D. GHADGE, Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRE

Sriharikota, the 8th March 1983

No. SCF: P&GA:ESTT 2:1-72--The Director, SHAR Centre is pleased to appoint on Promotion the following personnel to the posts noted against each in the SHAR Centre, Sriharikota, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10-2-1983

Sl. No. Name	Promoted to the post of
1 2	3
	Rao. Asst. Admn. Officer . Asst. Stores Officer

W. VISWANADHAM, Head, Personnel & Genl. Admn. Division for Director

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th February 1983

No. A 32013/7/82-EA—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 11-8-82 or from the date they actually take over the charge of the post whichever is later and until further orders:

S. No.	Name				Sta	ation of postings
1	2		.,—•,— <del>,</del> -	<del></del>	<del></del>	3
S/SI	<del>- • • • - • -</del> hri	<del>-</del> , <del>-</del> -, -	<del> </del>		<del></del>	
1. C.G	. Page				•	Bombay
2. M.N	I. Bhardwaj					Delhi
3. Y.L	. Soni .				•	Jaipur

S. GUPTA

Deputy Director of Administration for Director General of Civil Avlation

New Delhi, the 25th January 1983

No. A. 32013/8/81-EC—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/9/81-EC dated the 27th Jan., 1982 and the 15th Feb., 1982 and No. A. 32013/4/81-EC dated the 3rd Jan., 1983 the President is pleased to appoint the following officers at present working as Senior Technical Officers on adhoc basis to the grade of Senior Technical Officer on a

regular basis	with effect from 20-9-1982 and until	1 2	3
further orders:		2. D.P. Agnihotri . 3. B. Ramakrishnan .	. A.C.S., Lucknow. A.C.S., Madras.
S. No. Name	Station of posting	4. Dipak Pal	. A.C.S., Calcutta,
1 2	3	<ol> <li>Debashish Ghosh</li> <li>S. Lal H. Kumar</li> </ol>	. A.C.S., Calcutta R.C. & D.U., New Dolhi.
S/Shri 1, D.K. Sharma	. C/o R.D., CAD, Delhi.	7. S.R. Venkataraman 8. B.S. Kochar	. A.C.S., Tiruchirapalli, R.C. & D.U., New Delhi.

#### The 11th February 1982

No. A.32014/2/81-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis w.e.f. the date and station of posting indicated against each:—

S. No.	Name					Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of Promotion
1	2	 		 	 	3	4	5
S/S	Shri					· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
1. K.S	. Negi .					ACS, Gauhati	ACS, Gauhati	20-10-1981
2, C.P.	. Chaddha .					ACS, Delhi	ACS, Delhi.	>)
3. M.F	K. Sathaye .					ACS, Porbander	ACS, Porbander.	"
4. A.S	Gill .					ACS, Nagpur	ACS, Nagpur	"
5, D.I	D. Patil .					ACS, Aurangabad	ACS, Aurangabad	,,
6. P.N	i. Mani .					ACS, Madurai	ACS, Madural	"
7. T.S.	. Jolly .		,			ACS, Ahmedabad	ACS, Ahmedabad	,,
8. B.S.	. Bhosale					ACS, Bombay	▲CS, Bombay	"
9. B.C	Roy .					ACS, Calcutta	ACS, Calcutta	14-6-82 (F/N)

#### PREM CHAND Assistant Director (Admn.)

#### New Delhi, the 18th March 1983

No. A, 32013/11/82-EC—The President is pleased to appoint the following two officers to the grade of Assistant Director of Communication on adhoc basis for a period of six months w.e.f. the dates indicated against each and to post them at DGCA-(HQ).

S. Na No.	me & Designation	Previous Stn. of posting	Date of taking over charge		
1	2	3			
S/S	Shri	**************************************	<del></del>	···	
	Govilkar, . Tech, Officer	ACS, Ahmedabad	3-3-83	(FN)	
	op Chand, . Tech Officer	RCDU, N. Delhi	22-1-83	(FN)	

O.P. AGGARWAL, Assistant Director (Admn.)

#### New Delhi the 8th February 1983

No A. 32013/11/80-EC—The President is pleased to appoint the following four ACOs at present working as Communication Officer on adhoc basis to the grade of Communication Officer on a regular basis w.e.f. 25-8-82 and until further order

S. No. Name			<del></del>	Station of posting				
1	2					3		
	Shri R. Sethi			-	Aero bad.	Comm.	St.,	Ahmeda-

1	2		3
2. K.	N. Nair		Aero. Comm. Stn., Trivan- drum.
3. M.	V.K. Murt	thy .	Aero. Comm. Stn., Bombay.
4. V.N. Iyer .		Aero. Comm. Stn., Madras.	

# DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 21st March 1983

No. 10/83.—Shri P. M. Panwar, lately posted as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Delhi Collectorate, on transfer vide Ministry of Finance (Department of Revenue) order F. No. 22012/55/81-Ad.II dated 8-11-82 assumed charge as Junior Departmental Representative Group 'B' for the Delhi Benches of the Customs, Excise and Gold Control Appellate Tribunal in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise w.e.f. 4-3-1983 (FN).

B. C. RASTOGI, Director of Inspection

#### DIRECTORATE OF O&M SERVICES

#### CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th March 1983

F. No. 532/3/83-OMS.—Shri J. L. Malik, lately working as Junior Analyst in the Ministry of Finance, Department of Revenue assumed the charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of O & M Services, Customs and Central Excise, New Delhi with effect from the afternon of 28th February, 1983.

K. J. RAMAN, Director of O & M Services, Customs and Central Excise

#### MINISTRY OF SUPPLY

#### NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORF

Calcutta-27, the 14th March 1983

No. A-32014/1&5/83-Fatt.—The Director General, National Test House, Calcutt has been pleased to appoint the following Scientific Assistants (Mechanical) and (Chemical) of National Test House, Calcutta as Scientific Officers (Mechanical) and (Chemical) respectively in National Test House, Calcutta, with effect from the date mentioned against each on a regular basis until further order.

SI. No.	Name		Designation	Promoted to the post of Scientific Officers on
1	2		3	4
	S/Shri			
1. 🗚	dok Roy .	•	Scientific Assistant (Mechanical), Calcutta.	17-2-83 (F/N)
	iswas		Scientific Assistant (Chemical), Calcutta.	23-2-83 (F.N.)

A. BANERJEE,
Dy. Director (Administration),
for Director General

for Director General,
National Test House, Alipore

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ernakulam, the 10th March 1983

No. 1537/Liq/560(4)/83.—WHEREAS Malabar Textile Syndicate Private Limited (in Liquidation) having its Registered Office at Calicut is being wound up.

AND WHEREAS the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts (Returns) required to be made by the Liquidator has not been made for a period of six consecutive months;

NOW, therefore, in pursuance of the provision of subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice, the name of Malabar Textile Syndicate Private Limited (in Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Vinod Rubber Products Private Ilmited

Cochin-682011, the 5th March 1983

No. 2679/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vinod Rubber Products Private Ltd. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

34-16 GI/83

In the matter of Companies Act, 1956 and of Navodayam Private Limited

Cochin-682011, the 5th March 1983

No. 1570/Liq/560(5)/2514/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 360 of the Companies Act, 1956, that the name of Navodayam Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of National Union Private Limited

Cochin-682011, the 5th March 1983

No. 818/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of National Union Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Palghat Tile Works Private Limited

Cochin-682011, the 5th March 1983

No. 3353/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Palghat Tile Works Pvt. Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Alleppey Chamber of Commerce

Cochin-682011, the 5th March 1983

No. 19/Liq/560(3)/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Alleppey Chamber of Commerce unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said Company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN, Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Rajeswari Chit Fund Private Limited.

Madras-600 006, the 10th March 1983

No. 6199/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajeswari Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of West Dinajpore Trade & Transport Private Limited.

Calcutta, the 15th March 1983

No. 21034/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of West Dinajpore Trade & Transport Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

#### In the matter of the Companies Act, 1956 and of Behala Engineering Private Limited.

#### Calcutta, the 15th March 1983

No. 25867/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Behala Engineering P. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aditya Iron & Steel Company Private Limited.

#### Calcutta, the 15th March 1983

No. 27040/560(5).—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Aditya Iron & Steel Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company ia dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Syndicate Engineers Private Limited.

#### Calcutta, the 15th March 1983

No. 32875/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Syndicate Engineers P. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA, Assistant Registrar of Companies, West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Duetile Iron & Metal Industries Private Limited

#### Patna, the 22nd March 1983

No. 1262/560/7569.—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ductile Iron & Metal Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

> A. W. ANSARI, Registrar of Companies, Bihar, Patna

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### Bangalore, the 19th February 1983

PROCEEDINGS OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX: KARNATAKA-I; BANGALORE

Sub: -Estt--Gazetted ITOs-Group B-confirmation in the cadre of-regarding.

#### ORDER

E. No. 350(1)/82-CIT.—The following officiating Incometax Officers Group B are confirmed as Income-tax Officers Group 'B' w.e.f. the date of this order. S/Shri

- S/Shri

  1. M. G. Jagannivasa Rai, I I.T.O., Panaji.
  2. P. C. Chadaga, II I.T.O., Hubli.
  3. C. K. Balasubramanian, TRO-II, Bangalore.
  4. R. B. Bhikaje, I I.T.O., Belgaum.
  5. M. A. Rehman Beig, I I.T.O., Bellary.
  6. V. K. Gopalan Nair, I.T.O., Udupi.
  7. S. Venkatesha Sastry, VI I.T.O., Circle-I, Bangalore.
  8. S. R. Nagaraj, Asst. Addl. Director, DTRTI, Bangalore.
  9. V. Ranganathan, I.T.O. (SAP), Panaji.
  10. M. Varadaraj, VI I.T.O., Circle-II, Bangalore.
  11. N. S. Raghavendra, I I.T.O., Circle-III, Bangalore.
  12. M. Devaraj, IV I.T.O., Hubli.
  13. M. Velayudhan Nair, I.T.O., Tumkur.
  14. C. N. Raghavan, Jr. A.R., ITAT, Bangalore.
  15. H. V. Krishnamurthy, Asst. Addl. Director, DTRTI, Bangalore. Bangalore

- Bangalore.

  16. S. Abdul Rehman, X I.T.O., Circle-II, Bangalore.

  17. B. V. Lakshmanamurthy, TRO, Belgaum.

  18. A. A. Acharya, II I.T.O., Belgaum.

  19. K. Rajamani, V I.T.O., Circle-III, Bangalore.

  20. S. Dattatri, I I.T.O., Salary Circle, Bangalore.

  21. R. P. Kulkarni, II I.T.O., Gulbarga.

  22. S. K. Aswathan, II I.T.O., Circle-III, Bangalore.

  23. V. V. Kallapur, T.R.O., Hubli.

  24. P. C. Victor Jayasingh, VI I.T.O., Circle-III, Bangalore. lore.

- 10re,
  25. A. A. Gorikhan, III I.T.O., Belgaum,
  26. T. Umapathy Rao, II I.T.O., Raichur,
  27. S. H. Malagi, ITO (CIB), O/o CIT (Inv.), Bangalore,
  28. N. Krishnamurthy, VI I.T.O. Belgaum,
  29. S. Yoganarasimhan, X I.T.O., Circle-I, Bangalore,
  30. C. R. Ranganath, ITO Company Circle-VI, Bangalore,

- 2. The dates of confirmation now ordered in each case is liable to modification at a later date if found necessary.
- The date of confirmation in the case of Shri M. K. Gundappa, IV I.T.O., Circle-I, Bangalere has been revised from 3-5-1979 to 5-6-1976.

A. R. NATARAJAN, Commissioner of Income-tax Karnataka-I: Bangalore.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

Amritsar, the 9th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/482.—Whereas, I

R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Khiala Kalan, Teh. Ajnala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ajnala on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Shri Mangal Singh, R/o Khiala, Teb. Ajnala, Distt. Amritaar.
- (2) Shri Ram Singh S/o Shri Parduman Singh, R/o Kohali Teh; Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any,
  (Percon inoccupation of
  the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agriculutral land measuring 75 kanals 10 marlas situated in Vill. Khiala Kalan, Teh: Ajnala, Distt. Amritsar as mentioned in sale deed No. 1940 dt. 2-7-82 of the Registering Authority, Ajnala.

R. B. SINHA IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometex
Acquisition Range, Amritan

Date: 9-3-1983.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/483.—Whereas, I R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Khiala Kalan, Tch. Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ajnala on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Shri Mangal Singh, R/o Khiala, Teh. Ajnala, Dist. Amritsar (Transferor)
- (2) Sh. Lakha Singh S/o Shri Bachan Singh, r/o Dharum kot, Teh: Ajnala, Dist. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
  (Percon inoccupation of the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 75 kanals, 10 marlas, situated at Vill. Khiala Kalan Teh, Ajnala, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1960 dt. 5-7-1982 of the Registering Authority, Ajnala.

R. B. SINHA IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-3-1983.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1983

Ref. No. ASR/82-83/484.—Whereas, I, R. B. SINHA, IRS being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2672/1962/1 sintated at Radha Swami Road, Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Sep. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

- fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of a income or any moneys or other assets which he not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Renuka D/o Sh. Hira Lel B/o Bombay Through Sh. R. A. Boga S/o Shri A. B. Boga, R/o Hide Market, Amritaar.

(Transferor)

- (2) Shri Sawarn Singh S/o Shri Basant Singh, R/o 290 East Mohan Nagar, Amritsar.
  - (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

  (Person in occupation)
  the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I share of property No. 2672/1962/1 situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 9683 dt. 19-9-82 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1983

#### FORM I.T.N.S.---

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th March 1983

Rof. No. ASR/82-83/485.—Whereas, I R. B. SINHA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing khasra

No. 2672/1962/1 sittated at Radha Swami Road, Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Sep. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Renuka D/o Sh. Hira Lal R/o Bombay Through Sh. R. A. Boga S/o Shri A. E. Boga, R/o Hide Market, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Sawarn Singh S/o Shri Basant Singh, R/o 290 East Mohan Nagar, Amritsar.
  - (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

  (Person in occupation)
  the property)
- (4) Any other
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ share of property Khasra No. 2672/1962/1 situated at Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7615 dt. 27-7-82 of the Registering Authority, Amritsar.

R. B. SINHA IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Salia Bi, No. 17, Harris Road, Madras-2.

(2) Smt. Kamla Devl, No. 48, Perumal Mudali Street, Madras-1. (Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 10/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

situated at Vepery, Madras-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Periamet, Madras (Doc. No. 981/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land at Vepery, Madras, Doc. No. 981/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras 600 006.

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 S. Noordeen Ahammed, No. 44/1, Memichols Road, Chetpet, Madras.

(Transferor)

(2) K. Maragatham, No. 2, Nainnian Street, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 11/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. 369/1, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Periamet, Madras (Doc. No. 1022/82) on July 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Madras (Doc. No. 1022/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1983.

 Mrs. Malini Gopalan, W/o. Brigadier V. Gopalan, No. 62, Harrington Road, Madras-30,

(Transferer.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ramakrishna Gopalan, S/o. Brigadier V. Gopalan, No. 62, Harrington Road, Madras-30.

(Transferee.

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 17/July/82.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 231/7, Door No. 53, situated at New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at S.R.O. Periamet, Madras (Doc. No. 1061/82) in July, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wetalth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period (45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 231/7, Door No. 53, New Avadi Rond, Kilpauk, Madras-10 Doc. No. 1061/82).

R. P. PILI AI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.-I, (i/c)
Madras-600 006

Date: 25-2-1983.

Scal:

35-16GI/83

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S. Amruthavalli & S. Gopal, No. 1291, Audiappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) M. Krishnamurthy, No. 2, Murthy Lane, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 19/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land

No. situated at Madras.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Sowcarpet, Madras (Doc. No. 297/82)

in July, 1982. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Madras Doc. No. 297/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range,-I, (i/c) Madras 600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 25/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 3537/40, door No. 339, situated at Suryanarayana Chetty Street, Tondiarpet, Madras-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at S.R.O. Royapuram, Madras. (Doc. No. 999/82). on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. A. S. K. R. Kathiresa Nadar,
 2. Tmt. K. Lalitha,
 3. R. K. Vittobha,
 No. 8, Murugesa Mudali Street,
 Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Rajam Universal Exports. (Mfrs) Ltd., No. 162, Linghi Chetty Street, Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 3537/40, Door No. 339, Suryanarayana Chetty Street, Tondiarpet, Madras-81. Doc. No. 999/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 33/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 1008/13, situated at Adam Sahib Street, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Royapuram, Madras (Doc. No. 1111/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Govindarajulu Naicker, G. Mohanarangam, No. 85, New No. 196, Adam Sahib Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferat)

(2) Mrs. Zulaikha Beevi, No. 67, Mannaswamy Koil Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 1008/13, Adam Sahib Street, Madras, Doc. No. 1111/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

#### FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 36/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 102, Block No. 3, situated at Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Sembiam, Madras (Doc. No. 3140/82). on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. Rajagopal, 427, H. A. L. 2nd Street, Bangalore-560 038.

(Transferor)

 P. Vasanthakumari, No. 77/Jalan Bandar, Teluk Anson, Perak, Malaysia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Madras. Doc. No. 3140/82) T.S. No. 102, Block No. 3,

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 44/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4500, situated at Mullam village, Anna Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 471/82). on July 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/gr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 T. Thirugnanam, No. 59/2, Vellala Street, Purasawalkam, Madras.

(2) G. Varadarajulu Reddy, No. 67, Pidariar Koil Street, Madras-1. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 4500, Mullam village Anna Nagar, Madras-40 Doc. No. 471/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 45/July/82, 46/July/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair-market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S No 35/part, 236/part, situated at Plot Nos. 1619, 1620, Anna Nagar, Madras-102.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.O. Anna Nagar, Madras (Doc. Nos. 546/82, 547/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. S. Nirmala, W/o M. Simon Jacob, S-65, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mr. D. Balakrishnan, Mrs. Meera Balakrishnan, No. 33, Nehru High Road, Bakthavasalam Nagar, Nanganallur, Madras-600 061.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at T. S. Nos. 35/part, 236/part, Plot Nos. 1619, 1620, Anna Nagar, Madras-102, Doc. Nos. 546, 547/82).

R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,-I, (i/c) Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 47/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. situated at Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar, Madras (Doc. No. 576/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. S. Thilagavathy, W/o V. S. Selvapthy, No. 74, Venkatesapuram, Madras-23.

(Transferor)

 Dr. M. S. Amaresan, S/o M. N. S. Mani, No. 875, Poonamallee High Road, Madras-23.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Madras. Doc. No. 576/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,-I. (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D: (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983,

Ref. No. 49/July/82.—Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 3598, situated at Anna Nagar, Madras-40. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 450/82).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons natnely '---36-16GI/83

M. Subramanian, 1-A. Valatheeswaran Koil Street. Kancheepuram.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Sudha, No. 7, Commander-in-Chief Road. Egmore, Madras-600 105.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 3598, Anna Nagar, Madras-40. Doc. No. 450/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006.

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006 the 25th February 1983.

Ref. No. 50/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 221, situated at Anna Nagar, Madras-40. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar, Madras-40 (Doc. No. 487/82). on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Shambo Venkata Rao Sister, 702, Bhathavar, 163, Coloba Road, Bombay-400 005.

(Transferor)

(2) Mr. Susan Koshy. W-107, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at No. S. No. 221, Anna Nagar, Madras-40) (Doc. No. 487/82).

R P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I. (i/c)
Madras-600 v06.

Date: 25-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 52/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 56/3, No. 42, 1st situated at Main Road, Shenoynagar, Madras-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R.O. Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 318/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. S. Ravaikan Ammal, No. 73 1st Main Road, Shenoynagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Smt. M. Jhansi Rani, W/o A. Mohan Kumar, No. 66, Gajapathi Naidu Street, Amanjikarai, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 56/3, No. 42, Ist Main Road, Shenoynagar, Madras-30, Doc. No. 318/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. M. S. Thowfeek Khan, No. 397, P. H. Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Shri M. Vedamurthy, AH-70, (Plot oN. 3121), Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 53/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Peralkudal village, situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 325/82)

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at Peraikudal village, Anna Nagar, Madras. Doc. No. 325/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref No. 57/July/82 -- Whereas. 1. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4863, S. No. 8/t & 9/pt, Naduvakkarai village, Annanagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR.O Madias North-I, (Doc. No. 2229/82). on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. M. Rajeswari, No. 19, Balu Mudali Street, Madras-86.

(Transferor)

(2) Mr. Bhojraj Chandak, No. 34, Godown Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 4863, S. No. 8/t & 9/pt, Nadurakkarai village, Anna Nagar, Madras. Doc. No. 2229/ 82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 58/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 4864, situated at Naduvakkarai village, Anna Nagar, Madras.

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.O. Madras North-I, (Doc. No. 2230/82) on July, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Shanmugam, No. 88, Gangatheeswarar Koil Street, Purasawikam, Madras-84.

(Transferor)

(2) Smt. Kamaladevi Chandak, No. 763B, Chaturbhujdas Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant Land at Naduvakkarai village, Anna Nagar, Madras. Doc. No. 2230/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Dato: 25-2-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 59/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 1763, situated at Washermanpet, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Madras North-I, (Doc. No. 2316/82). on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Alas Mary, 2. K. A. Berrnadsha alias Raja, 3, Anthony Ammal, 4. A. Erudia, 5 Francies, 6. A. Charles, No. 26, Model Line, 1st Street, Cemetery Road, Washermanpel, Madras-600 021.

  (Transfero)
- (2) Shri A. Nagappa Naicker, No. 43, Rama Naicken Street, Royapuram, Madras-600 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 1763, Washermannet, Madras, Doc. No. 231682).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 28/Aug/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Old No. 1/B, Spur Tank situated at Road, Chepet, Madias-31. (Doc. No. 1137/82).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Periamet, Madras on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Navaratanmal Dugar, No. 24, Poes Gardens, Madras-86.

( Fransferor)

 Mrs. Chandra Dugar, W/o P. M. Gugar,
 Mr. Vijay Dugar,
 S/o P. M. Dugar,
 Old No. 1/B, New No. 9,
 Spur Tank Road,
 Chetpet, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Old No. 1/B, Spur Tank Road, Chetpet, Madras-31. Doc. No. 1137/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006.

Date: 25-2-1983

 Shri Mahalakshmi Swaminathan, 48/82/8, NIT Faridabad Hariyana.

(Transferor)

(2) Sarmarias Finances, 168, Big Street, Madras-5.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 9870.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 647/1, 647/2, 649 situated at and 603, Periakuppam, Trivellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sartivaram (Doc. 1842/82) on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

37-16/GI/83

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 64/1, 2, 649, 603, Pariakuppam. (Doc. 1842/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 3-3-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th February 1983

Ref. No. 9870.—Whereus, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 649, 603, situated at Periakuppam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sartivaram (Doc. 1843/82) on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Thangam Natarajan,
 Damodar Reddy St.,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) Samarias Finances, 168, Big St., Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 649, 603, Periakuppam. (Doc. 1843/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 3-3-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12191.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 237/2, 237/1, 231/3, 230/8, situated at Kodumudi, Erode.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodumudi (Doc. 630, 631/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajangammal, W/o S. N. Padmanabha Chettiar, Station Road, Kodumudi, Erode TK.

(Transferor)

(2) Smt. Lukshmi Ammal W/o Subramanian Chettlar, S. Janakiraman, S. Radhakrishman, K. M. Sauthana Gopalan, S. Jayalakshmi, S. Muthukannan, I Main Road, Gandhinagar Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 231/3, 230/8, 237/1, 2, Kodumudi, Erode (Doc. 630, 631/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 3-3-83

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Medras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12174.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kittampalayam situated at Pollachi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc 1914, 1915, 1916/82).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Ramalingam Chettiar R. Gunasekaran R. Selvaraj T. Kottampatti, Pollachi.

(Transferor)

(2) Minor J. Karsan, J. Lalji and Jettakamji Patel 10A, Srinivasapuram, Uthukuli Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCEDUHLE

Land at Kittampalayam, Pollachi. (Doc. 1914, 1915, 1916/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date : 3-3-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 7th March 1983

Ref. No. 17563.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5, Gopalapuram situated at Hnd St., Madras-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 275/82). on August, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Bai Reddy Thereas Dass, 3. Lal Bahadur St., Pondicherry.

(Transferor)

Joachim Son of A. Joachim,
 Mullah St.,
 Pondy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 5, Gopalapuram II St., Madras-86. (Doc. 275/82).

R. P. PJLLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 7-3-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12183.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS. No. 10/1831, 1832, situated at Sowripalayam, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Colmbatore (Doc. 3174/82) & (Doc. 3173/82) on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Saraswathy, 193E, Cross Cut Road, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S/Shri S. Natarajan & Savithri, 8, Thiruvalluvarnagar, Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 10/1831, 1832, Sowripalayam, Coimbetore. (Doc. 3174/82 & Doc. 3173/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 3-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 4th March 1983

Ref. No. 12186.—Whereas, I, R, P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 56A, 137, situated at Kannankoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 1752/82) in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) Nacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Cacilitating the concealment of any income, or any unoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Angammal, Pushpalakshmi Krishnaveni, C/o Ramaswamy Gr. Karandampalayam, Dharapuram Tk.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Veluswamy, Dharapuram Sugars & Chemicals Ltd., Dharapuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 56A, 137, Kannankoil, Dharapuram. (Doc. 1752/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 4th March 1983

Ref. No. 12186.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 63, situated at Kannankoil, Dharapurm. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 1751/82) in July 1982 for an apparent consideration which less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notive under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely—

(1) Shri Ramaswamy Gr.
Govindaswamy Gr.
Shanmugham
S/o Nachimuthu Gr.
Kaunankoli, Dharapuram Tk.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Veluswamy, Dharapuram Sugars & Chemicals Ltd., Dharapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 61 and 63, Kannankoil. (Doc. 1751/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 4-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 4th March 1983

Ref. No. 12186.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 138, situated at Kannankoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dharapuram (Doc. 1749/82) in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—16GI/83

(1) Shri Govindammal W/o Late Kuppuswamy Gr. Vadugapalayam, Sankarandampalayam, Dharapuram.

(Transferor)

 Shri S. R. Veluswamy, Dharapuram Sugars and Chemicals Ltd. Dharapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 138, Kannankoil. (Doc. 1749/82).

R. P. PJLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-11
Madrus-600 006.

Date: 4-3-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 4th March 1983

Ref. No. 12186.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at S. No. 52B, 53, situated at Kannankoil, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram (Doc. 1750/82) on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 Shri Palaniswamy Gr. S/o Pattathi Gr. Kullapalayam, Kannankoil, Dharapuram,

(Transferor)

(2) Shri S. R. Veluswamy,
Dharapuram Sugars & Chemicals Ltd.
Dharapuram,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### 'THE SCHEDULE

Land at S. No. 52B and 53, Kannankoil, Dharapuram. (Doc. 1750/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION-II MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd March 1983

Ref. No. 12214.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/268, 269 situated at Big Bazars St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3329/82) on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

cilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri N. K. Mahadeva Iyer
 Bashyakaralu Road, RS Purans, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Ammal
C. P. Mani,
P. Viswanathan,
P. Krishnamurthy
C/o K. B. Pattabirama Chettlar
Keruppagounder St., Coimabatore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 22/268, 269, Big Bazars St., Coimbatore, (Doc. 3329/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 9th March 1983

Ref. No. 41 and 42/July/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 4466, Mullam, Anna Nagar, Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. 446/82). on July, 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Selvam Dharmaraj, 1/114, Meignanapuram, Tiruchendur Tk.

(Transferor)

 Shri Manoah Rajasekaran & Percis Malathy Rajasekar, E-12, Gemini Parsn Flats,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 4466, Mullam, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. 446/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 9-3-1983

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 28th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/33/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 210, 2nd floor, Maniar Appartments, Plot No. 57 & 58 S. No. 4, 5, 6, 7-village Navghar, Vasai, Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269-AB of the Officer at I.A.C. Acquisition Range-Pune on 15-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Kohinoor Construction Co., Maniar Appartments, Plot No. 57 & 58
 No. 4, 5, 6, & 7, Village-Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thanc.

(Transferor)

(2) Dr. K. B. Melanta, Flat No. 508, Section II, C.G.S. Quarters, Sion Koliwada, Bombay-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 210, 2nd floor, Maniar appartments, Plot not 57 & 58 S. No. 4, 5, 6, 7-village-Navghar, Tal. Vasai, Dist.

(Area—575 sq. ft.) (as described in the sale agreement executed on 28-9-82 which is registered in this office under R. No. 295 dated 15-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 28-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 2nd March 1983

Ref. No. CA-5/37EE/38/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 304, Wing-B, 3rd floor, Plot No. 9 Bhairoba Nalla, Fatima Nagar, Pune-13 situated at Pune-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range Pune on 22-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) M/s Manish Corporation, 24, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-400 023. (Transferor)
- Dr. Salfuddin Hamjabhai
   C/o M/s Mohemmedali Hasandali, Bazar Peth,
   PO Box 7 Pukener-Dist. Jalgaon.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304, Wing-B, 3rd floor, Plot No. 9 S. No. 17-A/1 Bhairobya Nalla, Fatimanagar, Pune solapur Road, Pune-411 013.

(Area—1030 sq. ft.) (as described in the sale deed executed on 25/82 which is registered in this office on 22nd Sept. 82 under No. 63.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 2-3-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Rekha Neelkhan Parwardhan, Shri Achyut Shankar Dhamle, Vishrambag, Sangli.

(Transferor)

(2) Smt. Sunanda Bhagwanrao Yadhav, 51, Shaniwar peth, Satara, Dist. Satara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th February 1983

Ref. No. CA-5/799/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Plot No. 30, S. No. 362/1, situated at Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Miraj on 12-7-82

S.R. Miraj on 12-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Plot No. 30, Survey No. 362/1, Sangli Municipal area, Sangli. Area—6290 sq. ft.) (as described in the sale deed registered with Sub-Registrar, Miraj under document No. 1536 dated 12th July, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 2-3-83

' Seal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1983

Ref. No. CA5/37EE/27/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. Shop No. 2, Kamala Chambers, 687,

Budharwar Peth situated at Punc-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registrating Officer at IAC Acquisition Range, Pune on 21-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Vishwamitra & Rathi, 103, Suyesh Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) M/s Rathi Estates Pvt. Ltd., 766/2, P.Y.C. Gymkhana Lane, Pune-411 004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, In Kamala Chambers, on ground floor, 687, Budhawar Peth, Pune 411 002. Area 205 sq. ft.

(Property as described in the agreement deed executed on 7-9-82 which is registered under No. 76 in this office on 21-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-2-83

Seal

(1) 1. Shri Maruti Sonu Asawale, 2. Shri Khandu Maruti Asawale 3. Shri Ramrao FORM I.T.N.S. Maruthi Asawale 4. Shri Baku Maruthi Aswale

All are staying at Mouje Takave, Tal. Mavel, Dist. Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÒF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri S. H. Bafna, Vadgaon, Maval, Dist. Pune. 2. Shri A. H. Bafna, Vadgaon, Maval, Dist. Pune.
3. Shri R. H. Bafna, Vadgaon, Maval, Dist. Pune.
4. Shri P. D. Rane, Vadgaon, Maval, Dist. Pune.
5. Shri S. H. Lalwani, Lonavala, Pune.

6. Shri A. L. Lalwani, Lonavala, Pune.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th March 1983

Ref. No. CA/5/803/SR.Maval/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Mouje Takave Bk, Gat No. 412 Tal. Mayal, Dist. Pune situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval in July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as exceed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Mouje Takave Bk. Agril. Gat No. 412 Tal. Mayal, Dist.

(Area -4 acres) (as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval, under document No. 1046 dated July, 82.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-uax Acquisition Range, Pune

Date: 7-3-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—16GI/83

#### FORM I.T.N.S.-

 M/s Vishwamitra & Rathi 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s S. M. Beheray and sons, 25, Vishamitra Colony, Law College Road, Pune-411 004.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT MOCCISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, PUNE

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Pune, the 17th February 1983

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

In that Chapter,

Ref. No. CA-5/37EE/28/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 1, Kamala Chambers, ground floor situated at 687, Budhawar Peth Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range Pune on 21-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, in Karnala chambers, on ground floor, North side, facing the Road, 687, Budhawar Peth, Pune-411 002.

Area 195 sq. ft. (Property as described in the agreement deed executed on 7-9-82 which is registered under No. 78 in this office on 21-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Date: 17-2-83

#### FORM I.T.N.S.—

 M/s Vishwamitra & Rathi 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

7275

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Renu Ramchand Sharma and Mr. Ramchand Giridharlal Sharma, 4/G Shaknam Building, 4th Road, Sion (East) Bombay-400 022.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1983

Ref. No. CA-5/37EE/26/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 508 of Gulmohar 2420 General Thimayya Road, Pune, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range Pune on 13-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Pune-1, (Property as described in the agreement deed execu-Flat No. 508 of Gulmohar 2420 General Thimayya Road, Pune-1 area 1000 sq. ft. (Property as described in the agreement deed executed on 19-9-82 which is registered under No. 268 in this office on 13-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 17-2-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Vishwamitra and Rathi, 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashi Peth, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Bhagwandas Kamdar, 75, Navi Peth, Schenderkar Bldg., Ganjawe Chowk, Pune-411 030.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1983

Ref. No. CA5/37EE/24/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 9B on 3rd floor, South side of Ambar Chambers, C.T.S. No. 28 Budhawar Peth situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registerion Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune on 12-10-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 9B on 3rd floor south side of Ambar Chambers, C.T. S. No. 28, Budhawar Peth, Punc-2. Area 446 sq. ft.

(Property as described in the agreement deed executed on 23-9-82 which is registered under No. 262 in this office on 12-10-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 17-2-83

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s Manish Corporation, 24, Veer Nariman Road, Fort, Bombay-400 023. (Transferor)
- (2) Dr. Rajesh R. Pardesi, 22, Wanowari Bazar, Pune-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st March 1983

Ref. No. CA5/37EE/36/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Wing-A—Flat No. 106, 1st floor, Plot No. 9 S. No. 17-A/1, Bhairovba Nalla, Fatima Nagar, situated at Pune Solapur Road, Pune-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acquisition Range, Pune on 22-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bearing No. 106-Wing A on the 1st floor of the building Plot No. 9, Survey No. 17-A/1 (Area—695 sq. ft. Bhairovba Nalla, Fatima Nagar, Pune Solapur Road, Pune-411 013. (as described in the sale agreement executed on 12th July, 82 which is registered in this office under registration No. 83 on 22nd Sep. 82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

subowing Date: 1-3-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1983

Ref. No. CA5/37EE/23/82-83,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11B, 4th floor, South Side of Amber Chambers situated at CTS 28 Budha war Peth Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune on 12-10-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Vishwamitra & Rathi, 103, Suyash Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Punc-411 030.

(2) Shri Arvind Motichand Shah, 24/12 Shivajinagar, Rashmi Raj Bungalow, Pune-2.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

No. 11B on 4th Floor, South side of Amber Chambers CTS No. 28, Budhawar Peth, Pune-2.

Area—446 sq. ft. (property as described in the agreement deed executed on 23-9-82 which is registered under No. 263 in this office on 12-10-82).

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 17-2-83

#### FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1983

Ref. No. CHD/84/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Tulsi Dass Sahni S/o Sh. Tara Chand through his attorney Sh. Satish Kumar Khanna S/o Hari Parkash R/o VPO Mohna, Distt. Kurukshetra, (Transferor)

(2) Shri Madan Lal S/o Sh, Lal Chand R/o House No. 155, Sec. 27A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8, Sector 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 505 of July 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-3-83

Scal:

FORM ITNS ---

 Maj. General Daljit Singh S/o Dr. Naranjan Singh, HQ Northern Command C/o 56 APO. (Transferor)

(2) Mrs. Kiran Mohini Kumar Wd/o

n, (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 10th March 1983

Ref. No. CHD/105/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 142, situated at Sector 35A Chandigarh

No. Plot No. 142, situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

C may the said property d:--

ithin a period of on of this notice of 30 days from spective persons

the said immovthe date of the fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 142, Sector 35A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 592 of July, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-3-83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA '

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 5th March 1983

Ref. No. CHD/93/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1699

situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-40-16GI/83

(1) Fl. Lt. Bawa Gopal Singh (Retd) S/o Bawa Sher Singh R/o Vaniaka Street, Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Narinder Kaur W/o S. Gurmit Singh, R/o House No. 1142, Sector 34C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as Commissioner of Income-tax are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1699, Sec. 33D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 554 of July, 82 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 5-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Surinder Kumar S/o Sh. Chhajju Ram R/o B. 2.769, New Grain Market, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Darshan Lal S/o Shri Beli Ram R/o SCF, 23, Sector 19, Chandigarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th March 1983

Ref. No. CHD/78/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3120, situated at Sector 22D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Rogistering Officer at Chandigarh in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

chandigarn in July 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3120, Sec. 20D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 445 of July, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-3-83

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th March 1983

Ref. No. CHD/92/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. House No. 319, Sector 20-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in July 82 Chandigarh in July 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Barjinder Kaul S/o Shri Kanshi Nath Kaul R/o H. No. 689, Sector 7-D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Dharam Chand Dhirani S/o Dial Chand and Smt. Raj Kumari W/o Shri Dharam Chand Dhirani R/o House No. 319, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 319, situated in Sector 20-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered deed No. 530 of July, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-3-83

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Tarlochan Singh attorney of S. Pritpal Singh, R/o House No. 1166, Phase-V, Mohali, Distt. Ropar.

(Transferor)

(2) Shri G. R. Sharma S/o Shankar Dass Sharma, House No. 29, Phase-II, Mohali, Distt. Ropar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th March 1983

Ref. No. KHR/11/82-83.—Whereas, I, SNKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property boying a fair market value avgreding Ref. 25 000/s property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Kothi No. 29 situated at Phase-II, Mohali (Distt, Ropar)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in July, 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No. 29, Phase-II Mohali.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 2483 of July, 1982 of the Registering Authority, Kharar).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Satva Parkash Ahuja S/o Arjun Dass Ahuja through aftorney Mrs. Surinder Kaur W/o Jagjit Singh, R/o House No. 97, Sec. 16A, Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh S/o S. Naranjan Singh, R/o House No. 97, Sector 16A, Chadigarh.

(Transforee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHJANA

Ludhiana, the 5th March 1983

Ref. No. CHD/106/82-83.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 1116 situated at Sector 36C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1116, Sec. 36C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 593 of July, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 5-3-1983

(1) M/S Chabria Engineering Company 2A, Rakhal Mukherjec Road, Calcutta.

(Transferor)

 New Amrapali Housing Co-Operative Society Ltd., 10/2, D. H. Road, Calcutta-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th March 1983

Ref. No. AC-91/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 10/1, 10/B and 10/2, D.H. Rd., situated at P. S. Alipur, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an R. A. Cal., on 8-7-82.

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 15k,och. 41 sft. at 10/1, 10/B and 10/2 D. H. Road, P. S. Alipur, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 5984 of July, 82 of R. A. Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-83

(1) M/s Bhowmik Engg. Co. Ptv. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Senate Engineering Industries.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1983

Ref. No. 1232/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 71-A & 71-B situated at Tollygunge Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-7-1982 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 17K 2Ch 37 sft. with building being premises No. 71A & 71B, Tollygunge Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Mov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1983

(1) Sailendra Nath Mitter.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Archana Biswas.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1983

Ref. No. 1233/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13 situated at Ekdalia Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 7-7-1982 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided half part or share in premises No. 13, Ekdalia Place having an area of 4K 6Ch 21½ sq. ft, of land with building.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1983

(1) Shri Sailendra Nath Mitter.

(Transferor)

(2) Shri Gautam Biswas Shri Ujjal Biswas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st February 1983

Ref. No. 1234/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Ekdalia Place Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-7-1982 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- ATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided half part or share in premises No. 13, Ekdalia Place, having an area of 4K 6Ch 211/2 sft. of land with building.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 21-2-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41.\_(1631/83

(1) Sri Himangshu Krishna Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Monoranjan Bose.2. Smt. Ira Bose.3. Smt. Anita Bose.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1983

Ref. No. 1235/Acq.R-1Π/82-83.---Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2A situated at Khash Mobal Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-7-1982 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rully stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 6K 13 Ch 8 sft. with building being premises No. 2A, Khash Mohal Street, Cal.

M. AHMAD

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III. Calcutts
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

(1) Sree Nursingsahay Mudun Gopal (Engineering) Pvt. Ltd.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sohan Devi Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1983

Ref. No. 1236/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has ont been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Shop No. 7 on fourth floor being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

ibng Date: 1-3-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sree Nursingsahay Mudum Gopal (Engineering)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Avtar Kaur,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1983

Ref. No. 1237/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

55 (ground floor) situated at Ezra Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 3-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that apartment No. 16 nn ground floor being premises No. 55, Ezia Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kldwai Road, Calcutta-700 016

Date: 1-3-83

 Sree Nursingsahay Mudum Gopal (Engineering) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajinder Kaur, Smt. Jatinder Kaur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1983

Ref. No. 1238/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

55 (ground floor) situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that apartment No. 31 on ground floor being premises 'No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-3-83

(1) Sri Sudhir Kumar Dey.

(Transferor)

(2) Sri Sudhanshu Sekhar Dey. Sri Subhas Chandra Dey.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th March 1983

Ref. No. 1239/Acq.R-JII/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 13 situated at

Bankim Chatterjec Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of premises—partly two and partly three storeyed building and of land 6K 6Ch 37 sft.—situated at 13 Bankim Chatterjee Street, Calcutta.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1983

(1) Smt. Pratima Dey. Smt. Madhuri Roy. Smt. Rekha Mitra.

(Transferor)

(2) Sri Himangsu Sekhar Dey. Sri Parcsh Chandra Dey.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th March 1983

Ref. No. 1240/Acq./R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 13 siutated at Bankim Chatterjee Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share of premises—Partly two and partly three storeyed building and of land 6K 9Ch 37 sft.—situated at 13, Bankim Chatterjee Street, Calcutta.

M. AHMAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1983

(1) Sri Deiptish Chandra Roy.

(Transferor)

(2) Sanchayan Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th March 1983

Ref. Mo. 1241/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1A situated at

Prince Golam Mohammad Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5K 0Ch. 30 sft, being situated and lying at 1A, Prince Golam Mohammad Road, Calcutte.

> M. AHMAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 7-3-1983

(1) Sree Nursingsahay Mudun Gopal (Engg.) Private Limited,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1983

Ref. No. 1242/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I. M. AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registraion Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason t believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s. Ashoka Industrial Ampoules Mfg. Co.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCEDUHLE

All that flat on 5th floor being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta, registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 5703 dated 1-7-1982.

M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—42—16GI/83

Date: 4-3-1983

(1) Sree Nursingsahay Mudun Gopal (Engg.) Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ashoka Mfg. Co. & Agencies.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th March 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1243/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

55(5th floor) situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-7-1982

caretita on 1-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

All that flat on 5th floor being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta, registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 5703 dated 1-7-1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 4-3-1983

(1) Subarban Land & Building Society (P) Ltd. (Transferor)

(2) Smt. Sibani Majumder.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1983

Ref. No. 1244/Acq R-III/82-83/Cal —Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

And bearing No.

Mouza-Naktala, P.S. Jadavpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion, of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said #mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K 8Ch with building, situate and lying at Mouza-Naktala, P.S. Jadav-pur.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 9-3-1983

(1) Smt. Bina Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prativa Sundari Dutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 1245/Acq.R-III/82-83/Cal.-Whereas, I,

M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

49 situated at Mahanirvan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 1K 6Ch with building being premises No. 49 Mahanirvan Road, Cal-

THE SCHEDULE

cutta.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 9-3-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sri Nim Chand Kandoi Sri Satya Narayan Poddar Smt. Suraj Mukhi Mundhra Sri Vinod Kumar Kandoi

(Transferor)

(2) Sri Nandlal Tantia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, AQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1983

Ref. No. 1246/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, AHMAD

Ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard bearing No.

2 situated at Satyen Dutta Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the ground floor in the Block of South-East Corner—Premises No. 12, Satyen Dutta Road, Calcutta,

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 9-3-1983

- (1) Sree Nursingsahay Mudun Gopal (Eng.) Pvt. Limited.
  - (Transferor)
- (2) Master Ankur Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1983

Ref. No. 1247/Acq.R-III/82-83/Cal.-Whereas, I. M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

55 (Shop No. 18) situated at Ezra Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 18 on the ground floor being premises No. 55. Ezra Street, Calcutta.

THE SCHEDULE

M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-3-1983

- (1) Sree Nursingsahay Mudun & Gopal (Eng.) Pvt. Limited.
  - (Transferor)
- (2) M/s. Bells Electrical Corporation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1983

Ref. No. 1248/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Shop No. 9 on ground floor situated at
55, Ezra Street, Calcutta
(and move fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 3-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9 on ground floor being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-3-1983

- (1) Mrs. Rashidah Ishaque.
- (Transferør)
- (2) Surendra Kumar Gupta as Karta of H.U.F.

(Transferce)

(3) Shri Peshawarilal Oberoi & Kailash Chand Jairath.

(Person in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1983

Rfe. No. TR-215/82-83/Sl.729/IAC/Acq.R-I/Cal.-

Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6 situated at Hospital Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registralon Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 24-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three storied brick built building on land measuring 7K, 12Ch 39sft, at premises No. 6, Hospital Street, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Decd No. 6410 dated 24-7-82.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta J 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 11-3-1983

(1) Santi Dutta & Ors,

(Transferor)

(2) Md. Ismail & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcuita, the 11th March 1983

Ref. No. TR-214/82-83/SI.728/JAC/Acq.R-J/Cal.—

Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and beating No. 24/1/1 situated at Ripon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-7-1982

Calcutta on 10-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

43-16GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(3) M/s. Fiber Glass Moulding Corporation.
(Person in occupation)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Partly one and partly two storied brick built building at premises No. 24/1/1, Ripon Street, Calcutta with land measuring 11K 3 Ch more or less registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 6028 dated 10-7-1982.

M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 11-3-1983

Şeai ;

(1) Mrs. Nahida Hyder.

(Transferor)

(2) Akhter Ahmed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) O. P. Bhatia & Ore.

(Person in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 19th March 1983

Ref. No. TR-147/82-83/Sl.727/IAC/Acq.R-I/Cal.-Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Acre Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of S.R.A., Calcutta on 8-7-1982

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building at premises No. 6, Acre Road, Calcutta with land measuring 14 chittacks registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 5981 dated 8-7-1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 19-3-1983

(1) Faruk Hyder.

(Transferor)

(2) Akhter Ahmed.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) O. P. Bhatia & Ors.

(Person in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 19th March 1983

Ref. No. TR-146/82-83/Sl.726/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Acre Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 8-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building at premises No. 6, Acre Road, Calcutta, with land measuring 2K 7Ch 9sft, registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 5980 dated 8-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1983

(1) Farhat Alam. (2) Akhter Ahmed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) O. P. Bhatia & Ors.

(Transferee)

(Person in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-

Calcutta, the 19th March 1983

Ref. No. TR-145/82-83/Sl.725/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Acre Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 8-7-1982 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (110f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building at premises No. 6, Acre Road, Calcutta, with land measuring 1K 3Ch 27sft. registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 5979 dated 8-7-1982.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1983

(1) Rafath Haq.

(Transferor)

(2) Akhter Ahmed.

(Transferee)

(3) O. P. Bhatia & Ors.

(Person in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1983

Ref. No. TR-144/82-83/Sl,724/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Acre Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 8-7-1982

S.R.A., Calcula on 8-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building at premises No. 6, Acre Road, Calcutta, with land measuring 1K 3 Ch 27sft. registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 5978 dated 8-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwal Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1989

(1) Rahat Rahaman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Akhter Ahmed.

(Transferce)

(3) O. P. Bhatia & Ors.

(Persons in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER, OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1983

Ref. No. TR-143/82-83/\$1.723/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
6 situated at Acre Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R.A., Calcutta on 8-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building at premises No. 6, Acre Road, Calcutta, with land measuring 1K 3Ch 27sft. registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 5977 dated 8-7-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 9-3-1983

(1) Sawalram Choudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shreepati Apartments Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFIFCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

Calcutta, the 19th March 1983

CALCUTTA

Ref. No. TR-150/82-83/Sl.722/IAC/Acq.R-I/Cal,—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 48B situated at Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 30-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in the land measuring 3K 13Ch 35sft. at 48B, Dr. Sundarl Mohan Avenue, Calcutta, together with brick built structure registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 6563 dated 30-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1983

(1) Sri Suhas Ranjan Ghosh. Sri Mihir Ranjan Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kothuru Bhaskar Rao.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1249/Acq, R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD Ref. No. 1249/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at Mouza Khanpur, P.S. Tollygunge (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5K 3Ch situated at Mouza- Khanpur, P.S. Tollygunge.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. AHRAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Čalcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Appeal Roy Chowdhury.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Dutta,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1250/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/15 situated at Monoharpukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—16GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that plece or parcel of land measuring 2K 9Ch 19sft. being premises No. 22/15, Monoharpukur Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 11-3-1983

#### FORM ITNS----

- (1) Atindra Private Ltd.(2) Elgi Equipments Ltd.
- (Transferor)
- (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1251/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-B, situated at Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 6K 10Ch 21sft. with building being premises No. 14-B, Rajendra Nath Mukherjee Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date : 11-3-1983

Seal

(1) Smt. Tapashi Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Bina Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1252/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs; 25,000/- and bearing No. 21/6B, situated at Gariahat Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta an 28-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land measuring 14Ch 41 sft. with building being premises No. 21/6B, Gariahat Road, Calcutta (½ share).

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 11-3-1983.

(1) Indian Industrial Traders & Dealers Ltd.(2) SNP Investment & Trading Co. Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

#### Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1253/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18A situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of premises No. 18A, Gurusaday Road, Calcutta, land measuring 654.8 sq. metres together with building measuring 34.7 sq. metres (approx.).

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1983.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### FORM ITNS-----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTIA

#### Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1254/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-A, situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices at Calcutta on 30-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Indian Industrial Traders & Dealers Ltd
- (Transferor)
  (2) Vasadatta Investment & Trading Co. Ltd.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of premises No. 18-A Gurusaday Road, Calcutta, land measuring 531.5 sq. metres together with building and structures.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 11-3-1983.

(1) Indian Industrial Traders & Dealers Ltd.
(Transferor)

(2) I. T. Investment & Trading Co. Ltd.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

#### Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1255/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-A situated at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Calcutta on 21-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of premises No. 18-A, Gurusaday Road, Calcutta land measuring 657.8 sq. metres together with building and sheds.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Act, 1957 (27 of 1957);
Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1983.

eal:

(1) Smt. Gopa Dutta.

(Transferor)

(2) Sri Khagendra Ch. Roy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th March 1983

Ref. No. 1256/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Mouza-Roynagar, I.S. Jadavpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made, in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 7K 11 Ch with structure situated at Mouza Roynagar, P.S. Jadavpur, Distt. 24-Parganas.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1983.

FORM ITNS----

(1) Sri P. S. Krishna Reddy, S/o Subba Reddy, Peddakapu Street, Tlrupathi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Kishore, Peddakapu Street, Tirupathi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th March 1983

Ref. No. RAC 688/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

S. No. 12/1 situated at Tirupathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfereo for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property interms of Chapter XXA of the Income-tax act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acres situated at Tirupathi registered by the S.R.O., Tirupathi vide document No. 3501/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref No. RAC 689/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—45—16GI/83

 M/s Dhananjeya Hotels (P) Ltd. 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. K. Nookaraju S/o K. P. Raju, 61, Sabastian Road, Opp. Peraj Agencies, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 'G' Second floor at 5-9-12 Saifabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5258/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 690/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office Premises 5-9-12 situated at Saifabad Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad

on July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Dhananjaya Hotels (P) Ltd., 5-9-12 Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sii V. Bala Rama Raju & others, D. No. 24/13/4 Sreeramapuram, Bhimavaram, W.G. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office premises No. D ground floor at 5-9-12 Saifabad, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5186/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 691/82-83...-Whoreas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad
(and more fully described in the Shedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Dhananjeya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Kanaka Raju & Others, F. No. "B" Ground floor, Saifabad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. "B" in Saifabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5183/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 692/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Dhananjeya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. R. Suguna Reddy, w/o R. Sudarshan Reddy, Flat No. A, 5th floor, Saifabad, Hyderabad.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. "A" 5th Floor, Saifabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5183/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 693/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-9-12 situated at Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesuld property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Dhanenjeya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Salfabad, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Smt. M. Sucheritha Reddy, Plot No. 24, Andhra
Bank Colony, Dilsuknagar, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5th floor, in 5-9-12, Saifabad, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5184/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### M/s. Dhanonjeya Hotels (P) Ltd., 5-9-12, Saifabad, Hyderabad,

(2) Sri K. Ramalinga Raju & Others, Flat No. C, Ground Floor, Salfabad, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 694/82-83.---Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sidd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-12 situated Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consinedation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in ground Floor 'C', in 5-9-12, Saifabad Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5017/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 695/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-953/4 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Haji Gafoor, S/o Haji Shakoor, 22-7-516, Purana Haveli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajul M. Shah w/o Mahender B. Shah, 5-8-517/A, If 6, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mulgi No. 4-1,953/4, Abid Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No 5327/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 696/82-83.--Whereas, J. M. JEGAN-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1105 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said xAct or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
- (2) Sri Syed Waliuddin Javeed, 3-6-67/68, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1105 in the 11th floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1020 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 5413/82.

M, JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 697/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 801 situated at Mogul's Court, Deccan Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—16GI/83

- (1) M/s Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
- (2) M/s Ampro Food Products, 15-4-188, Osmanshahi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office space No. 801 in the 8th floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1518 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 5415/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 698//82-83.—Whereas, I, M. JEGAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203 situated at Mogul's Court, Deccan Towers Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unduer the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Hyderabad Builders, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.
- (2) Master Shiva Mohan Reddy, H. No. 3-5-886/1, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office space No. 203 in the 2nd floor of 'MOGUL'S COURT' of Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 1508 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 5414/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date:7-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s Hyderabad Builders, 5-9-60. Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babu-khan s/o late A. K. Babukhan, Nishat Manzil, 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad.

(Transferor) (2) Smt. G. Venkata Laxmi, 3-6-69/B/25, Hyderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 7th March 1983

Ref. No. RAC 699/82-83.— Whereas, I, M. JEGAN-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 6 situated at Mogul's Court, Deccan Towers,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as 'agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

# THE SCHEDULE

Deccan Towers complex in the premises No. 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad with a built up super plinth area of 248 sft. registered with the S.R.O., Hyderabad vide Doc. No. 5100/82. Office space No. 6 in the floor of 'MOGUL'S COURT' of

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-3-1983.

Scal:

(1) Sr iN .K. Sethi & Ranisethi, 1, Ashoka Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Praveengupta and 3 Others, 5-4-55, Nampally, Station Road, Hyderabad. (Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th March 1983

Ref. No. RAC 700/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land at S. No. 330 at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 5410/82,

M. JAGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Gurbaabadi. Nizamabad.

(1) Sri Mohd. Fayazuddin & others,

(Transferor)

(2) M/s Sri Laxmi Co-operative Housing Society, Gurbaabidi Road, Nizamabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 701/82-83,-Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on July 1982.

Nizamabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were residence on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

# THE SCHEDULE

Land at Burbaabidi Nizamabad Survey No. 3228, 3235, 3234, 3235, 3235/E total area 14,157 sq. yards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4576, 4527, 4578, 4579 and 4580/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 702/82-83.—Whereas., I. M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-4 situated at Hyderabad

No. 2-2-4 situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeward exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. V. Manmohan Reddy, 2-2-4/1 University Road, Adikmet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Institute of Human Study-Service Trust, 2-2-4/1 University Road, Adikmet Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property maye be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 2-2-4 University Road Adikmet Hyderabad, area 3650 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5062/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

Scal:

(1.) Shri K. Datta Traya S/o K Manayya Sadasivapet and 10 others Medak dt

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Priyadarshini Spinning Mills Ltd. Plot No. 38 Srinagar colony Hyderabad 873. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC/703/82-83.—Whereas, I M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Sadasivpet Medak Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Medak on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 34.04 Ac in Survey Nos. 723, 724,725 situated at Sadasivpet Medak Dt registered with Sub-Registrar Medak vide Doc. No. 631/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqquqisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

#### FORM ITNS ----

(1) Smt Nurbada Bai & other 4-1-10 Tilak Road Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s Khurana Associates Rep. By Sri Brahm Dev Khurana 15-1-555 Siddiamber Bazar Hyderabad-12

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 704/82-83.—Whereas, I M. JEGANMOHAN

bearing the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rs. 23,000/-and bearing INO.
4-3-393/1 situated at Bank St Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 82

Hyderabad on July 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforseaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor No. 4-3-393/1 at Bank Street Hyderabad area 4,800 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5111/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Onte: 9-3-1983

-al :

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 705/82-83.—Whereas, J M. JEGANMOHAN

m. JECIANMOHAN
being the Competent Authority under Section 269D of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-and bearing No.
12-13-375 situated at Taranaka Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforseaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—
47—16GI/83

(1) M/s Badam Apartments 6-3-905/A Panjagutta Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Smita Mathur 12-13-975 Taranaka Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properry may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at Badam Apprenents area 900 s.ft. Flat No. 4 1st floor registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5506/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

Ceal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Sri E. Bhopal Reddy S/o Ramachander Reddy 49/2RT M. C. H. No. 19-2-369/45 Chandulal Baradari Hydrabad

(Transferor)

(2) M.A. Waheed S/o M. A. Razzaq 21-3-262 Moosabowli, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 706 82-83.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN
bearing the Competent Authority under Section 269D of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
19-2-369/45 situated at Chandulal Baradari, Hyd.
situated at Rana Pratap Ward, Murwara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Doodbowli on July 82
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforseaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been record-by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269B of the 'said Act' to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

House No. 49/2RT MCH No. 19-2-369/45 Chandulal Baraduri Hyderabad registered with Sub-Registrar Doodbowli, vide Doc. No. 1084/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

Scal:

(1) Mahaboobunnisa Begum W/o Quyum Saidabad Hyderabad.

(Transferor)

 Asgarunnisa Begum W/o Nasecruddin Ahmed. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No RAC 707/82-83.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN
bearing the Competent Authority under Section 269D of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-and bearing No.
8-2-541/3 situated at Banjara Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on July 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforseaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been record-by me.

Now, therefore, in pulsuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-2-541/3 in Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4067/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

, ...] :

 Smt. Janaki Bai W/o P. Jagannath Reddy 8-1-366 Toli Chowki Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s Prabhu Industries Toli Chowki Hyderabad. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 9th March 1983

Ref. No. RAC 708/82-83.—Whereas, I
M. JEGANMOHAN
bearing the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/-and bearing No.
8-1-366 situated at Tolichowki Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on July 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforseaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 8-1-366 Tolichowki Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc No. 5069/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-3-1983

. Scal:

#### FORM ITNS-----

NOTIC/ UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.) the 10th March 1983

Ref. No. RAC 709/82-83.---Whereas, 1 M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Janakampet Bodhan Taluk (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizomabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and.∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initisting proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the exquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati K. Vasudadevi W/o Sudhakar Reddy Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Chilakamallaiah & 11 others. S/o Mutaiah Khaleelwadi Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetle.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Janakampet (Sarangpet) Bodhan road extent 8.01 Aces with survey Nos. 480/A 480 B, 482/2/B, 482/3/B, 482/4/B registered with Sub-registrar Nizamabad vide Doc. No. 4032/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Prote : 10-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th February 1983

Ref No. P. R. No. 2321Acq23/1/82-83.—Whereas I R. R.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 353 Ward 12-b, Gandhidham situated at Gandhidham, Dist: Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Gandhidham on 31-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Kunverji Naran Patel, Sukhpur Tal: Bhuj.
 Smt. Devibhai Kanji Patel,

Mirzapur, Tal, Bhuj. 3. Shri Ramji Ravji Patel, Samatra, Tal: Bhuj

(Transferor)

(2) Alpesh Family Trust, 39, Hindmata Cloth Market, Below Shantidut Hotal, Dadar, Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property being bldg. consisting of ground floor and 1st floor, situated on lease-hold land at plot 533, Ward 12-b, Gandhidham and registered vide sale-deed R. No. 67 dated the 31st July 1982 by S.R. Gandhidham.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 15/2-1983. Scal:

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 15th February 1983 Ref. No. P.R. No. 2322Acq23/1/82-83.—Whreas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

33, Janta Society, New Jagnath Plot situated at near Estrone Cinema, Rajkot.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 13-7-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192?) or the said Act; or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Himatlal Jesangbhai Arya, 33, Janta Society, Near Estrone Cinema, New Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) I. Shri Natwarlal Devchandbhai Popat, 2. Smt. Bhagwati Natwarlal Popat,

3. Ashish Hindu Society, Sion Duncan Cosway, Bombay-22.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 4881 di. the 13-7 82 by S. R. Rajkot.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I. Ahmedabad

Date: 15-2-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Anilkumar Chhaganbhai Desai. Swastik Society, Navrangpura, Near S. P. Stadium, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mamta Narottam, Madhu Malti Bunglow, Near Gujarat High Court, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref No. P.R. No. 2323Acq23/1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 832 paiki Hissa No. 1 & 2 Enstern & Western situated at Vejalpur, Dist: Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on July 82

Ahmedabad on July 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrume of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 6469 sq. yd.—Situated at Vejalpur, Dist. A'bad. duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed No. 9825 & 9861/July 82

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 21-2-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

Ahemadabad-380009, the 21 February 1983

Rcf No. P. R. No. 2324Acq23/I/82-83.—Whereas, I R.R. SHAH

R.R. SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the "said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
F. P. No. 487, S.P. No. 8, PP No. 13 Paiki TPS 21
situated at Ambawadi, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Abad. on July, 82

Abad, on July, 82

Abad, on July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—48—16GI/83

- (1) 1. Shri Girishbhai Lalbhai Multani,
   2. Shri Hasmukhlal Lalbhai Multani
   3. Shri Arunlalbhai Lalbhai Multani
  - 4. Shri Shirish Lalbhai Multani

throught P. A. H. Shri Budhalal Lalbhai Multani, 3, Prabhat Socy. Post: Anandnagar, Palid, Ahmedabad.

 Shri Budhalal Multain
 Prabhat Socy. Post. Anandnagar, Paldi, Alimedabad-389997.

(Transferor)

(2) Champa ratna vikas Mandal, through Shri Rashmikant Kantilal Vakta, C/o Nawa Darwaja Road, Khadia Charrasta Ahmedbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 472.50 sq. yd. paiki (1/5th share of each transferor) situated at T.P.S. 21, Ambawadi, duly registered by S. R. A'Bad, vide sale-deed Nos. 10174, 10174, 10175, 10177, 10172, 10177/July, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 21-2-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ASSISTANT COMMIS OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, I

. D FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2325 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51 & 54 situated at Opp. Naroda Rly. Station,

Kotarpura, Abad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad, on 8-7-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

· (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Decesed Mankben Jamnabhai through Executors.

1. Shri Chandrakant. C. Gandhi,

2. Prabhat Society, Post Anandnagar, Paldi, Ahmedabad.

Shri Chandrakant Bakubhai, (Darshan' near Parimal Rly. Crossing, Post Auandnagar, Paldi, Ahmedabad.

3. Shri Vimalsha Bababhai,

31, New Brahamxtriya Society, Pritamnagar, Paldi, Ahmedabad,

(2) New Rutanpark Co.op. Housing Society Chairman: Shri Sankalchand Bechardas Patel, C/o Nobles Construction Co.. struction Co., 4th Floor, Nobles Bldg., Ashram Road, Opp: Nehru Bridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yd. paiki situated at Kotarpur Dist. A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed R. No. 1015/8-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad,

Date: 21-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P. R. 3226 Acq. 23/1/-82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51 & 54 situated at Opp Naroda Rly. Station, Kotarpur, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad. on 8 7-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Deceased Manekben Jamnabhai through Executors.
  - 1. Shri Chandrakant, C. Gandhi,
  - 2. Prabhat Society, Post Anandnagar, Paldi, Ahmedabad.
  - Shri Chandra Kant Bakubhai 'Darshan' Near Parimal Rly. Crossing, Post. Anandnagar. Paldi, Ahmedadabd.
  - 3. Shri Vimalsha Bababhai,
    31, New Brahamxtriya Society, Pritamnagar,
    Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Madhurika Co.op. H. Society, Chairman, Shri Narendra Ratilal Patel, C/o Nobles Construction Co., 4th Floor, Nobles Bldg. Ashram Road, Opp: Nehru Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 18876 sq.yd. Paiki—situated at Kotarpur, Dist: Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale-deed R. No. 10153/8-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I

IND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2327 Acq-2'/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51 & 54 situated at Opp Neroda Rly. Station, Kotar-pur A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 8-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion, of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Deceased Manekban Jamnabhai through Executors.

1. Shri Chandraknt, C Gandhi, 2, Prabhat Society, Post Anandnager, Paldi Ahmedabad.

Shri Chandrakant, Bakubhai Darshan' near Parimal Rly Crossing Post Anandnager, Paidi, Ahmedabad.

3. Shri Vimalsha Bababhai 31, New Brahamxtriya Society, Pritami

Pritamnagar, Paldi, A'bad.

(Transferor)

(2) Nikita Park Co-op H. Socy. Chairman: Shri Hemant Jitendraprasad Trivedi, C/o Nobles Construction Co., 4th Floor, Nobles Bldg. Ashram Road, Opp. Nehru Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yd. Paiki situated at Katarpur, Dist. A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed R. No. 10154/8-7-82.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 21-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

'ACQUISITION RANGE, I

FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahemadabad-380009, the 21 February 1983

Ref. No. P. R. No. 2328-Acq 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 749-1-2-3 (Paiki) S. P. No. D.—T.P.S. 3 situated at Chhadawad, Madalpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dinubhai H. Joshi 17, Drive-in-Tenament Ahmedabad-380054.

(Transferor)

(2) Shri Vinodkumar J. Sharaf B/3, Morena Apartment, Ambawadi Ahmedabad-380006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat adm. 98 sq. yards situated at Chhadawad, Madalpur Ahmedabad duly registered by S. R., Ahmedabad vide saledeed No. 9704/1-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2329-Acq-23-I/82-83.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 366 & 370/3 situated at Village: Thaltej, Dist. Ahmeda-

bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas seen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahemedabad on 5-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhikhabhai Desaibhai Patel Village: Thaltej, Tal. Dascroi Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Navinbhai Kasturlal Jhaveri & others Opp. Chandravihar Society, Atira Road Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 2 Acres 5 Gunthas + O Acres 37 Gunthas—situated at Village: Thaltej Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide R. No. 9899/5-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date , 21-2-1983 Seal:

(1) Bai Motiben widow of Kalidas Somabhai Village Kathawada, Tal, Daskoi Dist. Ahmedabad. (Transferoy)

Shri Mangaldas Shivram, Prajapati
 Shri Ramanbhai Mangaldas Prajapati
 Shri Gunvantkumar, M. Prajapati
 All at Haridwar Society,
 Village: Sahijpur Boygha
 Dist, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd February 1983

Ref. No. P. R. 2330-Acq-23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bloke No. 469 situated at Village Kathawada Dist. Ahmeda-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-7-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

I and adm. 2H-62-80 situated at village Kahtawada, Dist. A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale-deed No. 10216/9-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incomeltax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-2-1983 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, I

# 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd Feburary 1983

Ref No. P. R. No. 2331 Acq-23/I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 585 situated at Village: Kathawada, Dist. A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 7-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Ramabhai Ashabhai Patel.

2. Shri Naverbhai. A Patel

 Manjulaben daughter of Ashabhai Dawalbhai all at Village: Kathawada Dist: Ahmedabad. (Transferor)

(2) 1. Shri Punjabhai S Vabhai Prajapati2. Shri Naranbhai Punjabhai Prajapti

3. Shri Hareshbhai, P. Prajapati
4. Smt. Ichhaben wife of Punjabhai Shiyabhai
All at Village: Kalhawada Distt. Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 4H-97-07 sq. mt-situated at Village Kathawada, Dist. A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 10048/7-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Incomeltax,
> Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-2-1983

 Shri Rabari Varvabhai Karsanbhai Village. Vastrapur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldipak Laljibhai Pandit Krishnagar, Sahijpur Bogha Dist. Ahmedabad.

(Tranferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2332-Acq-23-I/82-83.—Whereas I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 349 Paiki Hissa No. 1 situated at Bodakdev, Dist Ahmedahad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 938 sq. yds. with plinth structure situated at Bodakdev, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 9865/5-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—49—16GI/83

Nove: 21-2-1983

Scal;

#### FORM ITNS----

 Shri Tejabhai Jorabhai Villago: Memnagar Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Mohanlal Patel Vasant-Vihar Society, Vibhag No. 2 Behind H. L. College of Commerce Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahemadabad-380009, the 21 February 1983

Ref. No. P. R. No. 2333-Acq-23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sim S. No. 349 paiki, Hissa No. 4 situated at Badakdev, Distt. Ahmedabad,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 937 sq. yards with plinth, structure situated at Bodakdev, Dist. Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 9864/5-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incomeltax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-2-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

Shri Jenaji Chudaji Thakore Village : Ghatlodiya Tal. Daskroi Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alkapuri Ghatlodiya Co-op, Housing Society Chairman : Shri Naranbhai Kacharadas Patel Village: Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

Ahemadabad-380009, the 21 February 1983

Ref. No. P. R. No. 2334 Aq.-23-I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

45—T.P.S.1—F.P. No. 45-1 & 45-2 situated at Village Ghatlodiya, Dist. Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 21060 sq. mtr. i.e. sq. yds. 25,272—situated at Ghatlodiya, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R., Ahmedabad, vide sale-deed No, 9784/2-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incomeltax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 21-2-1983 Scal:

persons, namely:-

Shri Shardulbhai Jayantkumar Pasawala (HUF)
 Smt. Vijayaben Shardulbhai Pasanwala Nutan Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayantpark Memnagar Co-op. Housing Society Ltd. Chairman Shri Chandrakant Amratlal Shah C/o. 50, Harsiddh Chambers, Opp. Insurance Bldg. Ashram Road, Ahmedabad.

## GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD** 

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. P. R. No. 2335 Acq.-23-I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

bearing S. No. 47 Paiki—53 paiki, T.P.S. 1, Memnagar, F.P. 104 situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 15-7-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land adm. 29657 sq. yds + 18883 sq. metrs., situated at Memnagar T.P.S.1, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed R. No. 10574/15-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-2-1983

(1) Shri Mulchandbhai Gobilal Vasita At post: Nathedwara, Rajasthan.

(Transferor)

(2) Smt. Deviben Nalinkumar Flat No. 25, Namrata Flats Vasana Ahmedabad-380007.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st February 1983

Ref. No. P. R. 2336-Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing FP. No. 356—T.P.S. 22 paiki S.P. 8, 9 & 10 situated at Vasana, Ahmedabad.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pyblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

 $F^{\dagger}ct$  adm. 71 sq. yds. at Vasana, Ahmedabad duly registered S. R. Ahmedabad vide sale-deed R. No. 10442/14-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

subwing Date: 21-2-83 Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. 2337 Acq.-23/I/82-83,—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the asid Act), have reason to believe that the immovable property being a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 118 situated at village: Bodakdev, Dist. A'bad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

A'bad on 12-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sardar Gurmitsingh Khajansingh Huda, 1, Swaty Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bagga Family Trust Through: Shri Ishversingh Bagga, 4, Sunrise Park, Near Drive-in-Cinema, Thaltej Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 478 sq. yd.—situated at village Bodakdev, Dist.: Ahmedabad, duly registered vide sale-deed No. 10258/12-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-2-1983

 Shri Chamanlal Shankarbhai Patel, Village: Ranip, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajitnath Ranip Co.op. Hsg. Socy. C/o Secretary, Shri Maheshbhai S. Patel, 1101, Aka Sheth Kuvani Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. 2338 Acq-23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 313-3 situated at Village: Ranip, Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on 8-7-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferce to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Land adm. 1A-08—situated at Village: Ranip. Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 10122 & 10125/8-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-2-1983

Seal ;

 Shri Arjanji Mohanji & Others, Village: Ranip, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harisiddh Smruti Ranip Co-op. H. Socy. C/o Secy. Shri Umeshbh? B. Patel, 50, Harsiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2339 Acq-23/1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovcable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing S. No. 78—T.P.S. 1-Old FP No. 19 New FP No. 33 situated at Village: Ranip, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Ahmedabad on 19-7-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 7588 sq. mtr. situated at Village Ranip Dist. Ahmedabad, duly registered vide sale deed No. 10713/19-7-82,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Arjanji Mohanji & Others, Village: Ranip, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harsiddh Park Ranip Co.op. H. Socy. Chairman, Shri Ramanlal, M. Shah, 50, Harsidh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. 2340 Acq.-23/1-82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imimmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 310 & 312-- situated at Ranip, Ahmedabad,

bearing S. No. 310 & 312-- situated at Ranip, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I has reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 4A-15G & 3A—16G situated at Village: Ranip, Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 10714/19-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—16GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gandaji Rajaji, Village: Ranip, Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(1) Shri Harsiddh Park Ranip Co.op H. Socy. Chairman, Shri Ramanlal M. Shah, 50, Harsiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2341 Acq-23/1/82--83.—Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 2341 Acq-23/1/82-85.—whereas, 1, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 311 situated at Village: Ranip, Dist. Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-7-1982.

Ahmedabad on 19-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that by more the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. OA-23G situated at village: Ranip Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 10748/19-7-82,

> R. R. SHAH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1983-

Ref. No. P.R. No. 2342 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconnecting Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 54 paiki-T.P.S. No. 22, F.P. 202 paiki situated at Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-7-1982,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sharadchandra Chandulal Shah, 1-Kedarnath Co-op. Housing Society Ltd., Narayan Nagar Road, Paldi, Ahmedabad-7. (Transferor)

(2) Ruhi Apartments Owners Association E-22 Capital Commercial Centre, Near Sanyas Ashram, Ellisbridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 425 sq. yds. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No. 10886/22-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2343 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 99, Vejalpur, T.P.S. 1-F.P. 123 situated at Vejalpur (T.P.S. 1), Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-7-1982,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahendrabhai Nanabhai Patel & Others, Charankrupa Society, Satellite Road, Jodhpur-Vejalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

(2) Panchgani Co-op, Housing Society Ltd., Chairman: Shri Manojkumar Shantilal Shah. Mahavir Baug Apartment, Sreyas-Tekra, Ambawadi, Ahmedabad-380 015.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, able property, within 45 days from the date of the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 4118 sq. mtm. situated at Vejalpur T.P.S. 1, Ahmedubad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale deed R. Nos. 11053, 11050, 11052/27-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2344 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 701, S.P. No. 5, T.P.S. 3 situated at Ellisbridge,

Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jagat Ratilal. Near Old Sharda Mandir, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Sun Shine Association, Hon. President: Suryaben Rasiklal Shah, 1st floor, Triveni Apartment, Mithakhali,

> Navrangpura, Ahmedabad. 2. Secretary: Shri Gautamlal Chimanlal Patel, 17-Manjushri Society, Ghatlodiya, Dist. Ahmedabad.

> > (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 556.50 sq. yds. (1/4th individual share) with structure—situated at Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No. 8735/ tered by 30-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahemedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2345 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the imimmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 701, Sub-Plot No. 5, T.P.S. 3 Varid situated at

Ellisbridge, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shamik Jitendrabhai, Near Old Sharda Mandir, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sun Beam Association, 1. through: President, Shri Shantilal Manilal, Dhawani Apartment, Shahpur Bahai Centre, Ahmedabad.

Secretary, Shri Girish Somabhai Patel, Shri Haripark, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 222.60 sq. yds. (1/10 undivided share) situated at Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide Sale-deed R. No. 8737/30-7-82.

> R. R. SHAH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2346 Acq.23/1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP No. 701, SP No. 5, TPS 3 Varied situated at Ellisbridge,

Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jitendrabhai Ratilal, Near Old Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sun Beam Association,

1. through:

President: Shri Shantilal Manilal, Dhawani Apartment, Shahpur Bahai Centre, Ahmedabad.

Secretary: Shri Girish Somabhai Patel, Shrl Haripark, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm. 222.60 sq. yd. (1/10th undivided Share) with structure—situated at Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 8739/ 30-7-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

10:11

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2347 Acq. 23/I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP 701, SP No. 5, TPS 3 Varied situated at Ellisbridge,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Saureen Jitendrabhai, Near Old Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sun Beam Association,

1. Through:--President: Shri Shantilal Manilal, Dhawani Apartment, Shahpur Bahai Centre, Ahmedabad.

2. Secretary: Shri Girish Somabhai Patel, Shri Haripark, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 222.60 sq. yds. (1/10th undivided share) with structure—situated at Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 8733/30-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 22-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2348 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 701, SP No. 5, TPS 3 Varied, situated at Ellis-

bridge, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-7-1982,

Anmenabad on 307-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---51—16GI/83

(1) Smt. Bhanuben Jitendrabhai Ratilal, Near Old Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sun Beam Association,

1. Through: President: Shri Shantilal Manilal, Dhawani Apartment, Shahpur Bahai Centre,

Ahmedahad. Secretary: Shri Girish Somabhai Patel, Haripark, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 222.60 sq. yd. (1/10th undivided share) with structure situated at Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale decd No. 8741/30-7-1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabud

Date: 22-2-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2349 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 701 SP No. 5, TPS 3, Varied situated at Ellis-

bridge, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:---

(1) Shri Kamal Jitendrabhai. Near Old Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sun Beam Association, Through :-

1. President: Shri Shantilal Manilal, Dhawani Apartment, Shahpur Bahai Centre, Ahmedabad.

2. Secretary: Shri Girish Somabhai Patel. Haripark, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 222.60 sq. yd. (1/10th undivided share) with structure—situated at Ellisbridge Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 8745/30-7-82.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 21st February 1983

Ref. No. P.R. No. 2350 Acq. 23/I/82-83.-Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mun. C. No. 1046, 1046-2 to 5, S. No. 88 paiki situated at Plot No. 1 paiki Achier, Sabarmati, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 31-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair

Ahmedabad on 31-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(1) Shri Kashmirilal Sajjanlal, Near Jawahar Chawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(2) Shri Bhabhutmal Achaldas Sanghvi, Hira Jain Society, Sabarmati, Ramnagar,

Ahmedabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building standing on land 161-06 situated at Achier, Sabarmai, Ahmedabad, duly regisered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 11316/31-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2351 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 88 paiki Sub plot No. 1 paiki situated at Acheir, Sabarmati, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kashmirilal Sajjanlal, Near Jawahar-Chawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Badamiben Bhabhutmal Sanghvi,

- 2. Sukanraj Bhabhutmal,
- Amrutkumar Bhabhutmal,
   Pushpaben Prakashchandra, All at Hira Jain Society, Sabarmati, Ramnagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building standing on land 500.32 sq. yd. situated at Achier Sim, Sabarmati Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 11312/31-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dwarkadas Govinddas Parikh, 'Radhika' Near Gandhi Vidhyalaya, Mathuresh Bhuvan, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Chandubhai Punjabhai Patel, Vadapole, Khadia,

Ahmedabad. 経済関連しました。

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT: COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2352 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 166/1 paiki T.P.S. 21, FP No. 455 paiki situated at

Paldi, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property standing on land 445 sq. yd.—situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 11123 & 11155/July 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 22-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd February 1983

Ref. No. P. R. No. 2353 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow No. 2 situated at Dhanpapeshwar Co-op. Housing Society Ltd., Vinzol Crossing Vatwa, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shardaben Dhirajlal Saraiyya 692, Kothari Pole, Gandhi Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vinaben Subhashhai Shah, Dhanpapeshwar Co-op. Housing Society Ltd. Bungalow No. 2, Near Vinzol Crossing, Vatwa (Man'agar), Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

· Building situated at No. 2, Dhanpapeshwar Co-op. Housing Society Ltd., Vinzol, Vatwa, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide R. No. 11023/26-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 1, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd February 1983

Ref. No. P. R. No. 2354 Acq 23-I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH,

K. K. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 383, sub-plot No. 1 Paiki, T.P.S. 6 estern side situated at Paldi, Abmedabad (and more fully described in the School-Lagrant Leave).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(!) Shri Lalitkumar Nathheram Ajmera, 5-Marine Drive Society, Bhairavnath Road, Near Best High School, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

 (2) 1. Shri Prataprai Vadilal Shah.
 2. Smt. Sushila Prataprai Shah,
 Both at 24-Maheshwari Niwas,
 44/45, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property-Building situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad, vide sale-deed No. 11234/ 29-7-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd February 1983

Ref. No. P. R. No. 2355 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 443+442-2—T.P.S. 2, F.P. 23.1 situated at Odhav.

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-7-1982

Annectabation of 1-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ambaram Gangaram. At Chhaganbhai's Kuva, Behind Rabari Vesahat, Odhav, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ishverkrupa Odhav Co-op. Housing Society, Through Janakhhai B. Mistry, Akasheth Kuva's Pole, Raipur Chakla, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1/3rd out of 4800 sq. mtrs. situated at Odhav, Dist. Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No. 9732/1-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd February 1983

Ref. No. P. R. No. 2356 Acq 23-I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 443-444-3, T.P.S. 2, F.P. 23-2 situated at Odhav,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-52--16GI/83

(1) 1. Shri Lavjibhai Gangaram, 2. Shri Sukhlal Lavjibhal at Chhaganbhai's Kuva, Behind Raburi Vasahat, Odhav, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ishverkrupa Odhav Co-operative Housing Society Ltd. Through Shri Janakbhai B. Mistry, Akasheth's Kuva Pole Raipur Chakla, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 9154 sq. mtrs. situated at Odhav, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No. 9736, 9734, 9731/1-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 22-2-1983

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2357 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

NS. 23,0007- and S. No. 774 inside Munic pal limit of Dhoraji situated at Nagarpalika, Dhoraji Rajkot adm. 11 acres 1 guntha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Dhoraji on 22-7-82

S.R. Differing on 22-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Memon Harun Ismail Aghadi & Memon Jikar Ismail Aghadi, Baharpura, Dhoraji Dist: Rajkot.

(Transferor)

(2) Memon Ibrahim Haji Latif Supediwala, Bhaku Bhaji Para, Dhoraji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 952 dt. the 22-7-82 at S.R. Dhoraji.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 24-2-83

(1) Shri Abhayakant Amratlal Mehta, Shakti Plot-12, Morvi,\_

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Hareshkumar Devjibhat Patel, C/o Vikas Moseac Industries, Kayanji Plot-4, Morvi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 24th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2358 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act ) have reason to believe that the infinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 5 & 6 at the sim of Vejapur, situated at Village: Vajepar, Tal: Morvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on 19-7-82 Morvi on 19-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 126/82 dated the 19-7-82 at S.R. Morvl,

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 24-2-83

Scal:

Shri Vrandavandas Narottamdas Shah (HUF), Block No. 9-Parvati Nivas, Plot No. 26, Kings Circle, Bombay-400 010.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Shreyas Apartment Owners Association, Secy. Shri Ashok Kumar Jayantilal Shah, 69, Jagabhai Park, Behind Petrol Pump, Maninagur, Ahmedabad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad, the 24th February 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. R. No. 2359 Acq 23/1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP 76 (Paiki)—TPS 4 S.P. No. 52 situated at

Jagabhai Park,

Nr. L.G. Hospital, Maninagar, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land adm. 699.81 sq. mtrs.—situated at Maninagar, A'bad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 11114/28-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 24-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2360 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A bldg. standing on a land adm. 428.33 sq. yd. situated at Sheri No. 8, Panchnath Plot Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 31-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conucealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- Shri J. P. Modi, Karta & Manager of HUF
   Shri Anopchand. P. Modi, Karta & Manager of HUF
  - Shri Arvind P. Modi, Karta & Manager of HUF M. G. Road, Ghatkoper, Bombay-East.

(Transferor)

1. Shri Laxmanbhai Ramjibhai Patel,
 2. Smt. Muktaben Popatlal,
 Ramnath Para,
 Opp: Jail Rajkot.

(Transfe

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A bldg, standing on a land admeasuring 428.3 sq. yd situated at 8, Panchnath Plot Sheri No. 8 and registered vide sale deed R. No. 5299 dt. the 31-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad, the 25th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2361 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A bldg standing on a land adm. 244 sq. yd. situated at Vallabh Kahya Vidyalaya Road, Dhebarbhal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

- (1) 1. Memendrakumar Keshavlalbhai Mehta,

  - Bharatkumar Keshavlal Mehta,
     Jambukumar Keshavlal Mehta,
     Vinodkumar Keshavlal Mehta,
     Karansinghji Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1.Shri Tulsidas Vithaldashhai Parekh,2. Shri Haridas Vithaldashhai Parekh 3. Shri Chimanlal Vithaldasbhai Parekh.

113, Anandnagar Colony, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 5276 dt. the 31-7-82 S.R. Rajkot.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-2-83

- (1) 1. Shri Hemendrakumar Keshavlalbhai Mehta

  - Shri Bharatkumar Keshavlalbhai Mehta,
     Shri Jambukmal Keshvlalbhai Mehta,
     Shri Vinodkumar Keshavlalbhai Mehta, Karansinghji Road, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Kantaben Naranbhai, Smt. Minbai Karsanbhai, 10, Jai Raj Plot, Rajkot.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 25th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2362 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A bldg. standing on a land adm, 200 sq. yd. situated at Kanta Street Vikas Gruh, Dhebarbhai Road, Rajkot (and more falls) described in the Schedule approved beauty.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 5277 Dt. the 31-7-82 by S.R. Rajkot.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 25-2-83 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ambalal Shanabhai himself & Karta & Manager of HUF of Shri Ambalal Shanabhai, Village: Bodakdev, Dist: Ahmedabad.

(2) 1. Shri Joitaram Prabhudas Mistry & Others, Village: Kundal Tal: Kadi, Dist: Mehsana.

2. Shri Kiritkumar Ramdas Patel & Others, Vasant Vihar Co.-op. Hsg. Socy. Ltd. behind H. L. College of Commerce, Navrangpura, Ahmedabad.

17 (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2363 Acq 23/I/82-83.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 239/1, & 239/2 situated at village Boadakdev, Dist:

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1A-17G-situated at village: Bodakdev, Dist: Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad, vide sale deed No. 11237/29-7-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 1-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2364 Acq 23/1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the salar 700 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 191 paiki, T.P.S. 3, situated at Tenament No. 2, Nathalal Mulchand Society-Near Sardar Patel Colony, Char-

rasta, Navrangpura, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-7-82

Ahmedabad on 27-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-53-16GJ/83

(1) Smt. Kamlabon Nagindas Patel, Through: Power of Attorney Holder-Shri Mahendra Nagindas Patel, Nathalal Mulchand Colony Nr. Sardar Patel Statue, Char Rasta, Nr. Sardarpatel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vikrambhai Balubhai Patel, 1. Shri Vikrambhai Battohai Fatel,
3, Kumkum Society, Near Sardar Patel Colony,
Near Sardar Patel Statue,
at Sardar Patel Stadium, Navrangpura, Ahmedabad,
2. Shri Odhavji Nathalalji Dhobu
3. Shri Jadiben Laxminarayan Nagar—
4. Shri Patel Hitchdra alias Rushimkant Chimanlal,
5. Shri Hispala Rotonlal Gundhi

Shri Hiralal Ratanlal Gandhi 6. Shri Kanubhai Hirdas Nr. Sardar Patel Stadium Rd.

Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Design Point: No. 2, Nathalal

Mulchand Society, Nr. Sardar Patel Stadium Navrangpura, Ahmedahad (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the tlate of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 416 sq. yd—situated at Sheikhpur-Khaupur—T.P.S. 3—F.P. 191 paiki—Navrangpura, Ahmedabad, duly registered by S.R. A'bad vide sale deed No. 10604/27-7-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 1-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2365 Acq 23-I/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Land admeasuring 4 Acres 18 Gunthas at F. No. 80 situated at the sim of Jetpur, Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Jetpur on 20-7-1982

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

(1) Shri Patel Mohanlal Naranbhai Zakvadia Kankakia Plot, Jetpur.

(Transferor)

(2) Shri Shirishkumar Jagatki Parckh, Rapad Bazar, Jetpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 435 dated 20-7-82 at S.R., Jetpur.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 1-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2366 Acq 23-I/82-83.—Whereas, 1

R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 118 at the sim of Jetpur being a land adm. Acre 1.08, 4.32, 7.25 i.e. 13 Ares 25 Gunthas in all at Jetpur Dist. Rajkot and proper fully described in the Schedule property. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jetpur on 15-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhovan Valji Vakaria, Bawawala Para, Jetpur, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dipakkumar Jagatrai Parekh, Kapad Bazar, Jetpur. 2. Shri Vasantrai Dhanjibhai Patel,

Fulwadi, Jetpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1322/82 dated the 15-7-1982 by S.R., Jetpur.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 1-3-1983

## FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Mahavir Construction, 6th Floor, Vaibhav Flats Sheri No. 2, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayaben Bipinchandra Naria, 7-Master Society, Near Bhaktinagar Railway Station, Rajkot.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st March 1983

Ref. No. P. R. No. 2367 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. 71, Vaibhav Apartment, Ramkrishna Nagar situated at
Sheri No. 2, Ramkrishnanagar, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Rajkot on 21-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 5084 dated the 21-7-82 by S.R., Rajkot.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-3-1983

## FORM ITNS-----

(1) M/s. Mahavir Construction 6th Floor, Vaibhav Flats Sheri No. 2, Ramkrishnanagar Rajkot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Shankardas Patel Madhukunj, Bedipara, RAJKOT.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND ULOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st March 1983

Ref. No. P.R. No. 2368 Acq 23-I/82-83,-Wheeras, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23-B, Vaibhav Apartment, Ramkrishna Nagar situated at Sheri No. 2. Ramkrishna Nagar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Rajkot on 21-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 5085 dated the 21-7-82 by S.R., Rajkot.

> R. R. SHAH. Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
> Acquisition Range-I AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dt.: 1-3-83. Seal:

 Shri Navneetlal Shantilal Parekh Shantinath Flats, Jasani Road Sadar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jyotindra Vadilal Vasa 2nd Floor, Shantinath Flats Jasani Road, Sadar, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2369 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Ward No. 16, H. No. 139 S. No. 262 at Rajkot situated at 2nd Floor, Shantinath Flats, Jasani Road, Sadar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Rajkot on 29th July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1933 dated the 29-7-82 by S.R., Rajkot.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I. AHMEDABAD

Dt: 4-3-83. Seal:

#### FORM ITNS----

 Shri Navneetlal Shantilal Parekh Shantinath Flats, Jasani Road Sadar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Prafulchandra Mehta 1st Floor, Shantinath Flats Jasani Road, Sadar, RAJKOT.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2370 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 16, H. No. 139 S. No. 262 at Rajkot situated at 1st Floor, Shantinath Flats, Jasani Road, Sadar, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Rajkot on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1516 dated the 29th July, 1982 by S.R., Rajkot.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Dt: 4-3-83. Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Belwantrai Kalidas Maniar
 Shri Pravinchandra Kalidas Maniar 33, Nutannagar, Near Nirmala Convent High School Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Ratilal Kothari 14 Amarchitpur Road Calcutta-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 4th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2371 Acq 23-I/82-83.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Block No. 201, 2nd floor, Shashi Apartment situated at Street No. 28/43, Prahlad Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1781 dated the 7th July, 1982 by S.R., Rajkot.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dt: 4-3-1983, Scal:

(1) Smt. Bhagirathiben Liladhar Joshi "Harihar Cheuk" Near Post Office, Panchnath Plot Rajkot.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vrajlal Hiralal Parekh Sahakarnagar Main Road Near State Bank Society Opp: Amarapali Cinema, RAJKOT.

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD-380 009.

Abmedabad-380 009, the 4th March 1983 No. P.R. No. 2372 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000- and bearing No. S. No. 451 paiki plot No. 14 paiki 108 + 108 sq. yds. situated at Sahkarnagar Main Road, Opp: Amrapali Cinema, Paiket

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Rajkot on 3-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. Nos. 1904 & 1905 dt. the 3-7-82 by S.R., Rajkot.

R. R. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—54—16GI/83

Date: 4-3-1983.

(1) 1. Shri Balwantrai Kalidas Maniar Shri Pravinchandra Kalidas Maniar 33, Nutannagar, Near Nirmala Convent High School Road, Rajkot.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Patadia Pradipkumar Tribhovandas 2. Shri Patadia Mahandralaman Tribhovandas Shrl Patadia Mahendrakumar Hukamchand 1st Floor, Shashi Apartment, 28/43, Prahlad Plot, Rajkot.

#### GOVERNMENT OF INDIA

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

#### AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2373 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the 'said Act') have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Block No. 102, first floor. Shahi Apartment situated at Sheri No. 28-43 of Prahlad Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 7-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property duly registered vide S.R. No. 1889 dt. the 7-7-82 by S.R. Rajkot.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I. AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-3-1983 Seal :

#### FORM ITNS----

(1) 1. Shri Balvantrai Kalidas Maniar 2. Shri Pravinchandra Kalidas Maniar 33, Nutannagar, Near Nirmala Convent High School Road, Rajkot.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jayeshkumar Dhirajlal Dave, 2nd Floor, Shashi Apartment, Prahlad Plot Sheri No. 28/43 Rajkot.

Transferce(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2374 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 102, 2nd floor, Shashi Apartment situated at 28/43, Prahlad Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property duly registered vide S.R. No. 2727 dt. the 12-7-82 at S.R. Rajkot.

> R. R. SHAH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-3-1983

(1) 1. Shri Balvantrai Kalidas Maniar 2. Shri Pravinchandra Kalidas Maniar, 33, Nutannagar, Near Nirmala Convent High School Road, Rajkot.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Harilal 1st Floor, Shashi Apartment 28/43, Prablad Plot, Rajkot.

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2375 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 101, first floor, Shashi Apartment situated at 28/43, Prahlad Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated i the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property duly registered vide S.R. No. 1971 dt. the 12-7-82 at S.R. Rajkot.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
> Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1983

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Bhagirathiben Liladhar Joshi through: her Power of Attorney Pravinchandra Liladhar Joshi 'Harilal Chawk' Near Post Office, Panchnath Plot, Raikot.

Transferor(s)

(2) Soni Prabhulal Hiralal Parekh. 41, Jagnath Plot, Rajkot.

Transferee(s)

HE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

, Ref. No. R, R, SHAH, No. P.R. No. 2376 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 451 paiki plot 14 paiki 108 sq. yd. situated at Opp: Amrapali Cinema, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-7-82

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 3131 dt; the 30-7-82 S.R. Rajkot,

R. R. SHAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-83

Scal:

#### FORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2377 Acq 23-I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
S. No. 451 palki plot 14 paiki 108 sq. yd. situated at Sahkarnagar Main Rd. Opp: Amrapali Cinema, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred under the Ragistration Act 190B) (16.06)

has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-7-82

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Bhagirathiben Liladhar Joshi through: her Power of Attorney Pravinchandra Liladhar Joshi 'Harilal Chawk' Near Post Office, Panchnath Plot, Rajkot,

(2) Smt. Lilavati Amratlal Bhatt, Sardarnagar Main Road, Near Rly, Crossing,

Rajkot.

Transferor(s)

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 4100 dt: the July, 82 at S.R. Rajkot.

> R. R. SHAH. Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
> Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-3-83

#### FORM I.T.N.S.--

(1) Ashwin Plastic Industries Vithalwadi, Udyognagar, Bhavnagar.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saurashtra Inox Tips Pvt, Ltd. Plot No. 11, Chitra Udyognagar, Bhavnagar.

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 5th March 1983

Ref. No. P.R. No. 2378 Acq 23-1/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 11, Chitra Udyognagar, Bhavnagar adn. situated at
2237 sq. mtr. belonging to Saurashtra Inot Tips Pvt. Ltd. Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 8-7-82

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aiore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 1982 dated the 8-7-82 by S.R. Bhavnagar,

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-3-83

(1) Partners of Kailash Rice Mills Shri Chhotalal Ghelabhai Gandhi & Others Mahadevnagar Billimora.

Transferor(s)

(2) Partners of Kalpana Builders Shri Mahendrakumar Nagindas Gandhi & Others, Mahadevnagar, Billimora,

Transferce(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2061 Acq 23/11/82-83.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
C.S. No. 3409, Desara land situated at
Gandevi on July, 1982
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forces and that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 3409 Desara, registered in the month of July, 1982 at Gandevi,

> R. R. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 5-3-83

Seal ;

#### FORM I.T.N.S.

 Shri Ghelabhai Manibhai Naik Shri Durlabhbhai Manibhai Naik Shri Ramanbhai Manibhai Naik Vapi, Tal: Pardi,

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shashikant Amarchand Shab, Vapi, Tal: Pardi.

Transferce(s)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983 -

Ref. No. P.R. No. 2062 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 229/2, Vapi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 229/2, Vapi registered in the month of July, 1982 at Pardi.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—16GI/83

Date: 25-1-83

# FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Sarfudin Suleman Patel, Vapi

Vapi, Tal : Pardi.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ravisabhai Gojiabhai Tandel, Nani Daman,

Tal: Daman-Via: Vapi,

Transferee(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380-009 the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2063 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHΛH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 282-A, 281-1, Chala situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property at S. No. 282-A, 281-1, Chala, registered in the month of July, 1982 at Pardi.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt: 25-1-83 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2064 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2166 Mahidharpura, Piplasheri situated at Ward No. 6, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naranbhai Bhavanbhai, Trikamnagar Society, Lambe Hanuman Road, Surat.

Transferor(s)

(2) J. K. D. Diamond, partnership firm, 2nd floor, Samrat Apartment, Pani-ni-Bhit, Soni Falia, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2166, Mahidharpura, Pipla Sheri, Ward No. 6, Surat registered in the month of July, 1982 at Surat.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Rauge-II, AHMEDABAD

Dato: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380-009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2065 Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 359/2 (P) T.P.S. 4 situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 82

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Dhirajlal Vithaldas & Others, Mahidharpura, Jadakhadi, Surat.

Transferor(s)

- Partner of Raj Hans Co-op. Hsg. Society Ltd., Kapurvadi, Varachha Road, Surat.
   Shri Dineshchandra Chimanlal Modi,
  - Shri Dineshchandra Chimanlal Modi Daria Mahal, Surat.
  - Shri Laxmanbhai Gijabhai Boghara, New Shati Vijaynagar, Varachha Road, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 359/2 (P) T.P.S. 4, Katargam, registered in the month of July, 82 at Surat.

R. R. SHAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date: 25-1-83

- Permiter State (See Section of the Control of the

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 2rd February 1983

Ref. No. P. R. No. 2066Acq.23/11/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Nondh No. 1764-B, Ward No. 1, Nanpura situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri V. K. of M/s Jekindas Lallubhai Dhabuvala, Shri Jayantilal Jekisandas Dhabuvala, Kantha Gali, Nanpura, Surat
- Transferor (s)
  (2) Shri Thakorbhai Dhanjibhai Dhabuvala.
  1/2217. Bara Hajari Mahollo,

Nanpura, Surat.

Transferec (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1764-B, Nanpura, Ward No. 1, registered in the month of July, 82 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 Cof the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 2-2-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOURSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Rof. No. P.R.No.2067Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2166, Warl No. 6 Mahidharpura, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Naranbhai Bhavanbhai, Trikamnagar Society, Lambe Hanuman Road, Surat.

Transferor (a)

(2) Shri Himansu Sureshchandra Zaveri, Sagar Cottage, Valkeshwar, Bombay.

Transferee 3

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2166, Ward No. 6, Mahidharpura, Pipla Sheri registered in the month of July, 82 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-2-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 2nd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2068 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, Shop No. 96, Reshamwala Market situated at Surat

Shop No. 96, Reshamwala Market situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Partner of Rajesh Textile,
 Shri Kimatlal Hotumal Nandvani
 Radharani Hoturam Nandvani
 Zampa Bazar, Main Road,
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Surendrakumar Vasudev Dalmiya, 96—Reshamwala Market, Ring Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sam, meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Shop No. 96, Reshamwala Market, registered in the month of July, 82 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1983

Ref. No. P.R.No.2069Acq.23/Π/82-83.—Whereas, ,I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing S. No. 32/2, 32|3, 32|3(P), 32|5 & 32|5(P) land situated at VijaIpor, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 & 1957);

 Shri Shardaben Chhotubhai Mangubhai and others, through their P. A. Holder Shri Maheshchandra Chhotabhai urfe Mangubhai Vijalpor, Navsari.

Transferor (s)

(2) President of Shri Gayatri Sankul Co, Op. Housing Society, Shri Jayantibhai Jivanbhai Prajapati, 22—Garda College, Shopping Centre, Station Road, Navsari.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 32/2, 32/3, 32/3(P), 32/5 & 32/5(P) land at Vijalpor, registered in the month of July, 82 at Navsasi.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaintion of the aforesaid property by the issue of this notion under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' as \$\frac{1}{2}\$ following persons, namely:—

Date: 3-2-83

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2070 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 197-198 Chhapra village situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56--16GI/83

 Shri Maganbhai Kikabhai Patel, Damla Falia, Bhatha—Via: Amalsad Taluka, Gandevi—Dist: Valsad.

Transferor (s)

(2) Shri Jigneshkumar Ratilal Vyas, Partner of Shi A-one Biscuit Factory, Opp: Garda College, Navsari.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 197-198 (P) Chhapra village, Navsari registered in the month of July, 82 at Navsari.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-2-83

FORM I.T.N.S. ~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD,

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1983

Ref. No. P.R.No.2071Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 130/1 (P) situated at Chhapra, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hehereby initiate proceedings for the acquisition of tht aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of 'he said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Sukhabhai Premabhai Ahir, at Yogikrupa Society, Nayar Road, 2. Shri Rohitkumar Chhaganlal Patel, 1, Navyug Socy. Luncikul, Navstari.

Transferor (s)

 President & Secretary of White House Housing Society Ltd.,
 Shri Vipinchandra Bhogilal Desai, Krishna nagar, Block No. 1, Room No. 9, behind Mafatlal Mill, Navsarl. 2. Shri Priyavadan Naranbhai Patel. Raichand Road. Navsari.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 130/1 (P) Chhapra, Navsari registered in the month of July, 82 at Novvari.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-2-83

(1) 1. Shri Vallabhbhai Morarji Patel

Shri Naginbhai Morarji Patel
 Shri Ranchhodji Morarji Patel
 Shri Dhirubhai Morarji Patel

All at Kachhiavadi.

Transferor (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Gaurant Ashwin Desai-Bombay Shri Shakuntala Ashwin Desai—Bombay

3. Shri Ashwin Gunvantrai Desai-Bombay Shri Ravjibhai Babubhai Patel—Navsari,

Transferee (s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

#### ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1983

Ref. No. P.R. No. 2072Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 249 (P) land situated at Chhapra, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on July. 82

Navsari on July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 249(1) S. No. 4305, Chhapra road. Navsari registered in the month of July, 82 at Navsari.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 3-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

#### ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 3rd February 1983

Ref. No. P.R.No.2703Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Tika No. 50, S. No. 643, 644 (P) situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Maniben Dahyabhai Patel self & P. A. Holder of Chhitbhai Dahyabhai Patel Kirankumar Dahyabhai Patel Maharani Shantadevi Road, Navsari (Jankalyan Society).
 Shri Ishwarbhai Naranbhai Patel self (P. A. Holder of Ratalkumar Ishwarlal Patel
 Shri Gangaben Naranbhai Patel
 Manjulaben Ishvarlal Patel
 Manjulaben Ishvarlal Patel

Transferor (s)

(2) President of Shivshakti No. 1 Coop. Housing Society, Shri Bhavanbhai Mohanbhai Patel, Shantadevi Road, Navsari.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 643, 644 (P) Tika No. 50, registered in the month of July, 82 at Navsari,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-2-83

(1) 1. Shri Ismail Mohmad Adam 2. Shri Suleman Mohmad Adam 3. Shri Ibrahim Mohmad Adam at Dungari, Tal: Broach.

Transferor (s) pati Partner

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravjibhai Nathubhai Prajapati Partner of Narayan Associates, Broach.

Transferee (s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

#### ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2074 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 11, Ali situated at Broach (and more fully described in the Scholars, pages 18, 2001).

S. No. 11, Ali situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a reciod of 45 days from the date of publication of the is notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 11 (P) Ali, registered in the month of July, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83

(2) Shri Ahmed Suleman Ali Patel, Village: Mahebdhala, Tal. & Dist: Broach.

(Transferor)

(1) 1. Shri Vijaysinh Pahadsinh Vansia, village: Umadhra

Taluka: Jagadia Dist: Broach.
2. Shri Ajitsinh Mansinh Suratia (HUF)

Village: Mand, T. & D. Broach.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2075 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sakl Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 99 (P) at Bholav situated at Broach
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Broach in July, 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as a greed to between the parties has not been truly stated in the static instrument of transfer with the object of:—

- (a) facili 'ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 99 (P) Bholav, registered in the month of July, 82 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83

Scal:

(1) The Rachna Enterprise, Opp: J. P. College, Old N.H. Way No. 8, Broach.

(Transferor)

(2) Partner Shri Ram Organics, Shri Ajitsinh Maysinh Suratia, 43, Navnirman Commercial Centre, Broach.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R.No.2076Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. No. 83/1, Bholav stuated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at

Broach on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 83/1 (P) Bholay, registered in the month of July, 82 at Broach.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 25-1-83

(1) 1. Shri Ibrahim Ismail Adam,

2. Shri Ibrahim Asmal 3. Shri Ibrahim Vali Asmal 4. Shri Esap Valibhai Mohmad 5. Shri Esap Vali Mohmad 6. Shri Musa Mohmad Abhram

Dungari, Tal: , Broach.

Shri Ibrahim Ismail Adam

Transferor (s)

(2) Shri Bakulbhai Jivabhai Patel partner of Bhumi Development Corporation Buddhdev Market, Broach.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2077.Acq.23/II/82-83.--Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 92, 92/3, 93/1 and 94 (P) land situated at Dun-

gari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The Property situated at S. No. 92, 92/3, 93/1 and 94 (Paiki) land situated at Dungari and registered at Broach in the month of July, 82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 25-1-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOURSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2078Acq.23/11/82-83,—Whereas, J. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 30 (P) Land situated at Ali, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Broach on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ahmad Esap Adam, at Sherpura, Tal: Broach,
 Shri Umarji Esap Adam,

2. Shri Umarji Esap Adam, at Sherpura, Tal: Broach.

Transferor (s)

(2) Shri Nathubhai Trikambhai Prajapati partner of Narayan Nagar, Ali Broach.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at S. No. 30 (P) Ali, registered at Broach in the month of July, 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-1-83

Seal:

57—16GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOURSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2079Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 30 (P) Bholay situated at Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ramjibhai Naranbhai Solanki & Others, Zadeshwar, Tal: Broach.

Transferor (s)

(2) 1. Shri Prabhodehandra Bhalchand Shukba, Ledbhai Pat, Broach.

Lalbhai Pat, Broach.
2. Shri Vejubhai Maganbhai Patel at Sarbhan,
Tal: Amod.

Transferce (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property ut S. No. 30 (P) at Bholav, registered in the month of July, 82 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P.R. No. 2080-Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 66 and 59/B (P) at Ali situated at Broach.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Shri Shah Ghimantkumar Arvindlal self & P. A. Holder of partners, of Ghanish Builders. Shrimali Pole. Broach.

Transferor (s)

- (2) Administrator of Tulsa Vibhag/Patidar Samaj Seva Kendra, Broach.

  1. Shri Chaturbhai Madhavbhai

  - Vilayat, Tal: Vogra.
    2. Shri Jasbhai Rachhodbhai Patel Tralat Tal: Broach.
  - Shri Ishwarbhai Kuberbhai Patel Vulayat Samlod Tal. Broach.
     Shri Kanubhai Desaibhai Patel Vilayat—Tal: Vagare,
     Shri Vithalbhai Pursottambhai Vilayat—Bhersam Vagara.

  - 6. Shri Bhailalbhai Mohanbhai Patel Vilayat—Rahad Vagara.
    7. Shri Arvindbhai Kesurbhai Patel
  - Vilayat-Broach Panch Batti.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 66 and 59/B (P) Ali registered in the month of July, 82 at Broach.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-1-83

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQIUSITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2080A Acq. 23/11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 66 and 59/B (P) at Ali situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act; 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrl Shah Ghimantkumar Arvindal self & P. A. Holder of parteners of Ghanish Builders Shrimali Pole, Broach.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gordhanbhai Muljibhai Patel at Village Sunay Tal: Patlad Dist: Karai
 2. Shri Harischandra Chimanlal Patel at village: Kosam, Tel: Thasara

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 66 and 59/B(P) Ali, registered in the month of July, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQIUSITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2081 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 5/1 (P) Dungari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1.Shri Umarji Musa Asmal 2. Shri Ibrahim Musa Asmal 3. Shri Mohmad Musa Asmal Nani Dungari, Tal: Broach,

(Transferor)

(2) Narayan Associates Partners Shri Ravjibhai N. Prajapati, Near Nilkant Mahadev, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiche er period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 5/1 (P) at Dungari, registered in the month of July, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 25-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2082 Acq. 23/JI/82-83,-Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 87 88,90,91 (P) land as described in 37-G form (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ramanlal Haribhai Desai Shri Maheshbhai Ramanlal Desai self & Karta of HUF

3. Shri Janardan Ramanlal Desai self & Karta of HUF

4. Shri Vasudevbhai Ramanlal Desai

5. Shri Bharathbhai Ramanlal Desai Valsad.

(Transferor)

(2) Partner of N.B.C. Land Development Corporation, Shri Rajnikant Parmananddas Shah, Juna Thana, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 87, 88, 90 91 (P) Land as described in 38-G form registered vide No. 1449 in the month of July, 1982 at Valsad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-1-1983

The state of the s

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2083 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 80 Kudsad, Tal: Olpad situated at Olpad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Olpad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vithalbhai Jagabhai Patel, Village : Tatania,

Tal : Khambha, Dist: Amreli.

(Transferor)

(2) Shri Iasraj Pratapchand Shah, Shri Ramkumar Gulabchand Shah

at Kim Tal: Olpad, Dist: Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXÂ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Block No. 807, village-Kudsad, registered in the month of July, 1982 at Olpad.

R. R. SHAH'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 25-1-1983

#### FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th January 1983

Ref. No. P. R. No. 2084 Acq.23/II/82-83.—Whereas, I.

R. R. SHAH, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Block No. 805, Village: Kudsad situated at Tal: Olpad (and more fully described in the Schedule agreed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Olpad in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sudhaben Iswarlal Patel W/o Ishvarbhai Nanubhai Patel Nitinkumar Ishwarlal Patel Village : Kudsad,

Tal : Olpad.

(Transferor)

(2) Shri Satishkumar Manganbhai Tailor, Kudsad.

Tal : Olpad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Block No. 805 Kudsad, registered in the month of July, 1982 at Olpad.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 25-1-1983

TART III. OEC. I

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 5208/Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 532 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 14-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

58--16(GI/83

 Shri Harendra Shantilal Patel, Vadi, Rengmahal, Baroda.

(Transferor)

 Shri Rashmikant Natwarlal Desai, 40, Vishvas Colony, Alkapuri Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Alkapuri S. No. 532 adm. 1400 sq. ft. document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 2251 dt. 14-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1983

Seal;

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2086 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 530 situated at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the read Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Aman Builders & Contractors 10, Kasturbanagar, Faramji Road, Baroda-5.

(Transferor)

(2) Shri Tulsibhai Madhayji Lakhani Ajay Vadi, New Aerodrome Road, Bhavanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat at Alkepuri S. No. 530 adm. 900 sq. ft. document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 3526 dt. 30-7-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2087 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 531 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

Registering Officer at

Baroda on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kirit Ramanlal Kadakia 'Uphar' 3rd Floor, City Road, Bombay-400 006.

(Transferor)

 Shri Kantilal Khimji Thakkar (HUF) Race Course Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Race Course Road, Baroda adm. 1997 sq. ft, document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 4031 dt. 30-7-1982,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1983

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2088 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 95 & 96 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (... of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Maiyat Gordhanbhai Bapubhai Patel (HUF)
  - Shri Maganbhai Gordhanbhai Patel (HUF) Nagarwada, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Bhailalbhai Becharbhai Patel (HUF) At & Post Sankarda,Tal: Dist. Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Nagarwada S, No. 95 & 96 admeasuring 3936 sq. mtrs, document of transfer registered with S. R. Baroda under No. 2316, 2318, 2320 dated 17-8-1982,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1983

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2089 Acq. 23/11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 598 situated at Adalaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Punjaji Havaji Adalaj. Tal: Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Adalaj Plot Owner's Association C/o President, Shri Jagdishchandra Thakorlal, 40/236, Vijaynagar Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforement persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

us<del>anda mengambangan pada kabupatan k</del>abupat kabupat kabupat banggan b

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Adala) Block No. 598 adm. A 3 G. 31, document of transfer regd. with S. R. Gandhinagar under No. 1443, 1444, 1445 dt. 6-7-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-2-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2090 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 61 situated at Ambaji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Danta on 6-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Shri Somchand Chunilal Modi
  - Shri Indravadan Jaykishandas Khamar
     Shri Charandas Jethalal Patel
  - 4. Shri Mukeshkumar Jashvantlal Patel 9. Chirag Society, Ankur Road, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mahashakti Co. Opp. H. Socy. (Proposed)
 C/o I. Prashantbhai Narsibhai Patel
 2. Lalitbhai Vallabhbhai Patel,
 Nilkamal Guest House,

Ambaji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 16940 sq. yd. at Ambaji S. No. 61 document of transfer regd, with S. R. Danta under No. 41 dt. 6-8-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-2-1983

Scal:

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2091 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T. P.S. 3 F. P. 144 & 145 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the others of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Thakor Maganbhai Lallubhai Near Water Tank, Bhalej Road, Anand.

(Transferor)

 Ahmedbhai Hasanbhai Vohra Partner of M/s, Ahmedbhai Hasanbhai, Old Dadar, Anand.

(Transferec)

Objections, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Anand admeasuring 2593 sq. mt, at T.P.S. No. 3 FP 144 & 145. Doucment of transfer regd, with S, R, Anand under No. 3065 dt. 29-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Dato: 8-2-1983

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Harmanbhai Zaverbhai Patel & Others Gosaivala Falia, Anand.

(Transferor)

(2) Shri Dayaljibhai Rajibhai Gohel (Partner of Darshan Builders) Krishna Road, Anand.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AHMEDABAD-380 009
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2092 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78/1 TPS 3 FP 158 situated at Anaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaud on 17-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Anand S. No. 78/1 TPS No. 3 12 158 admeasuring 1552 sq. mt. Document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 2821, 2982 dt. 17-7-1982 & 22-7-1982 respectively.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 8-2-1983

Seal;

#### FORM No. J.T.N.S .--

(1) Shri Ambalal Shanabhai Patel Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Ramanbhai Gordharbhai Patel Nanu Adadh, Maniakhad, Anand.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2093 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
T.P.S. 3. F. P. No. 513 situated at Anand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of1908) in the office of the Registering Officer at
Anand on 14-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—16GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined at Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. No. 3 F.P. No. 513 admeasuring 865 sq. mts. document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 2770 dt. 14-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tas
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 8-2-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, 'ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 8th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2094 Acq. 23 /II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing S. No. 1553 T.P.S. 4, F.P. 232 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Haji Hasanbhai Haji Ismailbhai (P. A. Holder of Noorbhai Hasanbhai) Nr. old Dadar Anand.

(Transferor)

(2) 1. Ramkishan Lagharam Arora
 2. Madanlal Virbhan Popli
 3. Kishanlal Narayandas Verma

 Kishaniai Narayandas Verma
 Jagannath Narayandas Verma C/o Verma General Store, Anand.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2114 (1057.1057) Sq. mtrs. document of transfer registered Plot at S. No. 1553 T.Ps. 4, F. P. 232 admeasuring with S. R. Anand under No 236 & 237 dt. 7-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1983

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2095.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, [961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and bearing

S. No. 1553 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anand on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Vohra Hamidbhai Rehmanbhai Changa, Tal : Petlad, Dist : Karia.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramkishan Lagharam Arora

Madanlal Virbhan Popli
 Kishanlal Narandas Verma

4. Jagannath Narayandus Verma C/o Verma General Stores, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2114 (1057+1057) sq. mts. at S. No. 1553 of Anand. Document of transfer registered with S. R. Anand under No. 938 & 939 dt. 7-7-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-2-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-280 009,-the 24th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2096 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd hearing

H, No. 308, Tika No. 11/2, Ward No. 6 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under pub-Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of th section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gulabhai Ranchhodji Marolia
 Shri Dineshrai Gulabbhai Maroli Dada tatu no Mahollo, Navsari Dist: Valsad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shah Jitendra Fakirchand

 Shri Prakashbhai Fakirchand Shah
 Shri Shah Kamleshbhai Fakirchand
 Shri Shah Deepak kumar Fakirchand Pir Mahollo, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Enplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at H. No. 308, Tika No. 11/2, Ward No. 6, C.S. No. 44, Navsari registered in the month of July, 1982 at Navsari

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-2-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLGOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, 380 009, the 24th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2097 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein: fter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 2291, Ward No. 3 situated Salabatpura, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Hasmukhlal Narbheram
  - 2. Shri Pravinchandra Hasmukhlal
  - 3. Spri Mahendra kumar Hasmukblal
  - 4. Shrfi Kantilal Hasmukhlal
    5. Shri Chandravadan Hasmukhlal
  - 6. Shri Chandrakant Narbheram self and guardian of Minor Hitendra
  - 7. Shri Chandrahas Narbheram self and guardian of Denish

Balabhai ni Sheri Salabatpura, Surat.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Jayantilal Amratlal self and guardian of minor Sunil Lumar Jayantilal
  - 2. Shri Hitendra kumar Jayantilal Balabhai Sheri, Salabatpura, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nordh No. 2291, Ward No. 3, Balabhai Sheri Salabatpura, registered in the month of July, 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-2-1983

\_\_\_\_\_\_

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II
ACQUISTION RANGE-II
AND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-280 009, the 24th February 1983

Re. C.No. P. R. No. 2098 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, SHAH, R. R. the Competent Authority under Section 269B of the Inco. Wettax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinufter referred to as the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 1843, Athugar Mahallo situated at Nanpura, (and more full v described in the Schedule annexed hereto). Surat has been transfe. exed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oft, & of the Registering officer at Surat on July, 198. for an apparent con sin eration which is less than the fair market value of the work said proper, and I have reason to believe that the fair , warke t value of the property as aforesoid exceeds the appartent of insideration their for by more in and that than ilfteen per cent of such a parent consideratio. the consideration for suc h transfe'r as agreed to between parties has not been truly stated an the said instrument o. transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Rati W/o Adi Dhanjisha Shethua Self & Guardian of Khurshid Adi Dhanjisha Mota Mension, Tardeo, Bombay.
- (2) Shri Khushalbhai Kanjibhai Patel C. C. No. 1/843, Athugar Mahallo, Nanpura, Surat.

(Transefree)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 1/843 Athugar Maholio, Nanpura, registered in the month of July 1982 at Surat.

R. R. SHAH
'Competent Authority
Inspecting Asstt. Co
'Competent Authority
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 24-2-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2099 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1586, 2052, Ward No. 5 situated at Parshi Sheri, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sarabibi daughter of Ismail Suleman Vaid Saiyadpura, Tarava Mahallo, Surat
  - (Transferor)
- (2) Shri Basır Ahmod Abdul Hamid Maasuri Panchali Sheri, Haripura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1586 & 2052, Ward No. 5. Saiyadpuna, Parsi Sheri, regd. in the month of July, 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 23-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2100 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 4464, situated at Shivdas Zaveri Sheri Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vadilal Raichand Chokshi Smt. Hiravati Vadilal Chokshi Vile-Parley, Juhu Scheme, Bombay-56.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kantilal Chimanlal Bhutwala,
 2. Smt. Lilavatiben Kantilal Bhutwala
 Shivdas Zaveri Sheri, Sagrampura,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underalgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4464, Shivdas Zaveri Sheri Sagrampura, registered in the month of July, 1982 at Surat.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 23-2-1983

eal;

## FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2102 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 22, Bholav situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:....

60-16GT/83

 Shantaben Thakorbhal Patel Village : Zadeshwar, Tal : Broach.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhupendrabhai Ravjibhai Patel Chairman of Harikrupa Co. Op. Hsg. Society, Makampura, Electric Board, Broach.
  - Shri Niranjan Ravjibhai Patel
     Shri Ritaben Niranjanbhai
  - Shri Pannaben Kiritbhai Patel opp: Gujo Elec. Board, Maktampura, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at S. No. 22, Bholav, registered in the month of July, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 23-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2101 Acq. 23/I/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 35/3, Bholav situated at Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranchhodbhai Bhurabhai Solanki
- (Transferor)
- (2) Shri Bhupendrabhai Ravjibhai Patel C/o Muktanand Tiles, Maktampur, Broach.

(Transferce)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property at S. No. 35/3, Bholav, registered in the month of July, 1982 at Broach.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 23-2-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th February 1983

Ref. No. P. R. No. 2103 Acq. 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Nondh No. 1786-1787, Gopipura, Ward No. 8 situated at

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) I. Shri Kishorbhai Thakorbhai Jadav 2. Shri Deepakbhai Kishorbhai Jadav

2. Shri Detpakbhai Kishoronai Jadav
Bajaj Rd. Villey Parle—West—Bombay.
3. Shri Jayant Thakorbhai Jadav
Sangam Socy. Athwa Lines, Surat.
4. Dhaneshbhai Thakorbhai Jadav
Sarjan Socy. Athwa Lines Surat.
5. Shri Lilayatiben Thakorbhai Jadav Kirparam Mehta Khancha, Gopipura,

(Transferor)

(2) 1. Maniben Uttamram 2. Mulchanddas Uttamram

3. Ishwarlal Uttaram 4. Mahendra Uttamram

Amadavadi Sheri, Navapura,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1786-1787, Kriparam Mehtana Khancha Surat, registered in the month of July, 1982 at Surat.

> R, R, SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 23-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd February 1983

Ref No. P. R. No. 2104 Acq. 23/II/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2-2-3 situated at Jetalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 249C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Ushaben Laljibhai Trivedi 2, Vrundavan Socy. Nr. Amrakunj Socy. Race Course Rd., (Transferor) 2, Vrundavan Socy.

Baroda. (2) Shri Parul Bhagirath Dave 2, Vrundavan Socy., Nr. Amrakunj Socy. Race Course Road Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used never as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 2-2-3 of Jetalpur adm. 977 sq. mtr. Document of transfer regd. with S.R. Baroda under No. 4160 dt. 26-7-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 22-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th March 1983

C. R. No. 62/35750/82-83/Acq. B,—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1024, situated at Thippasandra Village, HAL, III Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South under document No. 35750/82-83 on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Pushpa Jain W/o Shri L. P. Jain M/s. Ali Askar Road, Bangalore.

(Transferor)

Miss. Anne Mary Mathew
 Eagle Street,
 Longford Town,
 Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2869/82-83, dated August, 1982)

All that property bearing No. 1024 situated at Thippasandra Village, HAL III Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tau
Acquisition Range
Bangalore

Date: 8-3-1983

Scal :

NOTICE UNUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/35481/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 155/30 situated at I Main Road, Okalipuram 2nd Stage, Bangalorc-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram under document No. 1282/82-83 on 8-7-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri B. A. Rao S/o Late Ananda Rao No. 323, III Block, Rayajinagar, Bangalore-560 010.

(Transferor)

(2) Shrimati A. Sundar Mary W/o Mr. M. A. Amaldas No. 50, III Cross, Okalipuram, Bangalore-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1282/83-83, Dated 8-7-1982)

All that property bearing No. 155/30 situated at I Main Roal, Okalipuram, 2nd Stage, Bangalore-21.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 11-3-1983

Shri Rahmathulla Khan, No. 242, Thimmaiah Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Shaik Faiz Ahmed, 44/6, Millers Road Cross, Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th March 1983

C.R. No. 62/35790/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, situated at 11th cross, Sycd Khader Gardens, Clvil

Station, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1349/82-83 on 31-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1349/82-83 dated 31-7-1982). All that property bearing No. 6, situated at 11th Cross Road, Syed Khader Gardens, Civil Station, Bangalore.

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bungalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 10th Mrach 1983

C.R. No. 62/35623/82-83/Acq.B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Compretent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 411, situated at 12th Main Rajmahal Vilas Extn., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 1294/82-83 on 16-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sint. Alia Hussain Aga, No. 45, Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

1. Shri Vijay Kumar Arya,
 2. Mrs. Vimal Arya,

 Mr. Paln Kumar Arya, C/o Indian Roadways, No. 5/1, J. C. Road, Bangalore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1294/82-83 dated 16-7-82). All that property bearing No. 411 situated at Rajamahal Vilas Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 10-3-1983

Scal:

(1) Shri S. Shankarappa, 17A Street, East Link Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (2) (1) Smt. Leelabai Bhojani,
 (2) Master Nikhil Bhojani,
 No. 6, Shantinilaya, Chickpet, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 10th Mrach 1983

62/35649/82-83.—Whereas, 1 MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 318 (Old No. 341) situated at Avenue Road, Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 1328/82-83 on 21-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1328/82-83 dated 21-7-82). All that property bearing No. 318 D. No. 40 situated at Avenue Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-61-16GI/83

Date: 10-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 11th March 1983

C. R. No. 6235680/82-83./Acq./B.—Whereas, I, MANTU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. Nos. 37/I, 37/2, 37/3, 22/5D(22/2) & 22/8B situated at Channasandra village. Ultarahali Hobli, Bangalore South Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. under document No. 2484/82.83 on 16-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, hamely:—

 Sri N. Sitaram Bhat, 362, Banashankari II Stage, Bangalore-560070.

(Transferor)

 Shrimati Santhoshi S. Poojari, No. 207, S. M. Road, Balapet, Bangalore-53.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2484/82-83 dated 16-7-82]. All that property bearing Sy. Nos. 37/1, 37/2, 37/3, 22/5D (22/2) & 22/8B situated at Channasandra village, Ultarahalli Hobli, Bangalore South Taluka.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-1983

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 8th March 1983

No, 62/35675/82-83.—Whereas, I. R. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0000/-and bearing

No. 50 & 51, situated at Longford Road, Longford Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1239/82-83 on 22:7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Farhad Aga, No. 17, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore.

(Transferor)

M/s. Sunrisc Builders, reptd. by Mr. Arjun Ahuja, No. 4, Papanna Road, St. Marks Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1239/82-83 dated 22-7-82). All that property bearing No. 50 & 51 situated at Lingford Road, Longford town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-83

#### FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BÂNGALORE-560001

Bangalore, the 8th March 1983

C. R. No. 62/36061/82-83/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADH/IVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(Old No. 19), New No. 4, situated at Aga Abbas Ali Road, Bangalore and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1829/82-83 on 9-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or sther assets which have not been or which ought to be duclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--.

M/s. Jolly Bros. Ltd., . Lakshmi Insurance Bldg., Sir P. M. Road, Bombay-400001. Represented by its Managing Director, K. L. Jolly.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalesh T. Jolly, W/o Late T. N. Jolly, New No. 4, Aga Abbas Ali Road, Civil Station, Bangalore-560042.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afteresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immi able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1829/82-83 dated 9-7-82). All that property bearing New No. 4, (Old No. 19) situated at Aga Abbas Ali Road, Civil Station, Bangalore-42.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 9th March 1983

C. R. No. 62/35660/82-83/Aeq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 8, 13, 15, 16, 24, 25, 26, 14 situated at Sommenahalli, Kundan Hobli, Devanahalli Taluk

(and mote fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Devanahalli under document No. 474/82-83 on 16-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Narayanappa S/o Basappa,
 Sri Pillappa,
 S/o Byrappa, Devanahalli Taluk,
 Bhatta Marenhalli,
 Devanahalli Taluk.

(Transferor)

Leeladas Jagtyani,
 W/o Gopaldas,
 Kottige thimmanahalli,
 Devanahalli Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Officia Glazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 474/82-83 dated 6-7-82). All that property bearing survey Nos. 8, 13, 15, 16, 24, 25, 26 and 14 situated at Sonnenahalli, Kundan Hobli, Devanahalli Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 9-3-83

Seal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd March 1983

C. R. No. 62/35673/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. As per schedule situated at Bhatinda No. 1035, situated at HAL II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 1272/82-83 on 26-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) L. Ambikamma,
  "Ramya" Kizhakkumbhagam Kara,
  Ettumanoor Village, Kottayam Taluk,
  Kerela
- (2) Shri Thomas Mathews, C/o M. C. Abraham, 549, Indiranagar I stage, Bangalore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1272/82-83 dated 26-7-82). All that property bearing No. 1035, situated at HAL II Stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bangalore

Date: 3-3-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th March 1983

Ref. No. 62/35777/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. Nos. 119/1, 119/2, 119/3 situated at Budihal village, Kasaba Hobli, Nelamangala Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelamangala under document No. 401/82-83 on 17-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to helicus that the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Syed Ameer Jan No. 2, Davis Road, Balaji Layout, Bangalore-560004.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Kazi, No. 52, M. M. Garden, Nandidurg Jayamahal Extn., Bangalore. Road cross,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 401/82-83 dated 17-7-52). All that property bearing Sy. Nos. 119/1, 119/2 & 119/3, situated at Budihal village, Kasaba Hobli, Nelamangala Taluk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-3-83 Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 8th March 1983

C. R. No. 62/35475/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 704 situated at Binnamangala Layout, I Stage, Indirdnagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1052/82-83 on 6-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Syed Mohamed Mehdi Bokhari, S/o Syed Azeez, No. 24, 3rd Main, Kabeer Ashram Extn., Mattadahalli, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. K. T. Thomas, No. 710, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1052/82-83 dated 6-7-82). All that property bearing No. 704 situated at Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 8-3-83

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/35682/82-83/Acq./B.—Whereas, 1 MANJU MADHAV $\Lambda$ N,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 143, 144/1, (old No. 98/97) situated at Mysorc Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi under document No. 1264/82-83 on 17-7-82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
62—16GI/83

i

 Smt. K. Kasturi Karedi, Tamil Nadu, C/o 98/97, New No. 143, Mysore Road, Bangalore-26.

(Transferor)

(2) Shri N. Nagaraj, No. 31, Shankarmutt Road, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1264/82-83 dated 17-7-82]. All that property bearing No. 31 situated at Shaukarmutt Road, Bangalore-4.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-83 Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/35776/82-83/Acq./B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. 17/31, New No. 31/26 situated at III Main Road, N T pet, Bangalore-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Basavangudi under document No. 1314/82-83 on 22-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri D. Sitarama Rao,
 D. V. N. Kumar, D. S. Ramakrishna Rao,
 D. Narendra 150, peters Road,
 Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Murniraja Chetty, No. 1, Bull Temple Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1314/82-83 dated 22-7-82]. All that property bearing No. 17/31 New No. 31/26 situated at III Main Road, New Tharagupet, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bangalore

Date: 11-3-83

#### FROM I.T.N.S.~

(1) Shri D. Sitarama Rao, D.V.N. Kumar, D. S. Ramakrishna Rao & D. Narendram, 150, Peters Road, Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. S. Vishwanathan, No. 11 & 12, III Cross, II-Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 10th March 1983

Notice No. 62/35777/82-83/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 17/31, New No. 31/26 situated at III-Main Road, New Tharakepet, Bangalore-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi under document No. 1313/82-83 on 22-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1313/82-83 dt. 22-7-1984. All that property bearing No. 17/31 New No. 31/26, III-Main Road, New Tharagupet Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-3-1983

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 11th March 1983

Ref. No. 625774/82-83/Acq/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000- and 17/31, New No. 31/26 situated at III-Main Road, NT Pet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavangudi under document No. 1312/82-83 on 22-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dd Sitarama Rao, D.V.N. Kumar, D. S. Ramakrishna Rao & D. Narendra, 150, Peters Road( Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Rajanna Chetty No. 11 & 12 III-Cross, II-Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1312/82-83 dt. 22-7-1983). All that property bearing No. 17/31 New No. 31/26 situated at III-Main Road, New Tharagupet, Bangalore-18.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1983

Ref. No. C.R. 62/35667/82-83/Acq./B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 614/8, situated at South Cross Road, Basavangudi, Banga-lore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar under document No. 1186/82-83 on 2-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. Ramachandran, No. 164/8, South Cross Road, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) H. S. Natarajan No. 3, O.V.H. Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1186/82-83 dt. 2-7-1982)
All that property bearing No. 614/8, situated at South Cross Road, Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Kuttiappa, S/o Sri M. Munikalappa, No. 62, Doddigunta, Con Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri George Thomas, S/o Sri M. V. Thomas, No. 4, High Street Cross, Bangelore-5.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/35472/82-83/Acq./B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17 situated at 2nd Cross, Hutchins Road, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1109/82-83 on 12-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1109/82-83 dated 12-7-82]. All that property bearing No. 17, 2nd Cross Hutchins Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bancalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/523/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. 45

situated at Badepur, Gulbarga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 1003/82-83 on 24-7-1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hanumantharao S/o Gurulingappa Gulbarga. (Transferor)
- (2) Shiva Housing Co. Op. Society Mominpura Gulbarga, through President: Vijaya Kumar Hanamantha Rao, Gulbarga.

  (Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1003/82-83 dated 24-7-82). Land Sy. No. 45 to the extent of 3 Acre and 19 Gunthas. Out of 7 Acres and 19 Gunthas situated at Badepur, Gulbarga.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-83

#### FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th March 1983

C. R. No. 62/522/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land Sy. No. 45 situated at Badepur, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 986/82-83 on 24-7-82. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hanumantha Rao S/o Gurulingappa, Gulbarga.
  Transferer(s)
- (2) Shiva Housing Co-op. Society, Maminpura Gulbarga though President: Vijayakumar, mantha Rao, Gulbarga.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 986/82-83 dt. 24-7-1982). Land Sy. No. 45 to the extent of 4 Acres out of 7 Acres and 19 Gunthas situated at Badepur Gulbarga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 11-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th February 1983

Ref. No. C. R. 62/516/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

C.T.S. No. 237 &238 situated at M. G. Market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 979/82-83 on 29-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Neelavva W/o Sri Siddappa, Ichageri, Yelipet, M. G. Market, Hubli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Lalchand Bheekchand
2. Shri Narasilal Bheekchandaji
C/o M/s. Sha Dalichand Khanji & Co. M. G. Market, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 979/82-83, Dated 29-7-1983] The Property bearing C.T.S. No. 237 & 238 situated at M. G. Market, Hubli.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-2-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Adveppagowda Sildangowda Patil Rajatagiri, Dharwar.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Damodardas Singhania Vijayanagar, Hubli.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalorc-560 001, the 14th February 1983

M. R. No. 62/515/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 140, Sy. No. 75 situated at on the P. B. Road, National High Way, Navalur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharwar under document No. 907/82-83 on 6-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 907/82-83, dt. 14-2-1983.
Property situated in Block No. 140 bearing S. No. 75, on the P. B. Road, National High Way, Navalur Village, measuring 15 Acres and 26 Gunthus.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

Ref. No. C. R. 62/499/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. 22/P, 23/1P and 24/1P situated at Agrl. Lands situated near Kalasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere under document No. 412/82-83 on 30-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. V. Chandregounda Karakki K. Kelgur Village, Balehole P. O. Mudigero TQ.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Janapathy Gouda, Karakki. K. Kelagur Village Balchole P. O. Mudigere TQ.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 412/82-83 dt. 10-1-1983. Agricultural Lands bearing S. No. 22/P,23/1P and 24/1P situated near Kalasa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1983

C. R. No. 62/512/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. 98-1A, 99-2 & 99-2-A situated at Shyabanur Village, Davanagere Taluka

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Davanagere Under Document No. 2983 & 2984 on 26-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dr. H. K. Krishnaswamy
 S/o Late Shri Keshavaraj
 P. J. Extension, Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri Pampanagouda
S/o Shri Naganagouda
Punagagatta Village, Harapanahally, TQ.
Bellary Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2083 & 2984/82-83 dt. 26-8-82). Open sites situated at Door No. 1959-51 of Bapuji Vidyanagar Davanagere bearing Sy. 180. 98-2A, 99-2 and 99-2A.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1983

OFFICE'

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF NOIA

FINE INSPECTING ASSISTAN

ASSISTAN COMMIS-

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-360 001, the 20th February 1983

Ref. No. C. R. 62/517/82-83/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal Asst. No. 443 situated Hosadurga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hosadurga under document No. 293/82-83 on 19-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

54---16 GI/83

Smt. Afri A. Siddappa Setty Wtz. Road, Hosadurga, Haradurga, Dist.

(Transferor)

Smt. Sukanya W/o Shri B. Sridhar Propr. M/s. Sri Gurukripa Condiments Hosadurga Town, Chitradurga, Dist.

(Thansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 293/82-83. Dated 19-7-1982) Property bearing Municipal Assessment No. 443 situated at Hosadurga.

MANJU MADHAVAN
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. K. Minadeva Iyer K. Balasubananiam, West Basiyakaralu Road, RS Pyram, Coimbator.

(Transferor)

(2) Shri D. sadish, Nada

any, to the

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1983

. Ref. No. 12214.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/29, situated at Raja St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coimbatore (Doc. 3337/82) on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 28/39, Raja St., Coimbatore. (Doc. 3337/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 3-3-1983